रजिस्ट्री सं० डी० (डी०)-73 REGISTERED No. D. (D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सत्यमेव जयते

असाधारण में प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जून 21, 1980/ज्येष्ठ 31, 1902
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 21, 1980/JYAISTHA 31, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

वित्ति, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1980

का० आ० 1648.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैं० सिनफाइब्रे सेल्स कारपोरेशन के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 659/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है ।

[सं० 16/10/80-एम० 3]
सी० खुशालदास, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 7th June, 1980

S.O. 1648.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Synfibre Sales Corporation, under the said Act (Certificate of Registration No. 659/70).

[16/10/80M-III]
C. KHUSHALDAS, Director

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1980

आयकर

का०आ 1649.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने, आयकर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है :—

1.	1. वैज्ञानिक अनुसंधान प्रायोजना :	भारतीय उष्म कटिबन्धी स्थिति में बोस टौरस × बोस इन्डीकस ढोरों में जीनप्ररूपी पर्यावरणीय पारस्परिक क्रिया का अध्ययन
	2. प्रायोजनाकर्ता (क)	एसियन पेंट्स (इंडिया) लि०, मुम्बई
	3. प्रायोजना का स्थान (ख)	भारतीय एग्रो-इंडस्ट्रीज फाउंडेशन, उरुली कंचन, जिला पुणे
	4. अनुसंधान प्रायोजना की अवधि	5 वर्ष 1-12-1979 से
	5. आकलित व्यय	37,78,490 रु०
2.	1. वैज्ञानिक अनुसंधान प्रायोजना	विभिन्न वर्णशंकर बैलों की प्रारूपिक क्षमता और स्थानीय प्रजाति के बैलों से उनकी तुलना का अध्ययन
	2. प्रायोजनाकर्ता (क) :	एसियन पेंट्स (इंडिया) लि०, मुम्बई
	3. प्रायोजना का स्थान (ख) :	भारतीय एग्रो-इंडस्ट्रीज फाउंडेशन, उरुली कंचन, जिला पुणे
	4. अनुसंधान प्रायोजना की अवधि	1-12-1979 से 5 वर्ष,
	5 आकलित व्यय	11,83,982 रु०
3.	1. वैज्ञानिक अनुसंधान प्रायोजना :	विदेशज × स्थानीय वर्ण शंकर सांडों के शुक्र पर अध्ययन

	2. प्रायोजनाकर्ता (क)	एमियन पेण्ट्स (इंडिया) लि०, मुम्बई
	3. प्रायोजना का स्थान (ख)	भारतीय एग्रो-इंडस्ट्रीज फाउंडेशन, उरुली कंचन, जिला पुणे
	4. प्रायोजना की अवधि	5 वर्ष, 11-12-79 से
	5. आकलित व्यय	3,83,476 रु०
4.	1. वैज्ञानिक अनुसंधान प्रायोजना	महाराष्ट्र में डेयरी पशुओं का खोज-तत्वीय अध्ययन और उसके मृदा और चारा फसलों में स्टेट के साथ उसका संबंध
	2. प्रायोजनाकर्ता (क)	एमियन पेंट्स (इंडिया) लि०, मुम्बई
	3. प्रायोजना का स्थान (ख)	भारतीय एग्रो-इंडस्ट्रीज फाउंडेशन, उरुली कंचन, जिला पुणे
	4. प्रायोजना की अवधि	5 वर्ष, 1-12-1979 से
	5. आकलित व्यय	5,50,763 रु०

2. भारतीय एग्रो-इंडस्ट्रीज फाउंडेशन, उरुली कंचन, जिला पुणे को वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 88 (फा० सं० 11/15/69-आई टी ए 11) तारीख 23-3-1971 के अनुसार आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (i) (ii) के अधीन अनुमोदित किया जाता है ।

[सं० 3164/फा० सं० 203/192/78-आ० फा० अ० II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 29th January, 1980

INCOME TAX

S.O. 1949.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi.

1.	1. Scientific Research Project :	Study on geno-type environmental interaction in Bos Taurus X Bos indicus cattle under Indian Tropical conditions.
	2. Sponsored (a) by :	Asian Paints (India) Ltd., Bombay.
	3. Sponsored (b) at:	The Bharatiya Agro-Industries Foundation, Uruli Kanchan, Dist. Poona.
	4. Duration of Research Project :	5 years with effect from 1-12-1979.
	5. Estimated Expenditure:	Rs. 37,78,490/-
2.	1. Scientific Research Project :	Studies on draft capacity of various cross-bred bullocks and its comparison with bullocks of local breed.
	2. Sponsored (a) by :	Asian Paints (India) Ltd., Bombay.
	3. Sponsored (b) at :	The Bharatiya Agro-Industries Foundation, Uruli Kanchan, Dist. Poona.
	4. Duration of Research Project :	5 years w.e.f. 1-12-79.
	5. Estimated Expenditure:	Rs. 11,83,982/-
3.	1. Scientific Research Projects :	Studies on semen of exotic X local cross-bred bulls.
	2. Sponsored (a) by :	Asian Paints (India) Ltd., Bombay.
	3. Sponsored (b) at :	The Bharatiya Agro-Industries Foundation, Uruli Kanchan, Dist. Poona.
	4. Duration of Research Project :	5 years w.e.f. 1-12-79 .
	5. Estimated Expenditure :	Rs. 3,83,476/-
4.	1. Scientific Research Project :	Trace element studies of dairy cattle in Maharashtra and its relationship with status in Soil and fodder crops.
	2. Sponsored (a) by :	Asian Paints (India) Ltd., Bombay.
	3. Sponsored (b) at :	The Bharatiya Agro-Industries Foundation, Uruli Kanchan, Dist. Poona.
	4. Duration of Research Project :	5 years w.e.f. 1-12-1979.
	5. Estimated Expenditure:	Rs. 5,50,763/-

2. The Bharatiya Agro-Industries Foundation, Uruli Kanchan, District Poona, stands approved under Section 35(1)(ii) of the Income-tax Act , 1961 vide Ministry of Finance Notification No. 88 (F. No. 11/15/69-IIA. II) dated 23-3-1971.

[No. 3164/F. No. 203/192/78-ITA-II]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1980

आयकर

का० आ० 1650.—राजस्व विभाग, अधिसूचना सं० 1356 (फा० सं० 203/9/76-आई टी ए II), तारीख 17 जून, 1976 में, निम्नलिखित रूप में आगत: संशोधन करता है :—

सोसाइटी के नाम के पश्चात् कृपया निम्नलिखित जोड़ा जाए ।

यह अधिसूचना 31-3-1982 तक विधिमान्य है ।

[सं० 3203 फा० सं० 203/91/80-आई टी ए II]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th March, 1980

INCOME TAX

S.O. 1650.—The Department of Revenue partially amend the notification No. 1356 (F. No. 203/9/76-ITA-II) dated the 17th June, 1976 as under :—

The following may please be added after the name of the society.

This notification is valid upto 31-3-1982.

[No. 3203/F. No. 203/9/80-ITA.II]

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1980

आयकर

का० आ० 1651.—सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने आयकर अधिनियम, 1961 की

धारा 35 की उपधारा 2(क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित कर दिया है :—

1.	वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम का नाम :	भारत में अरक्ततताजन्य हृदय रोगों में जोखिम तथ्यों का निर्धारण।
2.	प्रयोजन स्थान :	अखिल भारतीय हृदय प्रतिष्ठा, नई दिल्ली।
3.	प्रायोजक :	अखिल भारतीय हृदय प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
	(i) दाताओं की सूची :	कृपया परिशिष्ट VI देखिए (प्रति संलग्न है)
4.	परियोजना की कालावधि :	10 वर्ष
	(i) आरंभ की प्रतिस्थापित तारीख :	28 फरवरी, 1980
	(ii) संपूर्ण होने की अनुमानित तारीख :	27 फरवरी, 1980
5.	प्राक्कलित व्यय : (i) साधित्र	40 लाख रु०
	(ii) कर्मचारिवृन्द	20 लाख रु०
	(iii) अन्य मदें	20 लाख रु०
	(iv) भवन	20 लाख रु०
	जोड़	100 लाख रु०
		(एक करोड़ रु० केवल)

2. उक्त परियोजना का अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

(i) यह कि प्रतिष्ठान इस अनुसंधान परियोजना के लिए प्राप्त और व्यय की गई रकमों का, अखिल भारतीय हृदय प्रतिष्ठान नई दिल्ली के अन्य व्ययों से भिन्न पृथक लेखा रखेगा ।

(ii) प्रतिष्ठान प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रतिवर्ष अधिक से अधिक 31 मई तक ऐसे प्ररूप में देगा, जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे संसूचित किया जाए ।

(iii) प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष के लिए लेखापरीक्षित लेखा की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रतिवर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंध आयकर आयुक्त को भी भेजेगा।

3. अखिल भारतीय हृदय प्रतिष्ठान, नई दिल्ली को वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 1873 (फा० सं० 203/87/77-आई टी ए II) तारीख 16 जुलाई, 1977 द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 35 (i)(ii) के अधीन अनुमोदित किया गया है ।

परिशिष्ट I

निम्नलिखित से दान की आशा है

	रु० (लाख)
1. एक्सकोर्टस लिमिटेड, दिल्ली	10
2. मोटर एण्ड जनरल फाइनेंस लिमिटेड, नई दिल्ली	10
3. लखोटिया एण्ड सन्स, कलकत्ता	20
4. गुडविल इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली	10
5. लार्सन एण्ड टूब्रो लिमिटेड, मुम्बई	20
6. फिलिप्स इण्डिया लिमिटेड, मुम्बई	10
7. इ० मर्च इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली	5
8. मैसर्स बिड़ला काटन स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल	5
9. मैसर्स भाई सुन्दर दास सरदार सिंह (प्रा०) लिमिटेड	2
10. रोटरी क्लब आफ इण्डिया	1
11. होचेस्ट (इण्डिया) लिमिटेड	1
12. दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी	1
13. बन्नू स्टार लिमिटेड	5
जोड़	100

[सं० 3219/फा० सं० 203/101/80-आई. टी. ए II]

New Delhi, the 20th March, 1980

INCOME TAX

S.O. 1651.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme have been approved for the period specified below for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, by the Indian Council of Medical Research, New Delhi :—

1.	Name of the scientific Research Programme:	"Assessment of risk factors in Ischaemic heart disease in India".
2.	Sponsored at:	All India Heart Foundation, New Delhi.
3.	Sponsored by :	All India Heart Foundation, New Delhi.
	(i) List of donors.	Please see to Appendix VI (copy enclosed).
4.	Duration of Project :	10 years.
	(i) Proposed date of Commencement :	28 February, 1980
	(ii) Anticipated date of completion :	27th February, 1990.
		(Rupees in lakhs)
5.	Estimated Expenditure: (i) Equipment	40
	(ii) Staff	20
	(iii) Other items	20
	(iv) Building	20
	Total	100
		(Rs. One crore only).

2. The approval for the above project will be subject to the following conditions :—

(i) That the foundation will maintain a separate account of the amounts received and expenditure incurred for this research project as distinct from the other expenditure of the All India Heart Foundation, New Delhi.

(ii) That the Foundation will furnish annual returns of this scientific research project to the Council for each financial year by 31st Day each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(iii) That the Foundation will furnish a copy of the annual audited statement of account to the Council for each year by 31st May each year and in addition to send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

3. The All India Heart Foundation, New Delhi, has been approved under Section 35(I) (ii) of the Income-tax Act vide Ministry of Finance, Department of Revenue, Notification No. 1873 (F. No. 203/87/77-ITA II, dated the 16th July, 1977.

APPENDIX VI

Donors expected from the following

	(Rs. in lakhs)
1. Excorts Ltd., Delhi	10
2. Motor and General Finance Ltd., N. Delhi	10
3. Lakhotia and Sons., Calcutta	20
4. Goodwill India Ltd., New Delhi	10
5. Larsen & Toubro Ltd., Bombay	20
6. Philips India Ltd., Bombay	10
7. E. Merch India Ltd., New Delhi	5
8. M/s Birla Cotton Spg. & Wvg. Mill	5
9. M/s. Bhai Sunder Dass Sardar Singh (P) Ltd.	2
10. Rotary Club of India	1
11. Hoechst (India) Ltd.	1

	(Rs. in lakhs)
12. Delhi Sikh Gurdwara Management Committee .	1
13. Blue Star Ltd., ...	5
TOTAL	100

[No. 3219/F.No.203/101/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1980

का०आ० 1652—सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान संगम प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा ।

(ii) संगम प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूप में देगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए ।

(iii) संगम प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मई तक परिषद् को लेखापरीक्षित लेखा का वार्षिक विवरण देगा और इसके साथ ही इसकी एक प्रति सम्बद्ध आय कर आयुक्त को भी भेजेगा ।

(वैज्ञानिक अनुसंधान संगम)

चिकित्सा शिक्षा की अभिवृद्धि के लिए भारतीय संगम, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 25-2-1980 से 24-2-1983 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी ।

[सं० 3222/फा० सं० 203/103/80-आई टी ए II]

New Delhi, the 25th March, 1980

S.O. 1652.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—

(i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(iii) That the Association will furnish an annual audited statement of accounts to the Council for each financial year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income tax Commissioner.

(Scientific Research Association) Indian Association for the advancement of Medical Education, New Delhi.

The notification is effective for a period of 3 years from 25-2-1980 to 24-2-1983.

[No. 3222/F. No. 203/103/80-ITA II]

का०आ० 1653.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1916 (फा० सं० 203/20/77-आ० क० अ० II) तारीख 4-8-1977 के अनुक्रम में सर्व-साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था का आय-कर अधिनियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान संगम के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् —

(i) यह कि संस्थान चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक रखेगा ।

(ii) संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष अधिक से अधिक 31 मई तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाए और उसे सूचित किए जाए ।

(iii) संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक परिषद् को लेखा की लेखा परिक्षित वार्षिक विवरणी भेजेगा और इसके साथ ही इसकी एक प्रति सम्बद्ध आय-कर आयुक्त को भी भेजेगा ।

वैज्ञानिक अनुसंधान संगम मौलाना आजाद मेडिकल कालेज नई दिल्ली ।

यह अधिसूचना 4-8-1979 से 3 अगस्त, 1982 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी ।

[सं० 3223/फा० सं० 203/103/80-आई टी ए II]

S.O. 1653.—In continuation of this Department's notification No. 1916 (F. No. 203/20/77-ITA-II) dated 4-8-1977, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

(i) That the Institute will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each year by 31st May each year at the latest in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(iii) That the Institute will furnish an annual audited statement of accounts to the Council for each year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income tax Commissioner.

(Scientific Research Association) Maulana Azad Medica College, NEW DELHI.

The notification is effective for a period of 3 years from 4-8-1979 to 3rd August, 1982.

[No. 3223/F. No. 203/103/80 ITA-II

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1980

का०आ० 1654.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1812/फा० सं० 204/35/77-आई टी ए II, तारीख 7-6-1977 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विभाग और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को, आयकर नियम, 1962 के नियम 6(i) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के

प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि दक्कन चीनी अनुसंधान संस्थान, पुणे प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक रूप से रखेगा।

(ii) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

(वैज्ञानिक अनुसंधान संगम)

दक्कन चीनी अनुसंधान संस्थान, पुणे।

यह अधिसूचना 1-4-1980 से 31-3-1982 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त होगी।

[सं० 3229/फा० सं० 203/109/80-आई टी ए II]

New Delhi, the 2nd April, 1980

S.O. 1654.—In continuation of the Deptt.'s notification No. 1812 (F. No. 203|35|77-ITA-II) dated 7-6-1977, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

(i) that the Deccan Sugar Research Institute, Pune, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than agricultural|animal husbandry|fisheries and medicines).

(ii) That the said institution will furnisnh the annual return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

INSTITUTION

(Scientific Research Association) The Deccan Sugar Research Institute, PUNE.

This notification is effective for a period of 2 years from 1-4-1980 to 31-3-1982.

[No. 3229|F. No. 203|109|80-ITA-II]

नई दिल्ली, 10 अप्रैल 1980

का०आ० 1655.—इस विभाग की अधिसूचना सं. 2316 (फा० सं० 203/46/78-आई टी ए II) तारीख 26-5-1978 के अनुक्रम में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को, आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम)" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक रूप

(ii) यह कि संस्था प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई, तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(iii) यह कि संस्था प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई, तक भेजेगी और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगी।

वैज्ञानिक अनुसंधान संगम
चिकित्सा अनुसंधान प्रतिष्ठान, मद्रास

यह अधिसूचना 18-5-1980 से 17-5-1983 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3225/फा० सं० 203/27/80-आई टी ए-II]

New Delhi, the 10th April, 1980

S.O. 1655.—In continuation of this Department's notification No. 2316 (F. No. 203/46/78-ITA-II dated 26-5-1978, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

(i) That the Institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the Institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(iii) That the Institution will furnish an annual audited statement of accounts to the Council for each year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

Scientific Research Association Medical Research Foundation, Madras.

The notification is effective for a period of 3 years from 18-5-1980 to 17th May, 1983.

[No. 3225|F. No. 203|27|80-ITA-II]

का० आ० 1656—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है :—

1. वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम का नाम	"डोमिसिलियरी स्पीच चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक और श्रवण विज्ञान संबंधी अध्ययन"
2. प्रयोजन स्थल	सर हरकिसन दास नरोत्तमदास अस्पताल चिकित्सा अनुसंधान सोसाइटी, मुम्बई
3. प्रायोजक	(1) मैसर्स तन्ना एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०, तन्ना हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, मुम्बई-400039 (2) मैसर्स विनोद राय मणिलाल एण्ड कं० प्रा० लि०, सर विट्ठलदास लेन, मूलजी जेठा मार्केट, बम्बई-2.

(3) मैसर्स ओचवलाल एण्ड संज, 614, कृष्णनाराज गली मूलजी जेठा मार्केट, मुम्बई-400002.

(4) मैसर्स पर्फेक्ट मशीन टूल्स प्रा० लि०, बेल बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, मुम्बई-400001.

4. परियोजना की कालावधि	पांच वर्ष
(1) प्रारम्भ होने की प्रस्तावित तारीख	11 मार्च, 1980
(2) पूरा होने की प्रत्याशित तारीख	10 मार्च, 1985
5. प्राक्कलित लागत	12,07,300 रु०

उपरोक्त परियोजना के लिए अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :—

(1) यह कि संस्था सर हुर किशन दास नरोत्तमदास अस्पताल चिकित्सा अनुसंधान सोसाइटी मुम्बई के अन्य व्ययों से सुभिन्न इस अनुसंधान परियोजना के लिए प्राप्त रकमों और किए गए व्ययों का हिसाब पृथक से रखेगा।

(2) उक्त संस्था प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपनी इस वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना की एक वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(3) उक्त संस्था प्रत्येक वर्ष के लिए लेखा के वार्षिक संपरीक्षित विवरण की प्रति परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगी और इसके अतिरिक्त एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगी।

सर हुर किशन दास नरोत्तमदास अस्पताल चिकित्सा अनुसंधान सोसाइटी मुम्बई को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i)(ii) के अधीन अनुमोदित कर दिया गया है, देखिए वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 560 (फा० सं० 203/67/73-आई टी ए II), तारीख 15 फरवरी, 1974।

[सं० 3236/फा० सं० 203/111/80-आई टी ए-II]

S.O. 1656—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme have been approved for the period specified below for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, by the Indian Council of Medical Research, New Delhi :—

1. Name of the Scientific Research Programme :	"Domiciliary Speech Therapy —a Therapeutical, Psychological and Audiological Study".
2. Sponsored at :	Sir Hurkisandas Nurrotumdas Hosptial Medical Research Society, Bombay.
3. Sponsored by :	(1) M/s. Tanna Exporters Pvt. Ltd., Tanna House, Nathalal Parekh Marg, Bombay-400039. (2) M/s. Vinodrai Manilal & Co. Pvt. Ltd., Sir Vithaldas Lane, Mulji Jetha Market, Bombay-2. (3) M/s. Ochavlal & Sons, 614, Krishnaraj Galli, Mulji Jetha Market, Bombay-400002. (4) M/s Perfect Machine Tools Pvt. Ltd., Bell Bldg., Sir P.M. Road, Bombay-400001.
4. Duration of project :	Five Years.
(1) Proposed date of commencement :	11th March, 1980.
(2) Anticipated date of completion :	10th March, 1985.
5. Estimated Expenditure :	Rs. 12,07,300/-

The approval for the above project will be subject to the following conditions :—

(1) That the institution will maintain a separate account of the amounts received and expenditure incurred for this research project as distinct from the other expenditure of the Sir Hurkisandas Nurotumdas Hospital Medical Researh Society, Bombay.

(2) That the institution will furnish annual returns of this scientific research project to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(3) That the institution will furnish a copy of the annual audited statement of account to the Council for each year by 31st May each year and in addition to send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

The Sir Hurkisondas Nurrotumdas Hospital Medical Research Society, Bombay has been approved under Section 35(1) (ii) of the Income-tax Act, 1961 vide Ministry of Finance, Department of Revenue, Notification No. 560 (F. No. 203/67/73-I.T.A.II), dated the 15th February, 1974.

[No. 3236/F.No. 203/111/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1980

का० आ० 1657.—सर्व साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात्, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि फार्ब्स अनुसंधान केन्द्र प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक रखेगा।

(ii) यह कि उक्त केन्द्र प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

वैज्ञानिक अनुसंधान संगम
फार्ब्स अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 9-11-1979 से 8-11-1982 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 3250/फा० सं० 203/161/79-आई टी ए II]
जे० पी० शर्मा, निदेशक

New Delhi, the 19th April, 1980

S.O. 1657.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961

read with Rule 6(IV) of the I.T. Rules, 1962 under the category of "Association" in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

(i) that the Forbes Research Centre will maintain a separate account of the sum received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than Agriculture/Animal Husbandry/ Fisheries & Medicines).

(ii) That the said Centre will furnish the annual return of its Scientific Research Activities to the prescribed authority for every year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.

Scientific Research "Association Forbes Research Centre, New Delhi.

This notification is effective for a period of three years from 9-11-1979 to 8-11-1982.

[No. 3250/F. No. 203/161/79-ITA-II]
J. P. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 12 मई, 1980

का० आ० 1658.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की 7 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० 2394 (फा० सं० 404/104/77-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री टी० टी० जोसफ और श्री के० एस० हमीद" शब्दों तथा अक्षरों के स्थान पर "श्री के० एस० हमीद" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं० 3293/फा० सं० 398/9/80-आ० क० स० क०]

New Delhi, the 12th May, 1980

S.O. 1658.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 2394 (F. No. 404/104/47-ITCC), dated 7-7-78 namely in the said Notification for the words and letters "Sarvashri T. T. Joseph and K. S. Hameed" the words and letters "Shri K. S. Hameed" shall be substituted.

[No. 3293/F. No. 398/9/80-ITCC]

का० आ० 1659.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री के० जे० अंथाप्पन को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री के० जे० अंथाप्पन द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3295/फा० सं० 398/9/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1659.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri K. J. Anthappan being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2.. This Notification shall come into force with effect from the date Shri K. J. Anthappan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3295/F. No. 398/9/80-ITCC]

नई दिल्ली, 15 मई, 1980

का० आ० 1660.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री आर० आर० चान्दीरामानी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 दिनांक 29-8-78 की अधिसूचना सं० 2448 (फा० सं० 404/26/78-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत श्री आर० जे० शाह की कर वसूली अधिकारी के रूप में की गई नियुक्ति, जिसे दिनांक 22-1-1980 की अधिसूचना सं० 3162 (फा० सं० 398/1/80-आ० क० स० क०) द्वारा संशोधित किया गया था, एतदद्वारा रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना श्री आर० आर० चान्दीरामानी द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3297/फा० सं० 398/1/80-आ० क० स० क०]

New Delhi, the 15th May, 1980

S.O. 1660.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), The Central Government hereby authorises Shri R. R. Chandiramani being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri R. J. Shah as Tax Recovery Officer made under Notification No. 2448 (F. No. 404/26/78-ITCC), dated 29-8-78 and modified vide No. 3162 (F. No. 398/1/80-ITCC) dated 22-1-1980 is hereby cancelled.

3. The Notification shall come into force with effect from the date Shri R. R. Chandiramani takes over the charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3297/F. No. 398/1/80-ITCC]

का० आ० 1661.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, और दिनांक 1 अक्तूबर, 1975 की अधिसूचना संख्या 1112 (फा० सं० 404/153/75-आ० क० स० क०) का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री सी० एल० वाली को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री सी० एल० वाली द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3299/फा० सं० 398/7/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1661.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961), and in supersession of Notification No. 1112 (F. No. 404/153/75-ITCC), dated 1-10-75 the Central Government hereby authorises Shri C. L. Wali being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri C. L. Wali takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3299/F. No. 398/7/80-ITCC]

का० आ० 1662.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री एम० चिदम्बरा थानुपिल्लै को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. 23 अप्रैल, 1976 की अधिसूचना संख्या 1299(फा० सं० 404/95/76-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत की गई श्री पी० सुन्दराजन की नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

3. यह अधिसूचना श्री एम० चिदम्बरा थानु पिल्लै द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[सं० 3305/फा० सं० 398/6/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1662.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri M. Chidambara thanu pillai, being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri Sundarajan made under Notification No. 1299 (F. No. 404/95/76-ITCC, dated 23-4-76 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri M. Chidambara thanu pillai takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3305/F. No. 398/5/80-ITCC]

का० आ० 1663—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एन० बालासुन्दरम् को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री एन० बालासुन्दरम् द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

3. 6 अगस्त, 1976 की अधिसूचना संख्या 1432 (फा० सं० 404/95/76-आ० क० स० क०) के अधीन की गई श्री वी० राघवन् की नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[सं० 3307/फा० सं० 398/6/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1663.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri N. Balasundaram being a Gazetted Officer of the Central Govt. to exercise the Powers of a T.R.O. under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri N. Balasundaram takes over charge as Tax Recovery Officer.

3. The appointment of Shri V. Raghavan made under Notification No. 1432 (F. No. 404/95/76-ITCC), dated 6-8-76 is hereby cancelled.

[No. 3307/F. No. 398/6/80-ITCC]

का० आ० 1664—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० तिरुवरंगम को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री आर० तिरुवरंगम द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

3. 11 मई, 1977 की अधिसूचना सं० 1770 (फा० सं० 404/103/77-आ० क० स० क०) के अधीन की गई श्री एन० सैयद अब्दुल रजाक़ की नियुक्ति, जिसमें बाद में 1 मई, 1979 की अधिसूचना संख्या 2793 (फा० सं० 404/97/79-आ० क० स० क०) द्वारा संशोधन किया गया था, एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[सं० 3309/फा० सं० 398/6/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1664.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri R. Thiruvarangam being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri R. Thiruvarangam takes over charge as Tax Recovery Officer.

3. The appointment of Shri N. Syad Abdul Razaaq made under Notification No. 1770 (F. No. 404/103/77-ITCC) dated 11-5-77 and subsequently modified vide No. 2793 (F. No. 404/97/79-ITCC) dated 1-5-79 is hereby cancelled.

[No. 3309/F. No. 398/6/80-ITCC]

का० आ० 1665—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री यू० सदायन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री यू० सदायन द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

3. 1 जून, 1977 की अधिसूचना संख्या 1798 (फा० सं० 404/103/77-आ० क० स० क०) के अधीन की गई श्री वी० मूर्ति और श्री वी० एस० रामलिंगम की नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[सं० 3311/फा० सं० 398/6/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1665.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri U. Sadayan being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri U. Sadayan takes over charge as Tax Recovery Officer.

3. The appointment of Shri V. Moorthy and Shri V.S. Ramalingam made under Notification No. 1798 (F. No. 404/103/77-ITCC) dated 1-6-77 is hereby cancelled.

[No. 3311/F. No. 398/6/80-ITCC]

का० आ० 1666—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री सी० डी० ज्ञानैया को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री सी० डी० ज्ञानैया द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

3. 18 अगस्त, 1978 की अधिसूचना संख्या 2472 (फा० सं० 404/103/77-आ० क० स० क०) के अधीन की गई श्री के० मीनाक्षी सुन्दरम् की नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

[सं० 3313/फा० सं० 398/6/80-आ० क० स० क०]

S.O. 1666.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri C. D. Gnaniah being a Gazetted Officer of Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri C. D. Gnaniah takes over charge as Tax Recovery Officer.

3 The appointment of Shri K. Meenakshi Sundaram made under Notification No. 2472 (F. No. 404/103/77-ITCC) dated 18-8-78 is hereby cancelled.

[No. 3313/F. No. 398/6/80-ITCC]

का० आ० 1667—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री वी० जी० अय्यर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. दिनांक 1 मई, 1979 की अधिसूचना संख्या 2795 (फा० सं० 404/97/क० व० अ० तमिलनाडु/79-आ० क० स० क०) के अधीन की गई श्री जे० श्रीनिवासन की नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है ।

3. यह अधिसूचना श्री वी० जी० अय्यर द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[सं० 3315/फा० सं० 398/6/80-आ० क०सा०क०]

S.O. 1667.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Goverment hereby authorises Shri V. G. Iyer, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri J. Srinivasan made under Notification No 2795 (F. No. 404/07/TRO-TN/79-ITCC, dated 1-5-79 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri V. G. Iyer takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3315/F. No. 398/6/80-ITCC]

का०आ० 1668—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आई० आर० कण्णन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री आई० आर० कण्णन द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्य-भार ग्रहण करने की तरीख से लागू होगी ।

[सं० 3317/फा० सं० 398/6/80-आ० क० सा० क०]

S.O. 1668.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri I. R. Kannan, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri I. R. Kannan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3317/F. No. 398/6/80-ITCC]

का०आ० 1669—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए और 1 सितम्बर, 1979 की अधिसूचना संख्या 2492 (फा० सं० 404/126/77-आ० क० सा० क०) के अधिलंघन में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ओ० पी० अग्रवाल को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री ओ० पी० अग्रवाल द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[संख्या 3319/फा० सं० 398/2/80-आ० क० सा० क०]

S.O. 1669.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of Notification No. 2492 (F. No. 404/126/77-ITCC), dated 1-9-1978, the Central Government hereby authorises Shri O. P. Agarwal, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri O. P. Agarwal takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3319/F. No. 398/2/80-ITCC]

का०आ० 1670—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री मांगे राम को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री मांगे राम द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[संख्या 3321/फा० सं० 398/2/80-आ० क० सा० क०]

S.O. 1670.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Mange Ram, being Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Mange Ram takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3321/F. No. 398/8/80-ITCC]

का०आ० 1671—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए और 15 जून, 1979 की अधिसूचना संख्या 2863 (फा० सं० 404/111/79-आ० क० सा० क०) का अधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री यू० एस० ढींगरा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री यू० एस० ढींगरा द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[संख्या 3323/फा० सं० 398/2/80-आ० क० सा० क०]

S.O. 1671.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification No. 2863 (F. No. 404/111/79-ITCC), dated 15-6-79 the Central Government hereby authorises Shri U. S. Dhingra, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri U. S. Dhingra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3323/F. No. 398/2/80-ITCC]

का०आ० 1672—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए और 16 मई, 1979 की अधिसूचना संख्या 2813 (फा० सं० 404/111/79-आ० क० सा० क०) का अधिलंघन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री ओ० एन० दीक्षित को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त

अधिनियम के अन्तर्गत कर-वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना श्री ओ० एन० दीक्षित द्वारा कर-वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी ।

[संख्या 3325/फा० सं० 398/2/80-आ० क० स० क०]

एच० वेंकटरामन, उप सचिव

S.O. 1672.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of the Section 2 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), and in supersession of Notification No. 2813 (F. No. 404/111/79-ITCC) dated 16-5-79 the Central Government hereby authorises Shri O. N. Dixit being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri O. N. Dixit takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3325/F. No. 398/2/80-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड)

नई दिल्ली, 7 जून, 1980

का०आ० 1673.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

I. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद
- (क) मुख्यालय, इलाहाबाद
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, इलाहाबाद
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, मिर्जापुर
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, वाराणसी
- (ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, गोरखपुर
- (च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, लखनऊ
- (छ) सीमा-शुल्क प्रभाग, गोरखपुर
- (ज) सीमा-शुल्क प्रभाग, लखनऊ

II. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-I
- (क) मुख्यालय, बम्बई
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-ए, बम्बई
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-ई, बम्बई
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-एफ, बम्बई
- (ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-जी, बम्बई
- (च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-के, बम्बई
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-पी, बम्बई
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, आर-बम्बई

III. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-II
- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, कल्याण-I
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, कल्याण-II

IV. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अपीलीय समाहर्ता, बम्बई

V. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली
- (क) मुख्यालय, दिल्ली
- (ख) एम० ओ० डी०-II दिल्ली
- (ग) एम० ओ० डी०-III, दिल्ली
- (घ) विदेशी डाकघर कार्यालय, दिल्ली
- (ङ) हवाई सीमा-शुल्क, पालम, नई दिल्ली
- (च) हवाई माल आयात और साथ में लाया गया यूनिट, पालम, नई दिल्ली
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, फरीदाबाद
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रोहतक
- (झ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, अम्बाला

VI. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इन्दौर
- (क) मुख्यालय, इन्दौर
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, इन्दौर
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, उज्जैन
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, भोपाल
- (ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, जबलपुर
- (च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, सागर
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, रायपुर
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, ग्वालियर
- (झ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रतलाम

VII. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, मेरठ
- (क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रामपुर
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, मुरादाबाद

VIII. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, नागपुर
- (क) मुख्यालय, नागपुर
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, अमरावती
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, नागपुर-I
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, नागपुर-II

IX. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, पूणे
- (क) मुख्यालय, पूणे
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, पूणे-I
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, पूणे-II
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, पूणे-III
- (ङ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, नासिक
- (च) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, कोल्हापुर
- (छ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभाग, शोलापुर
- (ज) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, औरंगाबाद
- (झ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रत्नागिरी
- (ट) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, महाबलेश्वर

X. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई

XI. केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली

XII. संगठन और प्रबंध सेवाएं निदेशालय, नई दिल्ली

XIII. नारकोटिक्स आयुक्त, ग्वालियर

[सं० 3/80 प्रशासन/फा० सं० ई०-11017/18/79-प्रशा०-4क]

ए० पी० गुलाटी, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE & CUSTOMS

New Delhi, the 7th June, 1980

S. O. 1673.—In pursuance of sub-rule (4) of rule of 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Central Board of Excise & Customs, the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :

I. Collectorate of Central Excise, Allahabad
(a) Headquarters' Office Allahabad
(b) Central Excise Division, Allahabad
(c) Central Excise Division, Mirzapur

(d) Central Excise Division, Varansi
(e) Central Excise Division, Gorakhpur
(f) Central Excise Division, Lucknow
(g) Customs Division, Gorakhpur
(h) Customs Division, Lucknow

II. Collectorate of Central Excise, Bombay-I
(a) Headquarters, Bombay
(b) Central Excise Division-A, Bombay
(c) Central Excise Division-E, Bombay
(d) Central Excise Division-F, Bombay
(e) Central Excise Division-G, Bombay
(f) Central Excise Division-K, Bombay
(g) Central Excise Division-P, Bombay
(h) Central Excise Division-R, Bombay

III. Collectorate of Central Excise, Bombay-II
(a) Central Excise Division, Kalyan-I
(b) Central Excise Division, Kalyan-II

IV. Appellate Collectorate of Central Excise, Bombay

V. Collectorate of Central Excise, Delhi
(a) Headquarters, Delhi
(b) M.O.D. II, Delhi
(c) M.O.D. III, Delhi
(d) Foreign Post Office, Delhi
(e) Air Customs, Palam, New Delhi
(f) Air-Cargo Imports and Baggage Unit, Palam, New Delhi
(g) Central Excise Division, Faridabad
(h) Central Excise Division, Rohtak
(i) Central Excise, Division, Ambala

VI. Collectorate of Central Excise, Indore
(a) Headquarters, Indore
(b) Central Excise Division, Indore
(c) Central Excise Division, Ujjain
(d) Central Excise Division, Bhopal
(e) Central Excise Division, Jabalpur
(f) Central Excise Division, Sagar
(g) Central Excise, Division, Raipur
(h) Central Excise Division, Gwalior
(i) Central Excise Division, Ratlam

VII. Collectorate of Central Excise, Meerut
(a) Central Excise Division, Rampur
(b) Central Excise Division, Moradabad

VIII. Collectorate of Central Excise, Nagpur
(a) Headquarters, Nagpur
(b) Central Excise Division, Amravati
(c) Central Excise Division, Nagpur-I
(d) Central Excise Division, Nagpur-II

IX. Collectorate of Central Excise, Pune.
(a) Headquarters, Pune
(b) Central Excise Division, Pune-I
(c) Central Excise Division, Pune-II
(d) Central Excise Division, Pune-III
(e) Central Excise Division, Nasik
(f) Central Excise Division, Kolhapur
(g) Central Excise Division, Sholapur
(h) Central Excise Division, Aurangabad
(i) Central Excise Division, Ratnagiri
(j) Central Excise Division, Mahabaleshwar

X. Central Excise Laboratory, Bombay

XI. Central Revenue Control Laboratory, New Delhi

XII. Directorate of Organisation & Management Services, New Delhi.

XIII. Narcotics Commissioner, Gwalior

[No. 3/80-Admn./F. No. E-11017/18/79-Ad. IV-A.]
A. P. GULATI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 जून, 1980

का० आ० 1674.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (छ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नीचे की सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को उनमें से प्रत्येक के सामने उसी सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर सारणी के कालम (1) में दिये गए राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है :—

सारणी

1	2	3
1. यूनाइटेड कमर्शियल बैंक	श्री जी० एस० सबरवाल, संयुक्त मुख्य अधिकारी, बैंकिंग परिचालन तथा विकास विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, कफ परेड कोलाबा, बम्बई-400005.	डा० एस० ए० मजुमदार
2. केनारा बैंक	डा० एस० ए० मजुमदार, परामर्शदाता, आर्थिक विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई-400001.	श्री सी० एस० सुब्रह्मण्यम
3. इलाहाबाद बैंक	श्री वी० एम० सुंदर राज, निदेशक, आर्थिक विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई-400001.	श्री जी० एस० सबरवाल

[सं० एफ० 9/18/80-बी० ओ०-I]
च० ब० मीरचंदानी, उप सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 2nd June, 1980

S.O. 1674.— In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table :

TABLE

1	2	3
1. United Commercial Bank	Shri G.S. Saberwal, Joint Chief Officer, Department of Banking Operations and Development, Reserve Bank of India, Central Office, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.	Dr. N.A. Mujumdar
2. Canara Bank	Dr. N.A. Mujumdar, Adviser, Economic Department, Reserve Bank of India, Bombay-400001.	Shri C.S. Subramaniam
3. Allahabad Bank	Shri V.M. Sunder Raj, Director, Economic Department Reserve Bank of India, Central Office, Bombay-400001.	Shri G.S. Saberwal

[No. F. 9/18/80 B.O. I]

C.W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1980

आयकर

का०आ० 1675.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 [फा० सं० 187/2/74-आई० टी० (ए-1)] तारीख 20 जुलाई, 1974 से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

2. क्रम सं० 12 और 12क के सामने स्तंभ सं० 3 के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी ।

अनुसूची

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
12. बैंगलोर	बैंगलोर	1. चिकमंगलूर सर्किल, चिकमंगलूर 2. सर्किल-I (वार्ड I से X तक) बंगलौर 3. सर्किल-I वार्ड XI, XII, XIII, XIV और ठेकेदार I एण्ड II, बैंगलोर 4. सर्किल II, बैंगलोर 5. सर्किल III, बैंगलौर 6. कम्पनी सर्किल I से VI तक बैंगलोर 7. कुर्ग सर्किल मेरकारा 8. सम्पदा शुल्क और आयकर सर्किल, बंगलौर 9. संपदा शुल्क और आयकर सर्किल, बंगलौर 10. विदेश अनुभाग, बैंगलौर 11. हसन सर्किल, हसन 12. कोलार, सर्किल, कोलार 13. मंड्या सर्किल, मंड्या 14. मैंगलोर सर्किल, बैंगलोर
12क बेलगांम	बेलगाम	1. बगलकोट सर्किल, बगलकोट 2. बैल्लारी सर्किल, बेल्लारी 3. बेलगाम सर्किल, बेलगाम 4. बीजापुर सर्किल, बीजापुर 5. चित्रदुर्ग सर्किल, चित्रदुर्ग 6. देवनागिरी सर्किल, देवनागिरी 7. धारवाड़ सर्किल, धारवाड़ 8. सम्पदा-शुल्क और आयकर सर्किल, हुबली 9. गडग सर्किल, गडग 10. गुलबर्ग सर्किल, गुलबर्ग 11. होस्पेट सर्किल, होसपेट 12. हुबली सर्किल, हुबली 13. कारवाड़ सर्किल, कारवाड़ 14. मारगाओ सर्किल, मारगाओ 15. पणजी सर्किल, पणजी 16. रायचूर सर्किल, रायचूर 15. मैसूर सर्किल, मैसूर 16. बेलन सर्किल, बैंगलोर 17. शिमोगा सर्किल, शिमोगा 18. विशेष सर्वेक्षण सर्किल, बैंगलौर 19. न्यास सर्किल, बैंगलोर 20. तुमकुर सर्किल, तुमकुर 21. उडीपी सर्किल, उडीपी

यह अधिसूचना 1-5-1980 से प्रभावी होगी ।

[सं० 3243/फा० सं० 187/38/79-आई०टी० (ए०-I)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 8th April, 1980

INCOME TAX

S. O. 1675.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the schedule appended to its notification No. 679 (F. NO. 187/2/74-IT(AI) dated 20th July 1974, as amended from time to time.

2. Existing entries under cloumn No. 3 against serial No. 12 and 12A shall be substituted by the following entries

SCHEDULE

Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
12. Bangalore	Bangalore	1. Chickamagalur Circle, Chickamagalur. 2. Circle-I (Wards I to X) Bangalore. 3. Circle-I (Wards XI/XII, XIII, XIV and contractors-I & II, Bangalore. 4. Circle-II, Bangalore. 5. Circle-III, Bangalore. 6. Company Circles-I to VI, Bangalore. 7. Coorg Circle, Mercara. 8. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Bangalore. 9. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Mangalore. 10. Foreign Section, Bangalore. 11. Hassan Circle, Hassan. 12. Kolar Circle, Kolar. 13. Mandya Circle, Mandya. 14. Mangalore Circle, Mangalore. 15. Mysore Circle, Mysore. 16. Salary Circle, Bangalore. 17. Shimoga Circle, Shimoga. 18. Special Survey Circle, B'lore. 19. Trust Circle, Bangalore. 20. Tumkur Circle, Tumkur. 21. Udipi Circle, Udipi.
12A. Belgaum	Belgaum	1. Bagalkot Circle Bagalkot. 2. Bellary Circle, Bellary. 3. Belgaum Circle, Belgaum. 4. Bijapur Circle, Bijapur. 5. Chitradurga Circle, Chitradurga. 6. Davangere Circle, Davangere. 7. Dharwar Circle, Dharwar. 8. Estate Duty-cum-Income-tax-Circle, Hubli. 9. Gadag Circle, Gadag. 10. Gulbarga Circle, Gulbarga. 11. Hospet Circle, Hospet. 12. Hubli Circle, Hubli. 13. Karwar Circle, Karwar. 14. Margao Circle, Margao. 15. Panaji Circle, Panaji. 16. Raichur Circle, Raichur.

This notification takes effect from 1-5-80.

[No. 3243/F. No. 187/38/79-IT. (A.I.)]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1980

का० आ० 1676.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और समय-समय पर यथासंशोधित समसंख्यांक की पूर्व अधिसूचना तारीख 22 जुलाई, 1974 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, यह निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आय-कर आयुक्त, उसके स्तम्भ (2) विनिर्दिष्ट मुख्यालयों सहित ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामलों या मामलो के वर्गों की बाबत जो स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट आय-कर सर्किलों, वार्डों और जिलों में समाविष्ट हैं, कृत्यों का पालन करेगा :

परन्तु आय-कर आयुक्त, ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत भी अपने कृत्यों का पालन करेगा जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने उसके अधीनस्थ आयकर प्राधिकारी को सौंपे हैं या इसके पश्चात् सौंपे :

परन्तु यह और भी कि आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा जो उसकी अधिकारिता के बाहर उसे सौंपे गए हैं या सौंपे जाएं ।

अनुसूची

आय-कर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
5. मुम्बई नगर-1	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल 1 2. मुम्बई सर्किल 3. बृहत् मुम्बई की क्षेत्रीय सीमाओं में चिकित्सा वृत्ति और वकीलों, अधिवक्ताओं, सोलिसिटरों, रजिस्ट्रीकृत लेखाकारों, लागत लेखाकारों, आय-कर व्यावसायियों की वृत्ति तथा इंजीनियर, वास्तुविदों और प्रबन्ध सलाहकारों की वृत्ति में लगे हुए और कार्य कर रहे सभी व्यक्तियों के मामलों से सम्बन्धित वृत्तिक सर्किल । 4. विशेष सर्किल 1
5क. मुम्बई नगर-2 (आय-कर भवन)	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल-2 2. विदेश कम्पनी सर्किल 1 3. सम्पदा शुल्क सर्किल 4. विशेष सर्किल 2 5. विशेष सर्किल-2-क 6. सड़क परिवहन प्रचालकों के रूप में कारबार कर रहे सभी व्यक्तियों के मामलों से सम्बंधित 10—वार्ड और आय-कर अधिनियम, 1961 के उपबन्धों के अधीन किसी अन्य आदेश या आदेशों द्वारा सौंपे गए सभी मामले । ऐसे निर्धारिती जिनके कारबार या वृत्ति का मुख्य स्थान आयकर आयुक्त, मुम्बई नगर-2, मुम्बई की क्षेत्रीय सीमाओं में है और जो आयकर आयुक्त, मुम्बई नगर-2, मुम्बई के भारसाधन में निर्धारित या निर्धारणीय

1	2	3
		है, या ऐसे निर्धारिती जिनके मामले आय-कर अधिनियम, 1961 के उपबन्धों के अधीन या भारतीय आयकर अधिनियम 1922 के तत्स्थानी उपबन्धों और आयकर अधिनियम, 1961 के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन किसी आदेश या आदेशों के फलस्वरूप आयकर आयुक्त मुम्बई नगर-2 के भार साधन में विनिर्दिष्ट रूप से सौंपे जाते है ।
		7. बी० आर० सी० और एन० आर० आर० सी०
		8. आय-कर अधिनियम, 1961 में परिभाषित ऐसी सभी कम्पनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्ड/सर्किल/जिले की क्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिन पर मुम्बई के किसी अन्य आयुक्त की इस समय अधिकारिता नहीं है :
		डी-1 और डी-2 वार्ड
5-ख मुम्बई नगर-3	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल-3
		2. विदेश कम्पनी सर्किल-2
		3. ए-5 वार्ड
		4. फिल्म सर्किल
		5. विशेष सर्किल-3
		6. विशेष सर्किल-3 क
		7. आय-कर अधिनियम, 1961 में परिभाषित ऐसी सभी कम्पनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्ड/सर्किल/जिले की क्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिन पर मुम्बई के किसी अन्य आयुक्त की इस समय अधिकारिता नहीं है :
		ए-1 वार्ड, ए-2 वार्ड, ए-3 वार्ड, ए-4 वार्ड और ए-5 वार्ड
5-ग. मुम्बई नगर-1	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल-4
		2. ए-1 वार्ड और ए-2 वार्ड
		3. ऐसे मामलों का निपटान करने वाले न्यास सर्किल जिनमें बृहत्-मुम्बई की क्षेत्रीय सीमाओं में आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 12 और 13 के साथ पठित धारा 10 के खण्ड (20क) या खण्ड (21) या खण्ड (22) या खण्ड (22क) या खण्ड (23) या खण्ड (23क) या खण्ड (23ख) या खण्ड (23ग) या खण्ड (24) या खण्ड (25) के अधीन कर से छूट का दावा किया गया है ।
		4. विशेष सर्किल 4 और 4-क ।
		5. आय-कर अधिनियम, 1961 में परिभाषित ऐसी सभी कम्पनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्ड/सर्किल/जिले की क्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिन पर मुम्बई के किसी अन्य आयुक्त की इस समय अधिकारिता नहीं है।
		सी-1 वार्ड, सी-2 वार्ड, सी-3 वार्ड, सी-4 वार्ड और सी-5 वार्ड ।
5घ. मुम्बई नगर-5	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल 5
		2. बी-1 वार्ड और निष्क्रान्त सर्किल-2
		3. बी-2 वार्ड
		4. बी-3 वार्ड और विदेश अनुभाग
		5. विशेष सर्किल-5
		6. आय-कर अधिनियम, 1961 में परिभाषित ऐसी सभी कम्पनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्ड/सर्किल/जिले की क्षेत्रीय अधिकारिता में हैं और जिस पर किसी अन्य आयुक्त की इस समय अधिकारिता नहीं है :
		बी1 वार्ड, बी 2 वार्ड, बी० 3 वार्ड, ई-वार्ड, मार्केट वार्ड, जी-वार्ड और जी-ए वार्ड ।
5ङ. मुम्बई नगर-6	मुम्बई	1. कम्पनी सर्किल-6
		2. विशेष सर्किल-6
		3. मार्केट वार्ड
		4. ए-3 वार्ड
		5. ए-4 वार्ड
		6. आय-कर अधिनियम, 1961 में परिभाषित ऐसी सभी

1	2	3
		कम्पनियां जिनके कारबार, वृत्ति या व्यवसाय के मुख्य स्थान निम्नलिखित वार्ड/सर्किल/जिले की क्षेत्रीय अधिकारिता मे हैं और जिस पर किसी अन्य आयुक्त की इस समय अधिकारिता नही है : बी० एस० डी० (ई), बी एस० डी० (एम०), बी० एम० डी० (डब्ल्यू.), बी० एम० डी० (एन०)
5-च मुम्बई नगर 7	मुम्बई	1. डी-1 वार्ड 2 डी-2 वार्ड 3. सी-4 वार्ड 4. विशेष सर्किल-7
5छ. मुम्बई नगर-8	मुम्बई	1. सी०-1 वार्ड 2. सी०-2 वार्ड और निष्क्रान्त सर्किल-1 3. सी-3 वार्ड 4. सी-5 वार्ड 5. विशेष सर्किल-7
5. ज. मुम्बई नगर-9	मुम्बई	1. ई०-वार्ड 2 जी-वार्ड 3. जी०-ए०-वार्ड 4. बी० एस० डी० (दक्षिण) 5. विशेष सर्किल-8
5. झ मुम्बई नगर-10	मुम्बई	1. बी० एस० डी० (पूर्व) 2. बी० एस० डी० (उत्तर) 3. बी० एस० डी० (पश्चिम) 4. सर्वेक्षण सर्किल 1 और 2 5. विशेष सर्किल-9
5. ञ. मुम्बई नगर-11	मुम्बई	1. वेतन शाखा-1 2. वेतन शाखा-2 3. टी० डी० एस०

यह अधिसूचना 1-5-1980 से प्रभावी होगी ।

[सं० 3252/फा सं० 187/6/80-आई० डी० (ए० 1)]

New Delhi, the 19th April, 1980

S. O. 1676.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the previous notification of even number dated 20th July, 1974, as amended from time to time, the Central Board of Direct Taxes, hereby direct that the Commissioner of Income-tax specified in column (1) of the schedule hereto annexed with headquarters specified in column (2) thereof, shall perform the functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of incomes or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circles, Wards of Districts referred to in Column (3):

Provided that the commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may hereafter be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him :

Provided further that a Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or of such case or as have been or may be assigned to any Income-tax authority outisde his jurisdiction.

SCHEDULE

Income-tax Commissioner	Head Quarters	Jurisdiction
1	2	3
5. Bombay City-I	Bombay	1. Companies Circle-I. 2. Bombay Circle. 3. Professional Claorcle dealing with cases of all persons engaged in the carrying on of medical profession and profession as lawyers, advocates, solicitors, registered accountants, cost accountants, Income-tax Practioners and as Engineers, Architects and Management Consultants in the territorial limits of Greater Bombay. 4. Special Circle-I.
5A. Bombay City-II (Aayakar Bhavan)	Bombay	1. Companies Circle-II. 2. Foreign Companies Circle-I. 3. Estate Duty Circle. 4. Special Circle-II. 5. Special Circle IIA. 6. Xi-Ward dealing with cases of all persons carrying on business as road transport operators and all cases assigned by any other order or orders under the provisions of the I. T. Act, 1961 of the assessee having their principal place of business or profession in the territorial jurisdiction of C. I. T., Bombay City-II, Bombay and who are assessed or assessable in Commissioner of Income-tax, Bombay City-II, Bombay's charge of assessees whose cases are specifically assigned to the charge of C.I.T. Bombay City-II, Bombay by virtue of any order or orders under the provisions of the I. T. Act, 1961 or under the corresponding provisions of the Indian Income-tax Act, 1922 and any other provisions of the I. T. Act, 1961. 7. B.R.C.& N.R.R.C. 8 All the Companies as defined in the I.T. Act, 1961 having their principal place of business profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following wards/circle/districts and over which no other commissioner at Bombay holds jurisdiction at Present; D-I and D-II Wards
5B. Bombay City-III	Bombay	1. Companies Circle-III 2. Foreign Companies Circle-II 3 A-V Ward 4. Film Circle 5. Special Circle-III 6. Special Circle-III 7. All companies as defined in the Income-tax Act, 1961, having principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at Bombay holds jurisdiction at present. A-I Ward, A-II Ward, A-III Ward A-IV Ward & A-V Ward.

1	2	3
5C. Bombay City-IV	Bombay	1. Companies Circle-IV. 2. A-I Ward & A-II Ward. 3. Trust Circle dealing with cases in which exemption from tax is claimed under clause (20A) or clause (21) or clause (22) or clause 22A or clause (23) or clause 23A or clause 23(B) or clause 23(C) or clause (24) or clause (25) of section 10 read with section 12 & 13 of the I.T Act, 1961 in the territorial limits of Greater Bombay. 4. Special Circle IV & IV-A. 5. All companiets as defined in the I.T. Act, 1961 having their principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following Wards/Circles/Districts and over which no other Commissioner at Bombay holds jurisdiction at present; C-I Ward, C-II C-III ward C-IV ward and C-V wards.
5D. Bombay City V	Bombay	1. Companies Circle-V. 2. B-I Ward & Evacue Circle-II 3. B-II Ward. 4. B. III Ward & Foreign Section. 5. Special Circle-V. 6. All Companies as defined in the I. T. Act, 1961 having their principal place of business, profession or vocation in the territorial jurisdiction of the following wards/Circle/Districts and over which no other commissioner at present holds jurisdiction; B.I Ward, B.II ward, B. III Ward E-Ward, Market Ward, G-Ward & GA-Ward.
5E. Bombay City VI.	Bombay	1. Companies Circle-VI. 2. Special Circle-VI. 3. Market Ward. 4. A-III Ward. 5. A-IV Ward. 6. All Companies as defined in the I. T. Act, 1961 having the principal place of business, profession, or vocation in the territorial jurisdiction in the following wards/Circles/Districts and over which no other commissioner holds jurisdiction at present; B.S.D. (E), BSD. (S), B.S.D. (W), B.S.D. (N).
5F. Bombay City VII	Bombay	1. D.I Ward 2. D.II Ward. 3. C-IV Ward 4. Special Circle VII-A.
5G. Bombay City VIII	Bombay	1. C-I Ward 2. C-II Ward & Evacue Circle-I 3. C-III Ward. 4. C-V Ward. 5. Special Circle-VII.
5H. Bombay City IX	Bombay	1. E-Ward 2. G-Ward 3. GA-Ward 4. B.S.D. (South) 5. Special Circle-VIII.
5I. Bombay City X	Bombay	1. B.S.D. (East) 2. B.S.D. (North) 3. B.S.D. (West) 4. Survey Circle I & II 5. Special Circle-IX.
5J. Bombay City XI	Bombay	1. Salaries Branch-I. 2. Salaries Branch-II 3. T.D.S.

This notification shall take effect from 1-5-80.

[No. 3252/F. No. 187/6/80-IT (AI)]

(आय-कर)

का० आ० 1677.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना सं० 2308 (फा० सं० 187/11/78-आई० टी (ए० 1), तारीख 25 मई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करता है।

क्रम संख्यांक 19 और 19-क के सामने; स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी :—

अनुसूची

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता (मुख्यालयों सहित सभी आय-कर वार्डों सर्किलों के सम्बन्ध में)
1	2	3
19 पुणे	पुणे	1. पुणे 2. थाने 3. पालघर 4. पनवेल
19क कोल्हापुर	कोल्हापुर	1. कोल्हापुर 2. इचलकरंजी 3. रत्नागिरि 4. सतारा 5. सांगली 6. सोलापुर 7. बरसी 8. अहमदनगर

यह अधिसूचना 1-5-1980 से प्रभावी होगी।

[सं० 3253/फा० सं० 187/3/80-आई० टी० (ए० I)]

S.O.1677.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Notification No. 2308 (F. No. 187/11/78-IT (AI) dated 25th May, 1978.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. No. 19 and 19A shall be substituted by the following entries :

SCHEDULE

Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction (over all Income-tax wards/Circles with Headquarters in)
1	2	3
19. Pune	Pune	1. Pune 2. Thane 3. Palghar 4. Panvel.
19A. Kolhapur	Kolhapur	1. Kolhapur 2. Ichalkaranji 3. Ratnagiri 4. Satara 5. Sangli

6. Solapur
7. Barsi
8. Ahmednagar.

This Notification shall take effct from 1-5-80

[No 3253/F. No. 187/3/80-IT (AI)]

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1980

का० आ० 1678—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना सं० 3243 तारीख 10 अप्रैल, 1980 (फा० सं० 187/38/7-आई०टी० (ए० 1)) को रद्द करता है।

यह अधिसूचना तुरन्त प्रभावी होगी ।

[सं० 3268/फा० सं० 187/38/79-आई०टी०-(ए० 1)]

New Delhi, the 29th April, 1980

S.O. 1678.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby cancels Notification No. 3243 dated 10th April, 1980 (F. No. 187/38/79-IT(AI).

This notification takes immediate effect.

[No. 3268/F. No. 187/38/79-IT-(AI)]

नई दिल्ली, 1 मई, 1980

का० आ० 1679.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त जिसका मुख्यालय स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या व्यक्ति वर्गों या आय या आय वर्गों या ऐसे मामलों या मामलों के वर्गों की बाबत जो उक्त स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों या जिलों में समाविष्ट हैं, अपने कृत्यों का पालन करेगा ।

परन्तु आयकर आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत भी जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने उसके अधीनस्थ किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे हैं या सौंपे, अपने कृत्यों का पालन करेगा ।

परन्तु यह और कि आयकर आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत जो उसकी अधिकारिता के बाहर किसी अन्य आयकर प्राधिकारी को सौंपे गए हैं या सौंपे जाएं, अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा ।

अनुसूची

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
1	2	3
1. जालन्धर	जालन्धर	1 जिला I, जालन्धर 2. जिला II, जालन्धर 3 विशेष सर्किल, जालन्धर 4 सम्पदा शुल्क और आयकर सर्किल, जालन्धर 5 फगवाड़ा 6. मोगा 7 होशियारपुर 8 कपूरथला 9. भटिण्डा 10 फीरोजपुर 11. अबोहर 12 मंसा 13. फरीदकोट

यह अधिसूचना 1 मई, 1980 से प्रभावी होगी ।

[सं० 3273/फा० सं० 189/13/78-आई०टी० (ए०आई०)]

New Delhi, the 1st May, 1980

S.O.1679.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified in column 1 of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in column (2) thereof shall perform his functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of incomes or classes of incomes or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circles, Wards or Districts referred to in the said column (3) :

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him :

Provided further that the Commissioner of Income-tax shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

SCHEDULE

Income Tax Commissioner	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3
1. Jullundur	Jullundur	1. Distt. I, Jullundur. 2. Distt. II, Jullundur. 3. Special Circle, Jullundur. 4. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Jullundur. 5. Phagwara. 6. Moga. 7. Hoshiarpur. 8. Kapurthala. 9. Bhatinda. 10. Ferozepur. 11. Abohar. 12. Mansa. 13. Faridkot.

This notification shall take effect from 1st May, 1980.

[No. 3273/F. No. 189/13/78-IT (AI)]

नई दिल्ली, 8 मई, 1980

का० आ० 1680.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना सं० 3269 (फा० सं० 187/43/79-आई०टी०ए०आई०), तारीख 29 अप्रैल, 1980 से उपाबद्ध अनुसूची का निम्नलिखित संशोधन करता है ।

1. आयकर आयुक्त, दिल्ली-I से संबंधित क्रम सं० 8 के सामने, स्तम्भ 4 के अधीन प्रविष्टि सं० 14 को निम्नलिखित रूप में पढ़ा जाए :—

"जिला VI (12) और VI(13) को छोड़कर जिला VI"

2 आयकर आयुक्त, दिल्ली-II से संबंधित क्रम सं० 8क के सामने, स्तम्भ 4 के अधीन, क्रम सं० 21 पर निम्नलिखित जोड़ा जाए :—

"जिला VI (12) और VI(13)" ।

3. आयकर आयुक्त, दिल्ली II से संबंधित क्रम सं० 8क के सामने, स्तम्भ 4 के अधीन, प्रविष्टि सं० 18 के सामने विशेष सर्किल VI ऊपर को हटा दिए जाए ।

4. आयकर आयुक्त, दिल्ली III के भारसाधन से संबंधित क्रम सं० 8ख के सामने, स्तम्भ 4 के अधीन, क्रम सं० 8 की प्रविष्टि को निम्नलिखित रूप में पढ़ा जाए :—

"ऐसे सभी व्यक्तियों के मामलों में कार्यवाही करने के लिए विशेष सर्किल VI अपर और विशेष सर्किल XVI, जिनकी बाबत (तस्करी क्रियाकलाप और विदेशी मुद्रा बालादग्रहण के लिए) आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम के अधीन और/या विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 के अधीन निरोध कर आदेश किया जा चुका है और जो आयकर आयुक्त (केन्द्रीय), दिल्ली को छोड़कर दिल्ली स्थित सभी आयकर आयुक्तों की अधिकारिता के अन्तर्गत आते हैं।"

यह अधिसूचना 8-5-80 से प्रभावी होती है।

[सं० 3286/फा० सं० 187/43/79-आई०टी० (ए०-I)]

बी० एम० सिंह, अवर सचिव,

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 8th May, 1980

S.O. 1680.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 3269 (F. No. 187/43/79-ITAI), dated 29th April, 1980 :

1. Against S. No. 8 relating to Commissioner of Income-tax Delhi-I under column 4 entry No. 14 may be read as under :—

"Distt. VI except Distt. VI(12) & VI(13)."

2. Against S. No. 8A relating to C.I.T. Delhi-II under column 4 the following additions may be made at S. No. 21 :—

"Distt. VI(12) and VI(13)".

3. Against S. No. 8A relating to C.I.T. Delhi-II under column 4 delete special Circle VI Addl. against entry No. 18.

4. Against S. No. 8B relating to Charge of C.I.T. Delhi-III under column 4 entry at S. No. 9 may be read as under :—

"Special Circle VI Addl. and Special Circle XVI, for dealing with the cases of all persons in respect of whom an order of detention has been made under the Maintenance of Internal Security Act (for smuggling activities and foreign exchange recketeering) and|or conservation of Foreign exchange and prevention of smuggling Activities Act, 1974 and which fall under the jurisdiction of all Commissioners of Income-tax at Delhi excluding the Commissioners of Income-tax (Central), Delhi."

This notification takes effect from 8-5-80.

[No. 3286/F. No. 187/43/79-IT(AI)]

B. M. SINGH, Under Secy., Central Board of Direct Taxes

MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th May, 1980

(Tobacco Industry Development Control)

S.O. 1681.—In Notification No. S.O. 1014 published on 19th April, 1980 in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), the following correction may be made :—

(i) In Sl. No. 22, the words "Shri K. K. Radher" may be read as "Shri K. K. Randhar".

[F. No. 8/14/79-EP(Agri-vi)]

O. P. GUPTA, Desk Officer

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 2 जून, 1980

का०आ० 1682.—यत: इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के लिए गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यत: इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है।

अब यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन), नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

व्यावर क्षेत्र सलाया से मथुरा तक पाइप लाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील : ब्यावर		जिला : अजमेर	राज्य : राजस्थान	
मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग)	1. बाडिया श्यामा एवं बाडिया जगा	895	1-4-1978	13-3-1980
	2. रामसर बलाईयान	895	1-4-1978	13-3-1980
	3. ठीकराना मेवरातान	895	1-4-1978	13-3-1980
	4. गोविन्दपुरा	895	1-4-1978	13-3-1980
	5. चक ठीकराना मेवरातान	895	1-4-1978	13-3-1980
	6. गणेशपुरा	895	1-4-1978	13-3-1980
	7. नयानगर	895	1-4-1978	13-3-1980
	8. सेंदरिया	895	1-4-1978	13-3-1980
	9. बलाड़	895	1-4-1978	13-3-1980

1	2	3	4	5
	10 गढ़ी थोरिया	895	1-4-1978	13-3-1980
	11 सेसपुरा	895	1-4-1978	13-3-1980
	12 लसाड़िया	895	1-4-1978	13-3-1980
	13 लसानी I	895	1-4-1978	13-3-1980
	14 मान्डावास	895	1-4-1978	13-3-1980
	15 सुहावा	895	1-4-1978	17-3-1980
	16 लाखीना	895	1-4-1978	17-3-1980
	17 काना खेड़ा	895	1-4-1978	18-3-1980
		3444	2-12-1978	
	18 केसरपुरा	895	1-4-1978	18-3-1980
		3534	9-12-1978	
	19 खरवा	895	1-4-1978	18-3-1980

[सं० 12020/12/80-प्रो० I]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILISER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 2nd June, 1980

S.O. 1682.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of sction 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh ;

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule ;

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Tehsil : Beawar District : Ajmer State : Rajasthan

Name of Ministry		Name of Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of Termination
Petroleum, Chemicals & Fertiliser (Department of Petroleum)	1	Badiya Shyama & Badiya Jagga	895	1-4-1978	13-3-1980
	2	Ramsar Balaiyan	895	1-4-1978	13-3-1980
	3	Theekrana Medratan	895	1-4-1978	13-3-1980
	4	Govindpura	895	1-4-1978	13-3-1980
	5	Chak Theekrana Medratan	895	1-4-1978	13-3-1980
	6	Ganeshpura	895	1-4-1978	13-3-1980
	7	Nayanagar	895	1-4-1978	13-3-1980
	8	Sedariya	895	1-4-1978	13-3-1980
	9	Balad	895	1-4-1978	13-3-1980
	10	Garhi Thoriya	895	1-4-1978	13-3-1980
	11	Senspura	895	1-4-1978	13-3-1980
	12	Lasadiya	895	1-4-1978	13-3-1980
	13	Lasani I	895	1-4-1978	13-3-1980
	14	Mandawas	895	1-4-1978	13-3-1980
	15	Suhawa	895	1-4-1978	17-3-1980
	16	Lakheena	895	1-4-1978	17-3-1980
	17	Kana Khera	895	1-4-1978	18-3-1980
			3444	2 12-1978	18-3-1980
	18	Kesharpura	895	1-4-1978	18-3-1980
			3534	9-12-1978	
	19	Kharwa	895	1-4-1978	18-3-1980

[No. 12020/12/80-Prod. I]

का० आ० 1683.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारो का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड के लिए गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखाई गई तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारो का अर्जन), नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते है ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा तक पाइप लाइन संक्रिया पर्यवसान

तहसील : किशनगढ़		जिला : अजमेर		राज्य : राजस्थान	
मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ०सा०	भारत के पक्ष में प्रकाशन की तिथि	राज- संक्रिया पर्यवसान की तिथि	विवरण
पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	1 गोठियाना	3786	10-12-77	3-3-80	
	2 जोरावर पुरा	3786	10-12-77	3-3-80	अलावा खसरा नं० 605, 13, 20 और 21
	3 आकोडिया	3786	10-12-77	3-3-80	अलावा खसरा नं० 1685, 1688 और 1689
	4 झीरीता	3786	10-12-77	3-3-80	
	5 ढसूक	3786	10-12-77	3-3-80	
	6 मांडियावर कला	3786	10-12-77	18-3-80	
	7 मोठी	3786	10-12-77	17-3-80	
	8 मांडियावार खुर्द	3786	10-12-77	17-3-80	

[सं० 12020/12/80-ओ० II]
नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 1683.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh ;

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule ;

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Tehsil : Kishangarh		District : Ajmer		State : Rajasthan	
Name of Ministry	Name of Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of Termination	Remarks
Petroleum Chemicals & Fertiliser (Department of Petroleum)	1. Gothlyana	3786	10-12-1977	3-3-1980	
	2. Jorawarpura	3786	10-12-1977	3-3-1980	except khasra Nos. 605, 13, 20 and 21.
	3. Ankodiya	3786	10-12-1977	3-3-1980	except khasra Nos. 1685, 1688 and 1689.
	4. Jheerota	3786	10-12-1977	3-3-1980	
	5. Dhasook	3786	10-12-1977	3-3-1980	
	6. Mandiy awan Kalan	3786	10-12-1977	18-3-1980	
	7. Mothi	3786	10-12-1977	17-3-1980	
	8. Mandiyawad Khurd	3786	10-12-1977	17-3-1980	

[No. 12020/12/80-Prod II]
NARENDRA SINGH, Competent Authority.

अंतरिक्ष विभाग

बंगलौर, 26 मई, 1980

का० आ० 1684—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 1980 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1976 में :—

(क) नियम 3 के उप-नियम (2) का लोप किया जायेगा ।

(ख) अनुसूची में "शार केन्द्र" शीर्षक के अंतर्गत कालम 1 में समूह "ग" और समूह "घ" के लिये तथा इनसे सम्बद्ध प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
"समूह "ग" समूह "घ"	प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन प्रशासन अधिकारी-II	प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन प्रशासन अधिकारी-III	सभी सभी	नियंत्रक प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन"

[सं० 9/4(1)/80-III]

पी० आई० यू० नम्बियार, अवर सचिव

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore, the 26th May, 1980

S.O.1684 —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and appeal) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976 :—

(a) Sub-Rule (2) of the Rule 3 shall be omitted;

(b) in the Schedule under the heading "SHAR CENTRE", for Group C and Group D in column 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"Group C	Head, Personnel and General Administration	Head, Personnel and General Administration	All	Controller
Group D	Administrative Officer-II	Administrative Officer-II	All	Head, Personnel and General Administration"

[No. 9/4(1)/80-III]

P.I.U. NAMBIAR, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जून, 1980

का० आ० 1685.—यत. भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 7 की उप-धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसरण मे रांची विश्वविद्यालय ने डा० आर० पी० सिन्हा को पहली अप्रैल, 1980 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है ,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) का पालन-करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम-1 मे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना मे "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अंतर्गत क्रम संख्या 29 और उससे संबंधित प्रविष्टियो के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएगी, अर्थात् :—

"29. डा० आर० पी० सिन्हा,
राजेन्द्र मेडिकल कालेज,
राची, 12, डाक्टर्स कालोनी,
पो० बरायत्, राची-834009"

[संख्या वी०-11013/10/80-एम०ई०(पी)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 6th June, 1980

S.O. 1685.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 read with sub-section (4) of section 7 of the Indian Medical Council Act,

1956 (102 of 1956) Dr. R. P. Sinha has been elected by the Ranchi University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 1st day of April 1980 ;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 29 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"29. Dr. R. P. Sinha,
Rajandra Medical College,
Ranchi, 12, Doctor's Colony
P.O. Bariatu, RANCHI-834009."

[No. V-11013/10/80-ME (Policy)]

नई दिल्ली, 7 जून, 1980

का० आ० 1686.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की तारीख 4 फरवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या वी०-11013/32/-79-एम० ई० (पी०) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना के पहले पैराग्राफ में "भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य" शब्द के स्थान पर "8 अप्रैल 1979 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य" शब्द, अंक और अक्षर रखे जायेंगे ।

[संख्या वी०-11013/32/79-एम० ई० (पी०)]
मदन मोहन, अवर सचिव

New Delhi, the 7th June, 1980

S.O. 1686.—In pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. V-11013/32/79-ME(P) dated 4th February, 1980 namely :—

In the said notification in the opening paragraph for the words "to be a member of the Medical Council of India" the words, figures and letters "to be a member of the Medical Council of India with effect from 8th April, 1979", shall be substituted.

[No. V-11013/32/79-M.E. (Policy)]
MADAN MOHAN, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि तथा सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 28 मई, 1980

का० आ० 1687.—पशुधन आयात अधिनियम, 1898 (1898 का अधिनियम 9) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 27-5-80 से 6 माह की अवधि के लिए इंगलैण्ड आयरलैण्ड, फ्रांस, अमरीका, आस्ट्रेलिया, जर्मन संघीय गणराज्य तथा बेल्जियम से अश्व जातियों के भारत में आयात पर प्रतिबंध लगाती है । किन्तु इस प्रतिबंध से 4 वर्ष तक के उन बछेड़ों तथा बछेड़ियों के आयात पर छूट रहेगी जिनका कभी मिलाप नहीं हुआ है और जो प्रजनन स्टाक के सम्पर्क में नहीं रहे हैं बशर्ते कि :

1. अधिनियम के अन्तर्गत उल्लिखित स्वास्थ्य नियमों के अतिरिक्त युवा पशुओं के साथ प्राधिकृत पशु 'चिकित्सक का स्वास्थ्य प्रमाणपत्र हो, जिस में उल्लेख किया गया हो कि पिछले एक वर्ष से ये पशु प्रजनन में काम आने वाले पशुओं के सम्पर्क में नहीं आए हैं तथा निर्यात के लिए पोत पर लादने के 30 दिनों के अन्दर लगातार तीन बार परीक्षण करने पर इन पशुओं के शिश्नचर्म एवं मूत्रनली/गर्भ नली तथा गर्भाशय ग्रीवा से प्राप्त द्रव्य का मानक व लसीय पद्धति द्वारा कल्चर करने पर उस में संक्रामक कीटाणु विशेषकर हिमोफिलस इक्विजेनेटेलीस नहीं पाए गए ।

2. भारत में इन पशुओं का आयात होने पर इन्हें 30 दिन तक कृषि मंत्रालय द्वारा स्वीकृत आवास स्थान पर रखा जाएगा । संगरोध की अवधि के दौरान पशुओं की मान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा एक सप्ताह के अंतराल पर लगातार तीन बार जीवाणु विज्ञान संबंधी कल्चर परीक्षा की जाएगी तथा उन्हें संक्रामक गर्भाशयर्ति (कॉंटेजियेस इक्वाईन मेट्रीटिस) रोग से अप्रभावित घोषित कर दिए जाने पर ही अन्य पशुओं में मिलाया जाएगा ।

[सं० 50-22/77-एल०डी०टी० (एल०एच०-ए०क्यू) भाग-2]
एम० एस० खुराना, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agricultural & Cooperation)

New Delhi, the 28th May, 1980

S.O. 1687.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Sec. 3 of Livestock Importation Act 1898 (Act 9 of 1898), the Central Government hereby prohibits for period of six months, with effect from 27-5-80 the import from U.K., Ireland, France, USA, Australia, Federal Republic of Germany and Belgium of the equine species of animals except Colts and Fillies upto 4 years of age which have never been mated and have not been in contact with breeding stock provided that :—

(a) in addition to the health requirements specified under the Act the young equines are accompanied by a Veterinary Health Certificate from an authorised Veterinarian that the animals have not been in contact with the breeding stock during the last one year and that the swabs collected from prepuce and Urethra/Vagina and Cervix of these animals were found negative for pathoganic micro-organisms specifically Haemophilus equigenetalis, by standard cultural & serological methods, on three consecutive testings within 30 days of embarkation for export.

(b) on receipt in India, such imported animals are kept in quarantine for 30 days at the premises approved by the Ministry of Agriculture. During the quarantine period the animals shall be subjected to bacteriological & Serological examination by a recognised laboratory on three consecutive tests conducted at weekly interval and will be mixed with other stock only when declared negative for contagious equine metritis infection.

[No. 50-22/77 LDT(LH-AQ) Part II]
M. S. KHURANA, Under Secy.

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जून, 1980

(पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में और राष्ट्रीय बालक निधि, नई दिल्ली के मामले में)

का० आ० 1688.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय बालक निधि, नई दिल्ली के प्रबंधक बोर्ड द्वारा किए गए आवेदन पर और उसकी सहमति से तथा पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह आदेश देती है कि 5 वर्षीय डाक घर सावधि जमा लेखा सं० 633074 में विनिहित 25 लाख रुपए की राशि भारत के पूर्त विन्यास कोषपाल में निहित हो जाएगी जिसे

वह भारत सरकार के भूतपूर्व समाज कल्याण विभाग की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० का०आ० 120(अ), तारीख 2 मार्च, 1979 के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बालक निधि, नई दिल्ली के प्रशासन के लिए स्कीम के अनुसार उपयोजन के लिए धारण करेगा ।

[फा० सं० 4-15/79-सी०डब्ल्यू]
आर० के० साहा, अवर सचिव

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 5th June, 1980

[In the matter of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890)]

AND

In the matter of the National Children's Fund, New Delhi.

S.O. 1688.—On the application made by, and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi, and in exercise of the powers conferred by section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government both hereby order that the sum of Rs. 25 lakhs invested in 5-Year Post Office Time Deposit Account No. 633074 shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him for being applied in accordance with the Scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi, published with the notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E), dated the 2nd March, 1979, as amended from time to time.

[F. No. 4-15/79-CW]
R. K. SAHA, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जून, 1980

का०आ० 1689.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के समतुल्य है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे निदेश देती है कि उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के संबंध में अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम के द्वारा या अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा ।

सारणी

अधिकारी का नाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
1	2
प्रबंधक, भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़	प्रेस कालोनी, चण्डीगढ़ में स्थित सरकारी स्थान जिनके अन्तर्गत प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन भूमि और भवन भी हैं ।

[फा० सं० डी-11031/1/80-मुद्रण]
बी० एस० टण्डन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 6th June, 1980

S.O. 1689.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of gazetted officers of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers, by or under, the said Act, within the limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
The Manager, Government of India Text Books Press, Chandigarh.	Public premises including land and building under the administrative control of the Manager, Government of India Press, situated within the Press Colony, Chandigarh.

[F. No. D-11031/1/80-Ptg.]
B.S. TANDON, Desk Officer

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1980

का०आ० 1690.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या एस०ओ० 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 को प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अंतर्गत जारी किए गए निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्द्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है ।

अनुसूची

क्रम सं०	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार या सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंटरी फिल्म है ।
1	2	3	4	5	6
1.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1646 (राष्ट्रीय)	198.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, पैरेड रोड, बम्बई-26	—	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)

1	2	3	4	5	6
2.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1646 (पश्चिम)	287.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24, पैडर रोड, बम्बई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (पश्चिम सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
3.	बेलची से नारायणपुर	528.00	—तदैव—		डाकुमेंटरी (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
4.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1647 (राष्ट्रीय)	182.00	—तदैव—		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म
5.	भारतीय समाचार चित्र सं० 1647 (उत्तरी)	267.00	—तदैव—		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (उत्तरी सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
6.	भारतीय समाचार चित्र समाचार मैगजीन संख्या 4	269.00	—तदैव—		—तदैव— (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
7.	पुण्य स्मरण	292.00	—तदैव—		डाकुमेंट्री (समान्य प्रदर्शन के लिए)
8.	महाराष्ट्र समाचार सं० 344	292.00	सूचना और जनसंपर्क महा-निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर 68, तारदेव रोड, बम्बई-34		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
9.	माहिती चित्र सं० 323	178.31	सहायक सूचना निदेशक, रमनडे रिसर्च लेबा० लि०, 77, डा० एनीबीसेंट रोड, वर्ली, बम्बई-18	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार	—तदैव— (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
10.	प्रगति के पथ पर बिहार भाग-15	250.24	श्री एम० झा० फिल्म सम्पादक, मार्फत बम्बई फिल्म लेबा० लि० दादर, बम्बई-400028	सूचना और जनसंपर्क निदेशक, बिहार सरकार, पटना	डाकुमेंटरी (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
11.	प्रगति के पथ पर बिहार भाग-16	282.50	—तदैव—	—तदैव—	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (बिहार सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
12.	भारतीय समाचार चित्र संख्या 1648 (राष्ट्रीय)	230.00	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
13.	—तदैव— (पूर्वी)	298.00	—तदैव—		—तदैव— (पूर्वी सर्किट में प्रदर्शन के लिए)
14.	दारुल उलूम ए होमेज फार इस्लामिक लर्निंग	386.00	—तदैव—	फिल्म प्रभाग, 4, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।	डाकुमेंट्री (सामान्य प्रदर्शन के लिए)
15.	बद्री केदार	493.00	श्री धीरेन्द्र पाण्डे, मार्फत बम्बई फिल्म लेबा० लि०, 149 एस०के० भोले रोड, बम्बई-28	सूचना और जन-संपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ	—तदैव—

[फाइल संख्या 315/1/80-एफ(पी)]

अजुन देव मलिक, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 5th June, 1980

S.O. 1690.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information & Broadcasting No. S.O. 3792 dated the 2nd Dec., 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the Film	Length of the Film (in Metres)	Name of the applicant	Name of the producer	Brief, whether a synopsis Scientific film or for educational purpose or A film dealing with News, current events or Documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Indian News Review No. 1646 (National)	198.00	Films Div., Govt. of India	24-Peddar Road, Bombay-26.	News & Current Events (General Release)
2.	Indian News Review No. 1646 (Western)	287.00	-do-		News & Current Events (Release in Western circuit)
3.	Belchi to Narainpur	528.00	-do-		Documentary General release
4.	Indian News Review No. 1647 (National)	182.00	-do-		News and Current Events (General Release)
5.	Indian News Review No. 1647 (Northern)	267.00	-do-		News & Current Events (Release in Northern circuit)
6.	INR News Magazine No. IV.	269.00	-do-		Documentary General release
7.	A Homage	292.00	-do-		Documentary General release
8.	Maharashtra News No. 344	292.00	Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		News and Current Events (Release in Maharashtra circuit).
9.	Mahitichitra No. 323	178.31	Asstt. Director of Information, Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.	Director of Information, Govt. of Gujarat.	News and Current Events (Release in Gujarat circuit)
10.	Pragati Ke Path Par Bihar Part 15	250.24	Shri M. Jha Film Editor, C/o Bombay Film Lab., Dadar, Bombay-400028.	Director, Information & Public Relations, Govt. of Bihar Patna.	Documentary General release
11.	Pargatti Ke Path Par Bihar Part 16	282.55	-do-	-do-	News & Current Events (Release in Bihar circuit)
12.	Indian News Review No. 1648 (National)	230.00	Films, Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-400026.		News and Current Events (General Release)
13.	Indian News Review No. 1648 (Eastern)	298.00	-do-		News and Current Events (Release in Eastern circuit)
14.	Darul-Uloom A Home for Islamic Learning	386.00	Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26.	Films Division, 4-Tolstoy Marg, New Delhi.	Documentary (General Release)
15.	Badri Kedar	493.00	Shri Dhirendra Pande, C/o. Bombay Film Lab (P) Ltd., 149, S.K. Bole Road, Dadar, Bombay-28.	Information and Public Relations Deptt. Govt., of U.P. Lucknow.	Documentary General Release

[File No. 315/1/80-F(P)]
A. D. MALIK, Desk Officer

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 5 जून, 1980

का०आ० 1691—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (क) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक तार) की अधिसूचना सं० का० नि०आ० 620, तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

(i) भाग II साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग III में,—

(क) "सर्किल कार्यालय और पुनः प्रेषण केन्द्र" शीर्षक के अधीन, स्तंभ 2, 3 और 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात् जहां कहीं वे आते हैं, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ख) "प्रधान डाकघरों में बचत बैंक नियंत्रण संगठन, जिसमें केन्द्रीय नियंत्रण संगठन भी सम्मिलित है", शीर्षक के अधीन, स्तंभ 2, 3 और 5 में "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां

कहीं वे आते है, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ग) "सर्किल कार्यालयों में आंतरिक जांच पड़ताल संगठन" शीर्षक के अधीन, स्तंभ 2, 3 और 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात् जहां कहीं वे आते है, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(घ) "प्रबंधक श्रेणी I, II और III के भारसाधन में डाक बचत बैंक" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 2, 3 और 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां कहीं वे आते है "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे :

(ङ) "विदेशी डाक घर" शीर्षक के नीचे स्तंभ 2, 3 और 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां कहीं वे आते हैं, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(च) "डाक और रेल डाक सेवा प्रभागीय और उप-प्रभागीय कार्यालय" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 2, 3 और 5 मे "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां कहीं वे आते है, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(छ) "डाकघर" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 2, 3 और 5 मे, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां कहीं वे आते हैं, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ,

(ii) भाग III-साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग IV में,—

(क) "सर्किल कार्यालय और पुनः प्रेषण केन्द्र" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ख) "प्रधान डाकघरों में बचत बैंक नियंत्रण संगठन जिसमें केन्द्रीय नियंत्रण संगठन भी सम्मिलित है "शीर्षक के अधीन, स्तंभ 5 में "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, जहां कहीं वे आते हैं, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ग) "सर्किल कार्यालयों में आंतरिक जांच पड़ताल संगठन " शीर्षक के अधीन स्तंभ 5 में "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात् "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(घ) "प्रबंधक श्रेणी I, II और III के भारसाधन में डाक बचत बैंक" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 5 में "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ङ) "विदेशी डाक घर" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 5 में "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(च) "डाक और रेल डाक सेवा, प्रभागीय और और उप-प्रभागीय कार्यालय" शीर्षक के नीचे, स्तंभ 5 में, "डाक सेवा निदेशक" शब्दों के पश्चात्, दोनो स्थानों पर जहां वे आते है, "क्षेत्रीय डाक सेवा निदेशक" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे ।

[सं० 153/4/79-डिस्क-II]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 5th June, 1980

S.O. 1691.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 9, Clause (b) of sub-rule (2) Rule 12 and sub rule (1) of rule 24, read with the rule 34 of the Central Civil Services (*Classification, Control and Appeal*) *Rules, 1965*, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. SRO 620 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification,—

9(i) Part-II General Central Service Class III—

(a) Under the heading, "Circle Offices and Returned Letter Offices", in columns 2, 3 and 5 after the words, "Director of Postal Services" wherever they occur the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted

(b) under the heading, "Savings Bank Control Organisation in Head Post Offices including Central Control Organisation", in columns 2, 3 and 5 after the words, "Director of Postal Services" wherever they occur the words "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(c) under the heading, "Internal Check Organisation in Circle Offices" in columns 2, 3 and 5 after the words, "Director of Postal Services" wherever they occur, the words,, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(d) under the heading, "Postal Savings Banks under the charge of Managers Grades I, II and III" after the words, "Director of Postal Services" in columns 2, 3 and 5 wherever they occur, the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(e) under the heading, "Foreign Post Office", after the words, "Director of Postal Services" in columns 2, 3 and 5 wherever they occur the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(f) under the heading, "Postal and Railway Mail Service, Divisional and Sub-Divisional Offices" in columns 2 3 and 5 after the words "Director of Postal Services" wherever they occur, the words "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(g) under the heading "Post Offices" in columns 2, 3 and 5, after the words, "Director of Postal Services", wherever they occur, the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(ii) In Part-III-General Central Services, Class IV—

(a) under the heading, "Circle Office and Returned Letter Office" in column 5, after the words, "Director of Postal Services", the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(b) under the heading, "Savings Bank Control Organisation in Head Offices including Central Control Organisation" in column 5 after the words, "Director of Postal Services", wherever they occur, the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(c) under the heading "Internal Check Organisation in Circle Offices", in column 5, after the words, "Director of Postal Services" the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(d) under the heading, "Postal Savings Banks under the charge of Managers Grade I, II and III", in column 5 after the words, "Director of Postal Services", the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(e) under the heading, "Foreign Post Offices", in column 5, after the words, "Director of Postal Services", the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted;

(f) under the heading "Postal and Railway Mail Service, Divisional and Sub-Divisional Offices," in column 5, after the words, "Director of Postal Services" in both the places wherever they occur, the words, "Regional Director of Postal Services" shall be inserted.

[No. 153/4/79-Disc. II]

नई दिल्ली, 6 जून, 1980

का० आ० 1692.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 34 के साथ पठित नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के संचार मंत्रालय (डाक-तार) की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 620, तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, भाग II-साधारण सिविल सेवा, समूह 'ग' में डाक-तार प्रशिक्षण केन्द्र और डाक प्रशिक्षण केन्द्र "निदेशक (स्टाफ), डाक तार निदेशालय" पद के स्थान पर, जहां कहीं वह स्तंभ 2, 3 और 5 में आता है, "निदेशक (ई०टी०पी०), डाक तार निदेशालय" पद रखा जाएगा ।

[सं० 154/10/79-डिस्क० II]

New Delhi, the 6th June, 1980

S.O. 1692.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Govt. of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S.R.O. 620, dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification, in Part-II-General Civil Services Group 'C', under the heading, Posts and Telegraphs Training Centre and Postal Training Centre , the expression, "Director (Staff), Posts and Telegraphs Directorate", wherever it occurs in columns 2, 3 and 5, the expression "Director (ETP), Posts and Telegraphs Directorate", shall be substituted.

[No. 154/10/79-Disc. II]

नई दिल्ली, 7 जून, 1980

का० आ० 1693.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण, और अपील) नियम, 1965 के नियम 34 के साथ पठित नियम 9 के उपनियम (2) नियम-12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना-संख्या का०नि०आ० 620, तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, "भाग II-साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग III" में, "टेलीफोन जिले और टेलीफोन जिलों के उप प्रभाग" शीर्षक के अधीन, :—

(i) स्तम्भ 1 में, "विशेष श्रेणियों के कर्मचारिवृन्द, जिनका मूल वेतन 150 रु० से अधिक है और समान वेतन मान वाले अन्य अनिपिकवर्गीय कर्मचारिवृन्द" शब्दों, अक्षर और अंकों का लोप किया जाएगा ;

(ii) स्तम्भ 1 में "महा प्रबंधक, टेलीफोन के भारसाधन में टेलीफोन जिलों में उच्च और निम्न श्रेणी लिपिक और आशुलिपिक" शब्दों के पश्चात् स्तम्भ 1 में तथा स्तम्भ 2 से 5 तक में उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
"कैश ओवरसियर ; रखवाल ; फेरो मुद्रक; टेलीफोन निरीक्षक; स्वचलित केन्द्र सहायक; मोटर चालक; प्रधान काष्ठकार रंगसाज ; चयन श्रेणी लिफ्टमैन	उपमहा प्रबंधक (टेलीफोन) ; क्षेत्रीय प्रबंधक; जिला प्रबंधक ।	उपमहा प्रबंधक (टेलीफोन) : क्षेत्रीय प्रबंधक; जिला प्रबंधक।	सभी	महा प्रबंधक, अपर महा प्रबंधक
		प्रभागीय इंजीनियर : यातायात अधीक्षक : (यातायात शाखा के कर्मचारिवृन्द के संबंध में) राजपत्रित अधिकारी वर्ग 2 (उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कर्मचारिवृन्द के के संबंध में)	(i) से (iv) तक (i) से (iv) तक	उपमहा प्रबंधक क्षेत्रीय प्रबंधक जिला प्रबंधक प्रभागीय इंजीनियर यातायात अधीक्षक"

[सं० 154/1/79-डिस्क० II]

New Delhi, the 7th June, 1980

S.O. 1693.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amend nents in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S.R.O. 620 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification, in "Part II. General Central Service, Class-III", under the heading, "Telephone Districts and Sub-Divisions of Telephone Districts",—

(i) in column 1, the words, letters and figures "Staff in special Grades the initial pay of which is more than Rs. 150 and other non-ministerial staff on a similar scale of pay," shall be omitted;

(ii) after the words "Upper and Lower Division Clerks and Stenographers in Telephone Districts under the charge of General Manager, Telephones" in column 1 and the entries relating thereto in columns 2 to 5, the following shall be inserted namely :—

1	2	3	4	5
"Cash Overseer; Care-Taker; Ferro Printer; Telephone Inspector; Auto Exchange Assistant; Motor Driver; Head Carpenter; Painter; Selection Grade Liftman	Deputy General Manager (Telephones) Area Manager, District Manager	Deputy General Manager (Telephones) Area Manager, District Manager	All	General Manager; Additional General Manager
		Divisional Engineer Traffic Supdt.; (in respect of Staff in the Traffic Branch).	(i) to (iv)	Deputy General Manager Area Manager; District Manager.
		Gazetted Officer Class-II (In respect of staff under his administrative control).	(i) to (iv)	Divisional Engineer; Traffic Supdt.

[No. 154/1/79-Disc. II]

नई दिल्ली, 10 जून, 1980

का० आ० 1694.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 34 के साथ पठित नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के संचार मन्त्रालय (डाक-तार) की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 620 तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, भाग 2, साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' में, "डाक-तार डाक मोटर सेवा के प्रबन्धकों के कार्यालय" शीर्ष के नीचे,—

(i) स्तम्भ 5 में, "दिल्ली सर्किल के संबंध में डाक-तार बोर्ड का सदस्य (प्रशासन)", "दिल्ली सर्किल में उपनिदेशक" और "(छोटी शास्तियों के संबंध में) दिल्ली सर्किल में उप निदेशक" पदों का जहां कहीं वे आते हैं, लोप किया जाएगा ;

(ii) स्तम्भ 1 में "चयन श्रेणियों में कर्मचारिवृन्द; गैरज फोरमैन" पद और स्तम्भ 2 से 5 तक में उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
चालक ; सवार हरकारा	प्रबंधक	प्रबन्धक, उप प्रबंधक	सभी (i) से (iv) तक	निदेशक, डाक, सेवा, प्रबन्धक।

[सं० 154/9/79-डिस्क II]
के० एल० कपूर, सहायक महानिदेशक (डिस्क)

New Delhi, the 10th June, 1980

S.O. 1694.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12, and sub-rule (i) of rule 24 read with rule 34, of the Central Civil Services (Classification, Control, and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Posts and Telegraphs) No. S.R.O. 620 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification, in Part II, General Central Service Group 'C', under the heading, "Offices of the Managers, Posts and Telegraphs mail Motor Service"—

(i) in column 5, the expressions "Member (Admn.), P&T Board in respect of Delhi Circle", "Deputy Director in Delhi Circle" and "Deputy Director in Delhi Circle(in respect of minor penalties)" wherever they occur shall be omitted.

(ii) after the expression, "Staff in Selection Grades; Garage Foreman" in column 1 and the entries relating thereto in column 2 to 5, the following shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5
Drivers; Despatch Riders	Manager	Manager, Deputy Manager	All (i) to (iv)	Director of Postal Services, Manager.

[No. 154/9/79-Disc.II]
K. L. KAPOOR, Asstt. Director-General (Disc. I)

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 16 मई, 1980

का०आ० 1695—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम, त्रिवेन्द्रम के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध विवाद एक औद्योगिक नियोजक और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० सुन्दरमनम डेनियल होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या त्रिवेन्द्रम प्रभाग के संबंध में भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधतंत्र की, सर्वश्री सी० के० वासुदेवन पिल्ले, एल० गोमथी अम्मल, पी० डी० पुष्पानगडम, वी० प्रभाकरण पिल्ले और सी०ई० एन्टोनी को, जो 4 जनवरी, 1974 से आशुलिपिकों के रूप में लगातार स्थानापन्न आधार पर कार्य कर रहे हैं, आशुलिपिकों के पदों से संबंद्ध वेतन मान न देने की कार्यवाही न्यायोचित है, यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ।

[फाईल सं० एल-17011(7)/79-डी०4(ए)]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 16th May, 1980

S.O. 1695.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Trivandrum and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Sundarsanam Daniel shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India in relation to their Trivandrum Division in not giving the scale of pay attached to the posts of Stenographers to Sarvashri C. K. Vasudevan Pillai, L. Gomathy Ammal, P. D. Pushpangadam, V. Prabhakaran Pillai and C. E. Antony who have been continuously officiating as Stenographers with effect from 4th January, 1974, is justified. If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?

[No. L-17011(7)/79-D.IV(A)]

New Delhi, the 7th June, 1980

S.O. 1696.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Cochin Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1980.

BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Government of India)

Monday, the 26th May, 1980

Industrial Dispute No. 21 of 1979

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Cochin Port Trust, Cochin).

BETWEEN

The workmen represented by

The General Secretaries :

1. Cochin Port Staff Association, Cochin-682003.

2. Cochin Port Employees Organisation, Cochin-682003.

AND

The Chairman, Cochin Port Trust, Cochin-682003.

REFERENCES :

Order No. L-35015(3)/78-D.IV(a), dated 25-4-1979 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 26th day of March, 1980 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal K. Balachandran and V. K. Subramanian, Advocates for the workmen and of Thiru K. V. R. Shenoy for Menon and Pai, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an Industrial Dispute between the workmen and the Management of Cochin Port Trust, Cochin referred to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in Order No. L-35015(3)/78-D.IV(A), dated 25-4-1979 of the Ministry of Labour, in respect of the following issues :

Whether with the reduction of working hours from 12 hours to 8 hours per day in respect of Drivers, Leading Firemen and Firemen in the Fire Service Department of Cochin Port Trust, the management are justified in discontinuing payment of 25 per cent compensation to such workers ? If so, what relief, if any, are the workers concerned entitled to ?

(2) Facts leading upto the dispute are not in controversy, Respondent is the Chairman, Cochin Port Trust, Cochin-682003 Kerala State. The reference made by the Government of India relates to Drivers, Leading Firemen and Firemen in the Fire Service Department of Cochin Port Trust. At present 59 employees are working in this department, 16 as Leading Watchmen, 7 as Drivers and 36 as Firemen. They were working under two shifts of 12 hours duration i.e. from 8.00 A.M. to 8.00 P.M. and 8.00 P.M. to 8.00 A.M. The Government of India granted these employees a compensatory allowance at the rate of 20 per cent of the pay and dearness allowance with effect from 20-7-1958. While so, Union No. 1, viz, Cochin Port Staff Association, Cochin raised a demand by its letter dated 11-8-1971 Ex. M-4 that the compensatory allowance so far paid was not adequate. Thereafter discussions followed and eventually the Board of Port Trust, Cochin agreed to enhance the compensatory allowance from 20 per cent of pay and dearness allowance to 25 per cent of the emoluments by its resolution dated 17-9-1971 vide Ex. M-7.

(3) While so, the Ministry of Home Affairs, Government of India went into the question of reorganisation of the entire fire fighting establishment of the Port including the equip-

ments of the department. The Deputy Fire Adviser of the Ministry of Home Affairs conducted an on the spot study and recommended that two shifts of these categories to be dispensed with and a uniform three shift system be introduced for all the fire service crew including the Special Officers (i.e. Sargeants who were already on 8 hour shifts. Ex. M-8 is the extract from the report of the Deputy Fire Adviser. The Respondent Management, viz., Board of Trustees of the Cochin Port Trust considered this suggestion of Deputy Fire Adviser of the Ministry of Home Affairs and came to the conclusion that acceptance of this recommendation under Ex. M-2 would be condusive to the better efficiency among the fire service personnel and will be able them to be more vigilant and alert. Therefore the Cochin Port Trust passed a resolution on 3-12-1977, extract of which is exhibited as Ex. M-9 and accordingly issued a notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act—vide Ex. M-9. Under this proposal, the Management intended to introduce three shifts of 8 hours applicable to all fire service and Fire Float personnel with effect from 1-1-1978. Union No. 1, viz., Cochin Port Staff Association raised their objection—vide Ex. W-3 to the proposals made by the Management. In paragraph (3) of the Ex. W-3, Union No. 1 has specifically stated that the Association has no objection for introducing three shifts of 8 hours system. But it was raising objection in causing reduction in the emoluments of the Fire Service Personnel. Ex. W-5 is another letter of Union No. 1 dated 19-8-1978, wherein the Union has made it clear that they have no objection to the introduction of 8 hours shift system but they resist the change in shift hours because of the adverse financial hardship that would cause to the workmen concerned due to their reduction in their pay packet to the extent of 25 per cent. Ex. W-4 is the conciliation failure report submitted by the Assistant Commissioner of Labour (Central), Ernakulam to the Government of India dated 4-4-1978. From Ex. W-4, it can be gathered that the present dispute has been raised not only by Union No. 1 but also Union No. 2, viz., Cochin Port Employees Organisation. At page 2 of Ex. W-4, the case put forward by the workmen has been summarised by the Conciliation Officer, in that, the Unions have no objection to the introduction of 8 hours shift system, but they would resist the attempt of the Management to reduce the pay packet to the extent of 25 per cent. It is under these circumstances, the Government of India has made the present reference which does not cover the introduction of 3 shifts of 8 hours but only whether with the introduction of this 3 shifts of 8 hours the Management are justified in discontinuing payment of 25 per cent compensation to workers. Both the Unions have jointly filed a claim statement before this Tribunal on 28-6-1979 and the Management has filed their counter statement on 14-8-1979. Therefore, the only point that has to be determined is whether in spite of the introduction of 3 shifts of 8 hours duration in the place of 2 shifts of 12 hours duration is justified in the light of the Management's refusal to pay 25 per cent of the emoluments as compensatory allowance as hitherto paid to these employees.

(4) In order to appreciate the controversy, it will be necessary to examine the nature of the work performed by these employees. It is admitted at page 2 of the joint claim statement filed that the duties of these employees were considered as essentially intermittent in character. That is to say, it is not as though the employees are on work throughout their period of duty but as and when there is any call, the employees have to perform their duty. The work of these employees is essentially not continuous but intermittent in character like drivers, leading firemen and firemen of the First Service, First Aiders and the Drivers I and II Class and Lascars engaged on watchkeeping duty on dredgers. Originally, there were only 2 shifts of 12 hours duration from 8.00 A.M. to 8.00 P.M. and 8.00 P.M. to 8.00 A.M. The workmen were thus working for 12 hours per day (i.e.) for 72 hours per week. As a result of the introduction of 3 shifts of 8 hours, the hours of a duty of these employees were reduced from 12 hours to 8 hours per day. In other words, they are now working for 8 hours alone per day. As I had already referred to both the Unions do not have any objection to the introduction of the 3 shifts of 8 hours duration, but they only resist the discontinuance of compensatory allowance paid to the employees representing 25 per cent of their emoluments. It is undisputed that the system of working in 3 shifts is also in vogue in many other essential services like electrical, water supply and hospital in Cochin Port.

(5) That leads me to the consideration of the crucial question whether the discontinuance of the compensatory allowance to these employees is justified. In the first place, it is stated by the unions that the compensatory allowance till now paid to these employees is a part of the emoluments of the Fire Service personnel and therefore its withdrawal cannot be held to be legal or justified. But it must be pointed out that the Management has issued the necessary notice under section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947 before the introduction of the 3 shifts system. This 3 shifts pattern has been introduced and in vogue with effect from 1-2-1979 and ever since no employee has worked more than 8 hours a day. It should also be remembered that as a result of the introduction of 8 hours shift, more personnel had been employed recruiting 29 extra hands (as against the existing 59) for working these 3 shifts and those workmen were not paid any allowance from 1-2-1979. In this context, it has to be examined the basis on which compensatory alloance was originally granted to these employees who were engaged on duty which is essentially intermittent in character. Originally, 20 per cent of pay plus Dearness Allowance per mensem was granted to the categories of workmen including drivers, leading firemen and firemen effective from 20-7-1958 as compensatory allowance for work which spread over a period in excess of 9 hours or 48 hours a week. Ex. M-4 is the letter of the President, Cochin Port Staff Association to the Chairman, Cochin Port Trust, Cochin-3 dated 11-8-71. In Ex. M-4, the Union has categorically pointed out that the Fire Service Personnel are put to 12 hours work a day and they are paid only 20 per cent of their pay as compensatory allowance for the 4 hours extra duty which is quite inadequate. Therefore it can be easily gathered that this compensatory allowance which was originally 20 per cent of their pay and subsequently 25 per cent of their total emoluments had been granted on the ground of 4 hours extra duty put in by these workmen. As a matter of fact, this aspect has also been taken into consideration by the Deputy Fire Adviser of Ministry of Home Affairs in his report Ex. M-8, where he points out that the Leading Firemen, Drivers and Firemen follow the 2 shifts system, working for 12 hours at a stretch and drawing overtime allowance for the extra 4 hours they normally perform. Therefore, it can be safely concluded that this 25 per cent compensatory allowance given to these workmen were only for the extra 4 hours of duty carried on by them in excess of 8 hours duty. As I have already pointed out the nature of work of these employees is only intermittent and not continuous. Therefore when 3 shifts of 8 hours scheme is introduced, certainly the employees will not be entitled to compensatory allowance of 25 per cent of their emoluments for the extra 4 hours. Therefore the withdrawal of compensatory allowance paid to the employees while on 2 shift basis cannot be considered to be unjust or illegal consequent on the introduction of 3 shifts of 8 hours duration.

(6) I may also refer to a few hardships and sufferings to which these employees may be subjected to consequent on the introduction of 3 shifts system. It is true that 3 shifts now in vogue is from 8.00 A.M. to 4.00 P.M., 4.00 P.M. to 12.00 (midnight) and 12.00 (midnight) to 8.00 A.M. Two points are urged, viz., that there are no transport facilities available between 9.00 P.M. and 6.00 A.M., likewise canteens are also not available. No doubt, to switch over from people accustomed to 2 shifts system to 3 shifts system a day will be hard and may pose its own teething problems. But in the larger interest of administration of duties when additional opportunities are also made available to more personnel the difficulties should not be made much of. Because it should also be remembered that the 3 shifts system is also in vogue in the same Port with regard to several departments such as electrical, water supply and hospital. It is also undenied that the workmen are provided necessary rest facilities during periods when transport may not be available and that there are public canteen facilities available in the vicinity. Although public transport facilities may not be available from 9.00 P.M. to 6.00 A.M., other transport facilities are certainly available between Willingdon Island and the main land at all times. Under these circumstances, the withdrawal of compensatory allowance to the employees originally working in 2 shifts system with effect from 1-2-1979 cannot be held to be unjustified or unfair.

(7) In the result, an Award is passed holding that the Management is justified in discontinuing the payment of 25 per cent of pay as compensatory allowance to its workers

consequent on the introduction of 3 shifts of 8 hours with effect from 1-2-1979. In the peculiar circumstances, I direct the parties to bear their respective costs.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

Dated, this 26th day of May, 1980.

[No. L-35015/3/78-D.IV(A)]
S. S. MEHTA, Desk Officer

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None

DOCUMENTS MARKED

For Workmen :

Ex. W-1/24-9-59—Letter from the Government of India to the Cochin Harbour intimating the sanction to the payment of compensatory allowance plus Dearness Pay. (copy).

Ex. W-2—Minutes of Proceedings of the Board of Directors held on 17-9-71 according sanction to enhance the existing rate of compensatory allowance (copy).

Ex. W-3/17-12-77—Letter from Union No. 1 to the Management for introduction of three shift system without any reduction in the emoluments (copy).

Ex. W-4/4-4-78—Conciliation failure report (copy).

Ex. W-5/19-8-78—Letter from Union No. 1 to the Government regarding change of shift hours of workmen in Fire Service Department (copy).

For Management

Ex. M-1/1-7-69—Letter from the Government to the Cochin Harbour regarding payment for overtime work (copy).

Ex. M-2/29-7-59.—Letter from the Management to the Government regarding compensation to the "intermittant" category of workers (copy).

Ex. M-3/24-9-59—Similar to Ex. W-1.

Ex. M-4/11-8-71—Letter from Union No. 1 to the Management for increasing the existing rate of compensatory allowance (copy).

Ex. M-9/17-9-71—Record of discussions of the Sub-Committee with the representatives of Union No. 1 regarding enhancement of existing compensatory allowance (copy).

Ex. M-6/16-9-71—Agenda for the meeting of the Board of Trustees to be held on 17-9-71 regarding compensatory allowance (copy).

Ex. M-17/17-9-71—Similar to Ex. W-2.

Ex. M-8—Extract of para 10.2 of the report of the Deputy Fire Adviser, Ministry of Home Affairs.

Ex. M-9/3-12-77—Notice u/s. 9-A of the I. D. Act, 1947 regarding change of shifts (copy).

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer

Note : Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of the Award.

आदेश

नई दिल्ली, 28 मई, 1980

का०आ० 1697.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कर्नाटक बैंक लिमिटेड, मंगलौर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री शानमुगप्पा होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या कर्नाटक बैंक लिमिटेड, मंगलौर के प्रबन्धतंत्र की अग्रिम विभाग कर्नाटक बैंक मुख्यालय, मंगलौर के श्री ए० योगीशवरा हेब्बर, क्लर्क, को श्रेणी II अधिकारियों के पदों के सीधे भर्ती के 25% कोटे के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने के अवसर से वंचित रखने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं०एल-12012/201/79-डी०II (ए)]

ORDER

New Delhi, the 28th May, 1980

S.O. 1697.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Karnataka Bank Ltd., Mangalore and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Shanmugappa shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Karnataka Bank Ltd., Mangalore in denying opportunity to Shri A. Yogishwara Hebbar, Clerk, Advances Department, Karnataka Bank Head Office, Mangalore to compete for the direct recruitment quota of 25 per cent for the posts of Class III Officers is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012/201/79-D.II(A)]

आदेश

नई दिल्ली, 6 जून, 1980

का० आ० 1698.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व आल इंडिया स्टेट बैंक आफ इंडिया आफिस फैडरेशन, मद्रास करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और उक्त विवाद का स्वरूप ऐसा है कि उसमें एक से अधिक राज्य में स्थित भारतीय स्टेट बैंक के औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ऐसे विवाद से हितबद्ध या प्रभावित होने की संभावना है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण द्वारा न्याय-निर्णयन किया जाना चाहिए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार—

(i) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और न्यायमूर्ति श्री चिंतामन तुकाराम दीघे को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है, और

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त औद्योगिक विवाद को उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र की क्रमशः 31 दिसम्बर, 1976 और 31 दिसम्बर, 1977 को समाप्त हुए लेखा वर्षों के लिए हकदार कर्मचारियों को देय बोनस की राशि का निर्धारण करने के लिए बोनस संदाय अधिनियम की धारा 4 के अधीन अपेक्षित सकल लाभ की संगणना के प्रयोजन हेतु वर्ष 1976 और 1977 के दौरान आकस्मिकता निधि के आरक्षित निधि में अंतरित 25 करोड़ रु० और 10 करोड़ रुपये की राशि पर विचार न करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कमकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० एल-12011/2/80-डी-II(ए०)]
एस० के० विश्वास, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 6th June, 1980

S.O. 1698.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen represented by All India State Bank of India Office Federation, Madras in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the said dispute is of such a nature that industrial establishments of the State Bank of India situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute ;

And whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Industrial Tribunal.

Now, therefore, the Central Government :

(i) In exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Justice Shri Chintaman Tukaram Dighe as its Presiding Officer ; and

(ii) in exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 10 of the said Act, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India in not taking into account Rs. 25 crores and Rs. 10 crores transferred from contingency to reserve fund during the years 1976 and 1977, for the purposes of computation of gross profits as required under Section-4 of the Payment of Bonus Act for determining the quantum of bonus payable to the entitled employees for the accounting years ended on the 31st December, 1976 and 31st December, 1977, respectively is justified ? If not, to what relief are the employees concerned entitled ?

[No. L-12011/2/80-D.II.(A)]

S. K. BISWAS, Desk Officer

New Delhi, the 5th June, 1980

S.O. 1699.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 28th May, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 24 of 1978

(Ministry's Order No. L-20012/46/78-D.III(A), Dt. 24-8-78)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, Distt. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 22nd May, 1980

AWARD

This is a case of dismissal of the workman from service with effect from 16-9-1974 by the employer-management of Muraidih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited. The reference made to this Tribunal reads thus :

"Whether the action of the management of Muraidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Nawagarh, District Dhanbad, in dismissing Shri Ram Pada Acherjee, Clerk, from service with effect from the 16th September, 1974, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The charge against the workman is that he prepared wagesheet for week ending 10-6-1974 after having accepted the report of Sri K. K. Khosla, Munshi wherein he later had falsely booked the truck loading trips knowing well that the munshi's report was not countersigned by other field staff which was the normal practice followed before billing. As a result of this omission a sum of Rs. 970.40 was paid to the labourers wrongly. It is further said in the charge that the workman in making this omission acted in connivance with the Munshi in his act of fraud and dishonesty with the management which was a misconduct under paragraph 18(i)(9) of the Model Standing Orders. In reply to the charge the workman repudiated the allegation regarding normal practice of preparing wagesheets as mentioned in the charge. According to him the normal practice was to prepare wagesheet on the basis of the Munshi's report. It is also said in the reply that the munshi's report for week ending 10-6-1974 was missing from the file which was not in the custody of the workman. The payment of Rs. 979.40 was not due to any fault of the workman but was purely due to the fault of the Munshi who prepared false report regarding truck loading. According to the workman he had no concern with the act of dishonesty and fraud alleged to have been committed by the munshi. The management not being satisfied with the reply ordered for a domestic enquiry. The finding of the Enquiry Officer in the domestic enquiry was that the workman was guilty of the charge. The management examined as many as five witnesses in the domestic enquiry including the Manager, Asstt. Manager and the Munshi, Sri K. K. Khosla. On the side of the workman three witnesses were examined including the workman himself. After scrutiny of the evidence led by the parties the Enquiry Officer recorded a finding against the workman and on the basis of that report which was accepted by the concerned authorities the workman was dismissed.

3. It may be stated at this place that while issuing a chargesheet against the workman the concerned Munshi Sri K. K. Khosla was also chargesheeted for dishonesty and fraud. There was a separate enquiry for Shri Khosla and the Enquiry

Officer also found him guilty. Sri Khosla also admitted his guilt. Consequently he was also dismissed after making some payment to the management to compensate the loss sustained by it on account of the false report given by the delinquent.

4. A dispute having been raised regarding dismissal of the workman concerned the appropriate Government have made the above reference.

5. After receipt of the reference parties were noticed and they filed their respective written statements and rejoinders. Before going into final hearing the question regarding fairness of the domestic enquiry was taken up as desired by the management and by order dated 14-1-1980 the enquiry has been held to be fair and proper. The question of perversity of the finding of the Enquiry Officer has been left open with the consent of both parties to be gone into at the time of hearing of the case on merit.

6. From the reply given to the charge as well as from the written statement of the workman it is found that the consistent stand of the workman has all along been that he acted bona fide in preparing the wagesheet without knowing that the munshi's report on the basis of which he prepared the wagesheet was a false one. His further stand is that there is no prevailing practice in the colliery in question that no wagesheet can be prepared on the basis of munshi's report unless the report is countersigned by supervisory staff of the management. The fact that the munshi's report in the case on the basis of which the workman prepared the wagesheet for the week ending 10-6-1974 is not countersigned by any member of the supervisory staff is not disputed by the workman. The charge against the workman as has been indicated above is that he acted in connivance with munshi in his act of fraud and dishonesty with the mnagement. It is therefore clear that the case against the workman is that he know that the munshi's report on the basis of which he prepared wagesheet was a false one and that with that knowledge he connived with the munshi and prepared the wagesheet on the basis of the false report. The munshi of cause as stated earlier has admitted his guilt and has been dismissed from service after compensating the management for the loss sustained by it on account of his report. The questions therefore which are left to be determined are as to whether the workman concerned knew that the report of Sri K. K. Khosla was a false one, whether with that knowledge he prepared the wagesheet resulting in loss to the management and whether the normal practice followed in the colliery was that no wagesheet will be prepared on the basis of a munshi's report unless the same is countersigned by supervisory staff.

7. After going through the evidence recorded in the domestic enquiry I do not find anything to arrive at the conclusion that at the time the workman prepared wagesheet he had knowledge that the munshi's report was a false one. Each and every witness examined on behalf of the management has deposed about the prevailing practice that a wagesheet is not prepared on the basis of a munshi's report unless it is countersigned by supervisory staff. The witnesses for the management, however, have admitted that there is no such written instruction and the Bill Clerk who is entrusted with the work of preparing wagesheet on the basis of munshi's report for his own protection generally looks for countersignature of members of the supervisory staff in the report and when such signature is not there he gets the report verified either from the Asstt. Manager or from the Manager. It is also admitted by some of the witnesses that on some occasions wageshcets have been prepared on the basis of munshi's report without counter signature. It is the case of the workman concerned that he had not got sufficient experience regarding the work of preparation of wagesheet. He was appointed originally as Despatch Clerk and thereafter he was doing the work in provident fund section. According to him on the date he prepared the wagesheet in question he was asked by the Asstt. Manager to do it. The workman resented because the work-load in his hand was very heavy. But still then the Asstt. Manager insisted and promised to help the workman in preparing wagesheet. This stand taken by the workman is of couse denied by the management but there is no clear assertion either in the written statement or in the rejoinder filed by the management that on previous occasions the workman had been posted to the seat where wagesheets used to be prepared. The only assertion in the pleading of the management is that the management has got the right to ask a clerk to work in any seat and that prior to the occasion in question the workman had worked in various seats. This stand of the management does not go to show that the particular assertion made by the workman that at the time when he was asked to prepare wagesheet he was in the provident fund section and that under the orders of the Asstt. Manager he had to take up the work of preparation of wagesheet for the week ending 10-6-1974 is denied. The witnesses examined by the workman in the domestic enquiry while asserting that there is no instruction from the management not to prepare a wagesheet on the basis of a munshi's report not countersigned by supervisory staff have also deposed that on several occasions wagesheets have been prepared on the basis of Munshi's report not countersigned by supervisory staff. This being the state of evidence the finding of the enquiry officer that the charge against the workman that he connived with the munshi in his act of dishonesty and fraud with the management has been established cannot be said to be based on evidence. In this view I hold that the finding of the enquiry officer is perverse. In the absence of any written instruction or rules and in the absence of proof of any prevailing practice, when the workman's stand is that in normal course he was not to prepare the wagesheet for the week ending 10-6-1974 as the work did not belong to his seat, merely because the workman on some previous occasion had prepared some wagesheets which fact has been deposed to by some of the management's witnesses it cannot be said that the workman was aware of the prevailing practice and violated the same. There being no rule or written instruction regarding preparation of wagesheet, question of violation of such rule or instruction does not arise. The case of the workman is that in good faith he relied upon the munshi's report. Nothing has been elicited in course of recording evidence in the domestic enquiry to show that the workman lacked good faith at the time when he prepared wagesheet. It is alleged on behalf of the workman that after he prepared the wagesheet in question the same has been countersigned by the manager. True counter signature of the manager does not ipso facto go to show that he verified correctness of the wagesheet after comparing it with the munshi's report. But whatever it may be from the facts and circumstances revealed it is very difficult to throw away the workman's case that he was not acquainted with the normal practice as deposed to by the management's witnesses to be followed in preparing wagesheets and that in good faith he accepted the correctness of the munshi's report while preparing the wagesheet. Admittedly the workman was not connected with payment as per the wagesheet prepared by him. The management does not come forward with such a case. It is not the case of the management that in the money wrongly paid by the management on the basis of wagesheet prepared by the workman he got any share. No intimate relationship between the workman and Sri K. K. Khosla has either been pleaded or established. There is no evidence of connivance between the workman and the munshi. In these circumstances the order of dismissal cannot be said to be justified on the basis of the finding of the Enquiry Officer. The decision relied upon by Mr. G. Prasad, namely, 5 SCLJ. 2999 (Balipara Tea Estate v. Its Workmen) and 3319 (Titaghur Paper Mills Company, Ltd v. Ram Naresh Kumar) are cases before Sec. 11A was introduced in Industrial Disputes Act by amendment. Therefore it was said in those decisions that a Tribunal was not competent to set aside the findings arrived at in the domestic enquiry except in very extraordinary circumstances. But after introduction of Sec. 11A into the Act the position has changed and at present a tribunal can reappraise the evidence in domestic enquiry to see if the finding in the enquiry is justified and if the quantum of punishment is heavy and excessive. The aforesaid decisions, therefore, are of no avail to the management.

8. An interesting point of law has been raised by Mr. G. Prasad learned counsel for the management. The point raised by him has also been taken in the pleading. It is argued by Mr. Prasad that the workmen prior to raising of the present dispute had instituted a Civil Suit for setting aside the order of dismissal and for reinstatement. The said suit having filed it is not open to the workman concerned again to seek remedy under the provisions of the Industrial Disputes Act. This contention of Mr. Prasad is without any substance. In the decision reported in 12 SCLJ. 278 (Automatic Electric Pvt. Ltd.

and Engineering Mazdoor Sabha & others) it has been held as follows :

"(1) If the dispute is not an industrial dispute nor does it relate to enforcement of any other right under the Act the remedy lies only in the civil court.

(2) If the dispute is an industrial dispute arising out of a right or liability under the general or common law and not under the Act, the jurisdiction of the civil court is alternative, leaving it to the election of the suitor concerned to choose his remedy for the relief which is competent to be granted in a particular remedy.

(3) If the industrial dispute relates to the enforcement of a right or an obligation created under the Act, then the only remedy available to the suit or is to get an adjudication under the Act.

(4) If the right which is sought to be enforced is a right created under the Act such as Chapter VA then the remedy for its enforcement is either section 33C or the raising of an industrial dispute as the case may be."

The order of dismissal in the present case has been passed against the workman under the provision of Model Standing Orders. Standing Orders are not statutory in character. They are at best conditions of service and so contractual. For an action against an order of dismissal not in accordance with provision of Standing Orders the remedy is only for compensation and not for reinstatement. The suiter who goes to civil court challenging the order of dismissal passed against him under the Standing Orders and prays for reinstatement cannot be said to be swing for declaration of any legal character. Such a remedy is not available under the common law. He can of course approach the civil course for compensation. In the present case the workman had instituted the suit to set aside the order of dismissal and for reinstatement. Such a remedy was not available to him in civil court. Where remedy is available under the civil law as well as under Industrial Disputes Act then only when one goes to civil court for the remedy and fails he cannot be permitted to seek the same remedy under the industrial Disputes Act. But where the remedy is not available in the civil court and a suit is instituted by a person for such remedy the suit must be held to be without jurisdiction and so such a suit cannot be a bar for any action taken for the same remedy under the special enactment. The doctrine of election does not apply. In the present case the suit filed by the workman in civil court was without jurisdiction, therefore, his suit to obtain remedy in the civil court cannot stand as a bar to seek remedy under Industrial Disputes Act. Mr. Prasad to contradict the position of law thus stated cites before me two decisions reported in AIR 1980 SC. 16 (Sitaram Vs. Pigment Cakes & Chemicals Mfg. Co.) and 1979 Lab. I.C. 319 (Biswanath V. Ramesh Chandra). The earlier decision is a subsequent decision of Supreme Court. There in that case the suit by the workman was for compensation. Therefore, their Lordships in that case said that by reading the plaint as a whole it cannot be said that the civil court had no jurisdiction. The law laid down in that decision is not a departtured from the law laid down by the same court earlier reported in 12 SCLJ. 278 (supra). The other decision is a single bench decision of Orissa High Court. Even reading that decision I do not find anything there which is contradictory to the decision reported in 12 SCLJ. 278 (supra). The relief of reinstatement which the workman now claims is nothing but enforcement of a right under the Industrial Disputes Act. That being so civil court has no jurisdiction to give the relief and relief can only be made available to the workman under the Industrial Disputes Act. Consequently the earlier filing of civil suit by the workman cannot be a bar against him for relief under the Industrial Disputes Act.

9. No other point has been canvassed before me. In the result, therefore, the impugned order of dismissal is liable to be set aside not being justified and the workman concerned is entitled to reinstatemnt in his service with full back wages from the date of his dismissal till the date of reinstatement. The reference is answered accordingly.

Sd/-
B. K. RAY, Presiding Officer
[No. L-20012/46/78-D.III(A)]

S.O. 1700.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gopalichuck Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th May, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947;

Reference No. 7 of 1978

(Ministry's Order No. L-20012|150|77-D.III(A), Dated 15-6-78)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gopalichuck Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers..Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workman..Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY Coal

Dhanbad, the 21st May, 1980

AWARD

The reference in this case reads thus :

'Whether the action of the management of Gopalichuck Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. Post Office Kusunda, District Dhabad, in dismissing Shri Chandrama Mishra, Vocational Training Instructor with effect from the 1st September, 1978, is justified If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. After notice to the parties they have filed their written statements and rejoinders. In the written statement filed by the management it is asserted that the concerned workman has been dismissed from service having been found guilty of misconduct as per the provisions of the certified Standing Orders after a fair and proper domestic enquiry. The assertion is denied by the workman in his written statement. He also says that there has been no fair and proper domestic enquiry as claimed by the management and that principles of natural justice have not been followed in such enquiry. It is on account of these assertions by the parties on the question as to whether there has been a fair and proper domestic enquiry, on the petition of the management the question was taken up for hearing as a preliminary point. While hearing on the preliminary point the management examined the officer who conducted the enquiry. No witness was examined on behalf of the workman at that time. By order dated 21-2-1980 this Tribunal has held that there has been a fair and proper domestic enquiry. At the time of hearing on this preliminary point a question was raised by Mr. B. Joshi learned counsel for the workman that in the absence of the Form C Register whether the enquiry officer was right in relying on the oral testimony of the management's witnesses in the domestic enquiry. It was agreed by both parties at the time of hearing on preliminary point that the question raised by Mr. Joshi as to whether in the absence of Form C Register the oral testimony of the management's witnesses examined in the domestic enquiry should be believed would be considered at the time of main hearing of the case.

3. The case of the management as made out in its written statement may be briefly stated thus. The workman concerned having held a supervisory post and being in receipt of wages much above Rs. 500 per month at the relevant time he is

not a workman within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, and so the reference is bad in law. Conceding but not admitting that the workman was not holding a supervisory post as mentioned above at the relevant time he being an Instructor in Vocational Training School, his status was that of a Teacher and not that of a workman. Therefore on this score also the reference is not sustained in law. On 8-10-75 the workman who was then a Vocational Training Instructor had been asked to report with the trainees at Bansdeopur Colliery in the morning. Instead of reporting at Bansdeopur Colliery he at about 9.30 a.m. led a demonstration in front of the office of the colliery Manager in Gopalichuck Colliery, instigated the workers for gheraoing the Manager and the other officers and for assaulting them. As a result of the incitement given by the workman a section of workers became agitated and started throwing sand and ash on the officers, who were standing near about. The mob also flattened the tyres of the Manager's car. The workman thus while taking part in the demonstration misbehaved with the officers using abusive and threatening languages. As the action of the workman concerned was detrimental to discipline and amounted to gross misconduct, he was chargesheeted on 17-10-75 for leaving the work place without permission, for threatening, abusing superiors, for indulging in riotous and disorderly behaviour and for preaching and inciting violence amongst the workers. The workman in his reply to the charges having denied the allegations in the chargesheet and having taken a plea that he was at Bansdeopur Colliery, at the relevant time, the management was not satisfied with the reply and so ordered for a domestic enquiry. Sri D. N. Jha, Senior Personnel Officer (IR) was appointed as Enquiry Officer. The enquiry started on 10-4-76 and continued upto 20-5-76. The Enquiry Officer gave all possible opportunity to the workman to defend himself and principles of natural justice were followed in the enquiry. The Enquiry Officer having been satisfied about the guilt of the workman after the enquiry submitted his report to the manager holding the workman guilty. On the report so submitted by the enquiry officer the appropriate authority in the management by letter dated 1-9-76 dismissed the workman. Further the workman having instituted Title Suit No. 166 of 1975 and having sought for injunction against the Management in that suit and the suit and petition for injunction both having been dismissed, it is not open to the workman to raise again an industrial dispute relating to the impugned order of dismissal as he had elected to take course to the remedy available to him in Civil Court. On these allegations the management claims that the workman is not entitled to any relief.

4. The case of the workman as appears from his written statement is as follows. At the relevant time when the workman was chargesheeted he was holding the post of Vocational Training Instructor and prior to that he was an overman of Gopalichuck Colliery Mazdoor Sangh. As a member of trade union called Mazdoor Sangh he was agitating the grievances of the workman before the manager of the colliery, namely, Sri J. P. Panda. It is on account of this the workman incurred the displeasure of the manager. The impunged order of dismissal is a measure of victimisation for the workmen's trade union activities. The transfer of the workman from the post of overman to the post of Vocational Training Instructor was with a motive to make it impossibles for the workman to indulge in trade union activities. The manager out of grudge for the workman for his trade union activities before taking action to dismiss him tried to evict him from his quarters by alloting a portion of the same quarters to Sri Nanda Kishore Mishra. As there was apprehension of breach of peace on account of this the workman had to file cases under Section 144 and 107 Cr. P.C. Those cases were filed on 30-9-75 and 1-10-75 respectively. These further annoyed the management. Thereafter the management threatened to dismiss the workman. The workman, therefore, had to file a Civil Suit and prayed for an injunction against the management on 3-10-75. Thus having found that the workman was not yielding the manager of Gopalichuck Colliery got the concerned workman falsely implicated in the incident of 8-10-75 and got a chargesheet dated 17-10-75 issued against him. The workman was nominated as workers Instructor by the union for inspection of mines and for bringing unsafe conditions in the mine to the notice of the management. In the capacity of workers' Inspector the workman concerned had to bring to the notice of the authorities the violation of different provisions of Mines Act and Regulations made thereunder. Such acts on the part of the workman further agitated the management which as stated above falsely implicated the workman in a case and got him illegally dismissed. The workman since his removal from service has remained unemployed inspite of his best attempt to secure a job. The act of the management in dismissing a workman is nothing but an act of victimisation and unfair labour practice. On these allegations it is claimed that the impugned order of dismissal should be set aside and the workman be reinstated in his post with full back wages.

5. At the time of hearing on merit Mr. T. P. Choudhury learned counsel for the management has not pressed the points of law taken in the written statement saying that the workman concerned not being a workman as defined in the Industrial Disputes Act, the reference is bad and that the workman concerned prior to raising the present dispute having sought his remedy in the Civil Court by instituting a Title Suit and the said suit having been dismissed he (the workman concerned) is not permitted in law to take recourse to any remedy even if available under the Industrial Disputes Act. It is therefore not necessary to deal with these points.

6. In course of hearing management has not examined any other witness except the one only examined at the time of hearing on the preliminary point regarding fairness of the domestic enquiry. The evidence so led at that time by the management are taken into consideration for the purpose of disposing the case on merit. On the side of the workmen he has only examined himself to substantiate his plea of victimisation, by proving certain documents, namely, the plaint in the Title Suit, the written statement filed by the management in the said suit, the petition filed and the order passed thereon under Section 107 Cr. P.C. the petition under Sec. 144 Cr. P.C. and some others.

7. While dealing with the merits of the case it has to be remembered that in the order dated 21-2-1980 holding the domestic enquiry to be fair and proper it has been said that the learned cousel for both parties had agreed that the question as to whether the oral evidence led by the management in the domestic enquiry in the absence of Form C Register could have been believed by the Enquiry Officer should be gone into at the time of final hearing of the case. So I take up this question before going into the question of victimisation. Mr. B. Joshi learned counsel for the workman strenuously argues that non-production of Form C Register by the management at the time of domestic enquiry as well as before this Tribunal even though the same was called for by the workman is fatal to the management's case. This contention of Mr. Joshi has sufficient force. Form C Register has to be maintained under the statute. When one enters into a mine his name and the time when he enters into the mine are noted in the register. Similiarly when he comes out of the mine the time when he comes out is also mentioned in the register. In the chargesheet issued against the workman Ext. M-1 the allegations against him was that on 8-10-75 at about 9.30 a.m. the workman was found instigating the workers who were demanding for payment of wages near the office gate of Gopalichuck Colliery for gheraoing the Manager and other officers on duty and for assaulting them on the plea that the management had deliberately failed to pay wages in time. The further allegation in Ext. M-1 was that on hearing hallah the manager came out of his office to pursuade the workers. In the meantime the workman came forward and incited the workers by saying that "Hah Sab Bahena Baji Hai ? Sidhi Anguli Sey Ghee Nehi Nekalta Hai Eskey Liay Terha Banna Parega." On this instigation the workers became furious and started throwing sand and ash on the officers standing near including the Manager. The mob also flattened the tyres of the car No. BRW-108 on the instigation of the workman. On these allegations Ext. M-1 was issued to the workman saying that he had committed misconduct of riotous disorderly and indecent behaviour at the premises of the colliery; that he had left the place of duty without permission; that he threatened and abused superiors, and that he preached violance or incited the workers to commit violence. According to the chargesheet the aforesaid acts of misconduct on the part of the workman were punishable under Model Standing Orders para 18. On issue of the chargesheet the workman was called upon to show cause why he should not be punished for his misconduct within 38 hours of the receipt of the chargesheet. In the reply to the chargesheet Ext. M-2 while

denying the allegations made in the chargesheet the workman said that at the relevant time he had been to another colliery with the trainees to impart job training to them as per statute. It is thus clear that from the very beginning the stand of the workman is that he was not present at the time of alleged occurance and at the time of the occurance he had gone to another colliery with the trainees for giving them job training. The papers relating to the domestic enquiry which have been exhibited in this case also shows that the workman stuck to this stand at the time of the domestic enquiry. The stand of the workman before this Tribunal also has remained the same. As. WW-1 the workman deposes that at the time of occurance he was not at the place of occurance. He was then in the Ekra Incline of Basudeopur Colliery and was imparting training to the trainees. He and the trainees got their attendances marked in the Attendance Register (Form C Register) before entering into the mine. The attendance register will show the time when he entered inside the mine. They entered into the mine at 10.00 a.m. It is because of this he had called for the register from the management. But the same has not been produced. It is thus evident that the stand taken by the workman from the very beginning that he was inside Ekra Incline of Basudeopur Colliery at the time of occurance and that he was not at the place of occurance as alleged by the management is consistent throughout. As has been mentioned earlier Form C Register is a statutory one and has to be maintained by the management. Production of that document relating to Basudeopur Colliery for the relevant period would have shown as to whether the plea taken by the workman is false. This register was called for by the workman and admittedly the same has not been produced on the plea that it is not traceable. It is not disclosed by the management since when the register is missing. While cross-examining the workman it has been put to him as a suggestion that since the time the manager of Basudeopur colliery was examined in the domestic enquiry it was known to everybody that the attendance register was missing. Reference may be made here to the evidence of the manager of Basudeopur Colliery taken in course of domestic enquiry. It is seen from the depositon of manager of Basudeopur Colliery that in the cross-examination he was asked whether he now since how long the workman remained inside the mine (Basudeopur Colliery). The answer given to the above question by the witness was that he would be able to answer this after going through the attendance register (Form C Register). This answer clearly shows that at the time when the witness was deposing in the domestic enquiry the attendance register was not missing. The suggestion made to the workman in course of cross-examination before the Tribunal is that since the time the manager of Basudeopur Colliery was examined in the domestic enquiry it was known to everybody that Form C Register was missing. The suggestion put to the workman in cross-examination does not fit into the answer given by the manager, Basudeopur colliery. If really the Form C register was missing it was expected that in the domestic enquiry the manager, Basudeopur colliery would disclose the fact. As I have already said the plea of the workman from the very beginning is a plea of ali bi. His positive case throughout has been that at the alleged place of occurance he was not present and that at the time of occurance he was inside Ekra Incline of Basudeopur colliery with the trainees. That being so the management should have realised the importance of attendance register (Form C register) from the very beginning in order to falcify the plea of ali bi taken by the workman. The custodian of the document has neither been examined in the domestic enquiry nor before this Tribunal. So it is very difficult to accept the plea of the management that Form C Register is really missing. This being the state of affairs an adverse inference should be drawn against the management to the effect that had the attendance register been produced it would have gone against the management. The lacuna for non-production of attendance register is sought to be removed by the management through the oral evidence of the witnesses including the manager of Basudeopur Colliery examined in the domestic enquiry. It is argued by Mr. T. P. Choudhury that if really the workman was inside Ekra Incline of Basudeopur Colliery at the relevant time there is no reason why the manager of that colliery would depose falsely against the workman. Similarly with reference to the evidence of witnesses for the management alleged to be present at the place of occurance it is said that in the absence of any plausible reason the witness to the occurance who have spoken about the presence of the workman at the place of occurance cannot be dis-believed. It is very difficult to swallow this argument because as has been pointed out earlier the case of the workman is one of victimisation. It is admitted that the concerned workman was taking active part in the activities of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh and that the union in reply to one of the letters to the manager wrote that the workman was the authorised representative of the workers of the union. It has been sufficiently established that long before the alleged date of occurance there was a dispute regarding allotment of quarters in occupation of the workman. May be the case of the workman that there was an attempt to evict him from his quarters by allotting the same to another by the management is not true. Regarding the question of allotment of quarters the case of the management is that it did not allot the same quarters which had been allotted to the workman but it allotted a porton of the building in which the workman's quarters were situated to another employee. Whatever it may be the fact remains that over the allotment of quarters there was a dispute on account of which the workman initiated a preceeding under Sec. 144 Cr. P. C. vide Ext. W-2. It is also a fact that the workman concerned initiated a proceeding under Sec. 107 P.C. as he apprehended breach of peace on account of some action of the management. Sec. Ext. W-4. Similarly it is also not disputed that the workman apprehending wrongful dismissal by the management initiated Title Suit No. 166 of 1975 in the Court of the Munsif first court and prayed for an injunction. True it has not been shown that none of the proceedings initiated by the workman ended in his favour. But that does not matter. All these proceedings were taken by the workman long before the issue of chargesheet against him. Thus it is clear that the feelings between the workman and the management before issue of the chargesheet and before the alleged occurance was not cordial. There is also evidence that on an earlier occasion a disciplinary action had been taken against workman by the management regarding a similar incident as in the present case. That being so it is very difficult to accept the oral testimony to management's witnesses in this case that the workman was present at the place of occurance and instigated the workman to commit violence as alleged in the chargesheet in the absence of best documentary piece of evidence, namely, Form C Register. That apart the evidence of the manager, Basudeopur Colliery, is that workman approached him on the alleged date of occurance i.e. 5-10-75 at about 11 a.m. with a number of trainees and produced a ltter from Gopalichuck Colliery containing a request to allow the workman and the trainees to go inside the mine at Besudeopur Colliery for the purpose of giving training to the trainees. As it was late according to the manager he asked the workman to come next day or some other day at about 9 a.m. so that there would be sufficient time to give instruction to the trainees inside the mine. The deposition of the manager is further to the effect that even after saying so be allowed the workman and the trainees to go to 12 Incline of Basudeopur Colliery. According to the manager the workman and the trainees went to 12 Incline but did not go inside the mine. The letter produced before the manager is Ext. M-15. This letter does not show the time when it was written nor there is any endorsement in the letter by the manager that it was received by him at 11 a.m. On the other hand there is an endorsement on this in the hand of the manager asking Senior Overman at the 12 Incline to allow the workman and the trainees. This endorsement does not show that the manager told the workman that it would be of no use to go incide the mine at 11 a.m. and that he would better come next day or any other day at 9.00 a.m. so that there would be sufficient time for giving training. The contemperaneous document Ext. M-15 does not support the oral testimony of the manager of Basudeopur Colliery. If the evidence of the manager is true one would normally expect an endorsement in his hand in Ext. M-15 that he had asked the workman to come some other day at 9.00 a.m. as it would not serve any purpose to go inside the mine at 11 a.m. There is no indication in Ext. M-15 about the advice given by the manager to the workman. On the other hand the endorsement on Ext. M-15 shows that he asked the Senior Overman to allow the workman to go to 12 Incline. The contemporaneous document Ext. M-15 being silent about the time when the workman approached the manager of Basudeopur Colliery on 8-10-75 and there being nothing to show in the document that he advised the workman to come some other day earlier,

the testimony of the manager cannot eb accepted when the most important document namely Form C Register is withheld. There is no reason why the Senior Overman at 12 Incline to whom the manager made a request to allow the workman to go to 12 Incline has not been examined. Similarly there is no reason why the author of Ext. M-15 has not been examined. The evidence of these two witnesses would have thrown light on the material question as to actually at what point of time the workman went to Basudeopur Colliery. It is argued by Mr. T. P. Choudhury that if the evidence of manager of Gopalichuck colliery and other witnesses alleged to be present at the place of occurance is believed it would mean that the occurance took place at abou 9.30 a.m. After the occurence there was sufficient time for the workman to go to Basudeopur colliery. The workmen's evidence is that he entered into the mine at 10 a.m. Mr. T. P. Choudhury therefore urges that there being a gap of half an hour between the time when the occurence took place and the time when the workman went inside the mine and the distance between the Gopalichuck colliery and Basudeopur colliery being very little they being adjoining collieries the version of both the manager as well as of the workman can be taken to be true. Therefore on the evidence of the workman himself it cannot be said that the workman was not present at the place of concurence. But this argument of Mr. Choudhury over-looks the evidence of management's witnesses according to whom the occurence continued for about 45 minutes. So therefore if the workman was present for 45 minutes at the place of occurence he would not be able to go inside the mine at Basudeopur colliery at 10 a.m. This is of course a mathematical calculation which I have made. The time spoken to by the witnesses on both sides may not be exact. The production of Form C Register would have given the exact time. To avoid a conclusion based on oral evidence regarding time Form C Register would have been of much assistance. It is well known when the witnesses depose about time they depose according to their own idea of time and they may not be exact while deposing about time. So it is not possible to accept the argument of Mr. T. P. Choudhury. Nothing has been shown under what circumstances Form C Register has been lost and since when. This being the state of affairs I am of the view that the attendance register has been withheld and for the reason given by me above the evidence of the manager of Basudeopur colliery cannot be accepted and so also the evidence of other witnesses for the management so far as their version about the time of occurence is concerned.

As many as eight witnesses have been examined on behalf of the management in the domestic enquiry. Of them MW-7 is a post concurrence witness. Regarding the actual words of instigation used by the workman the witnesses to the occurence differ. According to some of them the workman said that unless dandas are used matter cannot be settled. Other witnesses do not say about this. MW-5 is said to be the workman who had come to the office of the manager for his signature on a slip for Rollas, Bamboos and tiles. He was standing at the door of the manager's office. When both the manager and the Asstt. Manager with a office clerk came out of the office room, the workman showed the slip to the manager who threw it away. Thereafter the witnes accompanied the manager who went outside. According to the witness when the manager pursuaded the workers assembled the workman uttered abusive and threatening words. Thereafter according to the witness both the manager and Asstt. Manager went inside the office and he (witness) went to his home. This evidence appears to be very unnatural. According to other witnesses of the management after hearing the words spoken by the workman the workers who had assembled got instigated threw sand and ash and flattened the tyre of the car of the manager. Such being the statement of other witnesses it is not possible to accept the evidence of MW-5 that he went after hearing the workman using abusive words without waiting there to see what the crowd did after the alleged instigation.

On behalf of the workman as many as five witnesses have been examined in the domestic enquiry. Some of them are the trainees who accompanied the workman to Basudeopur Colliery on the alleged date of occurance. There is no reason why their evidence should not be accepted and the evidence led on behalf of the management should be preferred.

For the reasons given by me above I hold that the management has not been able to prove the charge against the workman in the domestic enquiry as well as here. The attendance register which should have settled the dispute accordingly has been withheld to falcify the workman's stand and to make out a case against him. Consequently I am of the view that the order of dismissal passed against the workman on the basis of finding in the domestic enquiry is not justified.

8. On the question of victimisation even though elaborate arguments have been advanced on both sides it is not necessary for me to give any finding because of the conclusion I have reached above. It may be said that on account of previous enemity between the workman on the one hand and the management on the other the management has foisted a false case against the workman in order to dismiss him from service. Likewise it may also be said that on account of hostality between the two sides the workman has come forward with a false plea of ali bi. As I have already said that the evidence led by the management to substantiate the charge against the workman is far from satisfactory, on the basis of such evidence the finding that the workman is guilty could not have been arrived at and on the basis of such finding therefore the order of dismissal is not justified. The impugned order of dismissal is therefore liable to be set aside and the workman is entitled to be reinstated with full back wages from the date of his dismissal till the date of reinstatement.

Sd/-

B. K. RAY, Presiding Officer

[No. L-20012/150/77-D.III(A)]

New Delhi, the 11th June, 1980

S.O. 1701.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of East Bhuggatdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd June, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Refenence No. 2 of 1979

PARTIES :

Employers in relation to the management of East Bhuggatdih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Jharia, Distt. Dhanbad.

AND

Their workman

APPEARANCES :

For Employers—Shri B. Joshi, Advocate,

For Workman—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress.

INDUSTRY : Coal STATE : Bihar

Dhanbad, the 27th May, 1980

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L 20012/50/79-DIII(A) dated 31st August, 1979.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of East Bhuggatdih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Jharia, Distt. Dhanbad in striking off the name of Shri Rambrichh Dusadh, General Mazdoor is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled and from what date ?

2. On behalf of the workman the General Secretary of the Khan Mazdoor Congress has filed a written statement of claim stating that the concerned workman was working as a General Mazdoor in East Bhuggatdih Colliery from 1-4-72 on a permanent basis. On 2-2-76 he fell ill. He was treated for some time at the colliery hospital. As he was not getting sufficient relief from this treatment he went under the treatment of Dr. B. Chowdhury, Ex-Civil Surgeon. He continued to be under Dr. Chowdhury's treatment till 25-6-76 on which date he was declared fit. With the fitness certificate issued by Dr. Chowdhury he reported for duty. The colliery management referred his case to the Colliery Doctor. He was later asked to go to the Area Colliery Hospital at Kustore. He was assured by the Kustore Area Hospital authority that he would be allowed to resume duty after obtaining some clarification from the Medical Officer. But no such certificate was issued by the hospital authorities enabling him to join duty. He also submitted a representation to the Area General Manager on 24-11-77. No reply is given to that representation. Then he placed his case before his union who raised an industrial dispute with the management before the A.L.C. (C) Dhanbad. The conciliation proceedings having ended in failure the present reference is made to his Tribunal. The workman prays that he may be reinstated in service with full back wages and continuity of service.

3. The management in their written statement stated that the workman ceased attending the colliery with effect from 20-1-76 without prior intimation. The management kept his name on the rolls till 3-1-77 expecting him to either resume duty or apply permission. No having received any communication from the workman they issued the letter dated 3-1-77 informing the workman that his name had been removed from the rolls on account of his continued absence since 20-1-76. They say that the present dispute has been raised nearly two years after the order dated 3-1-77. They submit that there is no ground for interference with the orders passed by them.

4. The management filed a rejoinder denying the material averments made in the workman's written statement of claim and the workman also has filed a rejoinder denying the several averments made in the management's written statement.

5. On the above pleadings the issues that arise for consideration are—

(1) Whether the workman was prevented by any justiable cause from attending duty from 20-1-76 ?

(2) If not, whether the action of the management in striking the workman's name off the rolls is justified ?

(3) To what relief ?

6. Issue (1).—The workman concerned is a General Mazdoor in the East Bhuggatdih Colliery having joined service on 1-4-72. The management's case is that from 20-1-76 he absented himself without prior intimation. Having waited till 3-1-77 for the workman to report himself for duty the management issued the letter Ext. M-1 informing him that his name had been removed from the rolls of the company on account of his absence without permission or previous intimation. The workman's case is that he attended duty till 1-2-76 and that he fell ill on 2-2-76. He claims to have obtained some treatment at the colliery hospital for some time and not getting satisfactory relief from the treatment he switched over to Dr. B. Chowdhury, Ex-Civil Surgeon. Dr. Chowdhury issued the certificate Ext. W-1 dated 19-6-77 certifying that the workman had been under his treatment from 2-2-76 to 19-6-76. He says that the workman might be allowed for duty from 26-6-77. Since this letter makes interesting reading it is reproduced here below :

"Dr. B. Chowdhury, Duplicate
M.B.B.S (RAN)
Civil Asstt. Surgeon,
Ex-Physician & Surgeon
Central Hospital.

Jharia

Dated 19-6-77

This is to certify that Sri Rambrish Dusad S/o Sri Kishun Ram 32 HM East Bhagatdih colliery, Jharia, Dhanbad had haemoplysis and cough on 2-2-76. He was treated and given rest for two months. After that he again came for cough and weakness. Hence he had been under my treatment from 2-2-76 to 19-6-76.

Now he is normal. He may be allowed fit for duty from 26-6-77.

Sd./-
19-6-77
Medical Officer
Jharia Block."

In para 4 of his claim statement the workman stated that with the certificate of Dr. Chowdhury he reproted himself for duty on 25-6-76 but was not allowed to do so. Thereafter he made some representation to the management Ext. W-5 dated 24-11-77. He also submitted a similar complaint to the Dy. Commissioner, Dhanbad District complaining about the management's failure to take him back in service. Finally he approached the union to take up his cause. As WW-1 the workman stated that with the certificate issued by Dr. Chowdhury he reported himself for duty on 19-6-76. The Manager of the colliery referred his case to the Central Hospital, Kustore where he says he filed the original Medical Certificate (Ext. W-1 purports to be only a duplicate) issued by Dr. Chowdhury along with the remarks passed by the Manager. The Central Hospital authorities after taking the medical certificate and the paper containing the remarks of the colliery Manager, handed over the empty cover Ext. W-2 to him. They failed to return the said documents to him. In his cross-examination he was asked if he did not get the original of the letter Ext. M-1 from the management informing him that his name was removed from the rolls. He answered in the negative. The Colliery Manager Mr. Sarkar examined as MW-1 deposed that a copy of the letter Ext. M-1 was sent by registered post to the home address of the workman. Ext. M-2 is the postal receipt evidencing the despatch of the letter by registered post. Another copy of Ext. M-1 was sent to the address of the workman for service through the peon book. Ext. M-3 is the endorsement made by the Peon on Ext. M-1 to the effect that the addressee was not available at the address. MW-1 says that the said endorsement is in the handwriting of the Peon, Narain Bauri with whose handwriting he is familiar. He also produces Ext. M-4 the Sick Register of East Bhuggatdih Colliery dispensary for the period 12-6-76 to 28-6-76 to disprove the workman's case that he was sent to the dispensary on 19-6-76. Under the relevant date there is no entry in the name of the workman in that register.

7. A careful examination of the evidence adduced on behalf of the workman does not support his claim that he was ill from 2-2-76 to 19-6-76. There is no idependent evidence to support his case that he fell ill on 2-2-76 and that he underwent treatment for some time at the colliery Hospital. The private practitioner Dr. Chowdhury is not examined to speak to the case that the workman was under his treatment upto 19-6-76. The certificate Ext. W-1 also does not appear to be a genuine one. It is dated 19-6-77. It stated that the workman was under his treatment from 2-2-76 and that he was found fit on 19-6-76, yet the Doctor recommends that the workman might be allowed to join duty from 26-6-77. It is not even the workman's case that Dr. Chowdhury treated him from 2-2-76. As WW-1 he deposed that after attending the colliery hospital for 15 to 20 days he went to Dr. dhury. The letter Ext. W-3 dated 18-2-76 addressed by the

workman to the Colliery Manager makes no mention of his illness since 2-2-76 and his absence from duty on that ground. It merely contains a request to put the workman on some work other than that of a bailing mazdoor. The letter Ext. M-1 issued by the Management striking off the rolls the workman's name must be presumed to have been served on the workman. It was sent to his home address by registered post. It is not the workman's case that the home address given in Ext. M-1 is incorrect. A copy of it sent to the colliery address was returned unserved as per Ext. M-3 endorsement. Even after the receipt of the registered letter he did not take any action. If only he had reported himself before the management soon after the receipt of Ext. M-1 and explained the circumstances under which he was compelled to remain absent, the management might have reconsidered their decision. Only during the year 1978 he raised an industrial dispute questioning the action taken by the management. Except the plea of sickness no other explanation is put forward on behalf of the workman for his continued unauthorised absence for nearly one year. This plea of sickness is not believed. In the circumstances Issue (1) answered against the workman.

8. Issue (2).—Sri S. P. Singh for the workman argued that even if the workman had been absent without permission as alleged, still the management was not justified in removing him from the rolls without issuing a chargesheet to him. Even assuming that the management went wrong in removing the workman from the rolls without holding a departmental enquiry, still it was open to the workman to show before this Court that he was prevented from attending the collery for sufficient reason which he failed to do. Further as submitted by Shri Joshi for the management, if only the workman had appeared before the management soon after the receipt of the letter Ex. M-1 the management might have reconsidered their decision and allowed the workman to resume duty. He did not care to follow that course. In the circumstances the action of the management in removing the workman from the rolls cannot be said to be unjustified. Sri S. P. Singh tried to submit that striking off the name of the workman from the rolls amounts to retrenchment and since the management failed to observe the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act before such retrenchment, the workman is entitled to be reinstated in service with full back wages. I do not agree. This is a case of abandonment of service and not retrenchment. Sri S. P. Singh submitted that the workman might be given another opportunity to work in this colliery condoning these lapses on his part. I see no reason why another opportunity should not be given to the workman. There is no evidence placed on the record to show that the conduct of the workman during the period he served in this colliery was in any way unsatisfactory. I feel that the workman may be given another chance to work. Sri Singh submitted that full back wages may be awarded to the workman. I feel that having regard to the fact that the workman remained absent without prior intimation for nearly one year, his inaction for a period of nearly two years from the date his name was struck off the rolls and also the fact he has come to this Court with a deliberately false case of sickness, I feel that it is not a fit case where any such relief should be given to him. Issue (2) found accordingly.

9. Issue(3).—In the result this reference is answered as follows :

The action of the management in striking off the name of the workman from the rolls is justified. But taking a lenient and humanitarian view the management is directed to reinstate the workman in his original job with effect from the date of publication of this Award as a fresh entrant. The workman will not be entitled to any back wages or any other benefit.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-20012/50/79-D.III(A)]

S.O. 1702.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pure Dhansar Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3 DHANBAD

Reference No. 11 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Pure Dhansar Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Dhansar, Dist. Dhanbad.

AND

Their workman

APPEARANCES

For the Employers—Shri T. P. Chowdhury, Advocate.
For the Workman—Shri J. D. Lal, Advocate.

Reference No. 12 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dhansar Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Dhansar, Dist. Dhanbad.

AND

Their Workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri T. P. Chowdhury, Advocate.
For the Workman—Shri D. Narsingh, Advocate.

INDUSTRY : Coal STATE Bihar

Dated, the 23rd May, 1980

AWARD

Reference No. 11/78

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L-20012/69/77-DIII(A) dated the 8th February, 1978.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Pure Dhansar Colliery, M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P. O. Dhansar, Dist. Dhanbad in refusing employment to Sri Rajendra Lal, Quarry Munshi, is justified ? If not, to what relief is the said workman entited ?"

2. The workman in his statement of claim pleaded that he joined service as a Munshi under a contractor in Quarry No. 7 of Pure Dhansar Colliery long before the date of take over of that colliery by the Central Government on 30-1-73. Even after the date of take over he continued to work in that colliery till he was stopped from service by the Manager with effect from 6-5-73. He alleges that one Narendra Prasad Sinha (N. P. Sinha or Sinha for short) was allowed to work in his place assuming his name with the active collusion of the local management. Sometime about September 73 on a complaint lodged by this workman an enquiry was held into the question whether N. P. Sinha was impersonating him and held against N. P. Sinha. In the light of the finding given by the Enquiry Committee, N. P. Sinha was stopped from work with effect from 28-2-75. His contention is that after the removal of N. P. Sinha from service on the ground of impersonation he should have been reinstated in his original post of Munshi. The management's refusal to reinstate him is characterised as unjustified, illegal and an act of unfair labour practice. He prays that he may be reinstated in his original job of Quarry Munshi with continuity of service with full back wages.

3. The management in their written statement state that Dhansar Colliery comprises of one mine and two quarries. The mine was nationalised with effect from 1-5-73, while the quarries were allowed to be worked by contractor. The contract system was abolished with effect from 1-8-73 and the contractor's employees were taken over by M/s Bharat Coking Coal Ltd. The management admits that prior to

1-8-73 the workman was on the rolls of this colliery. Since he was not actually working in that colliery on the relevant date viz. 1-8-73 they say the workman was not entitled to be absorbed in the service of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. It is their further case that the workman was otherwise employed as an Accountant in the Co-operative Stores of Sendra Bansjora Colliery on the relevant date viz 1-8-73 and that his services were terminated for some misappropriation sometime thereafter. The management further pleaded that taking advantage of the fact that the concerned workman's name appeared on the rolls of the contractor, one N. P. Sinha managed to obtain the post of the concerned workman assuming his name. They also admit that on a complaint given by the concerned workman the management insituted an enquiry into the question whether N. P. Sinha was an impostor and the Enquiry Committee returned a finding against the said N. P. Sinha. On the basis of that enquiry report the services of N. P. Sinha were terminated. The management maintains that just because N. P. Sinha's services were terminated on the ground of impersonation, it does not follow that the concerned workman should be reinstated in his original post. He was not in the service of the colliery on the relevant date. For these reasons they submit that the workman is not entitled to any relief.

4. The management in their rejoinder admit that the workman's name was registered on the rolls of the contractor as a Munshi. They dispute the averment that the workman's services were stopped by the Manager of the Colliery on 6-5-73. According to them when the concerned workman was working under a contractor, the Manager of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., could have no right to stop a contractor's employee from work. They say that since the concerned workman had voluntarily stopped work sometime prior to the relevant date 1-8-73, he has no right to be reinstated in service. They pray that this reference may be answered against the workman.

5. In his rejoinder the workman pleads that he must be deemed to have been a workman of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., with effect from the date of nationalisation viz. 1-5-73. It is submitted that since the contractors who were engaged for quarry work were doing the work of Bharat Coking Coal Ltd., the workmen engaged by the contractor for that purpose must be held to be the workmen of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. Regarding the averment that the workman was employed in the Co-operative Stores of Sendra Bansjora Colliery on the relevant date, the workman submits that he was doing that work in his spare time on a part-time basis. It is stated that there is no legal bar against the workman doing som part-time work in his spare time. The allegation that the workman was dismissed from the service of the Co-operative Stores on charges of misappropriation is denied. He says that he left the service of the Co-operative Stores voluntarily. He also disputes the managements case that all the workmen of the contractor were taken over by M/s. Bharat Coking Coal Ltd., with effect from 1-8-73. His case is that the contractor's workers were not departmentalised in one lot, but in batches at different dates. The concerned workman was assured by the Manager that he would also be taken on the rolls of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and was made to wait for his turn on this assurance. But when he went to the colliery to find out when his turn was due, he discovered that one N. P. Sinha was already working in his place assuming his name. He denies the averment of the management that with his connivance N. P. Sinha worked in his place assuming his name. He prays that the reference may be answered in his favour.

6. On the above pleadings the points that arise for consideration are—

(1) Whether the action of the management in refusing employment to the concerned workman in the circumstances of the case is justified ?

(2) To what relief ?

Reference No. 12 of 1978

7. The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act. 14 of 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication as per their Order No. L-20012/71/77-DIII(A) dated the 8th February, 1978.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dhansar Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Dhansar, Dist. Dhanbad in terminating the services of Shri Narendra Prasad Sinha, Office Assistant with effect from 28th February, 1975 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

8. On behalf of the workman the Secretary of the Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh has filed a statement of claim stating that the workman joined the service of the contractor, Ghanashyam Noonia of Pure Dhansar Colliery with effect from 2-12-72. The letter recommending the workman for appointment was given in the name of the workman himself and no other. It is further alleged that having appointed the workman as Munshi in his own name with some ulterior motive the contractor changed his name to Rajendra Lal. On coming to know of this change brought about in his name the workman lodged a protest with the contractor. But the contractor refused to change the name of the workman. Thereafter the workman complained to the Manager of the colliery and requested him to see that his name was corrected as N. P. Sinha, but without success. The records of the colliery also show that the workman's name was entered as N. P. Sinha alias Rajindra Lal. The workman complaint that the records have been deliberately manipulated to create confusion and to victimise him. He says that the Forms 'F' and 'M' notices issued to him by the management give his name correctly as N. P. Sinha. It is admitted that the workman's services were regularised under M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in the name of Rajejndra Lal. However, the pay slips that were issued to him every month were in his own name N. P. Sinha without any other alies. He asserts that the colliery records do not show that any Rajendra Lal was a workman of the colliery at any time. He states that no chargresheet was issued to him regarding the charge of impersonation before terminating his service. He also points out that during the relevant period 1972 to September '73 Rajendra Lal was working in Sendra Bansjora Colliery Co-operative Stores. This circumstance it is submitted improbablises the charge of the concerned workman impersonating Rajendra Lal in this colliery. It is further pleaded that in the light of the terms of Reference this Tribunal is not concerned with the question whether the regularisation of the services of the concerned workman in M/s. Bharat Coking Coal Ltd., is proper or no, but only with the question whether the termination of the services of the workman who was already an employee of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., with effect from 28-2-75 was justified. For the aforesaid reasons the workman prays that he may be reinstated with continuity of service and full back wages.

9. The Management in their written statement submit that the concerned workman (workman to be short) was a rank impostor. He managed to find his way into the service of Pure Dhansar Colliery assuming the name of another workman in that colliery by name Rajendra Lal. When his services came to be regularised on the abolition of the contract system with effect from 1-8-73, the management raised no objection to it in the bonafide belief that he was really Rajendra Lal. When the real Rajendra Lal filed a complaint alleging that the workman was an impostor, the management enquired into the same and found that the charge to be true. In view of that finding of the Enquiry Committee the services of the workman were stopped. The averment that the workman secured employment under the contractor in his own name and that the contractor for some reason changed his name to Rajendra Lal is denied. They pray that the reference may be answered against the workman.

10. The workman filed a rejoinder to the management's written statement running into 11 typed pages which is for the most part a more reiteration of the everments made in the statement of claim. It is contended that by whatever name the workman was taken on the rolls of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., he was admittedly working on the relevant date and this circumstance entitles him to continue in service. The subsequent action of the management in stopping him from work on the alleged ground of impersonation is not tenable.

11. The management in its rejoinder takes the plea that the workman being an imposter there can be no valid industrial dispute regarding his employment or non-employment. It is also submitted that as the workman has been proved to

be an impostor there was no need to issue a chargesheet or conduct a departmental enquiry in his presence. They say that the records of the contractor show that Rajendra Lal was in his service as Munshi and not the workman. It is further submitted that the workman never putforth the case before the former owners or M/s. Bharat Coking Coal Ltd., that his name was originally entered in the contractor's records as N. P. Sinha and for some reason it was changed to Rajendra Lal. On the other hand the affidavit sworn to by him would show that he was always working as Rajendra Lal and that his name should be changed to N. P. Sinha. They say that the stopping of the workman from work cannot be considered to be retrenchment.

12. On the above pleadings the points that arise for consideration are :

(1) Whether the action of the management in terminating the services of the workman with effect from 28-2-75 is justified ?

(2) To what relief ?

13. On 20-12-79 Shri J. D. Lal for the workman in Reference No. 11/78 and Shri D. Narsingh for the workman in Reference No. 12/78 and Shri T. P. Chowdhury, learned Advocate for the management in both the references filed a joint memo praying the Court to try both the references jointly. The parties are agreed that the evidence recorded in Reference No. 12/78 should be treated as evidence in Reference No. 11/78.

14. Since the facts of one case cannot be considered in isolation from the facts of the other, it is but proper that both the reference should be disposed of by a common Award.

Issue (1) in Reference No. 12/78

15. The facts of the case may be briefly stated before proceeding to discuss the evidence adduced by the parties. Pure Dhansar Colliery was run by a partnership firm of which one Mr. Lodha was a Partner. This colliery comprised of one Incline and two Quarries. The former owners were working the Incline directly while getting the quarries worked through two separate contractors, one of them being Ghanashyam Noonia. With effect from 31-1-73 the date of take over, the incline portion was worked by the Government and the contractors were allowed to continue to work the quarries. The mine was nationalised on 1-5-73 and the mine workers were taken over by M/s. Bharat Coking Coal Ltd., on their rolls. The system of getting the quarries worked by contractors having been stopped with effect from 1-8-73 the contractor' labour was begun to be taken over by M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in stages.

16. The case of the workman in Reference No. 11/78 (hereinafter referred to as R. Lal or Lal for brevity) is that he joined the service of Quarry No. 7 as a Quarry Munshi under the contractor, Ghanshyam Noonia somewhere in December '72. He claims to have continued to work in that capacity till 6-5-73 (Nationalisation being on 1-5-73) when he was stopped from work by the Manager of the mine, Mr. G. C. Mukherjee, MW-1 on the ground that in view of the fast approaching monsoon there was no work for him for some months to come. The workman Rajendra Lal met MW-1 in September '73 to find out if any work was available to him. The Manager answered in the negative. On enquiry from the other workers in the mine he came to know that in his place one N. P. Sinha (Sinha for brevity) the concerned workman in Reference No. 12/78 was working assuming his (Lal's) name. Soon after that he lodged a complaint with the concerned authorities against Sinha. A Committee consisting of three members was constituted to enquire into this charge of impersonation. It is the case of Lal that the Enquiry Committee after hearing him and Sinha and after examining MW-1 and other and comparison of signatures on the various pay and V.D.A. payment sheets held that the charge of impersonation was proved. After receipt of this Enquiry Committee's report the management stopped/terminated the services of Sinha as per their letter Ext. W-8. But while terminating the services of Sinha the management refused to reinstate Lal in his original post. Being aggrieved by this refusal of the management to reinstate him he has raised the present industrial dispute.

17. The case of Sinha, the workman in Reference No. 12/78 is that he approached the former contractor, Ghanshyam Noonia through Mr. Lodha one of the owners of the mine for a suitable job. Ext. W-25 is the letter of recommendation wherein the workman Sinha was referred to by his own name. It is his further case that on the strength of the letter of recommendation be managed to secure a Quarry Munshi's post in Quarry No. 7. He pleads that originally his name was entered as N. P. Sinha in the contractor's records but for some unknown reason the contractor took it into his head to change his name to Rajendra Lal within a few days after the date of his appointment. He submitted a representation to the Manager, Pure Dhansar Colliery requesting him to rectify the mistake and restore his original name on the record. According to him these representations were not considered at all with the result he had to continue in the service of this Quarry in the name of Rajendra Lal only. That was why in the Man Power list, his name was shown as Rajendra Lal by which name he was taken over on the rolls of Bharat Coking Coal Ltd. By October' 73 he was transferred to the Sub-Area Office, Bastacolla because of his educational qualification (Matric passed) and his knowledge of typing. He was given the post of Clerk Grade II in Sub-Area Office with effect from 1-10-73. He says that he was not aware of any Rajendra Lal working in that quarry. His further case is that the said Rajendra Lal could not have been working in that quarry during the relevant period because he was working as a wholetime Accountant with the Sendra Bansjora Colliery Co-operative Stores. He also takes the plea that the enquiry conducted by a Committee of three members to go into the question of the truth or otherwise of the case of impersonation is not binding on him because the said enquiry was not held in his presence.

18. From the stand taken by the two concerned workmen it is absolutely necessary for this Court to go into the question whether the charge of impersonation is true. In fact the parties have joined issue on this question and led ample evidence in support of their respective contention. But in paragraph 4 of the workman's statement of claim and para 22 of his rejoinder in Reference No. 12/78 it is pleaded that it is not open to this Court to go into the question of impersonation because by the date of termination of service viz. 28-2-75 the workman was already in the service of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., as on Office Assistant. Though no arguments were addressed on this point, I am not inclined to agree with this view for if it is proved that the workman Sinha managed to get himself enrolled as an employee of Bharat Coking Coal Ltd., by deception and false personation, the action of the management in terminaion/stopping him from work should be considered to be justified. It is no defence for the workman to say whatever be the means he adopted to get into service since he was admittedly working on the relevant date 28-2-75 his absorption into the service of Bharat Coking Coal Ltd., should be held to be regular.

19. The first point that has to be considered is whether the case of false personation is true. In support of this case Sinha examined himself as WW-4 besides examing WW-1 and WW-3. WW-3 is Sadhu Saran Prasad. From 1972 to June '73 he was in Pure Dhansar Colliery as a Carpentor. He used to see Sinha working in that colliery during the period of his service there. At first Sinha was working as a Quarry Munshi and thereafter was transferred to Sub-Area Office. According to him the concerned workman Sinha worked in his own name for some time and thereafter in the name of Rajendra Lal. This change in the name from Sinha to Rajendra Lal was duly carried out in the colliery registers. He is one of the signatories to the representation Ext. W-19 submitted by 40 workman to the sub-Area General Manager on 23-7-74. His signature appears at Sl. No. 3. In his cross-examination it was suggested to him that in place of Rajendra Lal, Sinha joined service under the contractor and thereafter managed to get the record changed to his real name. This suggestion is denied. WW-4 Sinha (the concerned workman) files the letter Ext. W-25 addressed by Mr. Lodha, one of the Partners owning Pure Dhansar Colliery, to the contractor Ghanshyam Noonia requesting him to provide a job to the witness. On the strength of that letter he says he was appointed as a Quarry Munshi in his own name. He denies the presence of any other Munshi by name Rajendra Lal in any of the two Quarries of Pure Dhansar. He next refers to Ext. W-20 which purports to be an office copy of the letter addressed by him to the Sub-Area Manager, Bastacolla Sub-Area on 31-8-73. He refers to certain endorsements

appearing on the original of that letter which he claims to have copied down on Ext. W-20 which endorsements are marked as Exts. W-21, W-22 and W-23. He refers to Ext. W-27 dated 3-11-73 which purports to be a private copy of the letter given by the Sub-Area Manager, Sri B. R. Roy directing the Asstt Controller of Accounts Sub-Area Office, Bastacolla Group to prepare salary bills of six members of the staff then serving in the group office with effect from 1-10-73. At Sl. No. 6 the name of the witness appears as N. P. Sinha and his designation is shown as Clerk Personnel Section. This is relied upon to show that he was working in his own name and not as an impostor. He then deposed to his having submitted the letter Ext. W-26 dated 24-1-73 to the Manager, Pure Dhansar Colliery within two days after his name was changed to Rajendra Lal requesting him to correct the name. He files Ext. W-28 Form 'M' notice issued to him by the management wherein his name is given as N. P. Sinha. Similarly Ext. W-29 is a statement in Form 'F' on which the employee's nomination of his heir to the Provident Fund and Gratuity in the event of his death is taken. This form is prepared in the witness's own name and signed by him in that name. Ext. W-30 is an attendance certificate issued by the Manager, Dhansar Unit for the period 15-9-73 to 20-10-73 in respect of this witness. In this exhibit the witness's name is correctly shown. In his cross-examinaion he stated that in the payment register of the contractor even after his name was changed to Rajendra Lal he was signing his name as N. P. Sinha. In reply to a question he stated that he did not take any steps to have the contractor's wage sheets produced before this Court. He further states that in the V.D.A. payment sheets maintained by Bharat Coking Coal Ltd., in respect of contractor's employees with effect from 17-3-73 his name was shown as N. P. Sinha and with the name Rajendra Lal within brackets. But he says he was signing the acquittance in his own name. He feels that it is not necessary for him to call for the production of the V.D.A. sheets for the purpose of this case. After he was taken over on the rolls of Bharat Coking Coal Ltd., he claims that his name was entered as N. P. Sinha and not a Rajendra Lal. In his own name his attendance was said to have been taken and the wages paid. His attention was drawn to Ext. W-10 a copy of the affidavit filed by him before the Sub-Area Manager wherein he stated that his name was wrongly entered as Rajendra Lal in the register of Pure Dhansar colliery and that the same should be changed to N. P. Sinha. He denied having appeared before the Enquiry Committee that went into the question of impersonation. It was suggested to him that with the help of his relation Lala B. P. Sinha, a Trade Union Leader he managed to enter the service of Bharat Coking Coal Ltd., assuming the name of Rajendra Lal. He also denied the suggestion that the documents Ext. W-20 with the endorsements thereon Exts. W-26, W-19, W-25 and W-27 are all fabricated for the purpose of the present case. MW-1 Sri G. C. Mukherjee is at present working as Manager, Bera Colliery. He was the Manager of Pure Dhansar Colliery from 1970 to 1974. He stated that in the records of the contractor one Rajendra Lal was shown as working as a Munshi and that the said Rajendra Lal was regularised along with other employees of the contractor with effect from August '73. He never saw this Rajendra Lal before regularisation of the contract labour in August 73. The witness identifies N. P. Sinha sitting in the Court as Rajendra Lal. He went on to say that sometime in September or October 73 one person calling himself the real Rajendra Lal complained to him that another person was impersonating him. That case was referred to the Area Office for a formal enquiry to find out which of the two persons was the real Rajendra Lal. A Committee of three members was constituted to go into this question and the said Committee found that the person working to the name of Rajendra Lal was an impostor. On the strength of this finding the person impersonating Rajendra Lal was stopped from work. He denied the case of Rajendra Lal that he (witness) stopped him from service with effect from 7-5-73. He submits he had not right to stop any employee of the contractor from work. He also denied the case that he helped N. P. Sinha to impersonate Rajendra Lal. In his cross-examination by Sri J. D. Lal for the workman in Reference No. 11/78 he stated that he did ask the contractors to identify their workmen before their services were regularised under Bharat Coking Coal Ltd. Shri D. N. Narsing for the workman in Reference No. 12/78 showed him Ext. W-20 and asked him if the endorsements Exts. W-21 and W-23 appearing thereon were not the copies of those made by him on the original of that document. The witness denied the suggestion.

20. On the above evidence, oral and documentary, it has to be seen whether Sinha entered service of Pure Dhansar Colliery in his own name or by impersonating Rajendra Lal, the workman in Reference No. 11/78. Shri Narsingh for the workman Sinha placed reliance on Exts. W-25 & W-26 for this purpose. Ext. W-25 is a letter of recommendation issued by one of the owners of Pure Dhansar Colliery to the contractor, G. Noonia requesting him to provide a job to Sinha in Quarry No. 7. It is argued that since Sinha got the job on the strength of this letter Ext. W-25 it must be presumed that he got the job in his own right and in his own name. It is not possible to place any reliance on this exhibit. The contractor, Noonia to whom that letter is addressed is still available. He is now working as an Attendance Clerk in Bharat Coking Coal Ltd. It is not Sinha's case that the Partner, Mr. Lodha is not available for being examined as a witness to prove the letter Ext. W-25. In the absence of these two witnesses S/Shri Ghanashyam Noonia and Lodha the document Ext. W-25 cannot be of much help to Sinha. Ext. W-26 is a letter dated 24-1-1973 written by Sinha requesting the Manager to correct his name as N. P. Sinha. As already stated the workman's case is that the contractor, Noonia at the time he gave him a job in his quarry, entered in his registers the real name of the workman Sinha and that by 22-1-1973 he changed that name without the knowledge and consent of Sinha to Rajendra Lal. We are told that this change was brought about to deny the workman the benefits due to him under the various labour laws. By 24-1-1973 Sinha claims to have become aware of this change effected in his name in the contractor's registers. Immediately thereafter i.e. on 24-1-1973 he addressed the letter Ext. W-26 to the Manager of the Colliery to undo the mischief. No steps were taken to call for the original of Ext. W-26. The attention of MW-1 the then Manager of Pure Dhansar Colliery was not drawn to this letter Ext. W-26 which is addressed to him. There is also an endorsement on Ext. W-26 to the effect that it was personally handed over to Mr. Mukherjee the Manager Saheb (MW-1). From Ext. W-26 it appears that copies of these letters were sent to the Secretary I.N.T.U.C. and to the Partner of the Firm owning Pure Dhansar Colliery. The case that his name was originally entered as N. P. Sinha in the contractor's registers and without his notice the contractor changed his name to Rajendra Lal appears to be absolutely false as can be seen from the statement made by Sinha himself in the affidavit sworn to by him before a First Class Magistrate of Dhanbad. An office copy of that affidavit is marked as Ext. W-10 by consent. A reading of paragraphs 2 & 3 of that affidavit clearly suggests that his name in the first instance was (wrongly) entered as Rajendra Lal in Pure Dhansar Colliery register. Some reliance is sought to be placed on Ext. W-20 which purports to be an office copy of the letter addressed by the workman Sinha to the Sub-Area Manager, Bastacolla Group of Collieries on 31-8-1973 requesting the Manager to see that at least three days wages in a week were paid to him as per the terms of settlement. This letter is signed by Sinha as Rajendra Lal, Quarry Munshi and within brackets he gave his name as N. P. Sinha. According to Sinha he gave the original of this letter personally to the Manager MW-1 to be forwarded to the Sub-Area Manager for consideration. Ext. W-21 purports to be a copy of the endorsement made by MW-1 on the original of Ext. W-20 forwarding the letter to Sub-Area Manager. Sinha further tells us that the Sub-Area Manager on going through this letter wanted the Manager, MW-1 to certify whether the signatory to that letter was the real Rajendra Lal. The Sub-Area Manager's endorsement is not there on Ext. W-20. MW-1 is said to have made another endorsement on the original of Ext. W-20 to the effect that the signatory was the man working as Rajendra Lal. Ext. W-23 is said to be a copy of that endorsement appearing on Ext. W-20. There is yet another endorsement purporting to be that of Lala B. P. Sinha to the effect that the signatory to that letter was the real Rajendra Lal. That endorsement is also copied on Ext. W-20. MW-1 when confronted with Exts. W-21 & W-23 denied all knowledge of the same. He says he never made any such endorsement on any letter submitted by Sinha. Sri T. P. Chowdhury the learned Advocate for the management filed Ext. M-4 the original of the letter Ext. W-20 submitted by the workman Sinha. This Ext. M-4 does not bear any endorsement whatsoever either of MW-1 or that of Lala B. P. Sinha. Sinha as WW-4 admitted that Ext. M-4 was in his hand. When his attention was drawn to the absence of the endorsements Exts. W-21 &

W-23 on Ext. M-4 Sinha stated that Ext. M-4 was not the only copy of the letter filed by him before the Manager. It is suggested that several copies of that letter were filed by him and that on one such copy the endorsements Exts. W-21 & W-23 were made by MW-1. The document Ext. M-4 appears to have been received in the Inward Section of Bharat Coking Coal Ltd., on 31-8-1973 while Ext. W-20 purports to have been presented before the management on 4-9-1973. The Inward Clerk's signature acknowledging receipt of the original of Ext. W-20 is marked as Ext. W-24. Why two different copies of the same letter should have been filed, one on 31-8-19/3 and the other on 4-9-1973 is not explained. Both of them were addressed to the same Officer. The Inward Clerk that made the endorsement on Ext. W-24 is not examined to prove the receipt of the original of Ext. W-20 on 4-9-1973. In the circumstances the suggestion of Sri T. P. Chowdhury for the management that the endorsements on Ext. W-20 are all non-existent cannot be lightly brushed aside. Even if Ext. W-20 and the endorsements made thereon are taken as true, still in my view they do not advance the case of the workman Sinha any further. His services were regularised with effect from 1-8-1973. This letter Ext. W-20 comes into existence on 31-8-1973. He signs that letter as Rajendra Lal and gives his real name in brackets. He is identified by MW-1 and Lala B. P. Sinha as the Rajendra Lal that was working. This does not help Sinha in proving that the case of impersonation is false. Then the workman Sinha has filed Ext. W-19 the representation submitted by about 40 workmen to the General Manager, Sub-Area stating tht the complaint filed by Rajendra Lal alleging that N. P. Sinha was impersonating him was false and that the name of N. P. Sinha came to be changed as Rajendra Lal on account of the unfair labour practice followed by the erstwhile private management. This Ext. W-19 is said to have been presented before the management on 23-7-1974. No notice of this Ext. W-19 need be taken in view of the statement made by Sinha on oath in Ext. W-10 the affidavit to the effect that his name was entered in Pure Dhansar Colliery as Rajendra Lal. The prevent case of the contractor changing his name from N. P. Sinha to Rajendra Lal is not referred to therein. The case set out in Exts. M-1 and M-3 and spoken to by MW-4 that it was the usual practice of the contractors to change the name of their employees to prevent them from becoming permanent is not probable. When WW-4 was asked to give other instances of the contractor changing the names of his workmen to prevent them from being made permanent he was unable to cite even a single instance. Shri Narsingh for Sinha places reliance upon Ext. W-27 dated 3-11-1973 which appears to be a copy of the letter addressed by the Sub-Area Manager to the Asstt. Controller of Accounts calling upon him to prepare the salary bills of the six workmen named therein with effect from 1-10-1973. Sinha's name appears at Sl. No. 6 with the designation Clerk Personnel Section. On the basis of this document it is argued that the workman's name must have been registered as N. P. Sinha in the Sub-Area office even by 3-11-1973. The workman called upon the management to produce the original of this letter and the management by their memo dated 20-8-1979 stated that the said document was not traceable. They further submitted that they were not accepting the genuineness of this document. The claim of the workman taht his name was registered as N. P. Sinha even before 3-11-1973 is belied by the recitals contained in the affidavit Ext. W-10 filed on 12-10-1973 wherein he clearly stated that his name was registered as Rajendra Lal even in Pure Dhansar Colliery. From Exts. M-1 to M-3 submitted by him to the management it is probable he got his real name added to his assumed name Rajendra Lal by 3-11-1973. Exts. W-28 & W-29 are the Form 'M' & 'F' statements respectively. Form 'M' notice bears the date 20-3-1976 which is long after the dispute had arisen. Similarly Ext. W-29 also bears the date 7-11-1974 which is also a document coming into existence after the management started enquiry into the complaint made by Rajendra Lal. Further in the absence of the Provident Fund registers and the A.D.A. deposit account for the relevant period, it is not possible to accept the workman's case that his name was registered as N. P. Sinha in the registers of the management on the strength of Exts. W-28 & W-29 alone. Again reference is made to Ext. W-8 a certificate issued by the Sub-Area Manager on 12-1-1974 certifying that the workman Sinha was working at Bastacolla Sub-Area No. 15 in the Personnel Section as a Clerk Grade II. Ext. W-7 is a certificate issued by the Senior Personnel Officer, Bastacolla Group to the effect that M/s. N. Jha and the workman Sinha, Assistants of Personnel Section were authorised to make inspection at different collieries under the Sub-Area at different dates and time approved by the Personnel Department of the Sub-Area. This certificate also is not of much value in the absence of the evidence of the Officers concerned. Then there is the identity card Ext. W-5 issued on 29-1-1975 wherein the workman's name is registered as N. P. Sinha. This document comes into existence long after the dispute is raised and not much reliance can be placed thereon. Admittedly his name was shown as Rajendra Lal in the Man Power List. Then there is Ext. W-4 dated 1-11-1973 which is an office order issued by the Sub-Area Manager directing the Dhansar Colliery Manager to submit the service records of N. P. Sinha alias Rajendra Lal along with the service records of others. This document only shows that the workman managed to get his name inserted in the records with the alias name of Rajendra Lal. This document also does not help in establishing his case that his name initially entered correctly was changed without his knowledge to Rajendra Lal by the contractor. Ext. W-3 collectively are the pay slips issued in the name of N. P. Sinha for the months December 1974, January 1975 and February 1975. These documents also cannot assist the Court in finding out whether N. P. Sinha entered the service of this colliery in 1972 or 1973 impersonating Rajendra Lal. It is the workman's case that at his instance his name was corrected to N. P. Sinha after some enquiry (vide Ext. W-1 dated 7-4 1975 his representation to the management against the order of removal from service) even before the date of Rajendra Lal's complaint.

21. Shri Narsingh for the workman next submitted that whether N. P. Sinha entered the service of Quarry No. 7 under the contractor, Noonia in the name of Rajendra Lal or in his own name, is a matter of no consequence. Rajendra Lal whose name appears in the contractor's registers could not be the Rajendra Lal the concerned workman in Reference 11/78. According to him, this Rajendra Lal the concerned workman in Reference No. 11/78 was working as a whole-time servant in the Cooperative Stores attached to Sendra Bansjora colliery from 1970 to 1973 September. Therefore Rajendra Lal appearing in the registers of the contractor Noonia at Pure Dhansar colliery should be a different person. He submits that the same Rajendra Lal cannot be expected to be working at both the places at the same time. In support of this case he has filed the salary registers of Sendra Bansjora colliery Co-operative Store for the years 1970 July to 1974 June which are marked as Exts. W-16 to W-18. From the salary register Ext. W-16 it appears that from July of 1970 Rajendra Lal was working as an Accountant in that Co-operative Store. His name continued to appear in the attendance registers of that Store till September 1973. WW-1 Bisambhar Lal is a Salesman working in that Society from June 1972. He stated that Rajndra Lal worked as a whole-time servant in the Stores. Cross-examined by Sri J. D. Lal for the workman in Reference 11/78 the witness admitted that one Mr. Vohra, the Cashier of the said Co-operative Store whose name appears along with Rajendra Lal in the attendance registers W-17 & W-18 was only a part-time servant of the society. He was working as a whole-time Cashier in Sendra Bansjora colliery. It was suggested to the witness that like Vorah, Rajendra Lal also worked as a part-time Accountant in that Co-operative Store and the witness denied the suggestion. WW-2 Ram Khelawan Singh was an Executive Member of Co-operative Store during the year 1973. He identified the workman in Reference No. 11/78 as Rajendra Lal the part-time Accountant of that society in 1973. He says that Rajendra Lal and M. P. Vorah were the two part-time servants of the Co-operative Stores. He further deposed that though it was not necessary to take the attendance of part-time workers the Co-operative store was doing so. Cross-examined by Shri Narsingh for workman in Reference No. 12/78 he stated he had no personal knowledge as to in which colliery Rajendra Lal was engaged during the period he was working in the Co-operative Stores. Rajendra Lal as WW-5 admitted having worked in the Sendra Bansjora Co-operative store as a part-time employee. He says he was attending to his duties in the Co-operative Society during nights. Cross-examined by Sri T. P. Chowdhury for the management he stated he did not obtain the written permission of the colliery authorities at Dhansar to work as a part-tme Accountant in the Co-operative store but he claims to have verbally informed the contractor about this. He admits that he never informed Bharat Coking Coal Ltd., authorities about his being engaged as a part-time Accountant in the Co-operative store after he began receiving V.D.A. from them. From the evidence of WWs-1, 2 & 5 it does not appear to be impossible for an employee in a colliery to be engaged gainfully in a part-time job in his spare time. Sri M. P. Vorah, for instance, is admitted to be a whole-

time servant of Sendra Bansjora colliery while he was working as a Cashier in the co-operative store. If that were so there is no reason why the evidence of WW-2 should not be believed when he says that Rajendra Lal was similarly engaged on part-time basis in this co-operative store. It is submitted that the distance between Sendra Bansjora Co-operative store and Pure Dhansar colliery is about 10 to 15 Kms and that it is not possible for one man to work in both the places during the course of the same day. The witness WW-2 stated that the distance between Sendra Bansjora Co-operative store and Pure Dhansar would be 10 Kms by road but there was a short cut also. I see nothing improbable in a workman attending to his duties at Pure Dhansar while residing at Sendra Bansjora Co-operative Store. It is the evidence of WW-2 that Rajendra Lal was residing in a portion of the Co-operative Society's premises. Therefore the fact that Rajendra Lal was engaged as an Accountant of the Co-operative store during the relevant period 1972 November or December to 1-8-1973 does not improbabilise the case that N. P. Sinha impersonated him to obtain his job. For the aforesaid reasons I hold that N. P. Sinha obtained service in Quarry No. 7 as a Munshi by impersonating Rajendra Lal.

22. It is next submitted that the management should have given Sinha the workman an opportunity to defend himself against the charge of false personation. Since the management held an enquiry into this question behind the back of the workman and proceeded to remove or stop him from service on the strength of that Enquiry Committee's report, the action of the management should be held to be opposed to the principles of natural justice. Admittedly an enquiry was held into the question of false personation by a Committee of three members. It is the case of Rajendra Lal that the Enquiry Committee issued notice to him and N. P. Sinha to appear before it to place their respective versions. It is his further case that the Enquiry Committee recorded their statements also. In support of that case he has filed Ext. W-11 which is marked by consent of parties. It is a notice issued by the Agent, Bastacolla Group informing Rajendra Lal that an enquiry would be held at the Agent's office into the allegation made by him (Lal) regarding false personation. The workman was asked to appear at the time of enquiry with all documentary and other evidence available with him to establish his identity and substantiate his allegations. Ext. W-12 is a letter addressed by the Senior Personnel Officer, Bastacolla Sub-Area to Rajendra Lal calling upon him to submit an affidavit giving his particulars like real name and father's name with permanent home address etc. along with copies of photograph duly signed by him. It is his case that similar notices were served on N. P. Sinha and in pursuance thereof he appeared before the Enquiry Committee and also filed an affidavit with copies of his photograph. WW-4 denied this case. Rajendra Lal further stated that at the Enquiry MW-1 was also examined which fact MW-1 denied. The management failed to produce the proceedings of the Enquiry Committee together with their report on the plea they were not available. It is the case of Rajendra Lal that at the instance of Sinha and the union leders supporting him the record of enquiry is suppressed. The Enquiry Committee's report is marked as Ext. W-31 at the instance and with the consent of Sri J. D. Lal the learned Advocate appearing for Rajendra Lal the workman in Reference No. 11/78. Shri Narsiagh for the workman in Reference No. 12/78 has opposed the marking of this document without proof in his case. The evidence of WW-5 also is to the effect that the Enquiry Committee examined the signatures appearing in the V.D.A. payment sheets of the concerned workman for the period March 1973 onwards and were satisfied that they were the genuine signatures of his (Lal's). This V.D.A. payment sheets are not filed before this Court Sri T. P. Chowdhury for the management says they are not available It is true that in the absence of the proceedings of the Enquiry Committee, the findings recorded by that Committee cannot be made use of against N. P. Sinha the workman in Reference No. 12/78. But Sri T. P. Chowdhury for the management contends that the managment is not relying upon the findings of the Enquiry Committee in support of their action but on the basis of the evidence adduced by them in this case they are inviting the Court to record a finding on the question of impersonation. I agree with the contention of Shri T. P. Chowdhury. On the evidence adduced before this Court by the parties, I am satisfied that the case of impersonation is proved.

23. On this finding it follows Issue (1) in Reference No. 12/78 has to be answered against the workman.

Issue (1) in Reference No. 11 of 1978

24. The case of the workman Rajendra Lal is that he joined service as a Quarry Munshi prior to take over at Quarry No. 7, Pure Dhansar under the contractor, Ghanashyam Noonia aand that he continued to work there till 6-5-73 when he was stopped from work by the Manager. The management does not dispute this fact that the workman worked till 6-5-73. However they deny the averment that the Manager MW-1 stopped him from work. His case is further probablised by the fact that admittedly in the Man Power list his name appears. The Enquiry Committee's report Ext. W-31 (marked in Reference 11/78 only) shows that the signature on the payment sheets of Pure Dhansar colliery for the period 7-4-73 to 30-4-73 were those of Rajendra Lal (workman in Reference 11/78) and not those of N. P. Sinha alias Rajendra Lal (workman in Reference No. 12/78) Sri J. D. Lal for the workman argues that in the light of the finding on Issue (1) in Reference No. 12/78 to the effect that the action of the management in terminating/stopping Sinha from work was justified on the ground of his being an impostor, it must be held that the action of the management in refusing employment to Rajendra Lal is not justified. The management's case is that with the active connivance of Rajendra Lal, Sinha succeeded in impersonating him and since both the parties are equally guilty in the commission of this crime, the management is justified in removing the imposter from service and refusing to reinstate the other person Rajendra Lal. Their further case is that with effect from 1-8-73 the employees under the former contractor were taken over by Bharat Coking Coal Ltd. If on that crucial date 1-8-73 Rajendra Lal was not actually on duty at the quarry he was not entitled to be absorbed into the service of Bharat Coking Coal Ltd. On the question of collusion between Rajendra Lal and Sinha certain circumstances are relied upon by Sri T. P. Chowdhury as proving the guilt of Rajendra Lal. Admittedly Rajendra Lal was working as an Accountant in the Sendra Bansjora Colliery Co-operative store. His name appears on the muster roll of that Society as can be seen from Exts. W-16 to W-18 from June' 70 till September' 73. It is the management's case that Rajendra Lal was working as a wholetime servant of the Co-operative society during the relevant period. From this it is argued that Rajendra Lal must have taken some consideration from Sinha to surrender the job of Munshi in Quarry No. 7 in latter's favour. This argument overlooks the fact that while working as an Accountant in the Co-operative Store, Rajendra Lal (WW-5) secured the post of Quarry Munshi in November or December' 72. Not the other way about. It is further submitted that in the absence of any explanation forthcoming from Rajendra Lal for his not attending duty at the quarry during the relevant period the case of collusion between the two concerned workmen should be presumed. The workman Rajendra Lal's explanation is that he was working as an Accountant in Sendra Bansjora colliery Co-operative Store in his spare time on a part-time basis and that he was regularly attending work at the quarry till 6-5-73. It is his further case that on 6-5-73 the Manager of the mine MW-1 stopped him from work saying that for some months to come there would be no work for him. Because of this direction given by MW-1 he says he stopped going to the quarry. The Manager as MW-1 denied having asked Rajendra Lal to stop from work with effect from 6-5-73. He says that he had no control over the persons working under the contractor. The case of Rajendra Lal (MW-5) that there was no work for him during the months of May to September' 73 is probablised by a statement to the similar effect made by WW-4 (Sinha) in his representation Ext. W-1 and Exts. M-1 to M-4. While discussing the case of Sinha it is held that the case of Rajendra Lal that he was working only on a part-time basis in the Co-operative store is not improbable. As admitted by WW-1 & WW-2 there was another Mr. Vorah, the Cashier of Sendra Bansjora Colliery working as Cashier in that Store on a part-time basis during the same period. Therefore the theory advanced on behalf of the management that because Rajendra Lal got an equally remunerative job elsewhere he must have surrendered his job at the quarry to N. P. Sinha for some consideration thereby abetting the offence of impersonation, cannot be accepted. It is then pointed out that after having surrendered the job to N. P. Sinha, Rajendra Lal had to get it back when his services were terminated by the Co-operative store for some defalcation of funds. In support of that case an affidavit sworn to by the

Secretary of that co-operative store is filed as Ext. W-15. This affidavit is proved by WW-1 one of the witnesses thereto. It shows that there was some defalcation by Rajendra Lal and after it came to light he absented himself from duty. It is unnecessary to consider the question whether there was any defalcation of funds by the workman Rajendra Lal. On the evidence it is held he was only a part-time servant of the co-operative store and that he never abandoned or gave up the service in the colliery. There is no evidence whatsoever in support of the case of collusion between Rajendra Lal and Sinha in the commission of this offence of personation though there may be room for suspicion.

25. The other point raised by the management is that since Rajendra Lal was not in the service of the colliery on the date of regularisation of contract labour viz. 1-8-73 he was rightly not taken over on the rolls of Bharat Coking Coal Ltd. The workman as WW-5 has stated that the entire contract labour was not taken over by Bharat Coking Coal Ltd., on 1-8-73 but in stages spread over a period of time MW-1 also spoke to the same effect. It is his (WW-5) case that when he asked MW-1 in September' 73, as to when his turn was coming for being regularised he was told to wait. Meanwhile he came to know of the impersonation made by N. P. Sinha and this led to his filing a complaint before the management. It is not disputed by Sri T. P. Chowdhury that the entire contract labour was not taken over by Bharat Coking Coal Ltd., on 1-8-73 but in stages. If that were so the management's action in not providing Rajendra Lal with work on the plea that he was not in the service of the colliery on 1-8-73 may not be proper. Sri J. D. Lal for the workman submitted that since the coal raised by the contractor from the quarry belonged to Bharat Coking Coal Ltd., from the date of nationalisation of the mine viz. 1-5-73, Rajendra Lal must be deemed to have been an employee of Bharat Coking Coal Ltd., from that date. Since he continued to work in the mine till he was stopped from work with effect from 6-5-73 he submits that by that date Rajendra Lal had already become an employee of Bharat Coking Coal Ltd., at least in the eye of law. For this proposition reliance is placed on 1978 L.I.C. page 1264 S. C. This argument is plausible.

26. For the aforesaid reasons I hold Issue (1) in Reference 11/78 against the management and in favour of the workman.

Issue (2) in Reference 11/78

27. In view of the finding on Issue (1), it must be held that the workman Rajendra Lal is entitled to be reinstated with continuity of service with effect from 7-5-73, the date on which he was stopped from service.

28. The further question that arises for consideration is whether he is entitled to be reinstated with full back wages. On a careful consideration of the facts of the case I feel that the interests of justice will be amply met if he is reinstated with continuity of service but without any back wages. He says in his evidence as WW-1 that he joined the contractor's service with effect from the second week of November, '72, just before the date of take over. In the claim statement the date of joining service is not given, even approximately. The contractor's registers are not produced in support of the claim, nor the Contractor Noonia examined. No order of appointment is filed. What full we know with certainity is that during 7-4-73 to 30-4-73 (vide Exts. W-31 the Enquiry Committee's report) under his signature he drew pay from Pure Dhansar colliery. From 6-5-73 he disappears from the scene till September' 73 when he lodged the complaint alleging impersonation. When he was stopped from work with effect from 6-5-73 he does not lodge a protest with the management. We are asked to believe that he meekly submitted to it.

29. In the result Reference No. 11/78 is answered as follows :

The action of the management in refusing employment to the workman Sri Rajendra Lal as Quarry Munshi is not justified. He is entitled to be reinstated in service as Quarry Munshi without any back wages or other benefits, but with continuity of service with effect from 7-5-73.

Issue (2) in Reference No. 12/78

30. In view of the finding on Issue (1) this Reference is answered against the workman.

Sd/-

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-20012/69/77-D.III(A)]

[No. L-20012/71/77-D.III(A)]

S. H. S. IYER, Desk Officer

नई दिल्ली, 9 जून, 1980

का०आ० 1703—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 3444, दिनांक 18 सितम्बर, 1979 के अनुक्रम में, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की (1) राष्ट्रीय वैमानिक प्रयोगशाला, बंगलौर, (2) प्रादेशिक अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद, (3) केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, मैसूर और (4) केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के स्थायी और अस्थायी कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1979 से 30 जून, 1980 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान, उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनवान थी (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियां सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा-अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा किए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते है; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त प्रार्थना पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस०-38014/37/78-एच० आई०]

New Delhi, the 9th June, 1980

S O. 1703—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3444 dated the 18th September, 1979 the Central Government hereby exempts the permanent and temporary employees of (1) National Aeronautical Laboratory, Bangalore (2) Regional Research Laboratory, Hyderabad (3) Central Food Technological Research Institute, Mysore and (4) Central Drug Research Institute, Lucknow belonging to the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1979 upto and inclusive of the 30th June, 1980.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/37/78-HI]

का०आ० 1704—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 3442, दिनांक 17 सितम्बर, 1979 के क्रम में, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट तथा भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय से सम्बद्ध कारखानों के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से एक अक्तूबर, 1979 से 30 जून, 1980 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित है, अर्थात :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमे छूट प्राप्त कर्मचारियो के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नही किये जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अवधि" कहा गया है),

ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा-अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नही; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नही; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नही;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हे ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते है; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उदधरण लेना ।

अनुसूची

क्रम सं०	कारखाने का नाम
1.	लघु उद्योग सेवा संस्थान कर्मशाला, जयपुर ।
2.	लघु उद्योग सेवा संस्थान विस्तार केन्द्र, जोधपुर ।
3.	लघु उद्योग सेवा संस्थान विस्तार केन्द्र, विजयवाड़ा ।
4	लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता से सम्बद्ध मशीन शाप एवं औजार, कलकत्ता ।
5.	लघु उद्योग सेवा सस्थान, विस्तार केन्द्र, कोयम्बतूर ।
6.	लघु उद्योग सेवा संस्थान विस्तार केन्द्र, मदुराई ।
7.	लघु उद्योग सेवा संस्थान चर्म शोध केन्द्र, इरोड ।
8.	लघु उद्योग सेवा एकक, केन्द्रीय कर्मशाला, गिण्डी, मद्रास ।

व्यख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्रभाव आवेदन पत्र की तैयारी में समय लगा । तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ेगा ।

[सं० एस०-38014/12/79-एच०आई०]

S.O. 1704.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3442, dated the 17th September, 1979, the Central Government hereby exempts the regular employees of the factories specified in the Schedule annexed hereto, belonging to the Government of India in the Ministry of Industry, from the operation of the said Act for a further period from the 1st October, 1979 upto and inclusive of the 30th June, 1980.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees ;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employeess' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occunpied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to snuch Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, offices or other premises.

SCHEDULE

S. N.	Name of the factory
(1)	(2)
1.	Small Industries Service Institute Workshop, Jaipur.
2.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Jodhpur.
3.	Small Industries Serivce Institute, Extension Centre, Vijayawada.
4.	Machine Shop-cum-Tool Room attached to Small Industries Services Institute, Calcutta.
5.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Coimbatore.
6.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Madurai.
7.	Small Industries Service Institute, Labour Finishing Centre, Erode.
8.	Central Workshop Small Industries, Service Unit, Guindy, Madras.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemptions in this case, as the processing of the application for exemption took time. However,, it is certified that the grant of exemptions with retrospective effect will not effect the interest of anybody adversely.

[No. S. 38014/12/79-HI]

नई दिल्ली, 10 जून, 1980

का॰आ॰ 1705.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 2373, तारीख 4 अगस्त, 1979 के अनुक्रम में, फर्टिलाइजर एण्ड कैमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड उद्योग मंडल, फर्टिलाइजर एण्ड कैमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड (कोचीन डिवीजन) अम्बलामेडु और हिन्दुस्तान इन्सेक्टिसाइड्स लिमिटेड, अलवाये में अभिनियोजित केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा दल कार्मिकों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 11 अगस्त, 1979 से 13 अगस्त, 1980 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे,

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा-अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उस कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम से कारखाना को छूट देने के लिए सिफारिश देर से प्राप्त हुई। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-38014/38/78-एच०आई०]

New Delhi, the 10th June, 1980

S.O. 1705—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2373, dated the 4th August, 1978, the Central Government hereby exempts the Central Industrial Security Force Personnel deployed at Fertilizer and Chemicals Travancore Limited, Udyogmandal, Fertilizer and Chemical Travancore Limited (Cochin Division) Ambalamedu and Hindustan Insecticides, Limited, Alwaye from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 14th August, 1979 upto and inclusive of the 13th August, 1980.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees ;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 ;

(5) An Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of :—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the recommendation of the Director General, Employees' State Insurance Corporation for the grant of exemption to the factory was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/38/78-HI]

का०आ० 1706.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91ए के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन सरकारी कर्मचारियों को जो मैसर्स हिन्दुस्तान टेलीप्रिन्टर्स, गिण्डी, मद्रास में प्रतिनियुक्ति पर हैं और जिनके नाम उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 4 में तदनुरूपी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाअपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल-स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना; या उससे उद्धरण लेना।

अनुसूची

क्रम सं०	नाम	पदनाम	छूट की अवधि
1	2	3	4
1.	श्री जी सोक्कालिंगम	नक्सानवीस ग्रेड 2	30-11-78 से 30-4-79
2.	श्री एन० नागराजन	सहायक नक्शा-नवीस ग्रेड 2	1-8-78 से 31-7-79

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट की मंजूरी के लिए प्रार्थनापत्र देर से प्राप्त हुआ तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एम-38014/42/78-एच० आई०]

S.O. 1706.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the Government servants, who are on deputation with Messrs Hindustan Teleprinters, Guindy, Madras and whose names are specified in column 2 of the Schedule annexed hereto, from the operation of the said Act for the periods sepecified in the corresponding entries in column 4 of the Schedule aforesaid.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contribution paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf, shall, for the purposes of —

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

SCHEDULE

Sl. No.	Name	Designation	Period of exemption
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri G. Sokkalingam	Draughtsman Grade II.	30-11-1978 to 30-4-1979
2.	Shri N. Nagarajan	Assistant Draughtsman Grade II.	1-8-1978 to 31-7-1979.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemptions in this case, as the request for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/42/78-HI]

का०आ० 1707.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 3291, दिनांक 7 सितम्बर, 1979 के अनुक्रम में, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, नई दिल्ली के केन्द्रीय भण्डार और पूर्ति विभाग, दिल्ली के नियमित कर्मचारियों को 1 अक्तूबर, 1979 से 30 जून, 1980 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए उक्त अधिसूचना के प्रवर्तन में छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सदस्य अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जाएंगे,

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ, या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा-बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-38014/3/79-एच०आई०]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

S.O. 1707.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in contribution of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3291 dated the 7th September, 1979 the Central Government hereby exempts regular employees of the Central Stores and Supply Division, Delhi belonging to the National Seeds Corporation Limited, New Delhi from the operation of the said Act for a further period with effect from the 1st October, 1979 upto and inclusive of the 30th June, 1980.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of —

(i) verifying the particlulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) accertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/3/79-HI]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 जून, 1980

का०आ० 1708.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखंड (vii) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 4036 तारीख 10 दिसम्बर, 1979 द्वारा सिक्यूरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 दिसम्बर, 1979 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्र सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ढ) के उपखंड (vii) के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 18 जून, 1980 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस० 11017/10/79—डी० 1 (ए)]

एस० के० नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 11th June, 1980

S.O. 1708.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 4036 dated the 10th December, 1979, the Security Paper Mill, Hoshangabad, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 18th December, 1979 ;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 18th June, 1980.

[No. S-11017/10/79-D.I.(A)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

New Delhi, the 13th June, 1980

S.O. 1709.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following corrigendum of award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M|s. Chowgule & Co. Pvt. Ltd., Goa and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1980.

[No. L-29011/36/73-LRIV/DIIIB]

A. K. ROY, Under Secy.

[Rule 28 of Industrial Disputes (Central) Rules, 1957]

CORRIGENDUM

Bombay, the 12th May, 1980

Award dated 20-1-1979 in Reference No. CGIT-2|15 of 1973, Ministry's order No. L-29011/36/73-LRIV, dated 17-11-1973) Employers in relation to the management of Messrs Chowgule and Company Private Limited, Mormugao Harbour (Goa) and their workmen.

On 12-6-1979 the representative of the management filed a petition stating that in the award given by this Tribunal which is based on settlement, there has been typing mistake in the total of the compensation to be paid to the workmen while the details are correct.

It is submitted that the total amount payable should be 23,911.58 and not 29,910.48. It is submitted that the amount may kindly be corrected and a corrigendum issued.

Accordingly notice was issued to the other side also but they have not turned up. I have looked into the award as also the settlement. The details to be paid are as follows:—

Half Wages—Rs. 15,791.13

Retrenchment—Rs. 3,352.75

Compensation

Gratuity—Rs. 4,241.50

One month's—Rs. 526.20

notice pay

The total of the above amount comes to Rs. 23,911.58 and not Rs. 29,910.48 as shown in the total. It is apparently a typing mistake. Hence prayer of the management is allowed.

The figures showing the total of compensation etc. appearing in Award dated 20-1-1979 in Reference No. CGIT-2/15 of 1973 is to read on 23,911.58 instead of the figures 29,910.48 wherever it appears in that Award.

JITENDRA NARAYAN SINGH, Presiding Officer
Central Government Industrial
Tribunal-cum-Labour Court No. 2, Bombay-1.

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1979

का०आ० 1710.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की वर्ष 1977-78 संबंधी वार्षिक रिपोर्ट आम सूचना के लिए एतद्द्वारा प्रकाशित की जाती है :—

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्यों की सूची, 1977-78

अध्यक्ष

श्री रवीन्द्र वर्मा

संसदीय कार्य एवं श्रम मंत्री

भारत सरकार

उपाध्यक्ष

श्री जगदम्बी प्रसाद

राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,

भारत सरकार

सदस्य

केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

3. डा० राम कृपाल सिन्हा,
राज्य मंत्री,
श्रम और संसदीय कार्य मंत्रालय,
भारत सरकार।

4. सचिव,
भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय

5. श्री डी० एस० निम,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय।

6. महानिदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएं,
भारत सरकार।

7. श्री वी० वासुदेवन,
अतिरिक्त सचिव,
भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

8. श्री बी० प्रताप रेड्डी,
सचिव,
आन्ध्र प्रदेश सरकार,
श्रम, रोजगार और तकनीकी शिक्षा विभाग।

9. श्री एस० गोस्वामी,
सचिव,
असम सरकार,
श्रम विभाग।

10. श्री आई० सी० कुमार,
सचिव,
बिहार सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

11. श्री एस० एम० जगद,
सचिव,
गुजरात सरकार,
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन
विभाग।

12. श्री पी० पी० कैपरीहन,
आयुक्त एवं सचिव,
हरियाणा सरकार,
श्रम और रोजगार विभाग।

13. श्री आर० सी० गुप्ता,
सचिव,
हिमाचल प्रदेश सरकार,
श्रम और रोजगार विभाग।

14. श्री आई०डी० शर्मा,
श्रम आयुक्त,
जम्मू-व-काश्मीर सरकार।

15. श्री के० आर० रामचन्द्रन,
आयुक्त एवं सचिव,
कर्नाटक सरकार,
समाज कल्याण और श्रम विभाग।

16. श्री ज० एस० बाधन,
सचिव, केरल सरकार,
श्रम विभाग।

17. श्री एम० के० वाजपेयी,
सचिव, मध्य प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग

18. श्री एम० एस० पालनिटकर,
सचिव, महाराष्ट्र सरकार,
नगर विकास तथा लोक स्वास्थ्य विभाग।

19. श्री एम० मारबोन,
सचिव, मेघालय सरकार,
श्रम विभाग।

20. श्री के० एस० पुरी,
सचिव, नागालैण्ड सरकार,
गृह विभाग।

21. श्री यू० एन० मलिक,
सचिव, उड़ीसा सरकार,
श्रम रोजगार तथा आवास विभाग।

22. श्री सी० बालाकृष्णन,
सचिव,
पंजाब सरकार,
स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग।

23. श्री बृजेन्द्र सिंह,
श्रम आयुक्त,
राजस्थान सरकार, श्रम विभाग ।

24. श्री ए० पद्मनाबन,
सचिव,
तमिलनाडु सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

25. श्री एन० मुखर्जी,
सचिव, त्रिपुरा सरकार,
श्रम विभाग ।

26. श्री गिरिजा प्रसाद पाण्डे,
आयुक्त एवं सचिव,
उत्तर प्रदेश सरकार, श्रम विभाग ।

27. श्री आर० एन० सेनगुप्त,
सचिव, पश्चिमी बंगाल सरकार,
श्रम विभाग ।

संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि

28. श्री वीरेन्द्र सिंह,
श्रम आयुक्त,
दिल्ली प्रशासन ।

नियोजकों के प्रतिनिधि

29. श्री आर०एन० जोशी,

30. श्री सी० आर० पाल,

31. श्री मदन मोहन मंगत दास,

32. श्री पी० चेन्नमलराव,

श्री एन० एम० राव,

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

34. श्री जी०पी० चितनिस,

35. मिस ई० डिसूजा,

36. श्री पी० के० शर्मा,

37. श्री पी० डी० संकरानारायणन,
विधान सभा सदस्य ।

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि

38. डा० जे० मजूमदार,

39. वैद्य श्री श्रीकृष्ण मुल्तानी,

संसद के प्रतिनिधि

40. श्री एन०सी० बुरागोहान,

41. श्री के० रामामूर्थि,

42 श्री उग्रसेन,

पदेन सदस्य

43. श्री टी० एन० लक्ष्मीनारायणन,
महानिदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के सदस्यों की सूची, 1977-78

अध्यक्ष

डा० राम कुपाल सिन्हा

राज्य मंत्री, श्रम और संसदीय कार्य मंत्रालय

भारत सरकार

सदस्य

केन्द्रीय सरकारों के प्रतिनिधि

2. श्री डी०एम० तिम,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय ।

3. महानिदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएं,
भारत सरकार ।

4. श्री एम० वासुदेवन,
अतिरिक्त सचिव,
वित्त मंत्रालय ।

राज्य सरकारों के प्रतिनिधि

5. श्री जे० एन० बाधवन,
सचिव, केरल सरकार,
श्रम विभाग ।

6. श्री एम० एस० पालनिस्कर,
सचिव, महाराष्ट्र सरकार,
नगर विकास तथा लोक-स्वास्थ्य विभाग ।

7. श्री आर० एन० सेनगुप्त,
सचिव, पश्चिमी बंगाल सरकार,
श्रम विभाग ।

नियोजकों के प्रतिनिधि

8. श्री सी० आर० पाल,

9. श्री पी० चेन्नमलराव,

10. श्री एन० एम० राव,

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

11. श्री जी०पी० चितनिस,

12. मिस ई० डिसूजा,

13. श्री पी०वी० संकरानारायणन,
विधान सभा सदस्य ।

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि

14. डा० जे० मजूमदार,

संसद के प्रतिनिधि

15.

पदेन सदस्य

16. श्री टी० एन० लक्ष्मीनारायणन,
महानिदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम ।

चिकित्सा हितलाभ परिषद् के सदस्यों की सूची, 1977-78

अध्यक्ष

महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं
भारत सरकार

सदस्य

केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

2 डा० ईश्वर दास बजाज,
उप महानिदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएं (कें०स०स्वा०से०),
भारत सरकार।

3 डा० वी० एम० चतलिया,
चिकित्सा आयुक्त,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम।

राज्य सरकार के प्रतिनिधि :

4. डा० टी० एन० साध्री,
उप निदेशक,
चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सेवाएं,
आन्ध्र प्रदेश सरकार।

5 डा० बी० एन० दास,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
असम सरकार।

6 डा० ए० पी० वर्मा,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
श्रम तथा रोजगार विभाग,
बिहार सरकार।

7. डा० के० पी० असनानी,
निदेशक, चिकित्सा सेवाएं,
(क०रा०बी० योजना),
गुजरात सरकार।

8 डा० एन० शाह,
सहायक निदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएं (सामाजिक बीमा)।

9 डा० एम० एन० माथुर,
निदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएं और परिवार नियोजन,
हिमाचल प्रदेश सरकार।

10 श्री आई० डी० शर्मा,
श्रम आयुक्त, जम्मू तथा काश्मीर सरकार।

11 डा० बी० बी० पाटिल,
निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
चिकित्सा सेवाएं,
कर्नाटक सरकार।

12. डा० टी० एन० एन० भट्टाथिरीपाद,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
कर्नाटक सरकार।

13 डा० पी० एम० दाबे,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
मध्य प्रदेश सरकार।

14. डा० आर०सी० डिगे,
निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
महाराष्ट्र सरकार।

15. श्री एस० सारवेन,
सचिव, मेघालय सरकार,
श्रम विभाग।

16. श्री एस० के० कोचर,
सचिव, नागालैण्ड सरकार,
गृह विभाग।

17 डा० पी० सी० रथ,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
उड़ीसा सरकार।

18. डा० आसा सिंह,
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
पंजाब सरकार।

19 डा० जी० सी० लधा,
अतिरिक्त निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
राजस्थान सरकार।

20. डा० पी० एस० बेंजामिन,
निदेशक, चिकित्सा सेवाएं और परिवार क०
तमिलनाडु सरकार।

21. श्री एम० मुखर्जी,
सचिव, त्रिपुरा सरकार,
श्रम विभाग।

22. डा० एस० सी० चतुर्वेदी,
संयुक्त निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
उत्तर प्रदेश सरकार।

23. डा० जे० बी० मुखर्जी,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा (चि०हि०) योजना,
पश्चिमी बंगाल सरकार।

नियोजकों के प्रतिनिधि :

24. डा० बी० डी० कौशल,
25 श्री आर०एन० जोशी,
26 श्री आर०एल० मोहता,

कर्मचारियों के प्रतिनिधि :

27. श्री ए०सी० सैकिया,
विधान सभा सदस्य।
28 श्री सुमेर सिंह।
29. डा० समर राय चौधरी।

चिकित्सा व्यवसाय के प्रतिनिधि :

30. डा० (श्रीमती) ललिता राव।
31. डा० एन० एन० भट्टाचार्जी
32 आर्यवैद्यान पी० के० वारियर।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम एक नजर में

	31-3-77	31-3-78	1977-78 के दौरान प्रगति
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	19	20	1
केन्द्र	405	366†	(—) 38
कर्मचारी	55,00,000	55,42,700	42,700
बीमाकृत व्यक्ति	59,75,000	62,50,800	2,75,800
परिवार एकक	59,22,350	62,50,800	3,28,450
बीमाकृत महिलाएं	4,62,800	4,76,950	13,150
कुल लाभाधिकारी	2,30,31,350	2,42,53,000	12,21,650
कर्मचारी जो अभी योजना के अन्तर्गत लाने हैं	7,72,600"क"	7,54,200	(—) 18,400
नकद भुगतान कार्यालय	682	686	4
निरीक्षण कार्यालय	116	147	31
कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल	59	63	4
कर्मचारी राज्य बीमा अनैकसिस	25	24	(—) 1
विस्तर :			
(क) कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल	11,086	13,125*	2,039
(ख) कर्मचारी राज्य बीमा अनैकसिस	475	462*	(—) 13
(ग) आरक्षित	4,616"क"	4,685*	69
जोड़	16,177"क"	18,272*	2,095
राज्य बीमा औषधालय	910"क"	936*	26
बीमा चिकित्सा अधिकारी तथा बीमा चिकित्सा व्यवसायी	7,309"क"	7,375*	64

पूंजीगत निर्माण (लाख रुपयों में)

स्वीकृत (राशि)	7,507.33	8,212.56	705.23
अग्रिम (राशि)	5,299.75	6,088.18	788.43

आय तथा व्यय	1976-77	1977-78
राजस्व आय	13,669.19	14,454.48
राजस्व व्यय	10,191.85	11,771.52

"क" संशोधित

†कुछ राज्यों में केन्द्रों के एकीकरण के कारण कमी हुई।

*अनन्तिम

उपलब्धियां

1.1 हितलाभों में सुधार तथा वृद्धि

24 फरवरी, 1977 को अपने सफल कार्यचालन के 25 वर्ष पूरे कर लेने पर 1977 वर्ष कर्मचारी राज्य बीमा योजना के रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया गया था। इसके स्मारक के रूप में रिपोर्ट से संबंधित वर्ष के दौरान हितलाभों में निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण सुधार तथा वृद्धियां आरम्भ की गई :—

(क) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 49 के अन्तर्गत किसी बीमाकृत व्यक्ति को देय बीमारी हितलाभ की अवधि 1 मई, 1977 से किन्हीं दो लगातार हितलाभ अवधियों में 56 दिन से बढ़ाकर 91 दिन कर दी गई। इससे योजना के अन्तर्गत बीमारी हितलाभ विकासशील देशों के लिए सामाजिक सुरक्षा के न्यूनतम मानकों पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलन में निर्धारित मानक के बराबर हो जाता है।

(ख) योजना के आरम्भ होने से पहली बार क्रमशः स्थायी रूप से अपंग बीमाकृत व्यक्तियों तथा मृत बीमाकृत व्यक्तियों के आश्रितों को स्वीकृत स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ पेंशन में वृद्धि की गई ताकि हाल के वर्षों में निर्वाह खर्च सूचकांक में वृद्धि के लिए उनकी क्षतिपूर्ति की जा सके। पेंशन में वृद्धि निम्नलिखित सीमा तक की गई है तथा बढ़ी हुई पेंशन 1 अक्तूबर, 1977 से देय है :—

(1) ऐसे मामले जहां अपंगता या मृत्यु 31-3-74 को या इससे पहले हुई हो।	राशि का 20 प्रतिशत जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जायेगा।
(2) ऐसे मामले जहां अपंगता या मृत्यु 1-4-74 तथा 31-5-75 के बीच हुई हो।	राशि का 10 प्रतिशत जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जायेगा।

(ग) स्थायी अपंगता हितलाभ की आवधिक अदायगियों के रूपान्तरण के लिए स्थायी अपंगता हितलाभ की दैनिक दर, जो पहले अधिकतम 1 रुपया प्रति दिन थी, को 17-12-1977 से बढ़ाकर 1.50 पैसे कर दिया गया।

(घ) अब तक बीमाकृत व्यक्ति के स्वयं चिकित्सा देख-रेख के हकदार होने के 13 सप्ताह बाद बीमाकृत व्यक्ति का परिवार चिकित्सा देख-रेख का हकदार हो गया था। 17 दिसम्बर, 1977 से बीमाकृत व्यक्ति के परिवार को भी उसी दिन से चिकित्सा देख-रेख सुलभ की जा रही है जब से बीमाकृत व्यक्ति स्वयं उसका हकदार होता है और अब 13 सप्ताह तक प्रतीक्षा नहीं करनी होगी।

(ङ) बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य अब तक उस कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय/बीमा चिकित्सा व्यवसायी के क्लीनिक से चिकित्सा देख-रेख प्राप्त करने के हकदार थे जहां बीमाकृत व्यक्ति स्वयं पंजीकृत था। अब यह निर्णय किया गया है कि बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को चिकित्सा सुविधाएं निम्नलिखित परिस्थितियों में भी प्रदान की जायें :—

(1) जहां बीमाकृत व्यक्ति के कार्य करने तथा रहने का एक स्थान है तथा उसका परिवार दूसरे स्थान पर रहता है और दोनों स्थान कार्यान्वित केन्द्र हैं तथा एक ही राज्य में स्थित हैं।

(2) जहां परिवार के सदस्य बीमाकृत व्यक्ति के छुट्टी पर या अस्थायी स्थानान्तरण पर उसके कार्य के स्थान से उसके साथ किसी दूसरे स्थान पर जाते हैं जो उसी राज्य में या किसी भिन्न राज्य में एक कार्यान्वित केन्द्र है।

(च) जो बीमाकृत व्यक्ति अपने इलाज की अवधि के दौरान चिकित्सा हितलाभ का हकदार नहीं रहता है, अब बीमारी की अवधि समाप्त होने तक या लम्बी बीमारी के मामले में उस समय तक चिकित्सा उपचार लेता रहेगा जब तक कि बीमाकृत व्यक्ति (परिवार के सदस्यों को छोड़कर) को ऐसे उपचार की आवश्यकता है।

(छ) निगम ने बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों के लिए योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख के एक भाग के रूप कृत्रिम अंग, श्रवण-साधन, चश्मे, कृत्रिम दन्तावली, दांत, कृत्रिम नेत्र, महिला लाभाधिकारियों को पिन, कार्डिक पेस मेकर, डायलेसिस/गुरदा बदलना/पहियेदार कुर्सी/तीन पहिये वाली साइकिल, मेरु आलंब (स्पाइनल सपोर्ट) (जाकेट, पट्टियां आदि) सर्जिकल कालर, वर्किंग कैलिपर्स, सर्जिकल बूट, बैसाखियां, हिप प्रासथिसिस, पूर्ण हिप आदि की व्यवस्था करने का निर्णय किया है लेकिन चश्मे तथा कृत्रिम दन्तावली की व्यवस्था फिलहाल केवल बीमाकृत व्यक्तियों के लिए की जाएगी लेकिन इसमें दुर्घटना, बीमारी आदि को रोजगार तथा गैर-रोजगार क्षति शामिल होंगे।

(ज) योजना के अन्तर्गत साधारण मान पर स्वास्थ्य लाभ गृहों के निर्माण का निर्णय किया गया है जहां अस्पताल से उन बीमाकृत व्यक्तियों को भेजा जाएगा जिन्हें चिकित्सा उपचार की आवश्यकता नहीं रही और उन्हें नर्सिंग देख-रेख तथा अन्य सुविधाओं के अलावा साधारण चिकित्सा देख-रेख प्रदान की जायेगी।

नये क्षेत्रों में कार्यान्वयन

1.2 हिमाचल प्रदेश राज्य में पहली बार कर्मचारी राज्य बीमा योजना लागू की गई और 5 जून, 1977 से सोलन में योजना का कार्यान्वयन किया गया। रिपोर्ट से सम्बन्धित वर्ष के दौरान योजना आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों में **52 नये क्षेत्रों में कार्यान्वित की गई** तथा इसमें लगभग 31,000 अतिरिक्त कर्मचारी शामिल किए गए। इसके ब्यौरे परिशिष्ट-1 भाग क में दिये गये हैं। जम्मू व काश्मीर, मेघालय तथा त्रिपुरा राज्य में योजना के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए प्रयत्न जारी रहे। इन राज्यों में योजना अभी तक किसी भी केन्द्र पर कार्यान्वित नहीं हुई है। वर्ष के अन्त में योजना विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में 366 केन्द्रों में लागू थी तथा स्थापनाओं के नये वर्गों में शामिल किए गए कर्मचारियों को मिलाकर इसमें कुल मिलाकर 55,42,700 कर्मचारी शामिल थे।

स्थापनाओं के नये वर्गों पर विस्तार

1.3 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान गुजरात राज्य में अहमदाबाद, बड़ौदा तथा सूरत के तीन केन्द्रों में पहली बार स्थापनाओं के नये वर्गों को योजना के अन्तर्गत लाया गया। केरल, मध्य-प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु राज्यों तथा गोआ, दमन तथा दीव संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न कार्यान्वित केन्द्रों में स्थापनाओं के नये वर्गों पर भी योजना का और विस्तार किया गया तथा इसमें गुजरात के तीन केन्द्रों को मिलाकर लगभग 37,455 कर्मचारी शामिल किए गए। इसके ब्यौरे परिशिष्ट-1 भाग ख में दिये गये हैं। जिन क्षेत्रों में 17 दिसम्बर, 1977 से पहले योजना का विस्तार किया गया था, उनमें इन कर्मचारियों के परिवार भी 13 सप्ताह की समाप्ति पर या 17 दिसम्बर, 1977 से जो भी पहले हो, चिकित्सा देख-रेख के हकदार हो गये। 17-12-1977 से परिवार उसी तारीख से चिकित्सा हितलाभ के हकदार हैं जिससे बीमाकृत व्यक्ति योजना का कार्यान्वयन होने पर स्वयं उसका हकदार हो गया।

1.4 केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा तमिलनाडु राज्य-सरकारों और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन ने भी शेष नये वर्गों पर तथा अधिक केन्द्रों में योजना का विस्तार करने के लिए अपने आशय का छह मास

का नोटिस देते हुए प्रारम्भिक अधिसूचनाएं जारी कीं। केन्द्रीय सरकार ने भारतीय पर्यटन विकास निगम के स्वामित्व में आने वाले होटलों तथा दिल्ली परिवहन निगम पर अधिनियम के उपबन्धों का विस्तार करने के अपने आशय की अधिसूचना जारी की।

परिवारों पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार

1.5 आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश राज्यों में 66 नये कार्यान्वित क्षेत्रों में लगभग 34,900 (अनुमानित) अतिरिक्त परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों, यानी लगभग 1,35,400 (अनुमानित) अतिरिक्त लाभाधिकारियों पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया। इसके ब्यौरे परिशिष्ट-I भाग क में दिये गए हैं। वर्ष के अन्त में चिकित्सा देख-रेख के अन्तर्गत आने वाले कुल परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या लगभग 62,50,800 यानी लगभग 2,42,53,000 लाभाधिकारी थे। इसमें बीमाकृत व्यक्ति तथा उनके परिवार और स्थापनाओं के नये वर्गों के अन्तर्गत आने वाले व्यक्ति शामिल हैं।

2. अस्पताल में भर्ती

(i) चालू किए गए कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनैक्सियां

(1) वर्ष के दौरान तीन और कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल चालू किए गए जिनमें से 650 बिस्तर वाला एक अस्पताल अन्धेरी (महाराष्ट्र) में 1-5-77 को, 650 बिस्तर वाला एक अस्पताल वाशी (महाराष्ट्र) में 15-8-77 को तथा 206 बिस्तर वाला एक अस्पताल के० के० नगर, दक्षिण मद्रास (तमिलनाडु) में 13-4-77 को चालू किया गया। इसके अलावा बूजराज नगर, उड़ीसा में एक अनैक्सी भी दिनांक 31-10-77 से पूर्ण अस्पताल में परिवर्तित की गई। इस प्रकार वर्ष के अन्त में चालू किए गए कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों की कुल संख्या 63 हो गई और चालू की गई अनैक्सियों की संख्या 24।

इन संस्थानों में बनाए गए बिस्तरों की स्थिति निम्न प्रकार है :—

परियोजना का स्वरूप	परियोजनाओं की संख्या	बनाए गए बिस्तरों की संख्या	
		सामान्य	क्षय रोग
अस्पताल	63	11755	1370
अनैक्सियां	24	180	282
	जोड़	11935 +	1652 = 13587

इन अस्पतालों तथा अनैक्सियों के ब्यौरे परिशिष्ट-II में दिए गए हैं।

(ii) निर्माणाधीन कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनैक्सियां

31-3-78 को निम्नलिखित कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनैक्सियां निर्माणाधीन थी :—

क्रम सं०	स्थान तथा राज्य	बिस्तरों की संख्या		कैफियत
		सामान्य	क्षय रोग	
अस्पताल				
1.	गोहाटी (असम)	50	—	
2.	फुलवारी शरीफ, पटना (बिहार)	50	—	
3.	बड़ौदा (गुजरात)	200	—	
4.	सूरत (गुजरात)	150	—	
5.	बंगलौर (कर्नाटक)	100	—	
6.	मैसूर (कर्नाटक)	100	—	
7.	कांदीवली (महाराष्ट्र)	650	—	
8.	थाना (महाराष्ट्र)	312	—	
9.	जेकेपुर (उड़ीसा)	25	—	
10.	पांडिचेरी	50	—	
11.	नैनी (उत्तर प्रदेश)	100	—	
12.	आगरा (उत्तर प्रदेश)	100	—	
13.	गाजियाबाद	100	—	
14.	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	100	—	
15.	मानिकटोला (पश्चिमी बंगाल)	500	—	
16.	आसनसोल (पश्चिमी बंगाल)	—	150	
17.	बडेल (पश्चिमी बंगाल)	—	250	
	कुल	2537 +	400 =	2937
अनैक्सियां				
1.	तिनसुखिया (असम)	20	—	
2.	हिसार (हरियाणा)	12	—	
3.	सोनीपत (हरियाणा)	12	—	
4.	गुलबर्गा (कर्नाटक)	20	—	
5.	रोबर्ट सोमपैट (के० जी० एफ०) (कर्नाटक)	32	—	
6.	राजगंगपुर (उड़ीसा)	15	—	
7.	मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)	24	—	
8.	सीतापुर (उत्तर प्रदेश)	24	—	
9.	उन्नाव (उत्तर प्रदेश)	12	—	
10.	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	24	—	
11.	शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश)	24	—	
12.	मेरठ (उत्तर प्रदेश)	12	—	
13.	रामपुर (उत्तर प्रदेश)	24	—	
14.	इटावा (उत्तर प्रदेश)	12	—	
15.	मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)	24	—	
16.	मोदीनगर (उत्तर प्रदेश)	—	24	
	जोड़	292 +	24 =	316

(iii) मंजूर शुदा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनैक्सियां

निम्नलिखित अस्पतालों तथा अनैक्सियों के नक्शे तथा प्राक्कलन मंजूर हो चुके हैं लेकिन निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है :—

क्रम सं०	स्थान तथा राज्य	बिस्तरों की संख्या		
		सामान्य	क्षय रोग	
अस्पताल				
1.	आदित्यपुर (बिहार)	50	—	
2.	कलोल (गुजरात)	50	—	
3.	राजकोट (गुजरात)	50	—	
4.	इन्द्रानगर, बंगलौर (कर्नाटक)	300	—	
5.	चुनगांव, फेरोक (केरल)	100	—	
6.	शोलापुर (महाराष्ट्र)	96	—	
7.	वेलूर (तमिलनाडु)	50	—	
8.	ठाकुरपुकुर (पश्चिमी बंगाल)	250	—	
	जोड़	946 +	— =	946

(1) वर्ष के अन्त तक देश भर में 177 राज्य बीमा औषधालय चालू किए गए थे । इसके अलावा वर्ष के अन्त तक सारे देश में 27 और औषधालय विभिन्न स्तरों पर निर्माणाधीन थे ।

(2) 1976-77 में प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, केरल सरकार के कार्यालय के लिए त्रिवेन्द्रम में एक भवन खरीदा गया था तथा इसमें कार्य शुरू किया गया था । वर्ष के अन्त में प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, जयपुर के कार्यालय के लिए भी एक भवन निर्माणाधीन था ।

(3) 31-3-78 तक की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत पूंजीगत निर्माण के लिए मंजूर की गई राशि निम्न प्रकार है :—

परियोजनाओं का वर्ग	31-3-77 को मंजूर की गई राशि	31-3-78 को मंजूर की गई राशि
		(लाख रुपयों में)
(अ) अस्पताल/अनैक्सियां/औषधालय/उपस्कर तथा स्टाफ क्वार्टर आदि	6,502.84	7,148.63
(ब) महाराष्ट्र सरकार को ऋण	362.15	362.15
(स) सहायता अनुदान	100.00	100.00
(द) निगम के कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर	542.34	601.78
जोड़	7,507.33	8,211.28

3. कर्मचारियों के परिवारों की चिकित्सा देख-रेख का स्वरूप

परिवार (कर्मचारी) एककों को प्रदान की गई चिकित्सा देख-रेख के प्रकार के संबंध में राज्य-वार स्थिति परिशिष्ट-3 में दी गई है ।

आयोग, समितियां और सम्मेलन

4. निगम

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 25 अक्तूबर, 1977 और 24 फरवरी, 1978 को दो बैठकें हुई । इन बैठकों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं ।

5. स्थायी समिति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति की 24 अक्तूबर, 1977 और 23 फरवरी, 1978 को दो बैठकें हुई । इन बैठकों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय परिशिष्ट-5 में दिए गए है ।

6. चिकित्सा हितलाभ परिषद्

चिकित्सा हितलाभ परिषद् की 12-12-1977 को एक बैठक हुई । परिषद् की महत्वपूर्ण सिफारिशें परिशिष्ट 6 में दी गई हैं ।

7. क्षेत्रीय बोर्ड

वर्ष के अन्त तक 17 क्षेत्रीय बोर्डों का गठन हो गया था । विभिन्न क्षेत्रीय बोर्डों की वर्ष के दौरान हुई बैठकों की संख्या नीचे दी गई है :—

क्षेत्रीय बोर्ड का नाम	बैठकों की संख्या	बैठकों की तारीख
1	2	3
1. आन्ध्र प्रदेश	3	30-4-77, 21-9-77 तथा 24-12-77
2. असम	--	--
3. बिहार	2	5-10-77 तथा 8-2-78
4. दिल्ली	2	19-9-77 तथा 9-3-78
5. गुजरात	2	26-9-77 तथा 4-11-77
6. हरियाणा	--	--
7. कर्नाटक	1	25-7-77
8. केरल	3	12-5-77, 5-9-77 तथा 16-1-78
9. मध्य प्रदेश	3	26-9-77, 28-12-77 तथा 11-3-78
10. महाराष्ट्र	1	14-7-77
11. उड़ीसा	3	16-8-77, 25-11-77 तथा 31-1-78
12. पंजाब	--	--
13. पांडिचेरी	--	--
14. राजस्थान	--	--
15. तमिलनाडु	1	17-1-78
16. उत्तर प्रदेश	1	16-10-77
17. पश्चिमी बंगाल	--	--

8. स्थानीय समितियां

कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 10-क के अधीन वर्ष के अन्त तक सारे देश में 198 स्थानीय समितियों का गठन हो गया था ।

9. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चिकित्सा सेवाएं और विनिधान समिति द्वारा दिए गए कार्य के ब्यौरे :—

क्र०सं०	राज्य का नाम	बैठकों की संख्या	सूची में शामिल किए गए मामलों की संख्या	बकाया मामलों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	गुजरात	3	22	--
2.	ग्रेटर बम्बई	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
3.	पूना (पश्चिमी महाराष्ट्र)	शून्य	शून्य	शून्य
4.	पंजाब	2	--	--
5.	पश्चिमी बंगाल	शून्य	शून्य	शून्य

10. सामान्य प्रयोजन उप-समिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सामान्य प्रयोजन उप-समिति ने 23-9-1977 से 27-5-1977 तक केरल राज्य का दौरा किया तथा राज्य में काम कर रही विभिन्न कर्मचारी राज्य बीमा संस्थाओं का निरीक्षण किया ।

प्रशासन

11. क्षेत्रीय संगठन

31 मार्च, 1978 की स्थिति के अनुसार सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 15 क्षेत्रीय कार्यालय, 2 उप-क्षेत्रीय कार्यालय, 321 स्थानीय कार्यालय, 97 लघु स्थानीय कार्यालय, 3 उप-स्थानीय कार्यालय, 263 भुगतान कार्यालय और 147 निरीक्षण कार्यालय कार्य कर रहे थे ।

12. कर्मचारियों की संख्या

31 मार्च, 1978 को निगम में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की कुल प्राधिकृत संख्या (निदेशालय चिकित्सा दिल्ली के कार्यालय/कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, दिल्ली को छोड़कर) 9337 थी जबकि 31 मार्च, 1977 को यह संख्या-8810 थी । 31 मार्च, 1978 को मुख्यालय तथा विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों की संख्या परिशिष्ट-7 (भाग-1) में दिखाई गई है । निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली के कार्यालय तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, दिल्ली के लिए प्राधिकृत कर्मचारियों की संख्या परिशिष्ट-7 के भाग-2 में दिखाई गई है ।

13. कर्मचारियों का स्थायीकरण

1976-77 वर्ष के लिए वर्ग "क" तथा "ख" श्रेणियों के कर्मचारियों के स्थायी पदों के सृजन के लिए केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन प्राप्त हुआ तथा इन पदों पर स्थायीकरण की सक्रिय कार्रवाई की जा रही है। अधिकांश क्षेत्रों/कार्यालयों में मंजूर पदों पर वर्ग "ग" तथा "घ" के कर्मचारियों को स्थायी कर दिया गया है। बाकी कार्यालयों में कर्मचारियों को स्थायी करने की कार्रवाई की जा रही है।

14. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व

सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए ऐसा आरक्षण किया जाता है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के आधार पर समय-समय पर निर्धारित किया जाए। निगम के कर्मचारियों की कुल संख्या तथा उन में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के सदस्यों से सीधी भर्ती से भिन्न भरी गई आरक्षित रिक्तियों की संख्या तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के सदस्यों से सीधी भर्ती द्वारा भरी गई रिक्तियों की संख्या से संबंधित सूचना क्रमशः परिशिष्ट 8 के भाग 1, 2 तथा 3 में दी गई हैं।

15. कर्मचारी राज्य बीमा निगम में हिन्दी का उत्तरोत्तर प्रयोग

निगम के कार्यालयों में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के लिए समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्रवाई की गई :—

1. मुख्यालय में तथा कुछेक क्षेत्रीय कार्यालयों में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग की देखभाल मुख्यालय के हिन्दी अनुभाग द्वारा की जा रही है।

2. सभी हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी राज्यों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन हो चुका है और हिन्दी कार्य की गति का पुनरीक्षण करने तथा समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के कार्यान्वयन के लिए इन समितियों की नियमित बैठकें की जा रही हैं।

3. अधिकांश पत्र-व्यवहार हिन्दी में किया जाता है तथा हिन्दी में प्राप्त अधिकांश पत्रों और कर्मचारियों से प्राप्त आवेदनों, अभिवेदनों आदि का उत्तर हिन्दी में दिया जाता है।

4. सभी हिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी टाइपराइटरों की आवश्यक व्यवस्था कर दी गई है। सभी अहिन्दी भाषा क्षेत्रीय कार्यालयों में भी हिन्दी टाइपराइटरों की व्यवस्था की जा रही है।

5. अधिकांश फार्म द्विभाषी छपवाए गये हैं। नियमों तथा नियम-पुस्तकों आदि के अनुवाद के लिए प्रबन्ध किए जा रहे हैं।

6. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मुख्यालय में चार कार्यशालाओं का तथा क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर, पटना तथा निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली में क्रमशः एक-एक कार्यशाला के हिसाब से तीन हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों में (महाराष्ट्र, गुजरात तथा पंजाब सहित) भी हिन्दी कार्यशाला का आयोजन करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

7. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली तथा कानपुर में अनुभाग अधिकारी (हिन्दी) के पद भरे गए। निगम के विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी सहायक के पदों को भरने के प्रबन्ध किये जा रहे हैं।

8. निम्न श्रेणी लिपिक के पदों पर भर्ती के लिए खुली तथा सीमित विभागीय परीक्षा के लिए इस विभाग की भर्ती परीक्षा में अंकगणित के प्रश्न-पत्र को द्विभाषी रूप में छपवाने के प्रबन्ध किए गए हैं।

9. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निगम के छह कार्यालय राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10 (4) के अन्तर्गत अधिसूचित करने के लिए भेजे गये हैं जिसका अर्थ है कि इन कार्यालयों के 80 प्रतिशत कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान है। यह इस निगम का अग्रणी कार्य है।

10. हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित कार्यालयों के साथ मूल पत्राचार हिन्दी में शुरू करने के प्रयत्न किये गये हैं।

11. निगम के सांख्यकीय सार, वार्षिक रिपोर्ट, अधिसूचना तथा बजट तथा वार्षिक लेखे द्विभाषी रूप में छपवाये जाते हैं। टैण्डर नोटिस करार, लाइसेंस, परमिट आदि द्विभाषी रूप में जारी करने के प्रयत्न किये जा रहे हैं।

12. राजभाषा नियमों के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर चैक प्वाइंट निर्धारित किए गए हैं।

13. लगभग सभी रबर की मोहरें द्विभाषी रूप में अथवा हिन्दी तथा अंग्रेजी में अलग-अलग बनवा ली गई हैं।

14. मुख्यालय में तथा हिन्दी भाषी राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में सेवा पुस्तकों में प्रविष्टियां हिन्दी में की जा रही हैं।

15. हिन्दी भाषी क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों आदि को भेजे जाने वाले लिफाफों पर पते केवल हिन्दी में लिखे जा रहे हैं।

16. हिन्दी भाषी क्षेत्रों में निम्न श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची के प्रशिक्षण के लिए निगम के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सरकार की राजभाषा नीति से सम्बन्धित एक व्याख्यान शुरू किया गया है।

15क. कर्मचारी राज्य बीमा निगम में अन्तर्क्षेत्रीय खेलकूद की शुरुआत

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा तथा प्रोत्साहन देने के लिए स्थायी समिति ने 24 अक्तूबर, 1977 को हुई अपनी बैठक के कार्यवृत्त की मद संख्या 5 (2) द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा निगम में अन्तर्क्षेत्रीय खेल-कूद की योजना शुरू करने तथा योजना को चलाने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम खेलकूद नियंत्रण बोर्ड का गठन करने का अनुमोदन किया। केन्द्रीय खेल-कूद नियंत्रण बोर्ड, जोनल बोर्ड तथा क्षेत्रीय बोर्ड की स्थापना की दिशा में कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है तथा, प्रथम अखिल भारतीय प्रतियोगिता करने की कार्रवाई जारी है।

16. संगठन एवं पद्धति अध्ययन

वर्ष के दौरान मुख्यालय के संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने परियोजना अध्ययन जारी रखे। संयुक्त क्षेत्रीय निदेशकों के मानक तथा मानदण्ड तैयार करने के लिए वर्ष 1976 के अंत में शुरू किया गया अध्ययन पूरा किया गया तथा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसने निगम में आन्तरिक लेखा परीक्षा के ढांचे को बदलने के बारे में भी विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

निगम के विभिन्न कार्यालयों में निर्णयन स्तर पर पर्याप्त शक्तियां प्रदान करने को सुनिश्चित करने के विचार से संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने क्षेत्रीय निदेशकों, संयुक्त क्षेत्रीय निदेशकों, शाखा अधिकारियों, निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली आदि को प्रदान की गई मौजूदा शक्तियों का पुनरीक्षण शुरू किया। यह कार्य विचाराधीन है। इसके साथ-साथ संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने मुख्यालय में कार्य-संचालन के लिए मौजूदा कार्य-संचालन नियमों का भी पुनरीक्षण किया।

रिकार्ड प्रबंध के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में व्यवस्था कायम करने के लिए एक रिकार्ड प्रतिधारण अनुसूची निगम के कार्यालयों में परिचालन के लिए तैयार की गई। रिकार्ड प्रबन्ध पर कुछ मार्गदर्शक सिद्धान्त भी क्षेत्रीय कार्यालयों को जारी किए गए।

संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने दिल्ली क्षेत्र में प्रयोगात्मक रूप में शुरू की गई अंशदान की नकद वसूली की प्रणाली का भी मूल्यांकन किया तथा धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में इसके विस्तार की सिफारिश की।

स्थायी समिति ने 23-2-78 को हुई अपनी बैठक में अंशदान की नकद अदायगी की प्रणाली को चरणबद्ध रूप में अन्य क्षेत्रों में लागू करने का अनुमोदन किया था । अतः अदायगी की प्रणाली को 1-10-78 से राजस्थान तथा कर्नाटक में शुरू करने का निर्णय किया गया है ।

अध्याय 5-क के समाप्त होने के बाद निरीक्षकों द्वारा कारखानों के निरीक्षण करने में कुछ कठिनाइयां आई है । संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने निरीक्षकों द्वारा कारखानों के निरीक्षण का अध्ययन किया तथा निरीक्षण की गई तकनीकें निर्धारित कीं । निरीक्षण रिपोर्टों के फार्मों को भी नया रूप दिया गया । इन्हें क्षेत्रीय निदेशकों से प्राप्त विचारों की जांच करने के बाद लागू किया जायेगा ।

संगठन एवं पद्धति प्रभाग ने विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों के लिए मानक तथा मानदण्ड तैयार करने के लिए फैडरेशन के सहयोग से क्षेत्रीय कार्यालय महाराष्ट्र, जो एक ग्रेड-1 क्षेत्रीय कार्यालय है, का कार्यमापन भी किया तथा इसके बाद इसी प्रकार का अध्ययन क्षेत्रीय कार्यालय, गुजरात तथा पश्चिमी बंगाल का किया जाना है ।

17. सुझाव पुरस्कार योजना

सुझाव पुरस्कार योजना के अधीन सुझावों की समीक्षा करने के लिए बनाई गई केन्द्रीय समिति ने विभिन्न सुझावों पर विचार किया तथा निम्नलिखित मामलों में पुरस्कार प्रदान किये :—

1. श्री के० बी० रामामूर्ती, उच्च श्रेणी लिपिक, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद को नियोजकों को सी-19 रजिस्टर्ड डाक की बजाय साधारण डाक से भेजने से संबंधित उनके सुझाव पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

2. श्री एम० सेलवाराज, निम्न श्रेणी लिपिक, क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास को विनियम प्रमाण-पत्र पर प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की सीमा को समाप्त करने से संबंधित उनके सुझाव पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

3. श्री टी० थामस, लेखा-परीक्षा निरीक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय, बंगलौर को बीमारी हितलाभ दिनों की संख्या में वृद्धि के कारण असामर्थ्य निर्देश के बारे में स्थानीय कार्यालय नियम पुस्तक के पैरा 11.8 के संशोधन से संबंधित उनके सुझाव के लिए 100 रु० का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया ।

18. अधिकारियों तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान तथा नई दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई तथा बंगलौर में स्थापित किए गए चार मण्डलीय प्रशिक्षण संस्थानों ने निगम के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये ।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान ने स्थानीय कार्यालय प्रबन्धकों तथा बीमा निरीक्षकों के लिए नई दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, कानपुर तथा बंगलौर में 11 अभिविन्यास (ओरियन्टेशन) पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें 216 अधिकारियों ने भाग लिया । इन पाठ्यक्रमों में प्रायः चार-पांच नजदीकी क्षेत्रों के फील्ड अधिकारी भाग लेते हैं और इनमें भाग लेने वाले अधिकारियों के ज्ञान को अद्यतन करने के अलावा स्वतंत्र रूप से समस्या के समाधान पर विचार-विमर्श के आधार की व्यवस्था की गई ।

मार्च-अप्रेल, 1977 में निगम के मध्य-प्रबन्ध स्तर के अधिकारियों यानी उप-क्षेत्रीय निदेशक/सहायक क्षेत्रीय निदेशक/लेखा अधिकारी/उप लेखा अधिकारी/अनुभाग अधिकारी आदि के लिए नई दिल्ली में एक अभिविन्यास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 22 अधिकारियों ने भाग लिया । इन पाठ्यक्रमों में भाग लेने वालों ने प्रबन्ध में बाहर के विशेषज्ञों से आधुनिक प्रबन्ध तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के अलावा व्याप्ति, राजस्व वसूली, कानूनी कार्यवाई आदि जैसी अपनी कई समान समस्याओं पर आपस में लाभदायक विचार-विमर्श किया ।

मई, 1977 में निगम के 11 अधिकारियों ने केन्द्रीय श्रम संस्थान, बम्बई द्वारा आयोजित "प्रशिक्षकों" के लिए "प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" में भाग लिया ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर वे प्रशिक्षण अधिकारियों का कार्य कर सकें ।

अक्टूबर, 1977 में नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रशिक्षण प्रभाग के सहयोग से वरिष्ठ प्रबन्ध स्तर के अधिकारियों के लिए एक अभिविन्यास (ओरियन्टेशन)—प्रबन्ध पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था । जिसमें क्षेत्रीय निदेशक/संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक/सतर्कता अधिकारी/प्रशासन अधिकारी/उप मुख्य लेखा अधिकारी के स्तर के 18 अधिकारियों ने भाग लिया ।

निम्न श्रेणी लिपिकों/उच्च श्रेणी लिपिकों/खजांचियों/प्रभारी उच्च श्रेणी लिपिकों/प्रधान लिपिकों के लिए विभिन्न केन्द्रों पर 47 "सेवाकालीन" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 996 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया । इसके अलावा नये भर्ती किए गए तथा 3 वर्ष से कम सेवा वाले निम्न श्रेणी लिपिकों के लिए मण्डलीय प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा 328 कर्मचारियों के लिए 14 विशेष रूप से तैयार किए गए "आगमन" पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए । कुल मिलाकर समीक्षाधीन वर्ष में विभिन्न श्रेणियों के कुल 1580 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

19. प्रचार

प्रैस, रेडियो तथा टेलीविजन के माध्यम से योजना का प्रचार किया गया और योजना की प्रगति तथा उपलब्धियों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया । आकाशवाणी के विभिन्न स्टेशनों से वार्ता तथा चर्चाएं प्रसारित की गई । विभिन्न केन्द्रों पर निगम के अधिकारियों ने कामगारों तथा प्रशिक्षणार्थियों को लैक्चर दिए । शिक्षाप्रद प्रचार के एक भाग के रूप में "आप और आपकी योजना" नामक पुस्तिका का वितरण किया गया जो विशेष तौर पर बीमाकृत व्यक्तियों को उनके अधिकार तथा दायित्वों और हितलाभों का दावा करने की कार्यविधि का ज्ञान कराती है ।

योजना की रजत जयन्ती के अवसर पर तथा छात्र-समुदाय में सामाजिक सुरक्षा के विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करने की दृष्टि से "विकासशील देशों में सामाजिक सुरक्षा की भूमिका" विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई । प्रतियोगिता मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालयों, कालेजों तथा अन्य संस्थानों आदि के विद्यार्थियों के लिए सीमित थी । प्रथम तीन सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों के लिए तीन नकद पुरस्कार प्रदान किये गए जिनमें से एक हिन्दी में निबन्ध के लिए था ।

प्रथम पुरस्कार (2000 रु०)	श्री वी० सुब्रामनियम इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैन्ट, अहमदाबाद ।
द्वितीय पुरस्कार (1000 रु०)	कुमारी रीना गुप्ता, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एण्ड हास्पीटल, नई दिल्ली ।
तृतीय पुरस्कार (500 रु०) (हिन्दी में निबन्ध के लिए)	कुमारी मैलिनी रामचन्द्र लामसेस्वार, पुल्लिंग नायक महा विद्यालय, पुसाद, पेमोरमाल ।

20. विस्तार-क्षेत्र

योजना के अन्तर्गत शामिल किए गए कर्मचारियों आदि की संख्या (परिशिष्ट-9 तथा 10)

परिशिष्ट 9 तथा 10 में योजना के विस्तार-क्षेत्र सम्बन्धी ब्यौरे (रोजगार के अतिरिक्त क्षेत्रों को मिलाकर) दिए गए हैं । 31-3-78 को योजना के अन्तर्गत लगभग 51,375 नियोजक शामिल थे जबकि एक वर्ष पहले इसमें 45,498 नियोजक थे । इनमें से लगभग 49,310 नियोजक कार्यान्वित केन्द्रों में थे । पिछले वर्ष तदनुरूपी संख्या 43,380

थी । शेष 2,065 नियोजक अभी कार्यान्वित किए जाने वाले क्षेत्रों में थे । कार्यान्वित केन्द्रों में कर्मचारियों की कुल संख्या लगभग 55.43 लाख थी । अभी कार्यान्वित किए जाने वाले क्षेत्रों में कर्मचारियों की संख्या लगभग 7.54 लाख थी । डाक्टरी इलाज के हकदार बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या लगभग 62.51 लाख और परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या लगभग 52.51 लाख थी । कुल मिलाकर 31-3-78 को डाक्टरी इलाज के हकदार हिताधिकारियों की अनुमानित कुल संख्या (बीमाकृत व्यक्तियों को मिलाकर) लगभग 242.53 लाख थी ।

21. चिकित्सा देख-रेख के स्तर में सुधार

21.1 अन्तरंग रोगियों के इलाज के लिए अस्पतालों में बिस्तरों की व्यवस्था :—

1977-78 वर्ष के दौरान निम्नलिखित कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में 1390 अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था की गई :—

(1) क० रा० बीमा अस्पताल, विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश)	14
(2) क० रा० बीमा अस्पताल, वारांगल (आन्ध्र प्रदेश)	20
(3) क० रा० बीमा अस्पताल, अडोनी (आन्ध्र प्रदेश)	25
(4) क० रा० बीमा अस्पताल, बसईदारापुर (दिल्ली)	14
(5) क० रा० बीमा अस्पताल, असरामम, जिला क्विलोन (केरल)	15
(6) क० रा० बीमा अस्पताल, पेरूरकाडा, जिला त्रिवेन्द्रम, (केरल)	25
(7) क० रा० बीमा अस्पताल, ओलारीकारा, त्रिचूर (केरल)	30
(8) क० रा० बीमा अस्पताल, अरनाकुलम (केरल)	15
(9) क० रा० बीमा अस्पताल, उद्योगमंडल, जिला अरनाकुलम (केरल)	30
(10) क० रा० बीमा अस्पताल, वाडावतूर, जिला कोट्टायम (केरल)	15
(11) क० रा० बीमा (सामान्य) अस्पताल, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	6
(12) क० रा० बीमा अस्पताल, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	25
(13) क० रा० बीमा अस्पताल, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)	50
(14) क० रा० बीमा अस्पताल, अंधेरी, बम्बई (महाराष्ट्र)	600*
(15) क० रा० बीमा अस्पताल, वाणी, बम्बई (महाराष्ट्र)	200*
(16) क० रा० बीमा अस्पताल, नागपुर महाराष्ट्र	50
(17) क० रा० बीमा अस्पताल, के० के० नगर (तमिलनाडु)	206*
(18) क० रा० बीमा अस्पताल, गोरहाटी (पश्चिमी बंगाल)	50

*नए चालू किए गए अस्पताल ।

31-3-1978 तक की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत कुल 17042 बिस्तरों की व्यवस्था की गई जिनका ब्यौरा परिशिष्ट-II में दिया गया है ।

21.2 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में भरे हुए बिस्तरों की प्रतिशतता और प्रति दिन प्रति बिस्तर औसत आवर्ती लागत इस प्रकार थी :—

क्र० सं०	अस्पताल का नाम	व्यवस्था किए गए बिस्तरों की संख्या				1977-78 वर्ष में भरे हुए बिस्तरों की प्रतिशतता	1977-78 वर्ष में प्रतिदिन बिस्तर लागत
		सामान्य	प्रसूति	क्षय रोग	जोड़		
1	2	3	4	5	6	7	8
	आन्ध्र प्रदेश						
1.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सानतनगर, हैदराबाद	260	50	—	310	81%	40.83
2.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सीरपुर कागजनगर	60	—	—	60	106%	32.34
3.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, विजयवाड़ा	100	—	10	110	96%	36.17
4.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, वारंगल	40	10	—	50	110%	25.22
5.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अडोनी	40	10	—	50	102%	24.78
6.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, विशाखापट्नम	99	2	9	110	102%	48.20
	बिहार						
7.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सैथोन	100	—	—	100	89%	23.99
8.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मुंघेर	30	—	—	30	59***	22.85
9.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, डालमिया नगर	50	—	—	50	83%	46.32
	दिल्ली						
10.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बसईदारापुर	316	73	—	389	90%	31.46
	गुजरात						
11.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बापूनगर, अहमदाबाद	500	—	—	500	85%	33.81
12.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बरोदा	—	—	200	200	99%	22.02

1	2	3	4	5	6	7	8
हरियाणा							
13.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, फरीदाबाद	170	—	—	170	88%	84.30@@
14.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, जगाधरी	13	—	47	60	53†††	48.60
15.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, पानीपत	15	—	35	30	79%	53.10
कर्नाटक							
16.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, राजाजी नगर, बंगलौर	335	35	44	414	111%	28.36
17.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, डांडेली	24	—	—	24	123.1%	16.86
केरल							
18.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मूला-कुनाठाक्कू, त्रिचूर जिला	—	—	100	100	97.1%	21.98
19.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अमरामम (क्विलोन जिला)	101	38	—	139	111.1%	19.07
20.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अलेपी	51	4	—	55	104%	21.40
21.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, परूरकाडा (त्रिवेन्द्रम जिला)	75	—	—	75	135%	16.86
22.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, ओलारकाडा, त्रिचूर	84	6	—	90	104%	16.03
23.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, उद्योग मंडल (जिला अरनाकुलम)	140	12	—	152	70%	19.34
24.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अरनाकुलम	55	10	—	65	184%	24.89
25.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, वाडावठूर (जिला कोट्टायम)	59	6	—	65	78%	25.24
26.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, पारीपल्ली	100	—	—	100	113%	18.67
27.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, ईकोन	25	—	—	25	165%	17.67
मध्य प्रदेश							
28.	कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) अस्पताल, इन्दौर	136	20	—	156	65%	25.22
29.	कर्मचारी राज्य बीमा (चैस्ट) अस्पताल, इन्दौर	—	—	52	52	92%	25.45
30.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, उज्जैन	65	—	—	65	102%	17.80
31.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, ग्वालियर	75	—	—	75†	23%†††	43.00
महाराष्ट्र							
32.	एम० जी० एम० अस्पताल, बम्बई	668	17	15	700	105%	55.00
33.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मुलुन्ड, बम्बई	440	110	50	600	68%	44.46
34.	कर्मचारी बीमा अस्पताल, बोरली, बम्बई	435	60	5	500	81%	54.00
35.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, उल्हास नगर, बम्बई	80	20	—	100	90%	50.62
36.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अंधेरी, बम्बई	500	100	—	600	50%††	68.25
37.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, काशी, बम्बई	—	—	200	200	39%**	60.00
38.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, नागपुर	170	30	—	200	85%	43.00
39.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, औंध, पूना	150	25	120	295*	97%	39.00
उड़ीसा							
40.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, चौदवार	44	6	—	50	122%	31.23
41.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कन्सावहल	47	3	—	50	68%	38.72
42.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बृजराज नगर	22	3	—	25	68%	51.00
पंजाब							
43.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अमृतसर	100	25	—	125	48%†††	52.95
44.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, लुधियाना	64	16	—	80	65%	45.54
45.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, जालंधर	48	12	—	60	90%	33.90
राजस्थान							
46.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, जयपुर	108	29	—	137	72%	28.16
तमिलनाडु							
47.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मद्रास	486	100	39	625	87%	38.78
48.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कोयम्बटूर	370	100	30	500	78%	32.15
49.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मदुरै	140	50	12	202	94%	23.88
50.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, के० के० नगर	141	50	15	206	24%†††	59.50

1	2	3	4	5	6	7	8
	उत्तर प्रदेश						
51.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, पांडुनगर, कानपुर	212	—	—	212	84%	20.00
52.	कर्मचारी राज्य बीमा (चैस्ट) अस्पताल, आजाद नगर कानपुर	—	—	180	180	90%	27.95
53.	कर्मचारी राज्य बीमा (प्रसूति तथा सामान्य) अस्पताल, कानपुर	74	70	—	144	111%	19.08
54.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, मोदीनगर	70	24	6	100	103%	54.00
	पश्चिमी बंगाल						
55.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, श्यामबाह	250	—	—	250	82%	43.14
56	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कुमारहट्टी	176	—	—	176	89%	30.11
57.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बालटीकुरी	300	—	—	300@	86%	27.14
58.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, सेरामपुर	166	—	—	166	109%	26.72
59.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कल्याणी	250	—	—	250	88%	26.54
60.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, उलूबेरिया	166	—	—	166	98%	30.94
61.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बलूरघल्ली	—	—	150	150	95%	27.30
62.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, गौरहट्टी	216	—	—	216	84%	33.86
63.	कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, बज बज	230	—	—	230	73%	22.27

†केवल 25 बिस्तर प्रयोग में लाए जा रहे हैं ।

††नवम्बर, 1977 को पूर्णतः चालू किया गया ।

**अगस्त, 1977 में चालू किया गया ।

*मंजूर किए गए 320 बिस्तरों में से 295 बिस्तर चालू किए गए हैं ।

÷मंजूर किए गए 416 बिस्तरों में 300 बिस्तर चालू किए गए है ।

@मंजूर किए गए 266 बिस्तरों में से 250 बिस्तर चालू किए गए है ।

$मंजूर किए गए 300 बिस्तरों में से 230 बिस्तर चालू किए गए है ।

†††कम भरे हुए बिस्तरों के संबंध में राज्य सरकारों से प्रार्थना की गई है कि वे मामले पर ध्यान दें ।

@@प्रति बिस्तर प्रतिदिन लागत अधिक है--राज्य सरकारों से प्रार्थना की गई है कि वे मामले पर ध्यान दें ।

22. 31-3-78 की स्थिति के अनुसार औषधालयों, विशेषज्ञों, बीमा चिकित्सा अधिकारियों/बीमा चिकित्सा व्यवसायों और एम्बुलैंस संबंधी ब्यौरे परिशिष्ट-II में दिए गए हैं ।

बीमाकृत व्यक्तियों को कृत्रिम अंग लगाने की व्यवस्था

23 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 76 मामलों में कृत्रिम अंग लगाए गए । कुल मिलाकर अब तक कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत 95 बीमाकृत व्यक्तियों के कृत्रिम अंग लगाए गए हैं या दोबारा लगाए जा रहे हैं ।

24. कृत्रिम दांतों की व्यवस्था

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसे एक बीमाकृत व्यक्ति को निःशुल्क कृत्रिम दांत लगाए गए जिसके दांत रोजगार चोट के कारण टूट गए थे । कुल मिलाकर अब तक कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत 61 बीमाकृत व्यक्तियों के कृत्रिम दांत लगाए गए हैं ।

25. चश्मों की व्यवस्था

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसे 5 बीमाकृत व्यक्तियों को निःशुल्क चश्मे दिए गए जिनकी आंखों की रोशनी रोजगार चोट के कारण कमजोर हो गई थी ।

चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था

26. औषधालयों तथा अस्पतालों में उपस्थिति तथा घर जाकर इलाज करना (परिशिष्ट 12 तथा 13)

26.1 (क) प्रतिवर्ष प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति और प्रति 1000 परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एकक उपस्थिति (ख) बीमाकृत व्यक्तियों और परिवारों के घर जाकर इलाज करने और (ग) (i) अस्पताल में दाखिल किए गए और (ii) विशेषज्ञ के पास जांच के लिए भेजे गए बीमाकृत व्यक्तियों के मामलों की संख्या से सम्बन्धित आंकड़े इन परिशिष्टों में दिए गए हैं । ये आंकड़े मुख्य रूप से औषधालयों तथा पैनल डाक्टरों द्वारा भेजी गई विवरणियों पर आधारित हैं । चिकित्सा उपस्थितियों की दर का हिसाब लगाने के लिए केवल रिपोर्ट भेजने वाले औषधालयों/क्लीनिकों से सम्बद्ध बीमाकृत व्यक्तियों/परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या को दिखलाया गया माना गया है ।

26.2 समीक्षाधीन वर्ष में प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति नई उपस्थितियों की अखिल भारतीय दर 1976-77 की तुलना में 3386 से घटकर 3221 रह गई । प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति पुरानी उपस्थितियों की संख्या भी 1976-77 की तुलना में 6137 से घटकर 6132 रह गई है । इस वर्ष नई उपस्थितियों की तुलना में पुरानी उपस्थितियों का अनुपात 1.90 रहा जबकि 1976-77 में यह अनुपात 1.81 था ।

26.3 प्रति 1000 परिवार एकक नई उपस्थितियों की अखिल भारतीय दर 1976-77 की तुलना में 3527 से घटकर 3520 रह गई । प्रति 1000 परिवार एकक पुरानी उपस्थितियों की संख्या 1976-77 की तुलना में 6856 से बढ़कर 6907 हो गई । नई उपस्थिति की तुलना में पुरानी उपस्थिति का अनुपात 1976-77 के 1.94 से बढ़कर 1977-78 में 1.96 हो गया ।

26.4 बीमाकृत व्यक्तियों के सम्बन्ध में घर जाकर इलाज करने की कुल संख्या 1976-77 की तुलना में लगभग 2.78 प्रतिशत घट गई है । परिवारों के सम्बन्ध में भी लगभग 35 प्रतिशत की कमी हुई है । प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्तियों विजिटों की संख्या के अनुसार घर जाकर इलाज करने की घटनाओं में कमी हुई है । ये घटनाएं 1976-77 में 55 थीं जो 1977-78 में घटकर 52 रह गई हैं ।

26.5 अस्पतालों मे दाखिल किए गए मामलों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है । ये मामले 1976-77 में 2,24,821 थे जो 1977-78 में बढ़कर 3,94,340 हो गए हैं । विशेषज्ञों के पास जांच के लिए भेजे गए मामलों की संख्या में कमी हुई है । ये मामले 1976-77 में 14,30,731 थे जो 1977-78 में घटकर 13,31,137 रह गए ।

27. बीमारी प्रति रूप (परिशिष्ट-14)

27.1 दिखलाए गए प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति नए मामलों की संख्या के रूप में व्यक्त की गई सम्पूर्ण देश के लिए बीमारी प्रतिरूप की सूचना 51 कारण समूहों में से प्रत्येक की बाबत बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवार के सदस्यों के लिए अलग अलग इस परिशिष्ट में दिखाई गई है ।

27.2 सभी कारण समूहों को मिलाकर घटना दरें 1976-77 की तुलना में 1977-78 में बीमाकृत व्यक्तियों के सम्बन्ध में कम हैं तथा उनके परिवारों की संख्या भी कम है । बीमाकृत व्यक्ति से सम्बन्धित प्रत्येक अवधि में बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों के सम्बन्ध में इस वर्ष 1.093 नई अवधियां रही हैं जबकि 1976-77 वर्ष में ये 0.960 थीं । यदि यह बात ध्यान में रखी जाए कि एक बीमाकृत व्यक्ति की तुलना में 2.88 परिवार सदस्य हैं तो नए मामलों की घटनाओं के अनुसार अस्वस्थता की घटनाएं बीमाकृत व्यक्तियों की तुलना में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के सम्बन्ध में पहले की तरह कम रही हैं ।

27.3 बीमाकृत व्यक्तियों के संबंध में बीमारी के कारण समूहवार घटना सूची में दी गई लगभग सभी बीमारियों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों से सम्बन्धित तदनुरूपी दरों से काफी कुछ मिलती हैं । लेकिन कुछ कारण समूहों में घटना में बहुत अन्तर से यह पता चलता है कि कुछ ऐसे विशिष्ट रोगों में अधिक इलाज की आवश्यकता होती है जो किसी विशेष समूह (यानी बीमाकृत व्यक्ति या परिवार) की अपेक्षाकृत आसानी से हो जाते हैं ।

चिकित्सा हितलाभ से संबंधित अन्य मामले

28. चिकित्सा निर्देशी

वर्ष के अन्त में अलग-अलग राज्यों में तैनात पूर्ण-कालिक और अंश-कालिक चिकित्सा निर्देशियों और उनके द्वारा निपटाए गए मामलों की संख्या का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है ।

क्र०सं०	राज्य का नाम	चिकित्सा निर्देशियों की संख्या		1977-78 वर्ष में निपटाए गए मामलों की संख्या
		अंश कालिक	पूर्ण-कालिक	
1	2	3	4	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	9	—	11802
2.	असम	5	—	743
3.	बिहार	11	—	7863
4.	चंडीगढ़ प्रशासन	1	—	51
5.	दिल्ली	—	2	11710
6.	गोवा	—	—	उपलब्ध नहीं
7.	गुजरात	12	3	42337
8.	हरियाणा	11	—	2287
9.	कर्नाटक	15	—	17322
10.	केरल	—	2	10304
11.	मध्य प्रदेश	12	—	18352
12.	महाराष्ट्र			
	(क) ग्रेटर बम्बई	4	4	उपलब्ध नहीं
	(ख) नागपुर क्षेत्र	8	—	उपलब्ध नहीं
	(ग) पश्चिमी महाराष्ट्र	3	—	उपलब्ध नहीं
13.	उड़ीसा	8	—	2045
14.	पांडिचेरी	1	—	165
15.	पंजाब	11	—	1955
16.	राजस्थान	12	—	5291
17.	तमिलनाडु	3	2	9635
18.	उत्तर प्रदेश	26	1	उपलब्ध नहीं
19.	पश्चिमी बंगाल	7	7	35250
	जोड़	159	21	177112

29. चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर खर्च राज्य-सरकारों को प्राधिकृत अदायगियां

समीक्षाधीन वर्ष में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ की व्यवस्था पर खर्च के अपने शेयर के रूप में राज्य-सरकारों को अदायगी करने के लिए 46,64,850.18 रुपये की धनराशि प्राधिकृत की गई । उपर्युक्त राशि के ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

	रु० पैसे
1. 1970-71 के लिए अन्तिम अदायगी	1,54,149.46
2. 1971-72 के लिए अन्तिम अदायगी	2,97,000.00
3. 1972-73 के लिए अन्तिम अदायगी	3,17,388.52
4. 1973-74 के लिए अन्तिम अदायगी	13,52,788.69
5. 1974-75 के लिए अन्तिम अदायगी	15,68,524.03
6. 1975-76 के लिए अन्तिम अदायगी	1,86,87,451.70
7. 1976-77 के लिए अन्तिम अदायगी	1,23,41,344.77
8. 1976-77 के लिए "लेखागत" अदायगी	2,17,64,000.00
9. 1977-78 के लिए "लेखागत" अदायगी	38,81,82,203.00
जोड़	44,46,64,850.18

30. चिकित्सा देख-रेख के खर्च पर नियंत्रण के उपाय

समीक्षाधीन वर्ष में निगम ने 545 दवाइयों, इन्जेक्शनों तथा औषधियों के लिए औषध निर्माताओं के साथ दर-ठेके किए । दर-ठेके राज्य-सरकारों को अमल में लाने के लिए सूचित कर दिए गए हैं ।

30क. दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में सुविधाओं की व्यवस्था

दिल्ली में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत उपचार की आयुर्वेदिक प्रणाली की व्यवस्था के संबंध में निगम की 25-10-77 को हुई बैठक में हुए विचार-विमर्श के अनुसरण में वर्ष के दौरान दिल्ली में दो औषधालयों में आयुर्वेदिक प्रणाली में सुविधाओं की व्यवस्था करने और आयुर्वेदिक चिकित्सक तथा अन्य कर्मचारियों के आवश्यक पदों के सृजन के लिए मंजूरी प्रदान की गई ।

बीमाकृत व्यक्तियों को दी गई सेवाओं में सुधार

31. स्थानीय कार्यालयों के कार्यचालन में कार्य कुशलता

समीक्षाधीन वर्ष में देश भर में 300 स्थानीय कार्यालयों (ग्रेड-1 तथा ग्रेड-2) में से 237 स्थानीय कार्यालयों में खाता प्रणाली कार्य कर रही थी । 46 स्थानीय कार्यालयों में टैलर प्रणाली प्रयोग के तौर पर काम कर रही थी ।

32. नकद हितलाभों में सुधार

32.1 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अपनी 25-10-77 को हुई बैठक में विनियम 76 ख (1) में संशोधन का संकल्प स्वीकार किया ताकि जिन बीमाकृत व्यक्तियों का स्थायी अपंगता हितलाभ अन्तिम रूप से निर्धारित कर लिया गया है तथा जिन्हें 1.50 रु० से अधिक न होने वाली दर से स्थायी अपंगता हितलाभ प्रदान किया गया है, वे स्थायी अपंगता हितलाभ की आवधिक अदायगी के एक मुश्त रूपान्तरण के लिए आवेदन कर सकें । रूपान्तरण-योग्य दर में 1.00 रु० से 1.50 रुपये की वृद्धि 17-12-77 से लागू हुई ।

32.2 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 25-10-77 को हुई अपनी बैठक में संकल्प किया कि जिन मामलों में बीमाकृत व्यक्ति को स्थायी अपंगता या मृत्यु 31-3-75 को या इससे पहले हुई हो उनमें ऐसी स्थायी अपंगता या मृत्यु के संबंध में अधिनियम के उपबन्धों के अन्तर्गत स्वीकृत स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की आवधिक अदायगियों की राशि निम्नलिखित सीमा तक बढ़ा दी जाएगी :

(क) ऐसे मामलों में जहां स्थायी अपंगता या मृत्यु 31-3-74 को या इससे पहले हुई हो।	राशि का 20 प्रतिशत जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा।
(ख) ऐसे मामले जहां स्थायी अपंगता या मृत्यु 1-4-74 तथा 31-3-75 के बीच हुई।	राशि का 10 प्रतिशत जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा।

32.3 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अपनी 23-2-77 को हुई बैठक में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 49 के अन्तर्गत किसी बीमाकृत व्यक्ति को देय बीमारी हितलाभ की अवधि को दिनांक 1 मई, 1977 से इन्हीं दो लगातार लाभावधियों में 56 दिन से बढ़ाकर 91 दिन करने का निर्णय किया।

33. अन्य सुधार

33.1 कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 25-2-78 को हुई अपनी बैठक में एकांगघात से पीड़ित व्यक्तियों के लिए 1-4-76 से विस्तारित बीमारी हितलाभ का विस्तार करने का संकल्प किया है।

नकद हितलाभ (परिशिष्ट 16 से 18)

34. नकद हितलाभ अदायगियों की संख्या (परिशिष्ट 16 का कालम 4)

34.1 नकद हितलाभों की अदायगी निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित किए गए स्थानीय/ लघु/उप स्थानीय/भ्रमणशील कार्यालयों में की जाती है। 31 मार्च, 1978 को इस प्रकार के कार्यालयों की संख्या लगभग 686 थी जबकि एक वर्ष पहले इनकी संख्या 682 थी।

34.2 1976-77 तथा 1977-78 वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य में की गई नकद हितलाभ अदायगियों की कुल संख्या कालम 4 में दिखाई गई है। 1977-78 वर्ष के दौरान कुल मिलाकर लगभग 71.83 लाख अदायगियां (स्थायी अपंगता दावों के रूपान्तरण के आवेदनों से सम्बन्धित एक मुश्त अदायगियों के 8,701 दावों सहित) की गई। ये अदायगियां पिछले वर्ष की अदायगियों से लगभग 14.07 लाख अधिक थी। औसत के रूप में प्रत्येक मास लगभग 5.9 लाख अदायगियां की गई जबकि 1976-77 वर्ष में 4.81 लाख अदायगियां की गई थीं। प्रति कर्मचारी अदायगियों की संख्या 1976-77 वर्ष में 1.17 थी जो 1977-78 वर्ष में बढ़कर 1.33 हो गई है।

35. बीमारी हितलाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 3 तथा 6 से 8)

35.1 1 जुलाई 1976 तथा 30 जून, 1977 के बीच नए केन्द्रों में तथा रोजगार के नए क्षेत्रों पर हितलाभ उपबंधों के कार्यान्वयन के फलस्वरूप तथा पहले से कार्यान्वित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि होने के कारण समीक्षाधीन वर्ष में लगभग 4.87 लाख अतिरिक्त कर्मचारी बीमारी हितलाभ के हकदार हो गये। 1977-78 वर्ष के दौरान बीमारी हितलाभ का दावा करने के हकदार कर्मचारियों की कुल संख्या 54.03 लाख होने का अनुमान है जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 49.46 लाख थी (कालम 3 देखिए)।

35.2 वर्ष के दौरान बीमारी हितलाभ के रूप में 2709.36 लाख रुपये की राशि की अदायगी की गई थी जबकि 1976-77 वर्ष में यह राशि 1885.54 लाख रुपये थी।

35.3 प्रति कर्मचारी नई अवधियों की औसत संख्या 1976-77 में 0.72 थी जो 1977-78 वर्ष में बढ़कर 0.87 हो गई है। 1977-78 के दौरान प्रति कर्मचारी प्रतिवर्ष हितलाभ दिनों की औसत संख्या भी 6.0 हो गई है जो 1976-77 में 5.0 थी। प्रति कर्मचारी हितलाभ की दैनिक दर की राशि 1976-77 में 7.66 रुपये थी जो 1977-78 में बढ़कर 8.31 रुपये हो गई है।

35.4 पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी बीमारी हितलाभ दावों की घटना और अवधि के संबंध में राज्यों में परस्पर काफी घटबढ़ रही। लेकिन विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी दावों की अवधि पर महानिदेशक लगातार निगरानी रखे हुए हैं। इस सम्बन्ध में मुख्यालय में प्रत्येक मास प्राप्त आंकड़ों का आवधिक रूप से विश्लेषण किया जाता है तथा किसी केन्द्र की किसी असामान्य घटबढ़ के बारे में क्षेत्रीय निदेशकों तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों के साथ पत्र-व्यवहार किया जाता है ताकि वे आवश्यक तथा संभव होने पर इस असामान्य घटबढ़ को दूर करने के लिए उपर्युक्त व शीघ्र कार्रवाई कर सकें।

35.5 धारा 58(2) के अन्तर्गत अत्यधिक बीमारी हितलाभ

बीमाकृत व्यक्तियों को बीमारी हितलाभ अदायगी का भार कुछ राज्यों में अखिल भारतीय औसत से अधिक पाया गया है। 1976-77 वर्ष के अत्यधिक बीमारी हितलाभ को निगम तथा राज्य सरकारों के बीच निम्न प्रकार से बांटा गया है:—

राज्य सरकार का नाम	राज्यों में दी गई कुल बीमारी हितलाभ की राशि (वास्तविक)	अखिल भारतीय औसत से अधिक में राज्य सरकार का शेयर
	रुपये	रुपये
आन्ध्र प्रदेश	79,48,289/-	2,06,738/-
बिहार	46,26,131/-	4,27,341/-
मध्य प्रदेश	1,08,45,495/-	25,87,894/-

36. विस्तारित बीमारी हितलाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 9 और 10)

36.1 क्षय रोग, कोढ़, मानसिक तथा दुर्दम्य रोग आदि जैसे कुछ विशिष्ट रोगों से पीड़ित बीमाकृत व्यक्ति बीमारी हितलाभ के 91 दिन के बाद विस्तारित अवधि के लिए विस्तारित बीमारी नकद हितलाभ प्राप्त करने के अधिकारी हैं।

36.2 1977-78 वर्ष में इस मद में बीमाकृत व्यक्तियों को 262.67 लाख रुपये की राशि अदा की गई जबकि पिछले वर्ष यह राशि 238.02 लाख रुपये थी।

36.3 प्रति 1000 जोखिम-ग्रस्त कर्मचारी दावों की संख्या और समाप्त दावों की अवधि के रूप में अभिव्यक्त विस्तारित बीमारी हितलाभ दावों की घटनाएं 1976-77 तथा 1977-78 वर्षों के लिए परिशिष्ट 16 के कालम 9 तथा 10 में दिखाई गई है।

37. प्रसूति हितलाभ (परिशिष्ट 16 के कालम 11 और 12)

37.1 प्रसूति हितलाभ के लिए पात्र महिला कर्मचारियों की संख्या 1976-77 में 3,82,550 थी जो 1977-78 में बढ़कर 4,02,750 हो गई है। प्रसूति दावों के रूप में अदा की गई कुल राशि 173.40 लाख रुपये थी जबकि 1976-77 में यह राशि 151.32 लाख रुपये थी। प्रति प्रसूति दावा नकद हितलाभ की औसत राशि 1976-77 में 701 रुपये थी जो बढ़कर 843 रुपये हो गई है।

37.2 प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी दावों की संख्या 1976-77 में 56.5 थी जो 1977-78 में घटकर 51.0 रह गई है।

38. अस्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 17 के कालम 3 से 6)

38.1 1977-78 वर्ष के दौरान रोजगार चोट से ग्रस्त कर्मचारियों की संख्या 55.22 लाख थी जबकि 1976-77 में यह संख्या 53.25 लाख थी (देखिए कालम 3)। 1977-78 वर्ष में अस्थायी अपंगता हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 501.35 लाख रुपये थी जबकि 1976-77 वर्ष में यह राशि 439.29 लाख रुपये थी। नई अवधियों की औसत संख्या तथा प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनों की और औसत हितलाभ दर क्रमशः 0.07, 0.97 तथा 9.39 रुपये है जबकि 1976-77 वर्ष में तदनुरूपी आंकड़े क्रमशः 0.07, 0.91 तथा 9.02 रुपये थे (देखिए कालम 4 से 6) प्रति अवधि का औसत काल 12.80 से बढ़कर 13.28 दिन हो गया है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न राज्यों में इन दावों की घटनाओं और काल में घटबढ़ रही।

39. स्थायी अपंगता हितलाभ (परिशिष्ट 17 के कालम 7 से 10)

39.1 1977-78 वर्ष में स्वीकृत नए मामलों की संख्या 13,281 थी जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 12,669 थी। प्रति 1000 बीमाकृत कर्मचारी घटनाएं 1976-77 को 2.38 से बढ़कर 2.41 हो गई।

39.2 वर्ष के आरम्भ में निधि के दावेदारों की संख्या 38,175 थी जो वर्ष के अन्त में घटकर 37,001 रह गई (देखिए कालम 10)। हितलाभ के रूप में वास्तव में संवितरित राशि 382.55 लाख रुपये (187.40 लाख रुपये की रूपान्तरित राशि सहित) थी जबकि 1976-77 वर्ष में यह राशि 307.23 लाख रुपये (174.90 लाख रुपये की रूपान्तरित राशि सहित) थी।

39.3 वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए नए मामलों से सम्बन्धित स्थायी अपंगता हितलाभ दावों का पूंजीकृत मूल्य 520.93 लाख रुपये था जबकि 1976-77 वर्ष में यह 520.26 लाख रुपये था। वर्ष के अन्त में स्थायी अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि 1743.15 लाख रुपये थी जबकि वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में तदनुरूपी राशि 1,851.87 लाख रुपये थी।

39.4 आवधिक अदायगियों के बदले रूपान्तरित मूल्य लेने का विकल्प करने वाले स्थायी अपंगता हितलाभ के दावेदारों की संख्या 1976-77 में 8,354 थी जो 1977-78 वर्ष में बढ़कर 8,701 हो गई है।

40. स्थायी अपंगता हितलाभ दावे (परिशिष्ट 18)

40.1 वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए स्थायी अपंगता के 13,281 मामलों का (क) उद्योग के मुख्य समूहों तथा (ख) उद्योगवार प्रदर्शित प्रति 1000 कर्मचारी दावों की घटनाओं के अनुसार विश्लेषण किया गया था। पिछले वर्ष की तरह, दुर्घटनाओं की सबसे अधिक संख्या "वस्त्र उद्योग" में पाई गई तथा इसके बाद "इंजीनियरी" और "धात्विक खनिज" का स्थान रहा। व्यय-भार "वस्त्र उद्योग" तथा "धात्विक खनिज" में अधिक है। 1976-77 वर्ष के तदनुरूपी व्यय-भार की तुलना में यह देखा गया है कि इस वर्ष अनुभव किया गया व्यय-भार अधिकांश उद्योगों में पिछले वर्ष अनुभव किए गए व्यय-भार से काफी कुछ मिलता जुलता है।

40.2 स्थायी अपंगता की औसत डिग्री 8.85 प्रतिशत अनुभव की गई जबकि पिछले वर्ष यह 9.26 प्रतिशत थी। अधिकतम दुर्घटनाएं आठवें मजदूरी ग्रुप, यानी 16 रुपये और 24 रुपये के बीच दैनिक मजदूरी ग्रुप में हुई।

40.3 महिला कर्मचारियों में स्थायी अपंगता हितलाभ के मामलों की संख्या केवल 181 रही। इन घटनाओं के कम होने का कारण संभवतः यह है कि महिलाओं को आमतौर पर जोखिम वाले व्यवसायों, कार्यों आदि पर नहीं लगाया जाता है।

41. आश्रितजन हितलाभ (परिशिष्ट 17 के कालम 11 और 12)

41.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आश्रितजन हितलाभ के लिए स्वीकार किए गए दावों की संख्या में कमी हुई। 1976-77 वर्ष में 469 दावे स्वीकार किए गए थे जबकि इस वर्ष यह संख्या 413 रह गई (देखिए कालम 11)। वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए आश्रितों की कुल संख्या 1164 थी।

41.2 वर्ष के आरम्भ और अन्त में सभी आश्रितों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :—

विवरण	31 मार्च को	
	1977	1978
विधवाएं	4,401	4,697
पुत्र और पुत्रियां	7,279	7,762
पिता	639	694
माता	861	929
अन्य आश्रित बच्चे	601	650
जोड़	13,781	14,732

41.3 आश्रितजन हितलाभ के रूप में अदा की गई राशि 1976-77 में 65.43 लाख रुपये थी जो 1977-78 में बढ़कर 77.41 लाख रुपये हो गई है। वर्ष के दौरान स्वीकार किए गए आश्रितजन हितलाभ दावों का पूंजीगत मूल्य 1,26,25 लाख रुपये था जबकि 1976-77 वर्ष में यह 147.11 लाख रुपये था। 31 मार्च, 1978 को आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि 957.87 लाख रुपये थी जबकि 31 मार्च, 1977 को यह राशि 826.78 लाख रुपये थी।

42. अंशदानों से आय

1977-78 वर्ष के दौरान कुल 1,31,92.66 रुपये की राशि एकत्र की गई।

43. अंशदान एकत्र करने का तरीका

सामान्यतः अंशदान चिपकाने वाली कर्मचारी राज्य बीमा टिकटों के रूप में एकत्र किये जाते हैं। ये टिकटें निगम के बैंकरों की मार्फ़त बेची जाती हैं। अंशदान फ्रैंकों के द्वारा भी प्राप्त किये जाते हैं। समीक्षाधीन वर्ष में 127 नये लाइसेंस दिये गये तथा 4 लाइसेंस रद्द किये गये जिससे इस्तेमाल में आने वाली फ्रैंकिंग मशीनों की संख्या 954 हो गई इन दो तरीकों के अलावा दिनांक 30-11-75 से दिल्ली क्षेत्र में अंशदान टिकटों के स्थान पर अंशदानों की नकद अदायगी की प्रणाली भी प्रयोगात्मक आधार पर शुरू की गई थी। इस प्रणाली को संतोषजनक पाया गया है। यह प्रणाली 1-10-78 से कर्नाटक तथा राजस्थान क्षेत्रों में लागू की गई है।

44. निरीक्षण

समीक्षाधीन वर्ष में मुख्यालय ने निरीक्षण की प्रगति पर कड़ी निगरानी जारी रखी। निरीक्षकों ने नियोजकों तथा उनके कर्मचारियों को रिकार्ड रखने और कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम तथा उसके अन्तर्गत बनाये गये विनियमों के विभिन्न उपबन्धों का पालन करने में मार्गदर्शन करना तथा प्रशिक्षण देना जारी रखा।

वर्ष के अन्त में कुल मिलाकर 332 बीमा निरीक्षक (279+53 छुट्टी रिजर्व) थे। वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 35,600 निरीक्षण किये गये।

45. कर्मचारी बीमा न्यायालय

1977-78 वर्ष में निम्नलिखित राज्यों में नये कर्मचारी बीमा न्यायालय स्थापित किये गये :—

राज्य	स्थान
उड़ीसा	ढेकानाल
हरियाणा	भिवानी

46. कानूनी कार्रवाई

वर्ष के दौरान दायर किये गये न्यायालय/राजस्व वसूली मामलों में सम्बन्धित राशि तथा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अधीन वसूली की गई राशि परिशिष्ट 19 में राज्य-वार दिखाई गई है।

बजट तथा वित्त

47. वित्तीय तथा लेखा व्यवस्थाएं

47.1 1978-79 वर्ष के लिए बजट प्राक्कलन निगम द्वारा 24 फरवरी, 1978 को हुई अपनी बैठक में स्वीकार किये गये। इसके लिए केन्द्रीय सरकार का अनुमोदन 13 मार्च, 1978 को जारी किया गया बजट प्राक्कलन राज्य सभा तथा लोक सभा के पटल पर क्रमशः दिनांक 22 तथा 23 मार्च, 1978 को प्रस्तुत किए गए।

47.2 महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 1975-76 वर्ष के लेखों की समेकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट 13-6-77 को केन्द्रीय सरकार को भेजी थी, तथा यह रिपोर्ट कर्मचारी राज्य बीमा निगम के मुख्यालय में श्रम मंत्रालय की मार्फत 25-6-77 को प्राप्त हुई थी। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 1975-76 वर्ष के लेखा परीक्षित लेखे स्थायी समिति की 24-10-77 को हुई बैठक में इसके विचारार्थ प्रस्तुत किये गये थे। स्थायी समिति ने लेखा परीक्षित लेखों पर विचार किया तथा निगम को 25-10-77 को उन्हें स्वीकार करने की सिफ़ारिश की। लेखा परीक्षित लेखे केन्द्रीय सरकार को 28-10-77 को भेज दिये गये थे। इन्हें लोक सभा तथा राज्य सभा के पटल पर क्रमशः दिनांक 17-11-77 तथा 18-11-77 को प्रस्तुत किया गया था।

दिसम्बर, 1976 में महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने श्रम मंत्रालय को सूचित किया कि नियन्त्रक महालेखा परीक्षक (कर्तव्य शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 के प्रवर्तन के कारण कर्मचारी राज्य बीमा निगम के लेखों की लेखा परीक्षा की मौजूदा व्यवस्था को जारी रखना सम्भव नहीं है। मंत्रालय को यह भी सूचित किया गया था कि मौजूदा व्यवस्था नियन्त्रक महालेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत जारी रखी जा सकती है बशर्ते कि निर्धारित रीति में उपयुक्त प्रार्थना की जाये। मामला स्थायी समिति की बैठकों में रखा गया तथा निगम ने भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा जारी रखने का अनुमोदन किया। श्रम मंत्रालय से 29-10-77 को प्रार्थना की गई थी कि वे कर्मचारी राज्य बीमा निगम की लेखा परीक्षा भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक द्वारा जारी रखने के मामले में वित्त मंत्रालय को लिखें। इसी बीच महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने निगम के 1976-77 वर्ष के लेखों की लेखा परीक्षा शुरू कर दी। 1976-77 वर्ष की समेकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट श्रम मंत्रालय से 18-3-78 को प्राप्त हुई थी।

48. बैंक व्यवस्था

समीक्षाधीन वर्ष में निगम के कार्यालयों के लिए भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं, इसके सहायक बैंकों तथा राष्ट्रीकृत बैंकों में 23 बैंक खाते खोले गये। तीन बैंक खाते बंद किये गये। 31 मार्च, 1978 को बैंक खातों की कुल संख्या 475 थी।

भारतीय स्टेट बैंक, इसके सहायक बैंकों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों की 16 और शाखाओं के साथ कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान टिकटें बेचने की व्यवस्था की गई। 31 मार्च, 1978 को कुल 443 शाखाओं में अंशदान टिकटों का विक्रय किया जा रहा था।

49. निवेश

31 मार्च, 1977 को 72,83.10 लाख रुपये सामान्य रोकड़ शेष का निवेश था। भारतीय स्टेट बैंक की आवधिक जमा में 1977-78 वर्ष में किए गए 65,02.00 लाख रुपये के निवेश में से 22,30.00 लाख रुपये प्राप्त किए गए तथा 19,59.79 लाख रुपये के निवेश विभिन्न आरक्षित निधियों में अन्तरित कर दिये गये। इस प्रकार 31 मार्च, 1978 को 95,95.31 लाख रुपये सामान्य रोकड़ शेष का निवेश था।

31 मार्च, 1978 को विभिन्न आरक्षित निधियों तथा सामान्य रोकड़ शेष में कुल निवेश 2,02,73.10 लाख रुपये था जबकि 1 अप्रैल, 1977 को यह राशि 1,60,01.10 लाख रुपये थी।

निधियों के निवेश के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

	1-4-77 की स्थिति	31-3-78 की स्थिति
	(लाख रुपयों में)	
केन्द्रीय और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	3,14.92	3,14.92
भारतीय स्टेट बैंक में आवधिक जमा	1,56,86.18	1,99,58.18
जोड़	1,60,01.10	2,02,73.10

50. आय व्यय लेखा तथा तुलन पत्र

31-3-1978 की स्थिति के अनुसार 1977-78 वर्ष का आय व्यय लेखा तथा तुलन-पत्र क्रमशः परिशिष्ट 20 तथा 21 में दिये गये हैं। इन लेखों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व से अभी प्राप्त नहीं हुई है।

51. प्रशासन की सापेक्ष लागत

परिशिष्ट 22 में दिये गये विवरण में 1972-73 वर्ष से लेकर प्रशासन की सापेक्ष लागत दिखाई गई है। हितलाभों की लागत, वसूल किये गये अंशदानों की राशि, बीमाकृत व्यक्तियों के साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों के अनुपात तथा नकद हितलाभ की संख्या के आधार पर पिछले पांच वर्षों (1973-74 से 1977-78) के दौरान प्रशासन का तुलनात्मक खर्च नीचे दिया गया है :—

	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78
1. प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी नकद हितलाभ अधायगियों की संख्या	रु० 701	रु० 633	रु० 635	रु० 636	रु० 770
2. प्रति कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारी वसूल किया गया अंशदान	86,154	81,944	96,872	1,42,621	1,41,355
3. कुल हितलाभों के साथ प्रशासनिक खर्च का अनुपात	11.34	14.22	13.59	12.38	10.98
4. कुल अंशदान के साथ प्रशासनिक खर्च का अनुपात	7.72	10.40	10.24	6.98	7.24
5. प्रति एक लाख बीमाकृत व्यक्तियों पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम कर्मचारियों का अनुपात	177	171	154	160	168

"कर्मचारी" "बीमाकृत व्यक्ति" तथा "हिताधिकारी" शब्दों की परिभाषा

(क) किसी विशेष तारीख को "कर्मचारियों" की संख्या योजना के अन्तर्गत शामिल की गई फैक्टरियों/स्थापनाओं में प्रभावी पदों की अनुमानित संख्या है। यह मोटे तौर पर उस तारीख के आस-पास फैक्टरियों/स्थापनाओं द्वारा प्रतिदिन नियोजित कर्मचारियों की औसत संख्या होगी और इसमें उस तारीख को वास्तव में नियुक्त कर्मचारियों की संख्या से बहुत अधिक अन्तर नहीं होगा। तथापि यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी अवधि में किसी विशेष स्वीकृत पद पर वास्तव में काम करने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि किसी नियमित कामगार के अनुपस्थिति, छुट्टी आदि के दौरान उसके स्थान पर छुट्टी रिजर्व या बदली कामगार अस्थायी तौर पर कार्य कर रहे होते हैं।

(ख) इस रिपोर्ट के प्रयोजन के लिए किसी तारीख "बीमाकृत व्यक्तियों" की संख्या का अर्थ उन व्यक्तियों की संख्या से है जो उस तारीख को चिकित्सा हितलाभ के हकदार माने गये हैं। इसके अलावा किसी दिन बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या आमतौर पर इस तारीख को काम करने वाले "कर्मचारियों" की संख्या से अधिक हो सकती है क्योंकि अधिनियम के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ की पात्रता शर्तों के अधीन किसी दिन चिकित्सा हितलाभ के हकदार व्यक्तियों में न केवल वे व्यक्ति शामिल होंगे जो उस दिन वस्तुत: नियुक्त थे बल्कि ऐसे भूतपूर्व कर्मचारी भी शामिल होंगे जो उस तारीख से पहली की अवधि के दौरान अंशदान की शर्तों के कारण उस तारीख को इस प्रकार के लाभ के हकदार होंगे।

(ग) किसी तारीख को "हिताधिकारियों" की कुल संख्या में ऐसे सभी व्यक्ति शामिल हैं जो उस तारीख को योजना के अन्तर्गत चिकित्सा हितलाभ के पात्र माने गये हैं। इनमें "बीमाकृत" व्यक्ति शामिल हैं और जहां चिकित्सा हितलाभ का विस्तार बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर किया गया है वहां उनके परिवारों के सदस्य भी शामिल है। बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के सदस्यों की कुल संख्या (बीमाकृत व्यक्ति छोड़कर) प्रति "बीमाकृत व्यक्ति" के लिए औसतन 2.88 सदस्य मानकर ज्ञात की जाती है।

परिशिष्ट 1

1977-78 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार

भाग-क : नए क्षेत्रों में कार्यान्वयन

राज्य	केन्द्र/क्षेत्र	कार्यान्वयन की तारीख	कर्मचारियों की संख्या (अनुमानित आंकड़े)	परिवारों के लिए चिकित्सा देख-रेख	
				विस्तार की तारीख	शामिल किए गए परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या
1	2	3	4	5	6
आन्ध्र प्रदेश	गुंटूर के उपांत	—	100	26-6-1977	100
	एनमामला तथा श्यामपेटगांव	13-11-1977	100	17-12-1977	100
	विशागाडिला गांव	25-12-1977	200	25-12-1977	200
असम	कलिटाकुची, मद—धरिया नं० 1,	28-8-1977	500	27-11-1977	550
	बीरकुची, बोंडा, खानापाड़ा तथा दारंघा सिलघाट	—	1100	26-2-78	1200
बिहार	डुगरकूर	—	3500	29-5-1977	3900
	झमरीतलैया	—	10500	26-6-1977	11750
	डोमचांच, बिहार शरीफ दरभंगा, रामेश्वर-नगर मोतिहारी	24-4-1977	1100	24-7-1977	1200
गुजरात	पांडेसरा-बोस्तान	—	300	29-5-1977	350
	धर्मपुर	10-7-1977	900	9-10-1977	950
	कलाली, तरसाली, संदलजी तथा वाडसार	23-10-1977	550	17-12-1977	600
हरियाणा	समालखा	1-5-1977	800	31-7-1977	900
हिमाचल प्रदेश	सोलन	5-6-1977	700	4-9-1977	850
कर्नाटक	काडुगोडी प्लांटेशन	—	550	26-6-1977	600
	बोमेनाहल्ली, पट्टनडूर अग्रहारा, हूडी, कावेरे-नहल्ली मालेपे-उडीपी-मनिपाल	29-5-1977	1300	28-8-1977	1400
केरल	जिला एरनाकुलम के नये क्षेत्र	—	1350	17-4-1977	1400
	चावरा, ठेक्कुमभागोम	—	1000	1-5-1977	1050
	जिला अलेप्पी के नए क्षेत्र	—	1800	1-5-1977	1900
	वेचूर, ताबुविला, वाडायार धलायावाजम्, वैकोम, कुल मोधमंगलम्, चेम्पू, वडक्कमुरी तथा वैलूर	—	—	14-8-1977	—

1	2	3	4	5	6
केरल	थसीपलम, व मुसीयूर	30-10-1977	250	17-12-1977	250
	मलायामोन, थालाबूर पिडाबूर, इद्टीवा, एल-माड, काडाक्कलाइराधू तथा चाडायामंगलम	11-12-1977	—	17-12-1977	—
	चित्तू, काजीजम्पारा थट्टामंगलम, काजीपट्टी याडाम्बूर तथा एलापल्ली	29-1-1978	850	29-1-1978	900
	कन्डनकुथू, चोफली कम्भाडीपारंबा, कम्भपुरम तथा मोराजा	12-2-1978	200	12-2-1978	200
	पुशापरा	12-2-1978	150	12-2-1978	150
	पैरम्बरा, पोंट्टा बाडाकुमकारा, नेल्लायी तथा परक्कड	12-3-1978	250	12-3-1978	250
मध्य प्रदेश	कटनी	26-3-1978	1300	26-3-1978	1450
राजस्थान	सबीजी गांव	22-1-1978	1100	22-1-1978	1200
	श्रीनगर गांव	29-1-1978	200	29-1-1978	200
तमिलनाडु	कोथुर	—	150	24-2-1977	150
उत्तर प्रदेश	गाजीपुर तथा मईबलनिसा	28-8-1977	—	27-11-1977	—
	वाराणसी की औद्योगिक सम्पदा	18-12-1977	1100	18-12-1977	1150

परिशिष्ट 1

भाग-ख : स्थापनाओं के नए वर्गों पर विस्तार

राज्य	केन्द्र	विस्तार की तारीख	शामिल की गई स्थापनाएं	कर्मचारियों की संख्या (अनन्तिम अनुमानित आंकड़े)	परिवारों के लिए चिकित्सा देखरेख (विस्तार की तारीख)
1	2	3	4	5	6
गुजरात	1. अहमदाबाद 2. बड़ौदा 3. सूरत	15-1-1978	विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 कर्मचारी काम करते हैं । विद्युत शक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक कर्मचारी काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, और दुकानें जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं ।	30000	15-1-1978
केरल	1. पिरावम 2. मुवातुपुजहा 3. थोदुपुजहा 4. करुनागापल्ली 5. थाजकरा	1-1-1978	विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 कर्मचारी काम करते हैं। विद्युत शक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक कर्मचारी काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, दुकानें, सड़क, मोटर परिवहन, संस्थापनाएं, पूर्वदर्शन थियेटर सहित सिनेमा तथा समाचार पत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	425	1-1-1978
मध्य प्रदेश	1. राजनन्दगांव बुरहानपुर, मंदसौर, देवास, रायगढ़, मठ इटारसी, नागदा, कुम्हारी बनमोर, नीमार, अमलई, भोपाल, जबलपुर, खंडवा, उज्जैन, सतना, रतलाम ।	1-5-1977	विद्युतशक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 व्यक्ति काम करते हैं विद्युतशक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, दुकानें, पूर्वदर्शन, थियेटर सहित सिनेमा तथा समाचारपत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	14300	1-8-1977

1	2	3	4	5	6
	2. इन्दौर तथा ग्वालियर	1-5-1977	सड़क मोटर परिवहन संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	150	1-8-1977
उड़ीसा	बरहमपुर	10-4-1977	विद्युतशक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 व्यक्ति काम करते हैं। विद्युतशक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, दुकानें तथा सड़क मोटर परिवहन संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	570	10-7-1977
उड़ीसा	बरहमपुर	5-3-1978	पूर्वदर्शन थियेटर सहित सिनेमा तथा समाचारपत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	80	5-3-1978
तमिलनाडु	1. सलीम 2. पालीपलयम को मिलाकर इरोड 3. वीराकल पदूर को मिलाकर मैसूर 4. मसूर 5. कालन्दरा को मिलाकर वनियमबाद 6. गुडियाथम 7. मैलूर 8. अरनी 9. अम्बूर 10. पुलांची 11. उदमलपेट 12. तिरुपुर (उपान्त) 13. मिलुपलायम 14. उथुकुली 15. कोयम्बटूर 16. अरासूर को मिलाकर सोमानूर 17. करमावाई 18. रानीपेट	12-2-1978	विद्युतशक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 व्यक्ति काम करते हैं। विद्युतशक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, दुकानें, पूर्वदर्शन थियेटर सहित सिनेमा तथा समाचारपत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	16930	12-2-1978
गोआ, दमन तथा दीव संघ राज्य क्षेत्र	1. बिछोलियम 2. कोरलिम 3. मडगांव 4. ओपा-खांडेपर (पोंडा) 5. पणजी 6. वास्को-डे-गामा 7. (साम्भाजी नगर) 8. एक्सलडम	2-7-1977	विद्युतशक्ति का प्रयोग करने वाली फैक्टरियां जिनमें 10 से 19 व्यक्ति काम करते हैं। विद्युतशक्ति का प्रयोग न करने वाली फैक्टरियां जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं। होटल, रेस्तरां, दुकानें, सड़क, मोटर परिवहन, संस्थापनाएं, पूर्वदर्शन, थियेटर सहित सिनेमा तथा समाचारपत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं।	4780	2-10-1977

परिशिष्ट 2

कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा अनेक्सियां

अस्पताल

क्र० सं०	राज्य	स्थान	बिस्तरों की संख्या		टिप्पणी
			सामान्य	क्षयरोग	
1	2	3	4(1)	4(2)	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	310	—	
2.	आन्ध्र प्रदेश	सीरपुर कागजनगर	110	—	
3.	आन्ध्र प्रदेश	विशाखापट्टनम	110	—	
4.	आन्ध्र प्रदेश	अडोनी	50	—	
5.	आन्ध्र प्रदेश	वारंगल	50	—	
6.	आन्ध्र प्रदेश	विजयवाडा	100	10	1-8-77 से 14 और बिस्तरों की व्यवस्था की गई ।
7.	बिहार	मैथन	110	—	
8.	बिहार	मुंगेर	30	—	
9.	बिहार	डालमियानगर	50	—	
10.	दिल्ली	दिल्ली	389	—	
11.	गुजरात	नरोडा, अहमदाबाद	—	200	
12.	गुजरात	बापूनगर, अहमदाबाद	500	—	
13.	हरियाणा	फरीदाबाद	170	—	
14.	हरियाणा	यमुनानगर	60	—	
15.	हरियाणा	पानीपत	15	35	
16.	केरल	मूलाकुनाटाकवु	—	100	
17.	केरल	असरामम	100	—	
18.	केरल	अलैप्पी	55	—	
19.	केरल	पैरुरकाडा	50	—	
20.	केरल	त्रिचूर	60	—	
21.	केरल	उद्योगमण्डल	120	—	
22.	केरल	अरनाकुलम	50	—	
23.	केरल	वाडावठूर	50	—	
24.	केरल	पारीपल्ली	100	—	
25.	केरल	इजुकोन	150	—	
26.	कर्नाटक	राजाजीनगर, बंगलौर	380	40	
27.	कर्नाटक	हांडेली	24	—	
28.	मध्य प्रदेश	इन्दौर	150	—	
29.	मध्य प्रदेश	इन्दौर	—	75	
30.	मध्य प्रदेश	उज्जैन	50	15	
31.	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	75	—	
32.	महाराष्ट्र	एम० जी० एम० बम्बई	700	—	
33.	महाराष्ट्र	बारेली	550	—	
34.	महाराष्ट्र	नागपुर	150	—	
35.	महाराष्ट्र	मुलुन्द	110	540	
36.	महाराष्ट्र	औंध	410	—	
37.	महाराष्ट्र	उल्हासनगर	200	—	
38.	महाराष्ट्र	अन्धेरी	650	—	1-5-77 से चालू.
39.	महाराष्ट्र	वाशी	650	—	15-8-77 से चालू
40.	उड़ीसा	चौदवार	50	—	
41.	उड़ीसा	कन्सबहल	50	—	
42.	उड़ीसा	बूजराजनगर	50	—	यह अनैक्सी 31-10-1977 से 25 बिस्तरों वाली अनैक्सी से अस्पताल में परिवर्तित कर दी गई ।

1	2	3	4(1)	4(2)	5
43.	पंजाब	अमृतसर	125	—	
44.	पंजाब	लुधियाना	80	—	
45.	पंजाब	जालन्धर	60	—	
46.	राजस्थान	जयपुर	139	—	26 अतिरिक्त बिस्तर निर्माणाधीन हैं।
47.	तमिलनाडु	मद्रास	625	—	
48.	तमिलनाडु	कोयम्बटूर	500	—	
49.	तमिलनाडु	मदुराई	177	25	
50.	तमिलनाडु	के० के० नगर दक्षिणी मद्रास	500	—	13-4-77 से 206 बिस्तरों के साथ चालू।
51.	उत्तर प्रदेश	कानपुर (सामान्य)	212	—	
52.	उत्तर प्रदेश	कानपुर (चेस्ट)	—	180	
53.	उत्तर प्रदेश	कानपुर (प्रसूति)	144	—	
54.	उत्तर प्रदेश	मोदीनगर	100	—	
55.	पश्चिमी बंगाल	कमरहटी	175	—	
56.	पश्चिमी बंगाल	मसूरबल्ली	—	150	
57.	पश्चिमी बंगाल	श्रीरामपोर	216	—	
58.	पश्चिमी बंगाल	उल्बेरिया	216	—	
59.	पश्चिमी बंगाल	बास्टीकुराबाकरे	416	—	
60.	पश्चिमी बंगाल	कल्याणी	266	—	
61.	पश्चिमी बंगाल	श्यालदाह	250	—	
62.	पश्चिमी बंगाल	मोरहाटी	216	—	
63.	पश्चिमी बंगाल	बज-बज	300	—	
		जोड़	11755 +	1370	= 13125

डिस्पेंसरियां

क० सं०	राज्य	स्थान	बिस्तरों की संख्या		टिप्पणी
			सामान्य	क्षय रोग	
1	2	3	4(1)	4(2)	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	इरूपतुमा	—	24	
2.	बिहार	हटकी	—	20	
3.	हरियाणा	फरीदाबाद	—	12	
4.	हरियाणा	धर्मपुर	—	12	
5.	कर्नाटक	बंगलौर	—	32	
6.	केरल	पुलायनारकोटा	—	24	
7.	महाराष्ट्र	नागपुर	—	25	
8.	उड़ीसा	चौदवार	—	12	
9.	पंजाब	अमृतसर	—	12	
10.	राजस्थान	जयपुर	—	15	
11.	राजस्थान	बारी उदयपुर	—	16	
12.	राजस्थान	पाली	12	—	
13.	राजस्थान	भीलवाड़ा	12	—	
14.	राजस्थान	जोधपुर	20	—	
15.	राजस्थान	श्री गंगानगर	12	—	
16.	राजस्थान	कोटा	24	—	
17.	राजस्थान	उदयपुर	12	—	
18.	राजस्थान	भरतपुर	24	—	(12 निर्माणाधीन हैं)
19.	तमिलनाडु	सिवाकाशी	12	—	
20.	तमिलनाडु	ताम्बरम	—	52	
21.	तमिलनाडु	कोयलपट्टी	32	—	
22.	तमिलनाडु	सालगुडी	10	—	
23.	तमिलनाडु	नागरकोयल	—	26	
24.	तमिलनाडु	कावेरीनगर	10	—	
		जोड़	180 +	282	= 462

परिशिष्ट 3

31-3-77 और 31-3-78 को परिवार (कर्मचारी) एककों की चिकित्सा देख-रेख का स्वरूप

क्र० सं०	राज्य का नाम	सीमित देख-रेख		विस्तारित देख-रेख		पूर्ण देख-रेख	
		31-3-77	31-3-78	31-3-77	31-3-78	31-3-77	31-3-78
1.	आन्ध्र प्रदेश	—	—	47600	500	174300	234500
2.	असम	—	—	26000	—	—	26000
3.	बिहार	—	—	71200	74800	40800	45200
4.	चण्डीगढ़	—	—	10000	10000	—	—
5.	दिल्ली	—	—	—	—	215000	225000
6.	गुजरात	—	—	149000	128700	366000	366300
7.	हरियाणा	—	—	—	—	170000	168000
8.	हिमाचल प्रदेश	—	—	—	700	—	—
9.	कर्नाटक	—	—	74150	88200	190850	188800
10.	केरल	—	—	—	—	351000	305000
11.	माही	—	—	800	1000	—	—
11.	मध्य प्रदेश	—	—	67000	78000	88000	92000
12.	महाराष्ट्र:—						
	बम्बई क्षेत्र	—	—	—	—	1040000	1021000
	गोवा क्षेत्र	—	—	—	—	10500	14000
	नागपुर क्षेत्र	—	—	35500	36500	32500	34500
	पूना क्षेत्र	—	—	68000	79100	128000	130900
13.	उड़ीसा	—	—	—	—	75500	84000
14.	पांडिचेरी	—	—	15000	15000	—	—
15.	पंजाब	—	—	—	—	165000	150000
16.	राजस्थान	—	—	10800	—	99200	110000
17.	तमिलनाडु	—	—	107500	119300	342300	320700
18.	उत्तर प्रदेश	218000	234000	—	—	231500	196000
19.	पश्चिमी बंगाल	—	—	585000	620000	380000	345000
	जोड़	218000	234000	1267550	1251800	4000450	4056900

परिशिष्ट 4

1977-78 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

(क) 25 अक्तूबर, 1977

निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य, विनियम, 1950 के विनियम 31-क में इस आशय के संशोधन का अनुमोदन किया कि यदि अंशदानों की अदायगी अंशदान टिकट चिपकाकर की जाती है और कोई नियोजक निर्धारित समय के अन्दर अंशदान कार्ड प्रस्तुत नहीं करता है तो यह समझा जाएगा कि उसने अंशदान की समय पर अदायगी नहीं की है। निम्नलिखित संशोधित विनियम 31-क अन्तिम रूप से स्वीकार किया गया :—

"31—क देय किन्तु समय पर अदान किए गए अंशदान पर ब्याज : यदि कोई नियोजक विनियम 31 में निर्धारित अवधि के अन्दर अंशदानों की अदायगी नहीं करता है तो उसे अंशदानों की अदायगी में चूक या देर के प्रत्येक दिन के लिए 6 प्र० श० वार्षिक की दर से ब्याज देना होगा। लेकिन यदि अंशदान की अदायगी अंशदान टिकट लगाकर की जाती है और विनियम 26 के

अन्तर्गत निर्धारित समय में अंशदान कार्ड जमा नहीं किए जाते हैं तो नियोजक के विषय में यह समझा जाएगा कि उसने अंशदानों की समय पर अदायगी नहीं की है ।

2. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 76-ख (1) में संशोधन का अनुमोदन किया ताकि जिस बीमाकृत व्यक्ति को अधिकतम 1.50 रुपए प्रतिदिन की दर पर स्थायी अपंगता हितलाभ दिया गया है, वह स्थायी अपंगता हितलाभ की आवधिक अदायगियों को एक मुश्त राशि में रूपान्तरित करने के लिए आवेदन कर सकें और अंत में निम्नलिखित संशोधन स्वीकार किया :

"उक्त विनियमों के विनियम 76—ख के उप-विनियम (1) में "एक रुपया" शब्दों के स्थान पर "1.50 रुपये" शब्द और अंक रखे जायेंगे ।"

3. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 103-क के उपविनियम (2) के संशोधन को अन्तिम रूप से स्वीकार करने का अनुमोदन किया ताकि उसे निम्नलिखित रूप में पढ़ा जा सके:—

(2) "जिस व्यक्ति के सम्बन्ध में किसी अंशदान अवधि में 13 साप्ताहिक अंशदान और पहली अंशदान की स्थिति में उस अंशदान अवधि में कम से कम आधे साप्ताहिक अंशदानों की अदायगी कर दी गई है अथवा अंशदान देय थे, वह तत्संबंधी हितलाभ अवधि के अन्त तक चिकित्सा हितलाभ का स्वयं हकदार होगा।"

4. निगम ने बीमाकृत व्यक्ति के स्वयं चिकित्सा देख-रेख का हकदार होने की तारीख से बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए चिकित्सा देख-रेख का विस्तार करने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 95-क के उप-विनियम (2) में निम्नलिखित संशोधन की अंतिम रूप में स्वीकार करने का अनुमोदन किया :—

"उक्त विनियमों के विनियम 95-क के उप-विनियम (2) में "उसके स्वयं पहली बार हकदार होने के 13 सप्ताह बाद" शब्द और अंकों के स्थान पर, "बीमाकृत व्यक्ति के हकदार होने की तारीख से" शब्द रखे जाएंगे ।"

इसके परिणामस्वरूप इस फार्म के अस्थायी पहचान प्रमाण-पत्र भाग में बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों के ब्यौरे शामिल करने तथा बीमाकृत व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर किसी भी प्रकार के देय हितलाभ की अदायगी करने के लिए नामांकन पत्र में व्यवस्था करने के लिए फार्म-1 (घोषणा-पत्र) में संशोधनों को भी अंतिम रूप से स्वीकार किया।

5. निगम ने रोजगार छोट के अलावा दूसरे कारणों से असमर्थता की आकस्मिकता में बीमाकृत व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत असमर्थता हितलाभ की योजना का अनुमोदन किया । इस पर विचार करने तथा इसके परिणाम स्वरूप कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधन करने के लिए भी इसमें केन्द्रीय सरकार को योजना भेजने का निर्णय किया।

6. निगम ने निर्वाह खर्च में वृद्धि द्वारा मूल्यह्रास की पूर्ति करने के लिए स्थायी अपंगता हितलाभ और आश्रितजन हितलाभ की दरों में वृद्धि करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया और निम्नलिखित संकल्प स्वीकार किया :—

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 99 में विहित उपबन्धों के अनुसरण में कर्मचारी राज्य बीमा निगम यह संकल्प करता है कि बीमाकृत व्यक्ति की स्थायी अपंगता अथवा मृत्यु के मामलों में जहां ऐसी स्थायी अपंगता अथवा मृत्यु 31-3-75 की अथवा उससे पूर्व हुई हो अधिनियम के उपबन्धों के अन्तर्गत स्वीकृत किए गए स्थायी अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन-हितलाभ की आवधिक अदायगियों की राशि निम्नलिखित सीमा तक बढ़ाई जाएगी :—

(क) ऐसे मामले जहां स्थायी अपंगता अथवा मृत्यु 31-3-74 को अथवा उससे पूर्व हुई हो। — राशि का 20% जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा ।

(ख) ऐसे मामले जहां स्थायी अपंगता अथवा मृत्यु 1-4-74 तक तथा 31-3-75 के बीच हुई हो । — राशि का 10% जिसे अगले 5 पैसे के गुणांक में पूर्णांकित किया जाएगा ।

यह भी संकल्प किया गया कि उपर्युक्त आवधिक अदायगियों की बढ़ी हुई राशि 1-10-77 से शुरू अवधियों के लिये देय होगी।

7. निगम ने अस्पतालों, विशेषज्ञ केन्द्रों आदि में जाने के लिए एम्बुलेंस का उपयोग न करने वाले लाभाधिकारियों को यात्रा खर्च की दरों में 0.65 रु० से वृद्धि करके 1 रु० प्रति कि०मी० अथवा उसका भाग (दोनों ओर) करने की स्थायी समिति की सिफारिशों का अनुमोदन किया ।

8. निगम ने बीमाकृत व्यक्तियों को उनके हकदार न रहने के बाद भी बीमारी की अवधि समाप्त होने तक बाह्य उपचार जारी रखने की स्थायी समिति की सिफारिशों का अनुमोदन किया ।

9. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, अहमदाबाद और बंगलौर में प्रसवोत्तर एककों की स्थापना करके प्रसवोत्तर कार्यक्रम के विस्तार का अनुमोदन किया ।

10. निगम ने भारत सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के स्टाफ-क्वार्टरों के लिए निर्धारित कुर्सी क्षेत्र मानकों के आधार पर कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, औषधालयों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के मानकों को स्वीकार करने का निर्णय किया । इसके अलावा विभिन्न प्रकार के अस्पतालों में विभिन्न प्रकार के स्टाफ क्वार्टरों की संख्या निर्धारित करने के मानक भी बनाए गए ।

11. निगम ने निदेशक प्रशासन, संयुक्त बीमा आयुक्त, निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली, उप चिकित्सा आयुक्त, प्रशासन अधिकारियों और स्वतन्त्र क्षेत्रों/उपक्षेत्रों के प्रभारी संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक को शामिल करते हुए संयुक्त क्षेत्रीय निदेशकों को यह अधिकार दिया कि वे (i) निगम के हित को ध्यान में रखते हुए कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत स्थापित न्यायालय सहित सभी न्यायालयों या न्यायाधिकरणों में निगम की ओर से मुकदमा और अन्य कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं और निगम के खिलाफ चलाई जाने वाली इस तरह की कार्यवाहियों में प्रतिवाद कर सकते हैं और (ii) सभी न्यायालयों या न्यायाधिकरणों में चल रहे ऐसे मामलों में निगम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं जिनमें निगम भी एक पार्टी है और निगम की ओर से कार्रवाई कर सकते हैं, पेश हो सकते हैं और अभिवचन कर सकते हैं।

12. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम में बेहतर संरचना, प्रसंगतियों आदि पर विचार करने के लिए समिति नियुक्त करने की स्थायी समिति की सिफारिश को स्वीकार किया और यह निर्णय किया कि स्थायी समिति के अध्यक्ष समिति नियुक्त करें और कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अध्यक्ष के परामर्श से उसके गठन और विचारणीय विषयों का निर्णय करें। इसने यह भी निर्णय किया कि समिति समय-बद्ध होनी चाहिए और इसे लगभग 6 मास की अवधि के अन्दर चरणों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।

इसके बाद स्थायी समिति ने अध्यक्ष के निम्नलिखित सदस्यों की उप-समिति का गठन किया है :—

1. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम	अध्यक्ष
2. कर्मचारी राज्य बीमा निगम में वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि	सदस्य
3. श्री एन०एस० राव, कर्मचारी राज्य बीमा निगम में नियोजकों के प्रतिनिधि	सदस्य
4. मिस ई० डिसूजा, कर्मचारी राज्य बीमा निगम में कर्मचारियों की प्रतिनिधि	सदस्य
5. निदेशक (प्रशासन), कर्मचारी राज्य बीमा निगम	सचिव

13. कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 के नियम 36 के अन्तर्गत निगम के लेखों की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक अथवा इस उद्देश्य के लिए उनके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति द्वारा की जायगी नियंत्रक महा लेखा परीक्षा (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 के प्रवर्तन के साथ उपर्युक्त अधिनियम की धारा 20(1) के अन्तर्गत वर्तमान व्यवस्था जारी रखी जा सकी। निर्धारित कार्यविधि के अनुसार भारत के नियंत्रक महा लेखा परीक्षा से विधिवत निवेदन किया गया। निगम ने भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक द्वारा अपने लेखों की लेखा परीक्षा जारी रखने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

14. निगम ने बजट प्रोफार्मा के सरलीकरण की बाबत स्थायी समिति की निम्नलिखित सिफारिशों को स्वीकार किया :—

(1) चालू तथा आगामी वर्ष के लिए डमी तुलनपत्र और बजट का क्षेत्रीय वितरण तैयार न किया जाये।

(2) चालू तथा आगामी वर्ष के लिए आय-व्यय विवरण संक्षिप्त रूप में तैयार किया जाए।

(3) पिछले तीन वर्षों की बजाय केवल पिछले एक वर्ष के आंकड़े दिये जाएं।

(4) चालू वर्ष के लिए आठ मास के (वास्तविक) और चार मास के (प्रत्याशित) आंकड़े औपचारिक बजट प्राक्कलनों में शामिल न किए जाएं।

(5) बजट प्राक्कलनों में आकड़ें हजार रुपयों में दिए जाएं।

(ङ) 24 फरवरी, 1978

1. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 103-क के उप विनियम (3) के संशोधन को स्वीकार किया। विनियम 103-क के उप नियम (3) में प्रयुक्त "फैक्टरी" शब्द के स्थान पर "फैक्टरी अथवा स्थापना" शब्द रखे जाएंगे।

2. निगम ने बीमा चिकित्सा व्यवसायियों को देय प्रतिव्यक्ति शुल्क 1-4-1978 से 25 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये प्रति बीमाकृत व्यक्ति परिवार एकक प्रतिवर्ष करने की स्थायी समिति की सिफारिशों का अनुमोदन किया।

3. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य धाम गृहों का निर्माण करने के लिए स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया।

4. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत डायलेसिस/गुर्दा बदलने की व्यवस्था करने के लिए चिकित्सा हितलाभ के मानक का विस्तार करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया।

5. निगम ने निम्नलिखित परिस्थितियों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए चिकित्सा हितलाभों का विस्तार करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया :—

(1) जहां बीमाकृत व्यक्ति के कार्य करने तथा रहने का एक स्थान है तथा उसका परिवार दूसरे स्थान पर रहता है और दोनों स्थान कार्यान्वित केन्द्र हैं और एक ही राज्य में स्थित हैं।

(2) जहां परिवार के सदस्य बीमाकृत व्यक्ति के छुट्टी पर या अस्थायी स्थानान्तरण पर उसके कार्य के स्थान से उसके साथ किसी दूसरे स्थान पर आते हैं जो उसी राज्य में अथवा किसी भिन्न राज्य में एक कार्यान्वित केन्द्र है।

6. निगम ने विभिन्न प्रकार के कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों और विशेषज्ञ केन्द्रों के लिए स्टाफ और उपकरण के मानकों का संशोधन करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया।

7. निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों में स्टाफ के मानकों में संशोधन करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया।

8. निगम ने बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिवारों के सदस्यों को कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख के एक भाग के रूप में कृत्रिम अंग उपकरण और साधनों की व्यवस्था करने के लिए चिकित्सा हितलाभ के मानदण्ड का विस्तार करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया।

9. निगम ने उन रोगों में से एक रोग के रूप में "एकांगघात" को शामिल करने की स्थायी समिति की सिफारिश का अनुमोदन किया जिनके लिये विस्तारित बीमारी हितलाभ देय है और निम्नलिखित संकल्प स्वीकार किया :—

"संकल्प किया कि विस्तारित बीमारी हितलाभ विषय पर दिनांक 28-2-1976 के संकल्प का संशोधन करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत स्वीकृत बीमारी हितलाभ का विस्तार "एकांगघात" से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी उपर्युक्त संकल्प में बताई गई रीति में किया जाएगा। इसे 1-4-76 से लागू किया जाए।

परिशिष्ट 5

1977-78 वर्ष के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

(क) 24 अक्तूबर, 1977

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों में डी.ए. के कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने तथा बढ़ावा देने की दृष्टि से स्थायी समिति ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम में अन्तर क्षेत्रीय खेलों की योजना शुरू करने तथा योजना को चलाने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम खेल नियंत्रण बोर्ड के गठन का अनुमोदन किया।

(ख) 23 फरवरी, 1978

स्थायी समिति ने दवाइयों/इंजेक्शनों के प्रतिकूल प्रभाव के कारण मृत्यु हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के आश्रितों को देय अनुग्रह ही राशि 2500 रु० से बढ़ाकर 5000 रुपये करने का निर्णय किया।

परिशिष्ट 6

1977-78 वर्ष के दौरान चिकित्सा हितलाभ परिषद की महत्वपूर्ण सिफारिशें

1. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ गृहों के निर्माण की सिफारिश की।

2. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने प्रत्येक राज्य में अथवा उस पड़ोसी राज्य में जहां इस प्रकार की सुविधाएं अदायगी के आधार पर उपलब्ध हैं, किसी एक कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में डायलेसिस/गुर्दा बदलने की व्यवस्था करने की सिफारिश की।

3. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने उस स्थिति में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों की चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था की सिफारिश की जब वे बीमाकृत व्यक्तियों से भिन्न स्थानों पर रहते हैं बशर्ते कि दोनों स्थान कार्यान्वित क्षेत्र हों और एक ही राज्य में स्थित हों। परिषद् ने उस स्थिति में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के लिए चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की भी सिफारिश की जब वे बीमाकृत व्यक्ति के साथ, उसकी छुट्टी अथवा अस्थाई स्थानान्तरण पर उसके कार्य के स्थान से उस दूसरे स्थान को जाते हैं, जो उसी राज्य में अथवा उससे भिन्न राज्य में कार्यान्वित क्षेत्र हैं।

4. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने सिफारिश की कि किसी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय में काम करने वाले डाक्टर द्वारा जांच किए जाने वाले 75 मामले प्रतिदिन के मौजूदा मानक को 60 मामले प्रति दिन कर दिया जाए।

5. चिकित्सा हितलाभ परिषद् ने विभिन्न प्रकार के कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में स्टाफ के मानक स्तरों पर अपनी उप-समिति की दूसरी रिपोर्ट स्वीकार की।

6. परिषद् ने उन रोगों की सूची में "एकांगघात" रोग को शामिल करने की सिफारिश की, जिनके लिए विस्तारित बीमारी हितलाभ देय है।

7. परिषद ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख के भाग के रूप में बीमाकृत व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए कृत्रिम अंगों, उपकरणों तथा सहायकों की व्यवस्था की सिफारिश की।

परिशिष्ट

भाग

31 मार्च, 1978 को कर्मचारी राज्य बीमा

क्र० सं०	पदनाम	मुख्यालय	आन्ध्र प्रदेश		असम		बिहार	
			क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का०
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	महानिदेशक	1	—	—	—	—	—	—
2.	बीमा आयुक्त	1	—	—	—	—	—	—
3.	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा-अधिकारी	1	—	—	—	—	—	—
4.	चिकित्सा आयुक्त	1	—	—	—	—	—	—
5.	बीमांकक	—	—	—	—	—	—	—
6.	संरक्षक (प्रशासन)	1	—	—	—	—	—	—
7.	क्षेत्रीय एवं चिकित्सा आयुक्त	—	—	—	—	—	—	—
8.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-1	2	—	—	—	—	—	—
9.	निदेशक (संगठन एवं पद्धति/क्षेत्र०नि० ग्रेड-2/नियो० एवं विकास निदेशक सतर्कता	3	1	—	—	—	—	—
10.	प्रशासन अधिकारी/उप बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-3/उप मुख्य लेखा अधिकारी/संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक सतर्कता अधिकारी/सहायक बीमांकक	10	—	—	—	—	1	—
11.	उप-चिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निर्देशी	4	1	—	—	—	1	—
12.	क्षे०नि० ग्रेड-4/उप प्र०अ०/लेखा अ०/उप क्षे०नि०/सहायक निदेशक (यो०एवं वि०)	11	4	—	1	—	2	—
13.	सहायक क्षे०नि०/प्र० ग्रेड-1/उ०ले०अ०/ अनुभाग अधिकारी	21	1	1	—	—	2	1
14.	सहायक इंजीनियर	—	—	—	—	—	—	—
15.	अनुभाग अधिकारी (हिन्दी)	1	—	—	—	—	—	—
16.	बीमा निरीक्षक/लि० परी०/न०/प्र० ग्रेड-2/उ० प्र०/नि० (सं०एवं प०)	6	17	16	2	3	9	6
17.	महानिदेशक के निजी सचिव	1	—	—	—	—	—	—
18.	प्रबन्धक ग्रेड-3/मु०लि०/सहायक/मु०लि० खजांची/हिन्दी अनुवादक	80	10	13	1	2	8	13
19.	कनिष्ठ इंजीनियर	—	—	—	—	—	—	—
20.	वैयक्तिक सहायक	14	1	—	—	—	—	—
21.	तकनीकी सहायक	1	—	—	—	—	—	—
22.	कलाकार	1	—	—	—	—	—	—
23.	पुस्तकाध्यक्ष	1	—	—	—	—	—	—
24.	स्वागतकर्ता	1	—	—	—	—	—	—
25.	प्रधान उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उ०श्रे०लि० रखवाल/उच्च श्रेणी लिपिक	73	60	54	7	4	36	18
26.	आशुलिपिक	22	3	—	1	—	2	—
27.	संगणक	4	—	—	—	—	—	—
28.	नि०श्रे०लि०/एडीमा आपरेटर/टेलैक्स आपरेटर/टेलीफोन आपरेटर	91	78	76	11	5	41	27
29.	गैस्टेटनर आपरेटर	1	—	—	—	—	—	—
30.	स्टाफ कार चालक/डिलीवरी गाड़ी चालक	4	1	—	—	—	1	—
31.	कनिष्ठ पुस्तकालय परिचर	1	—	—	—	—	—	—
32.	जमादार	1	—	—	—	—	—	—
33.	रिकार्ड सार्टर/दफ्तरी (सलैक्शन ग्रेड-1 सहित)	30	18	20	2	5	10	17
34.	चपरासी	58	12	27	4	2	9	9
35.	चौकीदार	3	2	—	1	—	2	—
36.	फराश	7	1	—	1	—	1	—
37.	माली	1	1	—	—	—	—	—
38.	लिफ्टमैन	—	—	—	—	—	—	—
39.	सफाई कर्मचारी	9	2	—	—	—	1	—
	जोड़	467	213	207	31	21	126	91

*क्षे०कार्यालय दिल्ली का एक सतर्कता अधिकारी का पद मुख्यालय को दे दिया है।

7
1

निगम का प्राधिकृत कर्मचारी वर्ग

दिल्ली		गुजरात		कर्नाटक		केरल		मध्य प्रदेश	
क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का.	क्षे०का०	स्था०का०
10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	1	—	—	—	—	—
1	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	1	—	1	—	—	—	—	—
1	—	—	—	—	—	1	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	1	—
2	—	5	—	2	—	2	—	1	—
5	—	8	—	5	—	4	—	3	—
4	—	4	7	3	3	3	2	1	3
—	—	—	—	—	—	1	—	—	—
1	—	—	—	—	—	—	—	—	—
22	7	26	21	17	18	24	26	10	11
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
16	4	22	18	12	7	13	10	9	11
—	—	—	—	—	—	2	—	—	—
1	—	1	—	2	—	1	—	1	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
66	24	124	97	76	67	80	76	47	43
4	—	6	—	5	—	4	—	2	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
77	24	155	102	96	57	99	90	59	38
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	1	—	1	—	1	—	1	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
17	8	34	30	22	25	22	30	14	21
14	13	24	44	15	24	15	33	10	17
1	—	2	—	2	—	2	—	2	—
1	—	4	—	2	—	2	—	1	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	1	—	—	—	—	—	—	—
1	—	4	—	2	—	2	—	1	—
234	80	122	319	264	202	278	267	163	144

*चिकित्सा निर्देशी का एक पद गुजरात क्षेत्र को दे दिया है।

परिशिष्ट
भाग

क्र० सं०	पदनाम	महाराष्ट्र		नागपुर		उड़ीसा	
		क्षे०का०	उ०क्षे०का० पूना	क्षे०का०	स्था०का०	क्षे०का०	स्था०का०
1	2	20	21	22	23	24	25
1.	महानिदेशक	—	—	—	—	—	—
2.	बीमा आयुक्त	—	—	—	—	—	—
3.	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी	—	—	—	—	—	—
4.	चिकित्सा आयुक्त	—	—	—	—	—	—
5.	बीमांकक	—	—	—	—	—	—
6.	संरक्षक (प्रशासन)	—	—	—	—	—	—
7.	क्षेत्रीय उपचिकित्सा आयुक्त	1	—	—	—	—	—
8.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-1	1	—	—	—	—	—
9.	निदेशक (संगठन एवं पद्धति/क्षे०नि० ग्रेड-2/निमो० एवं विकास)/ निदेशक सतर्कता	—	—	—	—	—	—
10.	प्रशासन अधिकारी/उप बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड-3/उप मुख्य लेखा अधिकारी/संयुक्त क्षेत्रीय निदेशक/सतर्कता अधिकारी/सहायक बीमांकक	3	1	—	—	—	—
11.	उप-चिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निर्देशी	11*	—	—	—	1	—
12.	क्षे०नि० ग्रेड-4/उप प्र०अ०/लेखा अ० उप० क्षे०नि०/सहायक निदेशक (यो०एवं वि०)	15	3	1	—	1	—
13.	सहायक क्षे०नि०/प्र०ग्रेड-1/उ०ले०अ०/अनुभाग अधिकारी	9	2	1	20	2	—
14.	सहायक इंजीनियर	—	—	—	—	—	—
15.	अनुभाग अधिकारी (हिन्दी)	—	—	—	—	—	—
16.	बीमा निरीक्षक/ले०परी० नि०/प्र० ग्रेड 2/उ० अ० /नि० (सं० एवं प०)	83	12	5	47	5	3
17.	महानिदेशक के निजी सचिव	—	—	—	—	—	—
18.	प्रबन्धक ग्रेड-3/मु०लि०/सहायक/मु०लि० खजांची/हिन्दी अनुवादक	46	9	—	52	4	6
19.	कनिष्ठ इंजीनियर	—	—	—	—	—	—
20.	वैयक्तिक सहायक	2	1	—	—	—	—
21.	तकनीकी सहायक	—	—	—	—	—	—
22.	कलाकार	—	—	—	—	—	—
23.	पुस्तकाध्यक्ष	—	—	—	—	—	—
24.		—	—	—	—	—	—
25.	प्रभाग उच्च श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक खजांची/उ०श्रे०लि० रखवाल/उच्च श्रेणी लिपिक	259	47	20	225	21	12
26.	आशुलिपिक	15	1	1	—	2	—
27.	संगणक	—	—	—	—	—	—
28.	नि०श्रे०लि०/एडीमा आपरेटर/टैलेक्स आपरेटर/टेलीफोन आपरेटर	332	64	26	279	28	8
29.	स्टेनोटेनर आपरेटर	2	—	—	—	—	—
30.	स्टाफ कार चालक/डिलीवरी गाड़ी चालक	2	—	—	—	—	—
31.	कनिष्ठ पुस्तकालय परिचर	—	—	—	—	—	—
32.	जमादार	—	—	—	—	—	—
33.	रिकार्ड सार्टर/दफ्तरी (सलेक्शन ग्रेड-1 सहित)	5	12	4	79	6	9
34.	चपरासी	60	8	5	123	7	2
35.	चौकीदार	6	1	2	—	2	—
36.	फराश	9	1	1	—	1	—
37.	माली	—	—	—	—	—	—
38.	लिफ्टमैन	—	—	—	—	—	—
39	सफाई कर्मचारी	9	1	1	—	1	—
	जोड़	958	163	67	825	82	40

*स्टाफ कार चालक व चपरासी

7

1 (क्रमशः)

पंजाब		राजस्थान		तमिलनाडु		उत्तर प्रदेश		पश्चिमी बंगाल		जोड़
क्षे० का०	स्था० का०	क्षे० का०	स्था० का०	क्षे० का०	स्था० का०	क्षे० का०	स्था० का०	क्षे० का०	स्था० का०	
26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	4
—	—	—	—	1	—	1	—	1	—	8
1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	7
—	—	1	—	1	—	—	—	3	3	21
2	—	1	—	4	—	3	—	9	—	49
6	—	1	—	7	—	6	—	14	—	97
4	—	2	—	4	10	6	3	9	20	148
1	—	—	—	—	—	1	—	—	—	3
—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	3
34	12	8	6	36	25	22	17	75	41	672
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
19	12	7	11	20	28	24	13	47	37	584
1	—	—	—	—	—	2	—	—	—	5
1	—	1	—	1	—	1	—	2	—	30
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
92	25	34	15	110	107	108	47	237	187	2498
4	—	2	—	7	—	5	—	16	—	102
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	4
118	39	39	22	157	127	136	54	333	259	3139
—	—	—	—	1	—	1	—	2	—	7
1	—	1*	—	1	—	1	—	4	—	21
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
27	22	7	14	29	51	36	28	84	77	903
18	13	7	9	20	45	24	27	57	117	872
2	—	2	—	3	—	2	—	4	—	42
4	—	1	—	2	—	2	—	6	—	47
1	—	—	—	—	—	1	—	—	—	4
—	—	—	—	—	—	—	—	2	—	3
4	—	1	—	3	—	2	—	8	—	52
332	123	115	77	407	393	385	189	914	738	9337

परिशिष्ट-7

भाग-2

31-3-78 को निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल में प्राधिकृत तथा तैनात कर्मचारी वर्ग की स्थिति का विवरण

क्रम सं०	पदनाम	निदेशक का कार्यालय		कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय		कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल		जोड़		कैफियत
		प्राधिकृत	तैनात	प्राधिकृत	तैनात	प्राधिकृत	तैनात	प्राधिकृत	तैनात	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली	1	1	—	—	—	—	1	1	
2.	चिकित्सा अधीक्षक	—	—	—	—	1	1	1	1	
3.	विशेषज्ञ (शल्य चिकित्सा विकलांग, औषध स्त्री रोग) रैडियोलाजी, रोग विज्ञान, बेहोशी विज्ञान व शिशु रोग	—	—	—	—	11	7	11	7	
4.	उप मुख्य लेखा अधिकारी	1	—	—	—	—	—	1	—	
5.	प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी	1	1	—	—	—	—	1	1	
6.	उप प्रशासन अधिकारी	1	1	—	—	1	1	2	2	
7.	बीमा चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० ग्रेड-1 तथा जी०डी०ओ० ग्रेड-2)	—	—	186+2 (आयुर्वेदिक फिजिशियन)	148	—	—	186+2 (आयुर्वेदिक फिजिशियन)	148	
8.	लेखा अधिकारी (चिकित्सा)	1	1	—	—	—	—	1	1	
9.	चिकित्सा अधिकारी (जी०डी०ओ० ग्रेड-2)	—	—	—	—	32	25	32	25	
10.	रजिस्ट्रार	—	—	—	—	8	3	8	3	
11.	हाउस सर्जन	—	—	—	—	10	8	10	8	
12.	नर्सिंग अधीक्षक	—	—	—	—	1	—	1	—	
13.	उप लेखा अधिकारी	—	—	—	—	1	—	1	—	
14.	अंशकालिक परामर्शदाता विशेषज्ञ	—	—	सत्रानुसार	9	5+3*	4+3*	सत्रानुसार	4+3*	मैडिसिन, सर्जरी तथा अनिथिसिया में विशेषज्ञों के पूर्णकालिक पदों पर 3 अंशकालिक विशेषज्ञ काम कर रहे हैं।
15.	लेखा परीक्षा निरीक्षक	2	2	—	—	—	—	2	2	
16.	प्रधान लिपिक	11	10	—	—	4	4	15	14	
17.	प्रबन्धक ग्रेड-2 (सेन्ट्रल स्टोर)	1	1	—	—	—	—	1	1	
18.	हिन्दी सहायक	2	—	—	—	—	—	2	—	
19.	निदेशक (चिकित्सा दिल्ली के वैयक्तिक सहायक)	1	1	—	—	—	—	1	1	
20.	चिकित्सा अधीक्षक के वैयक्तिक सहायक	—	—	—	—	1	1	1	1	
21.	उच्च श्रेणी लिपिक/खजांची	1	1	—	—	1	1	2	2	
22.	उच्च श्रेणी लिपिक	37	37	26	25	11	11	74	73	
23.	आशुलिपिक	6	5	—	—	2	1	8	6	
24.	निम्न श्रेणी लिपिक/हिन्दी टाइपिस्ट	49	45	92	89	15	15	156	149	
25.	लांडरी पर्यवेक्षक	—	—	—	—	1	1	1	1	
26.	टेलीफोन आपरेटर	—	—	—	—	2	—	2	—	
27.	बायलर परिचार	—	—	—	—	1	1	1	1	
28.	लांडरी आपरेटर	—	—	—	—	10	4	10	4	
29.	रखवाल	—	—	—	—	1	1	1	1	
30.	सहायक मैट्रन	—	—	—	—	2	2	2	2	
31.	नर्सिंग सिस्टर	—	—	—	—	23	17	23	17	
32.	स्टाफ नर्स	—	—	—	—	113	86	113	86	
33.	एच बी/ए एन एम/एन आर एन/दाई	—	—	117	104	—	—	117	104	
34.	आहारविद	—	—	—	—	1	1	1	1	
35.	ई० सी० जी० तकनीशियन	—	—	—	—	2	1	2	1	
36.	प्रयोगशाला तकनीशियन ग्रेड-1	—	—	—	—	6	6	6	6	

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
37. एक्सरे तकनीशियन रेडियोग्राफर	—	—	—	—	7	5	7	5	
38. मुख्य औषधकारक	—	—	—	—	1	—	1	—	
39. औषधकारक व लिपिक (भंडार) औषधकारक	6	5	122	110	6	4	134	119	
40. हवलदार	—	—	—	—	1	—	1	—	
41. सोशलगाइड	2	1	—	—	—	—	2	1	
42. प्रयोगशाला सहायक	—	—	11	9	6	4	17	13	
43. सी० एस० आर० सहायक	—	—	—	—	4	5	4	5	एक पद सरेंडर किया जाना है।
44. ओ० टी० तकनीशियन	—	—	—	—	4	3	4	3	
45. ओ० टी० सहायक	—	—	—	—	6	6	6	6	
46. पुस्तकाध्यक्ष	—	—	—	—	1	—	1	—	
47. सहायक पुस्तकाध्यक्ष	—	—	—	—	1	1	1	1	
48.	—	—	—	—	5	5	12	12	
49.	—	—	—	—	6	6	79	78	
50. धातु कर्मचारी व मिस्त्री	—	—	—	—	1	1	1	1	
51. औष्टो मीटरिस्ट	—	—	—	—	1	1	1	1	
52. लिनन मिस्ट्रैस	—	—	—	—	2	—	2	—	
53. व्यावसायिक चिकित्सक	—	—	—	—	1	1	1	1	
54. भौतिक चिकित्सक	—	—	—	—	1	1	1	1	
55. वरिष्ठ चिकित्सा रिकार्ड तकनीशियन	—	—	—	—	1	—	1	—	
56. कनिष्ठ चिकित्सा रिकार्ड तकनीशियन	—	—	—	—	1	—	1	—	
57. गैस्टेटनर आपरेटर	1	1	—	—	—	—	1	1	
58. दफ्तरी/सिलेक्शन ग्रेड दफ्तरी	4	4	5	5	2	2	11	11	
59. डार्क रूम सहायक	—	—	—	—	2	2	2	2	
60. प्रधान रसोइया	—	—	—	—	1	1	1	1	
61. रसोइया व मसालची	—	—	—	—	20	20	20	20	
62. चपरासी	19	17	85	68	9	9	113	94	
63. आया	—	—	33	16	4	4	37	20	
64. चौकीदार	—	—	31	27	23	22	54	49	
65. सफाई कर्मचारी (पुरुष/स्त्री)	3	2	82	72	63	4	148	128	
66. दर्जी	—	—	—	—	2		2	1	
67. नर्सिंग अर्दली	—	—	—	—	98	95	98	95	
68. स्ट्रैचर वाहक	—	—	—	—	9	9	9	9	
69. एम्बुलेंस परिचर	2	—	—	—	3	2	5	2	
70. फराश	3	3	—	—	—	—	3	3	
71. चि० सामाजिक कार्यकर्ता	—	—	—	—	1	—	1		
72. वरिष्ठ रक्त बैंक तकनीशियन	—	—	—	—	1	—	1	—	
73. वाहक	—	—	—	—	6	—	6	—	
74. मसालची	—	—	—	—	3	—	3	—	
75. मैट रसोइया	—	—	—	—	—	—	—	—	

परिशिष्ट-8

भाग-1

1-1-78 को निगम के कर्मचारियों की कुल संख्या तथा उनमें से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के कर्मचारियों की संख्या का सूचक विवरण

श्रेणी	स्थायी/अस्थायी	कर्मचारियों की कुल संख्या	अनुसूचित जाति	कुल कर्मचारियों के साथ प्रतिशतता	अनुसूचित जनजाति	कुल कर्मचारियों के साथ प्रतिशतता	कैफियत
ग्रुप "क"	स्थायी	37	3	8.1%	—	—	—
	अस्थायी	80	8	10%	2	2.5%	—
ग्रुप "ख"	स्थायी	14	2	14.3%	—	—	—
	अस्थायी	100	11	11%	1	1%	—
ग्रुप "ग"	स्थायी	4355	330	7.6%	14	0.35%	—
	अस्थायी	2702	159	5.8%	9	0.33%	—
ग्रुप घ० (सफाई कर्मचारियों को छोड़कर)	स्थायी	1202	339	2.8%	32	2.7%	—
	अस्थायी	956	209	21.9%	18	1.9%	—
ग्रुप "घ" (सफाई कर्मचारी)	स्थायी	77	71	90%	—	—	—
	अस्थायी	96	92	9.4%	—	—	—

परिशिष्ट

भाग

1-1-78 को सीधी भर्ती से अनुसूचित जाति/जनजातियों के सदस्यों द्वारा

पद की श्रेणी	रिक्तियों की कुल संख्या		अनुसूचित जाति				
	अधि-सूचित	भरी गई	आरक्षित रिक्तियों की संख्या		नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत तीन वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या
			कालम 2 में से	कालम 3 में से			
1	2	3	4	5	6	7	8
1. ग्रुप "क"	20	17	4	4	3	—	—
2. ग्रुप "ख"	19	—	4	4	—	—	—
3. ग्रुप "ग"	831	784	161	128	64	—	8
4. ग्रुप "घ"*	173	174	15	18	36	—	—
5. ग्रुप "घ"**	8	8	3	3	4	—	—

*सफाई कर्मचारियों को छोड़कर

**सफाई कर्मचारी

परिशिष्ट

भाग

1-1-78 को सीधी भर्ती के अलावा अन्य माध्यम से (पदोन्नति द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति

पद की श्रेणी	रिक्तियों की कुल संख्या		अनुसूचित जाति				
	अधिसूचित	भरी गई	आरक्षित रिक्तियों की संख्या		नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या	तीसरे अग्रेनीत वर्ष में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत 3 वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या
			कालम 2 में से	कालम 3 में से			
1	2	3	4	5	6	7	8
ग्रुप "क"	9	9	1	1	1	—	—
ग्रुप "ख"	9	9	2	2	—	—	—
ग्रुप "ग"	207	207	71	85	62	—	—
ग्रुप "घ" *	47	47	2	7	8	—	1
ग्रुप "घ" **	—	—	—	—	—	—	—

*सफाई कर्मचारियों को छोड़कर

**सफाई कर्मचारी

8

2

भरे गए आरक्षित रिक्त पदों की संख्या सम्बन्धी विवरण

अनुसूचित जनजाति

आरक्षित रिक्तियों की संख्या		नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत 3 वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या	कैफियत
कालम 2 में से	कालम 3 में से				
9	10	11	12	13	14
1. 1	1	—	—	—	—*
2. 1	1	—	—	—	—**
3. 74	77	10	—	24	—
4. 13	12	2	3	2	—
5. 1	1	—	—	—	—

* एक अनुसूचित जाति और एक अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार की सिफारिश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जानी है।

** इन पदों के लिए 2-2-78 से 10-2-78 तक साक्षात्कार हुआ। संघ लोक सेवा आयोग से पैनल अभी प्राप्त नहीं हुआ है।

8

3

के सदस्यों द्वारा) भरे गए आरक्षित रिक्त पदों की संख्या सम्बन्धी विवरण

अनुसूचित जनजाति

आरक्षित रिक्तियों की संख्या		नियुक्त किए गए अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत तीसरे वर्ष में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्त किए गए अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की संख्या	अग्रेनीत तीन वर्षों के बाद समाप्त आरक्षित पदों की संख्या	कैफियत
कालम 2 में से	कालम 3 में से				
9	10	11	12	13	14
—	—	—	—	—	—
17	1	—	—	—	—
32	46	1	6	2	—
1	8	2	—	—	—
—	—	—	—	—	—

परिशिष्ट 9

31 मार्च, 1978 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अन्तर्गत शामिल किए गए नियोजकों और कर्मचारियों की संख्या-राज्यवार

राज्य	कार्यान्वित क्षेत्र*		कार्यान्वित क्षेत्र		सभी क्षेत्र	
	नियोजकों की संख्या	31-3-78 को कर्मचारियों की संख्या	नियोजकों की संख्या	31-3-78 को कर्मचारियों की संख्या	नियोजको की संख्या	31-3-78 को कर्मचारियों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7
आन्ध्र प्रदेश	2,603	2,35,000	36	16,500	2,639	2,51,500
असम	474	26,000	35	11,000	509	37,000
बिहार	1,324	1,20,000	204	1,81,500	1,528	3,01,500
चंडीगढ़	241	10,000	—	—	241	10,000
दिल्ली	4,594	2,25,000	—	—	4,594	2,25,000
गुजरात	3,600	4,95,000	223	1,08,000	3,823	6,03,000
हरियाणा	2,070	1,68,000	49	4,800	2,119	1,72,800
हिमाचल प्रदेश	1	700	10	2,900	11	3,600
जम्मू व कश्मीर	—	—	अनुपलब्ध	11,500	अनुपलब्ध	11,500
कर्नाटक	1,959	2,77,000	231	29,000	2,190	3,06,000
केरल और माही	3,101	3,06,000	26	3,500	3,127	3,09,500
मध्य प्रदेश	1,197	1,70,000	269	70,000	1,466	2,40,000
महाराष्ट्र						
बम्बई और गोआ	7,267	10,35,000	69	12,500	7,336	10,47,500
नागपुर	646	71,000	81	14,000	727	85,85,000
पूना	1,722	2,10,000	157	30,500	1,879	2,40,500
उड़ीसा	406	84,000	55	29,000	461	1,13,000
पांडिचेरी	98	15,000	—	—	98	15,000
पंजाब	3,588	1,50,000	—	3,600	3,588	1,53,600
राजस्थान	1,303	1,10,000	61	8,000	1,364	1,18,000
तमिलनाडु	3,864	4,40,000	218	32,900	4,082	4,71,900
उत्तर प्रदेश	2,383	4,30,000	220	50,000	2,603	4,80,000
पश्चिमी बंगाल	6,869	9,65,000	121	1,36,000	6,990	11,81,000
समस्त भारत (1976)	49,310	55,42,700	2,065	7,54,200	51,375	62,96,900
समस्त भारत (1977)	43,380	55,00,000	2,118	7,72,600*(क)	49,498	62,72,700*(क)

*अधिनियम की धारा 1(5) के अन्तर्गत आए नियोजक और कर्मचारी भी सम्मिलित हैं।

(क) संशोधित आंकड़ें

परिशिष्ट 10

31-3-1978 की स्थिति के अनुसार योजना के अन्तर्गत केन्द्रों, कर्मचारियों, बीमाकृत व्यक्तियों, परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों और लाभाधिकारियों की संख्या-राज्यवार

(अधिनियम की धारा 1(5) के अन्तर्गत योजना के विस्तार को शामिल करके)

राज्य	केन्द्रों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या	बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या	लाभाधिकारियों की संख्या
1	2	3	4	5	6
आन्ध्र प्रदेश	42	2,35,000	2,55,000	2,55,000	9,89,400
असम	13	26,000	30,000	30,000	1,16,400
बिहार	25	1,20,000	1,34,000	1,34,000	5,19,900
चंडीगढ़	1	10,000	12,000	12,000	46,550
दिल्ली	1	2,25,000	2,60,000	2,60,000	10,08,800
गुजरात	14	4,95,000	5,94,000	5,94,000	23,04,700
हरियाणा	20	1,68,000	1,92,000	1,92,000	7,44,950
हिमाचल प्रदेश	1	700	800	800	3,100
जम्मू व कश्मीर	—	—	—	—	—
कर्नाटक	14	2,77,000	2,94,000	2,94,000	11,40,000
केरल व माही	30	3,06,000	3,25,000	3,25,000	12,61,000
मध्य प्रदेश	21	1,70,000	1,85,000	1,85,000	7,17,800
महाराष्ट्र					
बम्बई और गोवा	8	10,35,000	11,77,000	11,77,000	45,66,750
नागपुर क्षेत्र	10	71,000	77,000	77,000	2,98,750
पूना क्षेत्र	16	2,10,000	2,31,000	2,31,000	8,96,300
उड़ीसा	15	2,84,000	89,000	89,000	3,45,000
पांडिचेरी	1	15,000	17,000	17,000	65,950
पंजाब	25	1,50,000	1,91,000	1,91,000	7,41,100
राजस्थान	18	1,10,000	1,29,000	1,29,000	5,00,500
तमिलनाडु	42	4,40,000	4,67,000	4,67,000	18,11,950
उत्तर प्रदेश	42	4,30,000	4,71,000	4,71,000	18,27,500
पश्चिमी बंगाल	7	9,65,000	11,20,000	11,20,000	43,45,600
समस्त भारत (1978)	366	55,42,700	62,50,000	62,50,800	2,42,53,000
(1977)	405	55,00,000	59,75,000	59,22,350	2,30,31,350

*कमी का कारण कुछ राज्यों में केन्द्रों का एकीकरण है

परिशिष्ट

31-3-78 को बिस्तरों, विशेषज्ञों,

क्रम संख्या	राज्य का नाम	क० रा० बी० योजना के अन्तर्गत बिस्तरों की कुल संख्या				विशेषज्ञ	
		सामान्य	प्रसूति	क्षय रोग	जोड़	पूर्ण कालिक	अंश कालिक
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	आन्ध्र प्रदेश	613	73	46	732	28	71
2.	असम	86	—	10	96	—	1
3.	बिहार	206	—	30	256	7	—
4.	चंडीगढ़ प्रशासन	—	—	—	—	—	4
5.	दिल्ली	366	73	105	544	11	24
6.	गोआ	33	—	—	33	—	16
7.	गुजरात	1026	57	283	1306	17	229
8.	हरियाणा	414	—	112	526	16	22
9.	हिमाचल प्रदेश	—	—	—	—	—	—
10.	कर्नाटक	926	69	137	1132	8	76
11.	केरल	761	101	165	1027	27	73
12.	मध्य प्रदेश	358	22	104	484	3	80
13.	महाराष्ट्र						
	(क) बृहत्तर बम्बई	2350	432	505	3287	44	96
	(ख) नागपुर	219	31	47	297	—	66
	(ग) पश्चिमी महाराष्ट्र	346	25	191	562	—	80
14.	उड़ीसा	113	12	12	137	4	3
15.	पांडिचेरी	16	4	10	30	—	9
16.	पंजाब	290	53	34	377	20	20
17.	राजस्थान	238	30	31	299	6	61
18.	तमिलनाडु	1465	512	390	2367	40	71
19.	उत्तर प्रदेश	465	153	200	818	32	—
20.	पश्चिमी बंगाल	1996	2	694	2692	—	389
	जोड़	122.87	1649	3106	17042	263	1371

11

औषधालयों, पेनल डाक्टरों तथा एम्बुलेंसों की संख्या

औषधालयों की कुल संख्या	बीमा चिकित्सा अधिकारियों की संख्या		बीमा चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या	नियोजक उपयोग औषधालयों में डाक्टरों की संख्या	एम्बुलेंस	कैफियत
	स्वीकृत	मौजूदा				
9	10	11	12	13	14	15
80	223	223	3	1	13	
19	21	21	—	—	2	
42	121	71	—	—	21	
1	8	7	—	—	—	
29	106	147	—	—	5	
—	—	—	58	—	—	
83	427	411	218	—	12	
44	128	111	—	—	—	
1	1	1	—	—	—	
106	232	201	—	62	11	
111	231	215	—	—	9	
53	140	123	4	1	8	
16	13	7	2258	9	22	
24	78	76	—	—	1	
27	60	47	413	—	5	
21	50	49	—	—	7	
7	14	14	—	—	1	
20	44	39	89	—	4	
34	105	105	—	1	3	
118	366	385	—	8	23	*स्पष्टीकरण अभी
96	275	275	275	—	12	प्राप्त नहीं हुआ
4	—	—	1607	18*	16	है।
936	2723	2464	24650	100	179	

परिशिष्ट

1976-77 तथा 1977-78 में उपस्थिति, जारी किए गए

राज्य	अवधि	ओखिम ग्रस्त माने गए बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	उपस्थिति		
			नए मामले	पुराने मामले	कुल मामले
1	2	3	4	5	6
आन्ध्र प्रदेश (से०प्र०)	1976-77	2,29,000	7,28,950	18,83,376	26,12,326
	1977-78	2,45,000	6,89,644	20,49,923	27,39,567
असम (से० प्र०)	1976-77	27,250	1,00,516	1,02,331	2,02,847
	1977-78	29,000	96,560	1,01,246	1,97,806
बिहार (से० प्र०)	1976-77	1,14,500	2,20,314	3,42,465	5,62,779
	1977-78	1,29,500	2,11,613	3,04,816	5,16,429
चंडीगढ़ (से० प्र०)	1976-77	10,500	36,757	64,906	1,01,663
	1977-78	12,000	36,683	87,651	1,24,334
दिल्ली (से०प्र०)	1976-77	2,23,000	2,44,657	12,37,519	14,82,176
	1977-78	2,50,000	2,82,604	15,86,132	18,68,736
गोआ (से० प्र०)	1976-77	——बम्बई क्षेत्र (से० प्र०) में शामिल——			——
	1977-78"क"	13,700	39,188	10,987	50,175
गुजरात (से० प्र०)	1976-77	5,17,400	6,67,316	35,35,002	42,02,318
	1977-78	5,26,850	6,03,774	34,65,029	40,68,803
गुजरात (पे० प्र०)	1976-77	45,100	1,99,966	2,09,970	4,09,936
	1977-78	47,650	2,06,515	2,02,842	4,09,357
हरियाणा (से०प्र०)	1976-77	1,78,000	4,23,828	86,91,727	11,15,555
	1977-78	1,90,500	5,15,622	7,99,452	15,15,074
कर्नाटक (से०प्र०)	1976-77	2,83,500	12,34,478	24,35,560	36,70,030
	1977-78	2,87,500	14,86,385	27,50,407	42,36,792

12

चिकित्सा प्रमाणपत्र, अस्पतालों में भर्ती, विशेषज्ञों को निर्देशित मामलों की संख्या, तथा घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या राज्यवार (बीमाकृत व्यक्तियों के संबन्ध में)

प्रति वर्ष प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्ति उपस्थितियों की संख्या		जारी किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्रों की संख्या	अस्पतालों में दाखिल किए गए मामलों की संख्या	जांच के लिये विशेषज्ञों को निर्देशित मामलों की संख्या	घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या
नये मामले	पुराने मामले				
7	8	9	10	11	12
3,183	8,224	4,38,914	उपलब्ध नहीं	1,58,045	उपलब्ध नहीं
2,815	8,367	5,33,001	1,70,894	95,310	उपलब्ध नहीं
3,689	3,755	58,732	398	4,667	2,304
5,330	3,491	58,641	395	4,908	2,456
1,924	2,991	1,96,173	1,291	18,434	6,974
1,634	2,354	2,08,193	254	15,942	5,043
3,501	6,182	4,295	2,229	4,636	उपलब्ध नहीं
3,057	7,304	6,423	536	3,669	उपलब्ध नहीं
1,097	5,549	2,01,170	3,823	40,154	36,620
1,130	6,345	2,44,344	3,637	43,357	45,161
2,860	802	20,363	उपलब्ध नहीं	855	351
1,290	6,832	4,94,093	17,008	1,54,332	4,620
1,140	6,577	5,95,125	17,200	1,45,960	2,972
4,434	4,656	1,52,363	921	11,576	2,048
4,334	4,257	1,63,835	890	12,517	1,977
2,381	3,886	70,185	5,115	45,421	17,957
2,707	4,197	94,151	7,542	49,019	17,922
4,354	8,591	5,86,901	26,441	1,83,467	20,148
5,170	9,567	8,35,728	30,506	1,78,522	32,767

1	2	3	4	5	6
केरल (से० प्र०)	1976-77	2,66,050	9,61,011	25,55,384	35,16,395
	1977-78	2,96,300	8,80,947	25,13,562	33,94,506
केरल (प्रे०प्र०)	1976-77	350	5,089	7,323	12,12,412
	1977-78	250	3,222	5,755	8,977
मध्य (से० प्र०)	1976-77	1,57,000	3,77,156	19,36,778	23,15,932
प्रदेश	1977-78	1,72,000	4,21,820	20,83,243	25,05,063
मध्य (प्रे०प्र०)	1976-77	2,500	6,878	18,959	25,037
प्रदेश	1977-78	2,850	7,158	16,862	24,020
महाराष्ट्र					
(1) बम्बई क्षेत्र (से० प्र०)	1976-77	2,300	6,893	27,231	34,124
	1977-78	3,350	12,829	40,999	53,828
(2) बम्बई क्षेत्र (पे० प्र०)	1976-77	6,21,200	34,71,956	29,08,793	63,80,749
	1977-78	4,77,500	26,82,890	21,92,582	48,75,472
(3) नागपुर (से प्र०)	1976-77	65,750	2,07,779	8,06,773	10,14,552
	1977-78	75,500	2,06,975	8,65,136	10,72,111
(4) पूना क्षेत्र (से० प्र०)	1976-77	29,800	1,17,772	3,10,373	4,28,145
	1977-78	26,100	1,05,011	3,29,809	4,34,820
(5) पूना क्षेत्र (पे० प्र०)	1976-77	64,450	4,94,082	4,60,861	9,54,940
	1977-78	66,700	5,28,630	4,56,996	9,85,626
उड़ीसा (से० प्र०)	1976-77	77,000	2,19,022	2,72,042	4,91,064
	1977-78	84,500	2,46,881	3,40,508	5,87,389
पांडिचेरी (से० प्र०) एवं माही	1976-77	16,850	54,690	1,74,233	2,28,922
	1977-78	17,450	49,758	2,13,629	2,63,387
पंजाब (से० प्र०)	1976-77	17,200	1,03,353	1,49,400	2,52,753
	1977-78	15,350	1,28,224	1,82,704	3,10,928
पंजाब (पे० प्र०)	1976-77	35,650	1,88,505	1,56,131	3,44,636
	1977-78	37,500	1,91,653	1,29,652	3,21,305
राजस्थान (से० प्र०)	1976-77	1,16,750	3,37,980	6,81,573	10,19,553
	1977-78	1,25,000	3,60,658	7,09,304	10,69,962
तमिलनाडु (से० प्र०)	1976-77	3,97,650	12,21,522	37,49,813	49,71,335
	1977-78	4,44,500	12,70,707	41,87,035	54,57,742
तमिलनाडु (पे० प्र०)	1976-77	5,650	23,038	57,165	80,203
	1977-78	5,800	23,436	60,793	84,229
उत्तर प्रदेश (से० प्र०)	1976-77	4,76,000	13,55,426	16,83,924	30,39,350
	1977-78	4,76,500	15,34,794	17,58,530	32,93,324
पश्चिमी बंगाल (से० प्र०)	1976-77	6,84,050	27,87,883	21,61,821	49,49,704
	1977-78	7,14,900	25,53,972	18,24,775	43,78,747
समस्त भारत	1976-77	46,64,450	1,57,96,017	2,86,23,433	4,44,19,450
	1977-78	47,73,750	1,53,78,873	2,92,70,439	4,46,48,512

(से० प्र)—सेवा प्रणाली

(प्रे० प्र०) —पेनल प्रणाली ।

"क" कुछ महीनों के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए । भारित औसत ली गई है ।

7	8	9	10	11	12
3,612	9,605	4,31,886	41,028	30,449	4,431
2,973	8,483	4,30,976	40,815	30,482	1,856
14,540	20,923	2,824	1,976	1,256	उपलब्ध नहीं
12,888	23,020	1,950	2,548	358	उपलब्ध नहीं
2,402	12,349	5,23,894	7,583	70,185	14,720
2,452	12,112	6,15,928	7,820	74,303	13,029
2,431	7,584	5,529	46	999	149
2,512	5,916	5,121	29	947	95
2,997	11,840	7,006	23,382	1,308	4
3,830	12,239	11,474	54,638	1,010	उपलब्ध नहीं
5,589	4,683	19,42,473	705	1,55,111	18,811
5,619	4,592	16,88,573	1,936	1,19,346	14,179
3,160	12,270	2,17,196	10,192	24,390	7,197
2,741	11,459	2,29,120	10,028	27,410	6,581
3,952	10,415	93,273	348	5,928	1,668
4,023	12,636	1,06,200	उपलब्ध नहीं	7,255	368
7,666	7,151	3,50,450	220	23,912	2,240
7,925	6,852	3,87,984	उपलब्ध नहीं	20,046	1,733
2,844	3,533	73,139	2,807	20,853	9,184
2,922	4,030	1,10,080	3,732	21,539	16,985
3,246	10,340	40,015	1,033	10,070	3,700
2,851	12,242	50,324	997	10,287	2,240
6,009	8,686	18,121	30,594	5,451	5,254
8,353	11,903	31,056	25	2,407	7,235
5,288	4,380	35,977	11,332	17,097	8,579
5,111	3,457	40,956	1,075	20,190	7,916
2,895	5,838	1,73,885	9,226	45,999	3,021
2,885	5,674	1,67,743	9,308	61,255	3,034
3,072	9,430	12,04,106	15,042	1,76,658	7,873
2,859	9,420	14,12,965	15,286	1,94,024	12,883
4,078	10,118	20,021	1,161	2,564	848
4,041	10,482	20,711	1,181	2,916	8
2,848	3,538	5,83,315	10,773	78,866	3,042
3,221	3,691	6,65,489	12,988	63,779	12,072
4,076	3,160	14,78,490	147	1,38,903	75,099
3,572	2,552	14,84,251	उपलब्ध नहीं	1,23,524	40,496
3,386	6,137	95,03,826	2,24,821	14,30,731	2,56,491
3,221	6,132	1,02,20,705	3,94,340	13,31,137	2,49,359

परिशिष्ट 13

1976-77 तथा 1977-78 में उपस्थितियों तथा घर पर किये गये निरीक्षणों की संख्या—राज्यवार (बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों के संबंध में)

राज्य	अवधि	जोखिम ग्रस्त माने गए परिवारों (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की संख्या	उपस्थितियां			प्रति वर्ष 1000 परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों की उपस्थितियों की संख्या		घर पर किए गए निरीक्षणों की संख्या
			नए मामले	पुराने मामले	कुल मामले	नए मामले	पुराने मामले	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
आन्ध्र प्रदेश (से० प्र०)	1976-77	2,28,950	8,89,933	3,326,651	42,16,634	3,887	14,530	1,12,977
	1977-78	2,44,950	8,34,777	27,10,911	35,45,688	3,408	11,067	49,016
असम (से० प्र०)	1976-77	26,800	75,452	53,680	1,29,132	2,815	2,000	286
	1977-78	29,000	81,694	53,389	1,35,083	2,817	1,841	280
बिहार (से० प्र०)	1976-77	1,11,800	3,04,538	3,17,912	7,02,450	2,724	3,559	2,841
	1977-78	1,26,850	2,99,929	3,55,969	6,55,898	2,364	2,806	2,095
चण्डीगढ़ (से० प्र०)	1976-77	10,500	50,665	21,278	71,943	4,825	2,026	1,058
	1977-78	12,000	46,741	36,425	83,166	3,895	3,075	1,751
दिल्ली (से० प्र०)	1976-77	2,23,000	5,90,920	10,50,202	16,81,122	2,650	4,889	10,361
	1977-78	2,50,000	8,22,362	14,61,022	22,83,404	3,290	5,844	12,926
गोवा (से० प्र०)	1976-77@	—बम्बई (से० प्र०) में शामिल—						
	1977-78	13,700	38,548	9,716	48,264	2,814	709	269
गुजरात (से० प्र०)	1976-77	5,17,200	9,98,271	41,86,261	51,84,532	1,930	9,094	1,128
	1977-78	5,26,880	9,32,638	41,28,269	50,60,907	1,776	7,837	1,536
गुजरात (पे० प्र०)	1976-77	45,150	2,49,639	2,28,090	4,77,729	5,529	5,852	596
	1977-78	47,600	2,47,657	2,12,794	4,60,451	5,203	4,470	713
हरियाणा (से० प्र०)	1976-77	1,75,450	3,91,274	5,41,593	9,32,867	2,230	3,087	6,287
	1977-78	1,89,700	4,96,582	6,67,598	11,84,180	2,618	3,625	6,091
कर्नाटक (से० प्र०)	1976-77	2,83,200	18,57,959	35,66,739	54,24,698	6,561	12,594	11,314
	1977-78	2,87,200	21,63,495	39,80,657	61,44,152	7,533	13,807	11,530
केरल (से० प्र०)	1976-77	2,64,350	10,11,007	27,92,071	38,03,078	3,825	10,562	401
	1977-78	2,94,650	10,54,947	29,36,081	39,91,028	3,580	9,965	307
केरल (पे०प्र०)	1976-77	350	5,595	7,982	13,577	15,986	22,806	उपलब्ध नहीं
	1977-78	250	3,383	6,153	9,536	13,532	24,612	नहीं
मध्य प्रदेश (से० प्र०)	1976-77	1,56,700	6,69,767	17,13,764	23,83,531	4,274	10,937	776
	1977-78	1,72,000	7,02,316	18,30,696	25,33,012	4,083	10,644	540
मध्य प्रदेश (पे० प्र०)	1976-77	2,500	9,593	17,810	27,403	3,837	7,124	उपलब्ध नहीं
	1977-78	2,850	11,029	15,813	26,842	3,870	5,548	36
महाराष्ट्र								
1. बम्बई क्षेत्र (से० प्र०)	1976-77	1,350	7,548	27,800	35,408	5,591	20,637	159
	1977-78	2,400	12,530	37,919	50,449	5,221	15,800	70
2. बम्बई क्षेत्र (पे० प्र०)	1976-77	5,35,200*	18,00,939	13,53,661	31,54,600	3,365*	2,529*	7,453
	1977-78	4,04,600	13,14,372	9,20,609	22,34,981	3,249	2,275	4,693
3. नागपुर क्षेत्र (से० प्र०)	1976-77	62,700	2,48,511	11,55,893	14,00,404	3,963	18,435	3,056
	1977-78	75,500	2,39,825	11,60,227	14,04,052	3,176	15,367	3,720
4. पूना क्षेत्र (से० प्र०)	1976-77	51,850	1,59,341	3,26,836	4,86,177	3,073	6,303	531
	1977-78	35,400	1,25,197	3,34,242	4,68,439	3,537	9,696	189
5. पूना क्षेत्र (पे० प्र०)	1976-77	79,700	4,72,711	4,02,551	8,75,262	5,931	5,051	2,326
	1977-78	81,200	5,18,500	3,85,635	9,04,135	6,385	4,749	1,586

1	2	3	4	5	6	7	8	9
उड़ीसा (से० प्र०)	1976–77	76,150	2,39,776	2,82,984	5,22,760	3,149	3,716	3,772
	1977–78	84,500	3,08,885	4,01,293	7,10,178	3,655	4,749	5,049
पाण्डिचेरी और माहे(से०प्र०)	1976–77	16,850	63,583	2,32,888	2,96,471	3,773	13,821	2,654
	1977–78	17,450	63,215	2,78,785	3,42,000	3,623	15,976	2,489
पंजाब (से० प्र०)	1976–77	12,800	93,695	84,685	1,78,380	7,320	6,616	4,348
	1977–78@	7,900	1,05,631	1,28,438	2,34,069	13,371	16,258	4,003
पंजाब (पे० प्र०)	1976–77	30,800	1,61,453	1,40,789	3,02,242	5,242	4,571	3,547
	1977–78	31,000	1,72,358	1,10,038	2,82,396	5,560	3,550	2,717
राजस्थान (से० प्र०)	1976–77	1,15,750	5,21,137	9,28,253	14,49,390	4,464	7,951	793
	1977–78	1,25,000	5,91,734	11,00,617	16,92,351	4,734	8,806	791
तमिलनाडु (से० प्र०)	1976–77	3,97,650	16,85,393	51,63,783	68,49,176	4,238	12,986	18,982
	1977–78	4,44,500	16,79,532	55,47,098	72,26,630	3,778	12,479	21,799
तमिलनाडु (पे०प्र०)	1976–77	5,650	35,474	76,741	1,12,215	6,279	13,582	1,764
	1977–78	5,800	33,186	90,843	1,24,029	5,722	15,663	1,617
उत्तर प्रदेश (से० प्र)	1976–77	4,76,000	9,68,652	17,17,809	26,86,461	2,035	3,609	75,033
	1977–78	4,76,500	10,02,933	15,92,660	25,95,593	2,105	3,342	34,379
पश्चिमी बंगाल (पे०प्र०)	1976–77	6,31,400	24,51,198	12,92,481	37,43,679	3,882	2,047	23,316
	1977–78	6,02,150	22,59,488	11,88,331	34,47,819	3,752	1,973	23,463
अखिल भारत	1976–77	45,40,800*	160,14,074	311,31,247	471,45,321	3527*	6,856*	2,95,759
	1977–78	55,91,450	161,63,504	317,11,228	478,74,732	3520	6,907	1,93,655

(से० प्र०)—सेवा प्रणाली।

(पे०प्र०)—पैमाना प्रणाली।

@इन महीनों के आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं। धारित औसत ली गई है।

*संशोधित आंकड़े।

परिशिष्ट 14

1976-77 तथा 1977-78 में अस्वस्थता की घटनाएं यानी प्रति 1000 बीमाकृत व्यक्तियों और 1000 परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों के लिए मामलों की संख्या समस्त भारत

कारण रोग ग्रुप संख्या	बीमाकृत व्यक्ति		परिवार	
	1976–77	1977–78	1976–77	1977–78
1 2	3	4	5	6
1. श्वसन प्रणाली का क्षय रोग	15.9	14.8	10.0	11.2
2. अन्य प्रकार के क्षय रोग	4.4	4.6	4.4	5.0
3. सिफिलिस और उसके अनुगम	3.0	2.4	1.3	1.0
4. मोनोकोकल संक्रमण	5.2	5.5	4.0	2.8
5. सभी प्रकार की पेचिस	265.0	232.1	229.5	216.4
6. हैजा, अन्त्र ज्वर, आन्त्रपथ में होने वाले अन्य संक्रामक रोग	17.6	20.8	23.1	24.5
7. स्कारलेट ज्वर, डिप्थीरिया, कुकर-खांसी, खसरा, कनपेड़, छोटी माता	10.4	8.2	30.1	23.6
8. टाइफस और अन्य रिकेट्सिया रोग	0.5	0.3	1.2	0.4
9. मलेरिया	33.0	35.8	38.5	41.4
10. फाइलेरिया रोग, अंकुशकृमि रोग और अन्य कृमि	61.8	57.4	98.9	96.7
11. संक्रामक और परजीवी वर्ग के अन्य सभी रोग	52.9	36.9	68.0	68.3
12. दुर्दम अर्बुद सभी साईट	0.4	0.4	0.7	0.3
13. सुवाम्य अर्बुद सभी साईट	0.7	1.3	1.0	0.6
14. एलर्जिक विकार	101.5	111.0	115.5	115.3
15. अवटु ग्रंथि के रोग	1.5	1.2	2.7	1.5
16. मधुमेह मेलीटस	5.1	66.0	6.4	5.4
17. अविटामिनता व अन्य कमियों का स्थिति	129.3	127.9	140.2	141.7
18. अरक्तता	92.4	88.8	113.4	117.8
19. विक्षिप्ति और मनोविक्षिप्ति	2.7	2.1	3.4	3.1
20. रक्तपर विक्षिप्ति सी०एन०एस०	0.8	0.7	1.4	1.0
21. नेत्र रोग	95.1	91.9	112.9	111.6
22. कान और मोसटाइट प्रक्रिया के रोग	51.9	51.9	72.5	75.8
23. रूमेटी ज्वर	7.5	6.3	8.1	4.6
24. जीर्ण रूमेटी हृदय रोग	0.6	0.9	0.7	0.9
25. धमनी काठिन्यज व व्यपजनक हृदय रोग	0.6	0.5	0.8	0.3
26. अतितभाव रोग	0.4	7.8	7.1	9.2
27. शिराओं के रोग	7.2	8.4	6.6	6.9
28. तीव्र नेजोफेरिनजाइटिस (सामान्य नजला)	6.1	282.3	307.8	309.6
29. तीव्र ग्रसनीशोथ और टान्सिलशोथ	5.8	84.2	110.6	106.5
30. इन्फ्लुएंजा	5.7	154.4	148.8	150.7
31. निमोनिया	8.1	7.5	9.0	7.8
32. श्वसनी शोथ	6.7	242.8	257.5	256.3
33. किताभयता और व्यावसायिक फुसफुसी तन्तुमयता	0.0	0.2	0.3	0.0
34. अन्य श्वसन रोग	9.9	72.1	86.7	87.3
35. आमाशय तथा पक्वाशय के रोग	4.0	128.2	116.9	128.4
36. उंडुक पुच्छशोथ	2.0	3.3	2.0	1.2
37. उदरीय गुहिका हर्निया	2.3	2.2	1.7	1.4
38. प्रवाहिका और अन्त्रशोथ	5.8	175.2	221.5	221.3
39. पित्ताशय और पित्तवाहिनी के रोग	2.8	3.9	3.0	2.2
40. पाचन तन्त्र के अन्य रोग	8.5	143.8	145.4	150.8
41. वृक्कशोथ और अपवृक्कता	2.8	3.5	2.7	1.9
42. जननांगों के रोग	9.8	16.3	33.9	33.9
43. प्रसव, गर्भ धारण की जटिलताएं, शिशु जन्म और प्रसवोत्तर काल	8.8*	31.9*	13.3	11.1

1	2	3	4	5	6
44.	फुन्सी, फोड़े, संयोजक प्रतिशोथ और अन्य त्वचा संक्रमण	4.3	199.3	231.6	215.4
45.	त्वचा के अन्य रोग	3.2	102.5	108.3	120.1
46	धमनीशोथ और आमवात	0.9	142.9	123.9	116.1
47.	हड्डियों और संचालन के अन्य अंगों के रोग	11.1	10.5	6.2	7.4
48.	जन्मजात कुरचना और शिशुकाल में होने वाली बीमारियां	8.6	0.7	0.9	0.6
49.	अन्य विशिष्ट और अपरिभाषित रोग	80.3	283.6	295.7	311.0
50.	दुर्घटनाएं, विष देना और हिंसा	21.6	210.2	191.2	187.5
51.	अन्य विधि ग्रुप	4.9	3.5	4.7	3.7
	नए मामलों की कुल संख्या	96.5	3221.4	3526.7	3520.3

*प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मधारी ।

@संशोधित आंकड़े ।

परिशिष्ट 15

1977-78 वर्ष के दौरान चिकित्सा हितलाभ पर किया गया अनुमानित व्यय

क्रम सं०	राज्य का नाम	जोखिम ग्रस्त माने गये कर्मचारियों की संख्या	राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया चिकित्सा हितलाभ पर कुल अनुमानित व्यय		प्रतिव्यक्ति लागत	
			रु०	पैसे	रु०	पैसे
1	2	3	4		5	
1.	आन्ध्र प्रदेश	2,28,500	2,92,39,480.34		127.96	
2.	असम	26,000	24,15,459.99		92.90	
3.	बिहार	1,18,500	93,15,538.82		78.61	
4.	चण्डीगढ़ प्रशासन	10,000	12,37,081.60		123.71	
5.	दिल्ली	2,20,000	2,53,92,680.46		115.42	
6.	गोआ	12,250	13,28,853.20		108.48	
7.	गुजरात	5,05,000	5,54,66,390.00		109.83	
8.	हरियाणा	1,69,000	1,55,96,700.00*		92.29	
9.	हिमाचल प्रदेश	600	68,397.50		113.99	
10.	कर्नाटक	2,71,000	3,23,05,400.85		119.21	
11.	केरल	2,79,600	3,28,75,959.00		117.58	
12.	मध्य प्रदेश	1,62,500	1,42,49,737.05		87.69	
13.	महाराष्ट्र	13,03,000	15,72,15,095.47		120.66	
14.	उड़ीसा	79,750	62,24,704.00		78.05	
15.	पांडिचेरी	15,900	12,51,310.88		78.70	
16.	पंजाब	1,57,500	99,85,034.18		63.40	
17.	राजस्थान	1,10,000	1,25,21,076.00		113.83	

1	2	3	4	5
18.	तमिलनाडु	4,45,000	6,38,66,206.20	143.52
19.	उत्तर प्रदेश	4,42,500	3,37,49,661.63	76.27
20.	पश्चिमी बंगाल	9,65,000	9,59,63,600.00	99.44
	जोड़	55,21,600	60,02,68,367.17	108.72

*अनन्तिम

परिशिष्ट

राज्य	अवधि	बीमारी/विस्तारित बीमारी हितलाभ के लिए जोखिमग्रस्त माने गए कर्मचारियों की संख्या	1976-77 तथा 1977-78 में बीमारी नकद हितलाभ अदायगियों की कुल संख्या	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नकद हितलाभ अदायगियों की औसत संख्या
1	2	3	4	5
आन्ध्र प्रदेश	1976-77	1,93,250	3,29,656	1.7
	1977-78	2,18,900	3,93,763	1.8
असम	1976-77	23,150	29,443	1.3
	1977-78	25,700	38,278	1.5
बिहार	1976-77	90,000	1,22,766	1.4
	1977-78	1,10,350	1,53,294	1.4
चन्डीगढ़	1976-77	7,850	2,250	0.3
	1977-78	9,450	2,669	0.3
दिल्ली	1976-77	1,68,450	1,02,338	0.6
	1977-78	2,05,450	1,26,596	0.6
गुजरात	1976-77	4,85,100	5,17,693	1.1
	1977-78	5,12,950	5,91,486	1.2
हरियाणा	1976-77	1,43,300	67,566	0.5
	1977-78	1,64,450	79,543	0.5
हिमाचल प्रदेश	1976-77	—	—	—
	1977-78	50	—	—
कर्नाटक	1976-77	2,56,350	3,03,930	1.2
	1977-78	2,66,500	5,09,002	1.9
केरल और माही	1976-77	2,32,150	3,91,953	1.7
	1977-78	2,55,200	5,36,775	2.1
मध्य प्रदेश	1976-77	1,34,600	2,68,384	2.0
	1977-78	1,51,100	2,98,825	2.0
महाराष्ट्र	1976-77	11,92,250	12,99,728	1.1
	1977-78	12,96,950	17,45,644	1.3
उड़ीसा	1976-77	62,200	50,641	0.8
	1977-78	73,100	70,957	1.0
पांडिचेरी	1976-77	14,250	21,298	1.5
	1977-78	14,850	27,803	1.9
पंजाब	1976-77	1,36,850	52,568	0.4
	1977-78	1,59,450	60,549	0.4
राजस्थान	1976-77	1,00,400	1,00,372	1.0
	1977-78	1,08,900	1,12,288	1.0
तमिलनाडु	1976-77	3,76,700	6,18,762	1.6
	1977-78	4,30,000	8,37,701	1.9
उत्तर प्रदेश	1976-77	4,34,100	2,91,511	0.7
	1977-78	4,50,000	3,52,082	0.8
पश्चिम बंगाल	1976-77	8,94,850	12,04,920	1.3
	1977-78	9,49,550	12,45,748	1.3
जोड़	1976-77	49,45,800	57,75,679	1.2
	1977-78	54,02,900	71,83,003	1.3

16

तथा प्रसूति हितलाभ दावों की घटनाएं—राज्यवार

बीमारी हितलाभ			विस्तारित बीमारी हितलाभ		प्रसूति हितलाभ	
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नई अदायगियों की दर	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी बीमारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या	औसत दैनिक दर	प्रति वर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नए मामलों की दर	प्रति समाप्त मामला औसत अवधि	प्रति 1000 बीमाकृत महिला कर्मचारी भाने गए प्रसव की दर	प्रति प्रसव औसत राशि
6	7	8	9	10	11	12
1.16	6.7	6.11	3.4	180.9	62.0	804
1.24	7.1	6.64	2.9	200.0	74.6	741
0.76	4.9	4.99	8.3	176.7	81.9	590
1.14	6.0	5.57	2.8	206.7	77.5	642
0.71	7.9	6.69	3.4	255.3	21.9	725
0.74	8.9	7.29	2.8	296.9	19.5	678
0.14	1.5	7.58	0.4	—	35.6	837
0.14	1.9	8.28	0.8	350.0	36.8	1,145
0.27	3.1	8.39	3.1	224.5	20.2	831
0.31	3.6	8.17	3.9	256.3	25.3	1,058
0.53	5.5	6.48	4.8	157.8	54.0	556
0.58	4.9	8.38	4.5	206.8	47.8	552
0.24	2.3	6.34	2.6	163.7	16.1	628
0.28	2.7	6.83	1.7	195.6	17.4	839
—	—	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—
0.88	4.4	7.79	1.9	176.1	85.4	777
1.48	7.8	8.39	2.4	198.4	93.0	949
0.99	5.0	5.81	3.1	151.1	108.2	556
1.30	6.6	6.64	3.0	204.8	86.1	668
1.02	10.03	7.80	8.3	17.5	47.7	469
1.08	12.9	7.23	5.8	22.5	30.3	603
0.66	4.2	8.97	5.8	16.6	32.3	1,207
0.89	5.8	9.67	5.2	173.9	31.9	1,520
0.42	3.8	6.69	3.2	210.8	47.6	621
0.55	5.4	7.00	2.3	258.1	25.8	794
1.04	5.1	8.79	3.2	200.0	44.8	1,488
1.40	6.9	8.47	2.3	216.7	66.0	696
0.21	1.6	5.30	1.3	141.9	18.2	483
0.22	1.8	5.82	0.8	168.3	14.1	575
0.49	3.3	7.45	7.2	159.0	28.0	674
0.59	4.2	7.37	5.8	191.9	33.1	549
1.28	5.8	9.70	2.3	135.4	28.5	763
1.53	6.9	9.35	2.9	159.7	33.7	816
0.45	4.9	6.68	3.2	233.3	20.8	717
0.55	6.4	7.30	3.8	250.7	19.3	858
0.85	5.6	7.63	8.0	225.9	44.9	609
0.84	6.3	8.40	6.4	233.3	33.7	830
0.72	5.0	7.66	4.8	179.2	56.5	701
0.87	6.0	8.31	4.3	203.6	51.0	843

परिशिष्ट

1976-77 तथा 1977-78 में स्वीकृत अपंगता

राज्य	अवधि	जोखिमग्रस्त माने गये कर्मचारियों की संख्या	अस्थायी अपंगता हितलाभ		
			प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी नए मामलों की दर	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी अ. अपंगता हितलाभ दिनों की संख्या	अस्थायी अपंगता हितलाभ की औसत दैनिक दर
1	2	3	4	5	6
आन्ध्र प्रदेश	1976-77	2,15,750	0.05	0.65	6.80
	1977-78	2,28,500	0.05	0.63	7.24
असम	1976-77	25,500	0.04	0.84	5.22
	1977-78	26,000	0.04	1.05	6.19
बिहार	1976-77	1,05,000	0.03	0.70	7.01
	1977-78	1,18,500	0.02	0.69	8.73
चंडीगढ़	1976-77	9,000	0.01	0.56	7.32
	1977-78	10,000	0.02	8.49	8.50
दिल्ली	1976-77	1,97,500	0.04	0.71	8.86
	1977-78	2,20,000	0.04	0.82	8.61
गुजरात	1976-77	5,12,300	0.12	1.41	10.12
	1977-78	5,05,000	0.12	1.62	10.26
हरियाणा	1976-77	1,60,250	0.03	0.70	6.12
	1977-78	1,69,000	0.04	0.71	7.44
हिमाचल प्रदेश	1976-77	—	—	—	—
	1977-78	600	0 03	0.23	14.39
कर्नाटक	1976-77	2,67,500	0.07	0.69	8.27
	1977-78	2,71,000	0.07	0.73	8.47
केरल और माही	1976-77	2,52,500	0.06	0.67	8.73
	1977-78	2,80,500	0.06	0.69	9.21
मध्य प्रदेश	1976-77	1,47,250	0.16	2.39	8.97
	1977-78	1,62,500	0.17	2.60	9.62
महाराष्ट्र	1976-77	12,83,250	0.05	0.64	10.46
	1977-78	13,15,250	0.06	0.72	10.86
उड़ीसा	1976-77	70,750	0.03	0.56	6.60
	1977-78	79,750	0.04	0.61	7.12
पांडिचेरी	1976-77	14,750	0.13	1.19	10.48
	1977-78	15,000	0.11	1.02	9.56
पंजाब	1976-77	1,56,000	0.02	0.48	5.83
	1977-78	1,57,500	0.03	0.37	6.11
राजस्थान	1976-77	1,08,000	0.06	0.71	8.32
	1977-78	1,10,000	0.07	0.77	8.22
तमिलनाडु	1976-77	4,15,000	0.09	0.66	10.00
	1977-78	4,45,000	0.08	0.69	9.87
उत्तर प्रदेश	1976-77	4,47,500	0.04	0 85	7.95
	1977-78	4,42,500	0.04	0.81	7.80
प० बंगाल	1976-77	9,37,500	0.11	1.35	8.72
	1977-78	9,65,000	0.10	1.35	9.24
जोड़	1976-77	53,25,000	0.07	0.91	9.02
	1977-78	55,21,600	0.07	0.97	9.39

17

और आश्रितजन हितलाभ दावे राज्य-वार

	स्थायी अपंगता हितलाभ		आश्रित जनहितलाभ		
स्वीकृत नए मामलों की संख्या	प्रति वर्ष प्रति 1000 कर्मचारी नए मामलों की दर	एक मुश्त के लिए सान्त्वित मामलों की संख्या	वर्ष के अंत में लाभाधिकारियों की संख्या	मृत्यु के स्वीकृत मामलों की संख्या	वर्ष के अंत में लाभाधिकारियों की संख्या
7	8	9	10	11	12
390 1 से०	1.81	343	425	16	611
618 2 से०	2.71	393	490	19	668
58	2.77	51	137	1	82
115 1 से०	4.46	91	135	4	92
168	1.60	102	460	15	291
114	0.96	90	409	10	314
13	1.44	2	16	5	21
8	0.80	5	16	1	24
645 43 से०	3.48	687	965	16	496
1056 21 से०	4.90	852	936	27	563
1679 178 से०	3.62	665	1,733	68	1,419
1614 180 से०	3.55	1000	2,369	48	1,471
477	2.98	351	680	17	457
464	2.74	361	776	12	471
--	—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—
378	1.42	293	757	21	618
494	1.82	322	737	33	686
474	1.88	278	552	29	603
605	2.16	403	689	25	637
397	2.70	207	406	20	523
298	1.83	141	500	22	545
3213	2.65	2483	12955	110	3549
3730 169 से०	2.96	2557	11266	71	3730
73 2 से०	1.06	57	287	7	181
66 2 से०	0.85	34	194	2	180
14	0.95	9	18	—	5
11	0.73	6	22	1	6
393	2.52	260	663	13	416
461	2.93	254	787	28	496
259	2.40	159	424	6	442
287	2.61	165	358	6	458
7519 से	1.83	609	974	34	803
587 11 से	1.34	471	1130	16	891
322	0.72	302	914	43	1218
445	1.01	237	844	16	1268
2546	2.72	1496	15809	50	2046
1922	1.99	1240	15343	72	2232
12,250 419 से	2.38	8,354	38,175	469	13,781
12,895 386 से	2.41	8,701	37,001	413	14,732

परिशिष्ट 18

1976-77 तथा 1977-78 में स्वीकृत स्थायी अपंगता हितलाभ दावों की घटना-उद्योगवार

उद्योग	अवधि	जोखिमग्रस्त कर्मचारियों की अनुमानित संख्या	दुर्घटनाओं के मामलों की संख्या	प्रतिवर्ष प्रति 1000 कर्मचारी स्थायी अपंगता हितलाभ मामलों की दर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
खाद्य पेय एवं तम्बाकू	1976-77	3,46,798	286	0.82
	1977-78	3,63,550	294	0.81
वस्त्र	1976-77	19,29,995	6,798	3.52
	1977-78	18,60,700	7,309	3.93
चमड़ा तथा रबड़	1976-77	1,33,617	210	1.57
	1977-78	1,45,050	239	1.65
रसायन तथा रसायनिक उत्पाद	1976-77	3,21,633	450	1.40
	1977-78	3,28,950	469	1.43
अधात्विक खनिज	1976-77	2,30,847	404	1.75
	1977-78	2,15,600	403	1.67
धात्विक खनिज	1976-77	4,52,484	1,295	2.86
	1977-78	4,41,400	1,234	2.80
इंजीनियरिंग	1976-77	7,94,599	1,664	2.09
	1977-78	10,15,850	1,721	1.69
परिवहन	1976-77	3,68,782	701	1.90
	1977-78	3,76,950	645	1.71
कागज तथा मुद्रण	1976-77	2,32,006	333	1.44
	1977-78	2,29,250	360	1.57
विविध	1976-77	3,81,472	525	1.38
	1977-78	3,86,050	602	1.56
वाणिज्यिक स्थापनाएं	1976-77	75,109	3	0.04
	1977-78	88,650	3	0.03
होटल तथा रेस्टोरेंट	1976-77	39,875	—	—
	1977-78	49,700	2	0.04

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सिनेमा तथा थियेटर	1976-77	17,752	—	—
	1977-78	19,900	—	—
जोड़	1976-77	53,25,000	12,669	2.36
	1977-78	55,21,600	13,281	2.41

परिशिष्ट

1977-78 वर्ष में दायर किये गये कानूनी मामलों

क्रम सं०	क्षेत्र का नाम	निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत दायर किये गये मामले						
		धारा 66		धारा 67		धारा 73 घ		धारा 75(2) 45(क)
		मामले	राशि	मामले	राशि	मामले	राशि (रुपये)	मामले
1.	आन्ध्र प्रदेश	—	—	—	—	11	222	604
2	असम	—	—	—	—	—	—	49
3.	बिहार	—	—	—	—	10	3,73,603	72
4.	दिल्ली	—	—	—	—	4	28,605	204
5.	गुजरात	—	—	—	—	78	1,29,984	128
6.	कर्नाटक	—	—	—	—	7	1,05,537	283
7.	केरल	—	—	—	—	6	11,953	806
8.	मध्य प्रदेश	—	—	—	—	40	1,27,551	209
9.	महाराष्ट्र	—	—	—	—	100	7,88,195	288
10.	नागपुर	—	—	—	—	1	1,899	5
11.	पूना	—	—	—	—	64	2,13,715	187
12.	उड़ीसा	—	—	—	—	3	7,712	35
13.	पंजाब	—	—	—	—	14	3,33,765	679
14.	राजस्थान	—	—	—	—	—	—	196
15.	तमिलनाडु	—	—	—	—	32	1,16,435	13
16.	उत्तर प्रदेश	—	—	—	—	—	—	138
17.	पश्चिमी बंगाल	—	—	—	—	92	3,84,175	224
	जोड़	—	—	—	—	462	28,45,828	4,120

19

की संख्या तथा सम्बद्ध राशि क्षेत्रवार

	निम्नलिखित धाराओं के अन्तर्गत		कानूनी कार्रवाई द्वारा वसूल की गई राशि		धारा 85 के अन्तर्गत दायर किए गए मामलों की संख्या
धारा 75-(2) 45ख	धारा 66	धारा 67	धारा 73घ	धारा 75(2)	
रुपए	रुपये	रुपये	रुपये	45ख रुपये	
32,61,178	2000	—	4572	3,67,803	14
1,86,183	—	—	—	31,139	1
23,39,736	—	—	127639	1,60,040	27
13,49,547	—	—	1435	4,24,196	27
10,98,163	—	—	46643	80,960	184
38,63,549	—	—	—	31,593	12
32,92,984	—	—	55730	12,14,905	20
31,15,619	32504	14500	26244	2,29,905	40
59,73,607	5010	—	169137	3,58,633	229
1,04,172	—	—	1899	13,895	48
26,88,759	—	—	1009	32,491	136
3,37,260	—	—	32155	4,52,617	51
64,73,781	—	107213	1469991	—	97
13,98,955	—	—	—	60,729	21
3,500	—	—	86,753	3,500	31
41,40,081	—	—	165070	45,89,982	27
12,25,939	—	—	1072493	41,838	130
408,53,013	39,514	121713	3260770	80,94,226	1,095

परिशिष्ट

कर्मचारी राज्य

31 मार्च, 1978 को

पिछला वर्ष (1976-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
	1. **बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ**		
	(क) **चिकित्सा हितलाभ**		
33,99,42,691	1. चिकित्सा उपचार तथा प्रसूति सुविधाएं आदि की व्यवस्था पर होने वाले खर्च में निगम के शेयर के रूप में राज्य सरकारों आदि को अदागियां	44,46,64,850	
	घटाएं— राज्य सरकारों को वर्ष के दौरान चिकित्सा देखरेख की बाबत ऐसी अदायगियां जो पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में अंतरित की गई		
33,99,42,691			
2,42,93,657	2. चिकित्सा उपचार व देखरेख तथा प्रसूति सुविधाएं (निगम द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया गया व्यय)	2,64,08,246	
36,42,36,348	जोड़—क—**चिकित्सा हितलाभ**		47,10,73,096
	(ख) **नकद हितलाभ**		
18,85,54,244	1. बीमारी हितलाभ	27,09,36,456	
2,38,02,242	2. विस्तारित बीमारी हितलाभ	2,62,66,978	
41,98,142	3. परिवार नियोजन के लिए वर्धित बीमारी हितलाभ	6,54,211	
1,51,31,634	4. प्रसूति हितलाभ	1,73,39,538	
	5. अपंगता हितलाभ		
4,39,29,068	(क) अस्थायी	5,01,33,495	
5,20,26,000	(ख) स्थायी (पूंजीकृत मूल्य)	*1,48,69,252	
1,47,11,000	6. आश्रितजन हितलाभ (पूंजीकृत मूल्य)	#1,67,90,647	
9,13,803	7. अन्त्येष्टि हितलाभ	9,52,449	
34,32,66,433	जोड़ (ख) **नकद हितलाभ**		39,79,43,077
	टिप्पणी—1977-78 के लिए धन व्यवस्था	5,20,93,000	
	*जोड़ें—स्थायी अपंगता हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण एक बार अतिरिक्त लागत	1,76,00,000	
	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	6,96,93,000	
	मूल्यांकक की पंचवार्षिक रिपोर्ट के अनुसार घटाएं/अधिशेष	(—) 5,48,23,748	
	निवल :	1,48,69,252	
	"इसमें अस्पतालों के लिए प्रारम्भिक उपस्कर पर हुए व्यय का निगम का शेयर शामिल है।"		
	(ख) वर्ष में की गई धन व्यवस्था	1,26,25,000	
	जोड़ें—अपंगता हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण एक समय की लागत	1,04,00,000	
	जोड़ :	2,30,25,000	
	घटाएं—पांचवीं पंचवर्षीय रिपोर्ट के अनुसार मूल्यांकक द्वारा घोषित अतिशेष	(—) 62,34,353	
	निवल :	1,67,90,647	
	(ग) **अन्य हितलाभ**		
52,962	(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर व्यय	49,849	
3,02,065	(ख) चिकित्सा मंडल तथा अपील अधिकरण	3,50,931	
	(ग) बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगियां :		
2,28,860	1. सवारी खर्च तथा/या मजदूरी की हानि	2,89,537	
—	2. परिवार नियोजन के अन्तर्गत प्रशासनिक व्यय	67,980	
—	(घ) सहायता अनुदान	—	
4,50,148	(ङ) विविध	5,82,252	
10,34,035	जोड़ (ग) अन्य हितलाभ		13,40,549
70,85,36,816	बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को कुल हितलाभ		87,03,56,722
70,85,36,816	आगे ले जाया गया जोड़		

20

बीमा निगम

समाप्त वर्ष का आय-व्यय लेखा

पिछला वर्ष (1976-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
	1. अंशदान		
1,23,61,94,824	नियोजकों तथा कर्मचारियों का शेयर	1,31,11,81,105	
93,97,151	केवल नियोजकों का शेयर	25,97,022	
1,07,22,754	केवल कर्मचारियों का शेयर	48,90,539	
1,78,865	अंशदानों पर ब्याज	5,97,322	
1,25,64,93,594	कुल अंशदान		1,31,92,65,988
14,12,271	निगम द्वारा चिकित्सा हितलाभ पर प्रारंभ में किए गये व्यय में राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर	39,77,000	
14,12,271			39,77,000
	सहायता अनुदान अन्य राजस्व शीर्ष		
7,29,00,062	ब्याज तथा लाभांश	8,00,73,589	
48,29,360	क्षतिपूर्ति	25,88,748	
	किराया वसूल तथा कर		
9,38,934	1. निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	6,57,269	
2,80,08,041	2. अस्पताल, डिस्पेंसरियां तथा स्टाफ क्वार्टर	3,48,62,153	
5,11,904	शुल्क, जुर्माना तथा समपहरण	26,18,074	
18,25,238	विविध	14,05,209	
10,90,13,539	अन्य राजस्व शीर्षों का जोड़		12,22,05,042
1,36,69,19,404	आगे ले जाया गया जोड़		1,44,54,48,030

पिछला वर्ष (1978-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
70,85,36,816	पीछे से लाया गया जोड़		87,03,56,722
	2. प्रशासन व्यय		
	(क) अधीक्षण		
58,431	1. निगम, स्थायी समिति, क्षेत्रीय मंडल आदि	53,382	
2,32,934	2. प्रधान अधिकारी	2,35,188	
52,62,199	3. अन्य अधिकारी	55,36,025	
2,67,43,755	4. लिपिक वर्गीय स्थापना	2,72,91,379	
48,68,564	5. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	46,23,122	
1,02,63,731	6. आकस्मिक व्यय	95,16,932	
4,74,49,664	जोड़ (क) अधीक्षण		4,72,56,028
	(ख) क्षेत्रीय कार्य		
9,82,820	1. अधिकारी	11,88,453	
2,52,94,493	2. लिपिक वर्गीय स्थापना	2,73,31,185	
41,36,460	3. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	42,75,294	
27,05,691	4. आकस्मिक व्यय	30,72,174	
3,31,19,464	जोड़ (ख) क्षेत्रीय कार्य		3,58,67,106
	(ग) अन्य खर्चे		
89,369	1. अतिरिक्त मंहगाई भत्ता जमा पर ब्याज		
3,22,181	2. कानूनी खर्चे	4,04,612	
34,880	3. बीमा न्यायालय	45,170	
72,575	4. प्रचार तथा विज्ञापन खर्चे	63,055	
2,77,254	5. बैंक लेखे रखने के लिए खर्चे	9,79,849	
1,98,890	6. लेखा परीक्षा फीस	20,75,87	
84,722	7. छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	93,310	
2,93,939	8. कार्यालय भवन/स्टाफ कार का मूल्य ह्रास	3,01,400	
7,45,328	9. कार्यालय भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण	7,50,325	
	10. सेवा निवृत्ति हितलाभ		
49,64,352*	(क) निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि	59,84,424**	
78,91,05,944	आगे ले जाया गया जोड़		95,34,79,856

*इसमें 5,93,992 रुपये की राशि शामिल नहीं है जो निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली के कार्यालय के कर्मचारियों की पेंशन देयताओं से संबंधित है, और 'क' (ii) चिकित्सा हितलाभ के अन्तर्गत शामिल की गई है क्योंकि यह राशि दिल्ली प्रशासन के साथ व्यय में शेयर की जानी है ।

पिछला वर्ष (1976-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,36,69,19,404	पीछे से लाया गया जोड़		1,44,54,48,030
1,36,69,19,404	आगे ले जाया गया जोड़		1,44,54,48,030

पिछला वर्ष (1976-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
78,91,05,944	पीछे से लाया गया जोड़		95,34,79,856
2,55,688	(ख) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में निगम का अंशदान	2,62,181	
24,36,225	(ग) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में दिया गया ब्याज	29,39,240	
1,09,535	(घ) प्रोत्साहन बोनस	1,64,098	
—	(ङ) निवेशों की वसूली पर हानि	*—	
(—) 28,16,778	(च) घटाएं—भविष्य निधि अतिशेषों के निवेश पर प्राप्त ब्याज	@—	
29,434	11. अनुकंपा आरक्षित निधि	31,000	
64,640	12. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि	1,00,000	
—	13. हानियां	8,000	
14,556	14. विविध	83,055	
71,76,790	जोड़ (ग) अन्य खर्चे		1,24,17,306
8,77,45,918	जोड़ शीर्ष—2—प्रशासन व्यय		9,55,40,440
	3. **चिकित्सा और औषधालय**		
26,30,818	1. चिकित्सालय भवनों का मूल्य ह्रास	31,53,779	
76,88,115	2. चिकित्सालय/औषधालय की मरम्मत तथा अनुरक्षण	91,00,566	
1,03,18,933	जोड़—शीर्ष—3 चिकित्सालय तथा औषधालय		1,22,54,345
	4. पूंजीगत निर्माण/आपात आरक्षित निधि		
12,56,46,360	1. पूंजीगत निर्माण	13,19,26,600	
8,69,33,675	2. आपात आरक्षित निधि	6,70,73,985	
21,25,83,035	जोड़ शीर्ष 4—पूंजीगत निर्माण/ आपात आरक्षित निधि		19,90,00,585
1,01,91,84,702	राजस्व लेखों पर कुल व्यय		1,17,71,52,092
34,77,34,702	व्यय से अधिक आय को तुलन पत्र में ले जाना		26,82,95,938
1,36,69,19,404	कुल जोड़		1,44,54,88,030

**इसमें 5,82,390/- रुपये की राशि शामिल नहीं है जो निदेशक (चिकित्सा) दिल्ली के कार्यालय के कर्मचारियों की पेंशन देयताओं से संबंधित है और 'क' (ii) चिकित्सा हितलाभ के अन्तर्गत शामिल की गई है क्योंकि यह राशि दिल्ली प्रशासन के साथ व्यय में शेयर की जानी है ।

(क) "इसमें अंशदान टिकटों की बिक्री पर बैंक द्वारा लिया गया कमीशन शामिल है जो पहले "2 (क) अधीक्षण-फुटकर खर्च (ग) अंशदान (ii) विक्रय और वितरण खर्चे के अन्तर्गत लेखागत किया गया था ।"

@भविष्य निधि अकायों के निवेश पर प्राप्त ब्याज "ब्याज और लाभांश" उपशीर्ष के अन्तर्गत जमा किया गया है।

नई दिल्ली;
दिनांक, 31 मई, 1978

पिछला वर्ष (1976-77)	लेखा शीर्ष	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,36,69,19,404	पीछे से लाया गया जोड़		1,44,54,48,030
1,36,69,19,404	कुल जोड़		1,44,54,48,030

(एम० एल० सोधती)

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

परिशिष्ट

कर्मचारी राज्य

31 मार्च, 1978 की

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
	व्यय से अधिक आय का अतिशेष		
74,75,21,794	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,09,52,56,496	
34,77,34,702	वर्ष के दौरान संचयन	26,82,95,938	
1,09,52,56,496			
	घटाएं—पिछले वर्ष के संचयन		
—	में आपात आरक्षित निधि में अंतरित राशि	—	
1,09,52,56,496			1,36,35,52,434
	आरक्षित निधियां		
29,76,67,469	1. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि आदि शेष	43,73,52,629	
—	व्यय से अधिक आय के अतिशेष से अंतरित राशि	—	
12,56,49,360	जोड़ें—वर्ष में की गई धन व्यवस्था	13,19,26,600	
1,40,35,800	निवेशों पर प्राप्त ब्याज	1,72,42,307	
43,73,52,629			'क' 58,65,21,536
	2. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि		
15,06,25,925	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	18,51,87,173	
5,20,26,000	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	6,96,93,000 'ख'	
1,30,30,422	निवेशों से प्राप्त ब्याज	95,13,980	
2,27,571	निवेशों की वसूली पर लाभ	—	
—	घटायें—मूल्यांकन पर पांचवीं पंच वर्षीय रिपोर्ट के अनुसार अतिशेष	(—) 5,48,23,748	
21,59,09,918	इस शीर्ष का आगे ले आया गया जोड़	20,95,70,405	
1,53,26,09,125	आगे ले आया गया जोड़		1,95,00,73,970

'क' इस राशि में से 19,18,99,835/- रुपये निर्माण कार्यों के लिए दिए गए हैं । तथा 30,53,29,804/- रुपये का प्रतिभूतियों में निवेश किया गया है बाकी 8,92,91,897/- रुपये के रूप में अंकित परिसम्पत्तियों तथा निर्माण ऐजन्सियों द्वारा वापिस की गई धनराशियों के सूचक हैं ।

'ख' इसमें 1-10-77 से स्थायी अपंगता हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण एक बार अतिरिक्त लागत के रूप में 1,76,00,000 रुपये की राशि शामिल है ।

21

बोमा निगम

स्थिति का तुलनपत्र

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
	भूमि तथा भवन (निगम के पूर्ण स्वामित्व में) (क) निगम कार्यालयों के लिए भवन		
1,59,89,007	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,80,57,416	
20,68,409	वर्ष के दौरान वृद्धि	19,65,477	
1,80,57,416		2,00,22,893	
	(ख) चिकित्सालय तथा औषधालय		
26,17,22,404	@ पिछले तुलनपत्र के अनुसार	29,79,95,923	
3,32,73,519	वर्ष के दौरान वृद्धि	2,52,12,899	
29,79,95,923	@	32,32,08,822	
31,60,53,339	भूमि तथा भवन (निगम तथा राज्य सरकारों के संयुक्त स्वामित्व में) निगम का शेयर		34,32,31,715
	(क) चिकित्सालय तथा औषधालय		
9,26,807	*पिछले तुलन पत्र के अनुसार	9,26,807	
--	वर्ष के दौरान वृद्धि	—	
9,26,807			9,26,807
	इसमें 'चिकित्सालय आदि के लिए उपस्कर" के अन्तर्गत 1975-76 तक के लेखों में बुक किए गए 25,84,885/- रुपये की राशि शामिल है ।		
	*इसमें "चिकित्सालय आदि के लिए उपस्कर" के अन्तर्गत 1975-76 के लेखों तक बुक किए गए 49,680/- रुपये की राशि शामिल है ।		
31,69,80,146	आगे ले जाया गया जोड़ ।		34,41,38,522

@इसमें 1970-71 (बिहार) और 1972-73 (पश्चिमी बंगाल) के दौरान प्रारम्भ में "अस्पताल के लिए उपस्कर" पर विशेष आदेश के अन्तर्गत व्यय की गई 49,542/- रुपये और 25,35,343/- रुपये की राशि शामिल है ।

@"अस्पताल के लिए उपस्कर" पर व्यय(क) चिकित्सा हितलाभ" (1) चिकित्सा उपचार तथा प्रसूति सुविधाएं उपलब्ध करने पर किए गए व्यय के निगम के अपने शेयर के रूप में राज्य सरकार आदि को अदायगी" शीर्ष के अन्तर्गत बुक किया जा रहा है । अस्पताल के लिए प्रारम्भिक उपस्कर पर व्यय का पूंजीकरण निगम के विचाराधीन है ।

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,53,26,09,125	पीछे से लाया गया जोड़		1,95,00,73,970
21,59,09,918	इस शीर्ष का पीछे से लाया गया जोड़	20,95,70,405	
(—) 3,07,22,745	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 3,52,55,174	
18,51,87,173			17,43,15,231
	3. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि		
6,82,35,452	पिछले तुलन पत्र के अनुसार	8,26,77,671	
1,47,11,000	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	@2,30,25,000	
61,97,786	निवेशों से प्राप्त ब्याज	40,59,767	
76,814	निवेशों की वसूली पर लाभ	—	
—	घटाएं—मूल्यांकन पर पांचवीं पंचवर्षीय रिपोर्ट के अनुसार अतिशेष	(—) 62,34,353	
8,92,21,052			
(—) 65,43,381	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 77,41,226	
8,26,77,671			9,57,86,859
	4. कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि :		
3,00,20,126	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,58,92,828	
	जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि		
1,07,76,205	1. कर्मचारियों का अंशदान	99,50,538	
2,55,688	2. निगम का अंशदान	2,62,181	
24,35,059	3. ब्याज (कर्मचारी तथा निगम के शेयर पर)	29,39,240	
(—) 16,15,141	4. महंगाई भत्ता जमा राशि	—	
1,09,448	5. प्रोत्साहन बोनस	1,64,098	
4,19,81,385	इस शीर्ष का आगे ले जाया गया जोड़	4,92,08,885	
1,80,04,73,969	आगे ले जाया गया जोड़		2,22,01,76,060

@इसमें 1-10-77 से अपंगता हितलाभ की दरों में वृद्धि के कारण एक समय अतिरिक्त लागत के रूप में 1,04,00,000/- रु० की राशि शामिल

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
31,69,80,146	पीछे से लाया गया जोड़		34,41,58,522
	उचंत (i) पूंजीगत व्यय के लिए दी गई राशि		
5,12,54,528	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	4,95,54,760	
--	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	--	
(—) 16,99,768	घटाएं—समायोजन तथा वसूलियां	(—) 41,18,685	
4,95,54,760		(क) 4,54,36,075	
	(ii) पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में से दी गई राशि		
10,22,96,581	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	13,41,76,637	
6,73,24,863	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	8,23,26,026	
(—) 3,54,44,807	घटाएं—समायोजन तथा वसूलियां	(—) 2,46,02,828	
13,41,76,637		19,18,99,835	
18,37,31,397			23,73,35,910
	स्टाफ कारें		
5,03,517	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,31,617	
28,100	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	33,579	
5,31,617			5,65,196
50,12,43,160	आगे ले जाया गया जोड़		58,20,59,628

(क) 1970-71 में पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि की स्थापना से पहले सामान्य रोकड़ शेष से दी गई आरंभिक राशि का सूचक है।

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,80,04,73,969	पीछे से लाया गया जोड़		2,22,01,76,060
4,19,81,385	इस उपशीर्ष का पीछे से लाया गया जोड़	4,92,08,885	
(—) 60,77,440	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	@ (—) 79,60,565	
3,59,03,945			
	घटाएं—निम्नलिखित में अंतरित राशि	4,12,48,320	
(—) 11,117	(i) पेंशन आरक्षित निधि	(—) 23,988	
—	(ii) अदायी जमा राशि	—	
3,58,92,828			4,12,24,332
	भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि		
50,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	50,000	
64,640	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	1,00,000	
(—) 64,640	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 74,937	
50,000			75,063
	5. निगम कार्यालयों के भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
21,77,836	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	26,43,052	
2,53,762	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	2,58,732	
2,11,454	निवेशों से प्राप्त ब्याज तथा लाभ	1,72,025	
26,43,052			30,73,809
1,83,90,59,849	आगे ले जाया गया जोड़		2,26,45,49,264

@ 79,60,565 रु० में "अदायी जमा" में अन्तरित 9,330/- रु० की राशि शामिल है।

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
50,12,43,160	पीछे से लाया गया जोड़		58,20,59,628
	निगम के कार्यालय अध्यक्षों को स्थायी पेशगी		
56,656	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	64,061	
7,510	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	14,857	
64,166			
(—) 105	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 152	
64,061			78,766
	निगम के कर्मचारियों को स्थानान्तरण पर वेतन की अग्रिम अदायगी		
27,815	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	28,597	
1,03,151	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	1,24,138	
1,30,966			
(—) 1,02,369	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 1,32,377	
28,597			20,358
	निगम के कर्मचारियों को स्थानान्तरण पर यात्रा भत्ते की अग्रिम अदायगी		
68,981	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	91,683	
1,39,452	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	1,73,663	
2,08,433			
(—) 1,16,750	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 1,86,110	
91,683			79,236
59,14,27,501	आगे ले जाया गया जोड़		58,22,37,988

पिछला वर्ष (1976-77)	वेयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,83,90,59,849	पीछे से लाया गया जोड़		2,26,45,49,264
	6. चिकित्सालयों भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
2,41,44,626	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,91,12,568	
26,30,818	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	31,53,779	
23,37,124	निवेशों से प्राप्त ब्याज	21,96,821	
—	निवेशों की वसूली पर लाभ या हानि	--	
2,91,12,563			3,44,63,168
	7. स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
4,22,960	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,04,613	
40,177	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	42,668	
41,476	निवेशों से प्राप्त ब्याज	48,037	
5,04,613			5,95,318
	8. निगम कार्यालयों के भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
38,93,578	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	48,31,089	
7,45,328	वर्ष में की गई धन-व्यवस्था	7,50,325	
1,99,813	निवेशों से प्राप्त ब्याज	1,05,983	
3,404	निवेशों की वसूली पर लाभ	--	
48,42,123			
(--) 11,034	घटाएं--वर्ष में की गई अदायगियां	(--) 7,45,900	
48,31,089			49,41,497
	9. चिकित्सालय भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
5,20,12,883	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,13,81,189	
76,88,115	वर्ष में की गई धन व्यवस्था	91,00,566	
39,95,626	निवेशों से प्राप्त ब्याज	28,19,239	
115	निवेशों की वसूली पर लाभ	--	
6,36,96,739	इस शीर्ष का आगे ले जाया गया जोड़	7,33,00,994	
1,87,35,08,119	आगे ले जाया गया जोड़		2,30,45,49,247

'ख' इसमें 33,580 रु० की राशि शामिल है जो इस निधि में से खरीदी गई स्टाफ कार की उस लागत की सूचक है जो प्रशासनिक खर्चे के लेखों में बुक की गई थी और जिसे 1978-79 में अपलेखित किया जा रहा है।

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
50,14,27,501	पीछे से लाया गया जोड़		58,22,37,988
	निगम के कर्मचारियों को वाहन खरीदने के लिए पेशगी		
9,41,444	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,78,529	
5,29,471	जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां	7,58,516	
14,70,915			
(—) 5,92,386	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 5,96,201	
8,78,529			10,40,844
	निगम के कर्मचारियों को विविध पेशगियां (त्यौहार पेशगियां)		
2,69,629	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,46,031	
11,17,666	जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां	8,51,071	
13,87,305			
(—) 5,31,274	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 10,27,430	
8,46,031			6,69,674
	गृह निर्माण पेशगी		
46,72,897	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	67,24,154	
26,82,525	जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां	26,22,991	
73,55,422			
(—) 6,31,268	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 9,65,668	
67,24,154			83,81,477
	राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अवायगियां		
14,763	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,643	
6,927	जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां	1,994	
21,690			
(—) 13,047	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां	(—) 9,174	
8,643			1,461
50,98,84,853	आगे ले जाया गया जोड़		59,23,31,144

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,87,35,03,119	पीछे से लाया गया जोड़		2,30,45,49,247
6,36,96,739	इस शीर्ष का पीछे से लाया गया जोड़	7,33,00,994	
(—) 23,15,550	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 19,56,748	
6,13,81,189			7,13,44,246

10. निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि

5,85,15,481	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,09,24,383	
55,58,315	वर्ष में की गई धन-व्यवस्था	57,06,876	
58,22,889	निवेशों से प्राप्त ब्याज	42,93,580	
44,913	निवेशों की वसूली पर लाभ	—	
—	जोड़ें—मूल्यांकन पर पांचवीं पंच वर्षीय आधिक रिपोर्ट के अनुसार अतिरिक्त धन व्यवस्था	8,59,938	
6,99,41,598			
(—) 9,28,332	घटाएं—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 13,27,806	
6,90,13,266			
11,117	जोड़ें—कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि से अंतरित राशि	23,988	
6,90,24,383			7,85,80,959

11. आपात आरक्षित निधि

11,00,16,095	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	20,75,09,770	
8,69,33,675	वर्ष में की गई धन-व्यवस्था	6,70,73,985	
1,05,60,000	निवेशों पर वसूल किया गया ब्याज	87,63,452	
—	घटाएं—आय से अधिक व्यय को पूरा करने के लिए राजस्व लेखों में अंतरित राशि	—	
20,75,09,770			28,33,47,207

2,21,14,23,461	आगे ले जाया गया जोड़	2,73,78,21,659

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
50,98,84,858	पीछे से लाया गया जोड़		59,23,31,444
	अस्पतालों, औषधालयों निगम के कार्यालयों तथा स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत तथा अनुरक्षण की बाबत राज्य सरकार/राज्य लोक निर्माण विभाग आदि को दी गई राशि।		
	(क) निगम के कार्यालय		
16,29,831	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	24,87,105	
8,80,180	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	3,35,194	
25,10,011			
(—) 22,906	घटाएं—वर्ष में की गई वसूलियां/समायोजन	(—) 6,84,370	
24,87,105			21,37,929
	(ख) अस्पताल/औषधालय/अनेक्सियां		
1,14,44,452	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	1,65,92,609	
53,37,220	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	74,47,292	
1,67,81,672			
(—) 1,89,063	घटाएं—वर्ष में प्राप्तियां	(—) 9,03,080	
1,65,92,609			2,31,36,821
	विविध पेशगियां		
17,90,517	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	17,73,656	
11,78,426	जोड़ें—वर्ष में की गई अदायगियां	22,19,743	
29,68,943			
(—) 11,95,287	घटाएं—वर्ष में प्राप्तियां	(—) 19,10,854	
17,73,656			20,82,545
53,07,38,228	आगे ले जाया गया जोड़		61,96,88,739

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
2,21,14,23,461	पीछे से लाया गया जोड़		2,73,78,21,659
	निगम के कर्मचारियों के लिए अनुकंपा आरक्षित निधि ।		
10,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	10,000	
29,434	वर्ष में की गई धन-व्यवस्था	31,000	
39,434			
(—) 29,434	घटायें—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 31,000	
10,000			10,000
	प्रतिभूतियों की जमा राशि		
3,83,840	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,55,615	
2,16,815	जोड़ें—वर्ष में जमा राशि	2,76,355	
6,00,655			
(—) 2,45,040	घटायें—वर्ष में लौटाई गई जमा राशि	(—) 2,46,006	
3,55,615			3,85,964
	अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती		
26,694	पिछले तुलन पत्र के अनुसार	62,581	
10,88,488	जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि	12,49,025	
11,15,182			
(—) 10,52,601	घटायें—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 12,79,851	
62,581			31,755
	कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में अवाली जमा राशि		
6,579	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	41,961	
33,715	जोड़ें—वर्ष में जमा की गई राशि	9,330	
40,294			
(—) 1,667	घटायें—वर्ष में की गई अदायगियां	(—) 585	
41,961			50,706
2,21,18,93,618	आगे ले जाया गया जोड़		2,73,83,00,084

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
53,07,38,228	पीछे से लाया गया जोड़		61,96,88,739
	राज्य सरकारों/अन्य पार्टियों को ऋण		
3,11,25,166	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,92,63,430	
4,56,300	जोड़ें—वर्ष में की गई अवायगियां		
3,15,81,466			
(—) 23,18,036	घटायें—राज्य सरकारों द्वारा लौटाई गई राशि	(—) 19,40,330	
2,92,63,430			2,73,23,100
	प्रेषण		
	नकद प्रेषण		
1,98,999	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 36,95,754	
2,32,96,44,394	जोड़ें—वर्ष में समायोजित डेबिट	2,58,38,85,748	
2,32,98,43,393			
(—) 2,33,35,39,147	घटायें—वर्ष में समायोजित क्रेडिट	(—) 2,57,95,89,575	
(—) 36,95,754			6,00,419
	अन्य प्रेषण		
	विनियम लेखा		
98,646	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	(—) 183	
7,80,83,763	जोड़ें—वर्ष में डेबिट	8,97,66,093	
7,81,82,409			
(—) 7,81,82,592	घटायें—वर्ष में क्रेडिट	(—) 8,97,29,165	
(—) 183			36,745
55,63,05,731	आगे ले जाया गया जोड़		64,76,49,003

पिछला वर्ष (1976-77)		राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
2,21,13,93,618	पीछे से लाया गया जोड़		2,73,83,00,084
	परिवार नियोजन परियोजना के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन से प्राप्त जमा राशि		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	—	
8,00,000	जोड़ें—वर्ष में जमा राशि	5,00,000	
	घटायें—परिवार नियोजन परियोजना		
(—) 8,00,000	को दी गई अग्रायगियां	(—) 5,00,000	—
—	विविध जमा राशि		
17,74,904	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	14,36,216	
90,29,006	जोड़ें—वर्ष में प्राप्त जमा राशि	62,50,102	
1,08,03,910			
	घटायें—वर्ष में लौटाई गई		
(—) 93,67,694	जमा राशि	(—) 48,73,761	
14,36,216			28,12,557
2,21,33,29,834	आगे ले जाया गया जोड़		2,74,11,12,641

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
55,63,05,721	पीछे से लाया गया जोड़		64,76,49,003
	लागत पर निवेश		
	1. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि		
14,03,58,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	21,27,31,000	
7,23,73,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	9,32,43,804	
	घटायें—निवेशों की परिपक्वता या		
—	बिक्री पर वसूली	(—) 6,45,000	
21,27,31,000			30,53,29,804
	2. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण)		
	अर्पणता हितलाभ आरक्षित निधि		
15,06,23,101	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	18,51,86,072	
5,32,96,600	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	2,54,03,752	
20,39,19,701			
	घटायें—निवेशों की परिपक्वता या		
(—) 1,87,33,629	बिक्री पर वसूली	(—) 3,62,74,600	
18,51,86,072			17,43,15,230
	3. आश्रित जन हितलाभ आरक्षित निधि		
6,82,35,292	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	8,26,77,106	
2,91,08,900	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	2,71,15,753	
9,73,44,192			
	घटायें—निवेशों की परिपक्वता		
(—) 1,46,67,086	या बिक्री पर वसूली	(—) 1,40,06,000	
8,26,77,106			9,57,86,859
	4. कर्मचारी राज्य बीमा निगम		
	भविष्य निधि		
2,83,57,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	3,58,88,000	
1,11,64,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	1,19,89,732	
3,95,21,000			
	घटायें—निवेशों की परिपक्वता या		
(—) 36,33,000	बिक्री पर वसूली	(—) 66,53,400	
3,58,88,000			4,12,24,332
1,07,27,87,899	आगे ले जाया गया जोड़		1,26,43,05,228

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
2,21,33,29,834	पीछे से लाया गया जोड़		2,74,11,12,641

2,21,33,29,834	आगे ले जाया गया जोड़	2,74,11,12,641

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,07,27,87,899	पीछे से लाया गया जोड़		1,26,43,05,228
	5 निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि ।		
21,76,509	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	26,41,400	
10,70,400	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	12,13,408	
32,46,909			
(—)6,05,509	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)7,81,000	
26,41,400			30,73,808
	6 चिकित्सालय भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
2,41,42,525	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	2,91,12,525	
1,13,37,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	1,19,88,643	
3,54,79,525			
(—)63,67,000	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)66,38,000	
2,91,12,525			3,44,63,168
	7. स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि		
4,22,735	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	5,02,935	
1,17,700	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	78,803	
5,40,435			
(—)37,500	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)20,000	
5,02,935			5,61,738
1,10,50,44,759	आगे ले जाया गया जोड़		1,30,24,03,942

पिछला वर्ष (1976-77)	वेयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
2,21,33,29,834	पीछे से लाया गया जोड़		2,74,11,12,641

2,21,33,29,834	आगे ले जाया गया जोड़	2,74,11,12,641

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
1,10,50,44,759	पीछे से लाया गया जोड़		1,30,24,03,942
	8. निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
22,63,240	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	23,43,545	
3,08,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	12,96,023	
25,71,240			
(—)2,27,695	घटाएं —निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)8,36,000	
23,43,545			28,03,568
	9. चिकित्सालय भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि		
4,05,62,278	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	4,47,87,593	
65,19,100	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	1,87,40,833	
4,70,81,378			
(—)22,93,785	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)1,53,21,000	
4,47,87,593			4,82,07,426
	10. निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि		
5,85,12,541	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	6,84,29,455	
1,52,79,300	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	4,39,11,504	
7,37,91,841			
(—)53,62,386	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)3,37,60,000	
6,84,29,455			7,83,80,959
	11. भविष्य निधि से जुड़ी बीमा आरक्षित निधि		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	—	
—	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	75,063	
—	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	—	
			75,063
	12. अनुकंपा आरक्षित निधि		
—	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	—	
—	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	9,999	
—	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	—	
			9,999
1,22,06,03,382	आगे ले जाया गया जोड़		1,43,20,80,957

पिछला वर्ष (1976-77)	देयताएं	राशि	जोड़
रुपये		रुपये	रुपये
2,21,33,29,834	पीछे से लाया गया जोड़		2,74,11,12,641
2,21,33,29,834	कुल जोड़		2,74,11,12,641

नई दिल्ली,
दिनांक 31 मई, 1978

पिछला वर्ष (1976-77)	परिसम्पत्तियां	राशि	जोड़
रुपये.		रुपए	रुपए
1,22,06,05,352	पीछे से लाया गया जोड़		1,43,20,80,957
	13. आपात आरक्षित निधि		
11,00,00,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार	20,75,00,000	
11,75,00,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	9,18,47,207	
(—)2,00,00,000	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)1,60,00,000	
20,75,00,000	सामान्य रोकड़ शेष		28,33,47,207
36,83,00,000	पिछले तुलनपत्र के अनुसार निवेश	72,83,10,000	
62,06,60,000	जोड़ें—वर्ष में किए गए निवेश	45,42,21,370	
98,89,60,000			
(—)26,06,50,000	घटाएं—निवेशों की परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(—)22,30,00,000	
72,83,10,000		95,95,31,370	
25,51,026	हाथ रोकड़	26,98,063	
5,43,63,456	बैंकरों के पास रोकड़	6,34,55,044	
5,69,14,482		6,61,53,107	
78,52,24,482	कुल रोकड़ शेष		1,02,56,84,477
2,21,33,29,834	कुल जोड़		2,74,11,12,641

(एम० एल० सोबती)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

परिशिष्ट 22

हितलाभों आदि की अवायगी की तुलना में प्रशासनिक लागत

	1972-73	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78
			(रुपये में)			
1. कुल प्रशासनिक लागत	4,40,34,287	7,34,57,795	6,60,68,976	7,77,62,505	8,77,45,918	9,55,40,440
2. अंशदान						
(i) नियोजकों तथा कर्मचारियों के शेयर	—	20,37,86,214	60,34,74,995	73,15,86,339	1,23,61,94,824	1,31,11,81,105
(ii) केवल नियोजकों का शेयर	39,61,61,207	21,41,95,502	2,16,80,542	1,78,07,427	93,97,151	25,97,022
(iii) केवल कर्मचारियों का शेयर	19,16,27,812	22,76,57,964	1,00,74,058	1,00,09,537	1,07,22,754	48,90,539
(iv) ब्याज	—	—	—	—	1,78,865	5,97,322
जोड़	58,77,89,019	64,56,39,680	63,52,29,595	75,94,03,303	1,25,64,93,594	1,31,92,65,988
3. राजस्व लेखों में कुल व्यय	47,23,75,970	59,90,70,572	62,49,05,056	75,58,05,845	1,01,91,84,702	1,17,71,52,092
4. कुल हितलाभ	37,13,48,489	45,14,88,325	46,45,26,360	57,23,86,508	70,85,36,816	87,03,56 722
निम्नलिखित के साथ प्रशासनिक लागत की प्रतिशतता :						
अंशदान	7.50%	7.72%	10.40%	10.24%	6 98%	7.24%
राजस्व लेखे में व्यय	9.32%	8.32%	10.57%	10.29%	8.61%	8.12%
हितलाभ	11.86%	10.04%	14.22%	13.59%	12.38%	10.98%

टिप्पणी :— 4 में राज्य सरकारो द्वारा किए गए चिकित्सा हितलाभ व्यय का शेयर शामिल नही है।

[संख्या जैड-16016/1/79—एच० आई०]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 12th April, 1979

S. O. 1710—In persuance of section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Annual Report of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1977-78 is hereby published for general information :—

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

List of Members of Employees' State Insurance Corporation, 1977-78

Chairman

Shri Ravindra Verma

Minister for Parliamentary Affairs & Labour
Government of India

Vice-Chairman

Shri Jagdambi Prasad

Minister of State in the Ministry of Health and Family Welfare
Government of India

Members

Representative of Central Government

3. Dr. Ram Kripal Sinha,
Minister of State in the Ministry of Labour and Parliamentary Affairs, Government of India.
4. Secretary to the Government of India, Ministry of Labour.
5. Shri D. S. Nim,
Joint Secretary of the Government of India, Ministry of Labour.
6. Director General of Health Services,
Government of India.
7. Shri S. Vasudevan,
Additional Secretary to the Government of India, Ministry of Finance.

Representatives of State Governments

8. Shri B. Pratap Reddy,
Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Labour, Employment & Technical Education Department.
9. Shri S. Goswami,
Secretary to the Government of Assam, Labour Department.
10. Shri I. C. Kumar,
Secretary to the Government of Bihar, Labour and Employment Department.
11. Shri S. H. Jagad,
Secretary to the Government of Gujarat, Health and Family Planning Department.
12. Shri P. P. Caprihan,
Commissioner and Secretary to the Government of Haryana, Labour and Employment Department.
13. Shri R. C. Gupta,
Secretary to the Government of Himachal Pradesh, Labour and Employment Department.
14. Shri I. D. Sharma,
Labour Commissioner,
Government of Jammu and Kashmir.
15. Shri K. R. Ramachandran,
Commissioner & Secretary to the Government of Karnataka, Social Welfare and Labour Department.
16. Shri J. S. Badhan,
Secretary to the Government of Kerala, Labour Department.
17. Shri S. K. Bagchi,
Secretary to the Government of Madhya Pradesh, Labour Department.
18. Shri M. S. Palnitkar,
Secretary to the Government of Maharashtra, Urban Development & Public Health Department.
19. Shri S. Marwein,
Secretary to the Government of Meghalaya, Labour Department.
20. Shri K. S. Puri,
Secretary to the Government of Nagaland, Home Department.
21. U. N. Mallik,
Secretary to the Government of Orissa, Labour Employment and Housing Department.
22. Shri G. Balakrishnan,
Secretary to the Government of Punjab, Health and Family Welfare Department.
23. Shri Brijendra Singh,
Labour Commissioner, Government of Rajasthan, Labour Department.
24. Shri A. Padmanaban,
Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department.
25. Shri H. Mukherjee,
Secretary to the Government of Tripura, Labour Department.
26. Shri Girija Prasad Pandey,
Commissioner-cum-Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Labour Department.
27. Shri R. N. Sen Gupta,
Secretary to the Government of West Bengal, Labour Department.

Representative of Union Territories

28. Virendra Singh,
Labour Commissioner, Delhi Administration.

Representatives of Employers

29. Shri R. N. Joshi.
30. Shri C. K. Paul.
31. Shri Madanmohan Mangaldas.
32. Shri P. Chentsal Rao.
33. Shri N. S. Rao.

Representatives of Employees.

34. Shri G. V. Chitnis.
35. Miss E. D'Souza.
36. Shri P. K. Sharma.
37. Shri P. V. Sankaranarayanan, M.L.A.

Representatives of Medical Profession

38. Dr. J. Majumdar.
39. Vaidya Shri Shree Krishnan Multani.

Representatives of Parliament.

40. Shri N. C. Buragohain.
41. Shri K. Ramamurthy.
42. Shri Ugrasen.

Ex. Officio Member

43. Shri T. N. Lakshmi Narayanan, Director General, E.S.I. Corporation.

List of Members of the Standing Committee of E.S.I. Corporation 1977-78

Chairman

Dr. Ram Kripal Sinha

Minister of State in the Ministry of Labour and Parliamentary

Affairs

Government of India

Members

Representatives of Central Government

2. Shri D. S. Nim,
   Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Labour.
3. Director General of Health Services, Government of India.
4. Shri S. Vasudevan,
   Additional Secretary to the Government of India, Ministry of Finance.

Representatives of State Governments

5. Shri J. S. Badhan,
   Secretary to the Government of Kerala, Labour Department.
6. Shri M. S. Palnitkar,
   Secretary to the Government of Maharashtra, Urban Development and Public Health Department.
7. Shri R. N. Sengupta,
   Secretary to the Government of West Bengal, Labour Department.

Representatives of Employees.

8. Shri C. R. Paul.
9. Shri P. Chentsal Rao.
10. Shri N. S. Rao.

Representatives of Employees.

11. Shri G. V. Chitnis.
12. Miss E. D'Souza.
13. Shri P. V. Sankaranarayanan, M.L.A.

Representatives of Medical Profession

14. Dr. J. Majumdar.

Representative of Parliament.

15.

Ex Officio Member

16. Shri T. N. Lakshmi Narayanan, Director General, E.S.I. Corporation.

List of Members of the Medical Benefit Council 1977-78

Chairman

Director General Health Services

Government of India

Members

Representatives of Central Government

2. Dr. Ishwar Das Bajaj,
   Deputy Director General of Health, Services (CGHS) Government of India.
3. Dr. V. M. Charnalia,
   Medical Commissioner, ESI Corporation.

Representatives of State Government

4. Dr. T. N. Sanghi,
   Deputy Director of Medical and Health Services, Government of Andhra Pradesh.
5. Dr. B. L. Das,
   Administrative Medical Officer, E.S.I. Scheme, Government of Assam.
6. Dr. A. P. Verma,
   Administrative Medical Officer, E.S.I. Scheme, Department of Labour and Employment, Government of Bihar.
7. Dr. K. P. Asnani,
   Director of Medical Services, (E.S.I. Scheme), Government of Gujarat.
8. Dr. S. Shah,
   Assistant Director, Health Services (Social Insurance)
9. Dr. S. L. Grover,
   Director, Health Services & Family Planning, Government of Himachal Pradesh

10. I. D. Sharma,
Labour Commissioner,
Government of Jammu & Kashmir.

11. Dr. B. V. Patil,
Director E.S.I. Scheme, (Medical) Services.
Government of Karnataka.

12. Dr. T. N. N. Bhattathiripad,
Administrative (Medical) Officer E.S.I. Scheme.
Government of Karnataka.

13. Dr. P. S. Dave,
Administrative Medical Officer, E.S.I. Scheme,
Government of Madhya Pradesh

14. Dr. R. C. Dighe,
Director, E. S. I. Scheme,
Government of Maharashtra.

15. Shri S. Marwein,
Secretary to the Government of Meghalaya.
Labour Department.

16. Shri S. K. Kochar,
Secretary to the Government of Nagaland,
Home Department.

17. Dr. P. C. Rath,
Administrative Medical Officer E. S. I. Scheme,
Government of Orissa.

18. Dr. Asa Singh,
Director, Health Services,
Government of Punjab.

19. Dr. G. C. Ludha,
Additional Director, E.S.I. Scheme.
Government of Rajasthan.

20. Dr. P. E. Benjamin,
Derictor of Medical Services
and Family Welfare, Government of Tamil Nadu.

21. Shri H. Mukherjee,
Secretary to the Government of Tripura.
Labour Department.

22. Dr. S. C. Chaturvedi,
Joint Director of Health Services, E.S.I. Scheme,
Government of Uttar Pradesh.

23. Dr. J. B. Mukherjee,
Administrative Medical Officer,
E.S.I. (M.B.) Scheme,
Government of West Bengal.

Representatives of Employers

24. Dr. B. D. Kaushal.

25. Shri R. N. Joshi.

26. Shri R. L. Moitra.

Representatives of Employees

27. Shri A. C. Saikia, M.L.A.

28. Shri Sumer Singh.

29. Dr. Samar Roy Choudhury.

Representatives of Medical Profession

30. Dr. (Mrs.) Lalita Rao.

31. Dr. N. N. Bhattacharjee.

32. Aryavaidyan P. K. Warrier.

E. S. I. C. AT A GLANCE

	31-3-77	31-3-78	Progress During 1977-78
States/Union Territories	19	20	1
Centres	405	366††	(—)39
Employees	55,00,000	55,42,700	42,700
Insured Persons	59,75,000	62,50,800	2,75,800
Family Units	59,22,350	62,50,800	3,28,450
Insured Women	4,62,900	4,76,050	13,150
Total Beneficiaries	2,30,31,350	2,42,53,000	12,21,650
Employees yet to be covered	7,72,600@	7,54,200	(—)18,400
Cash Offices	682	686	4
Inspection Offices	116	147	31
ESI Hospitals	59	63	4
ESI Annexes	25	24	(–)1
BEDS			
(A) ESI Hospitals	11,086	13,125*	2,039
(B) ESI Annexes	475	462*	(—13)
(C) Reserved	4,616@	4,685*	69
TOTAL	16,177@	18,272*	2,095
S.I. Dispensaries	910@	936*	26
I.M. Os. & I.M. Ps.	7,309@	7,373*	64

CAPITAL CONSTRUCTION (RUPEES IN LAKHS)

Sanctioned upto	7,507.33	8,212.56	705.23
Advanced upto	5,299.75	6,088.18	788.43

Income & outgo	1976-77	1977-78
Revenue Income	13,669.19	14,454.48
Revenue Expenditure	10,191.85	11,771.52

*Provisional.
@Revised.
††Decreased due to amalgamation of Centres in certain States.

ACHIEVEMENTS

1.1 **Improvements and Enhancements in Benefits :**

The Year 1977 was observed as the Silver Jubilee Year of the Employees State Insurance Scheme which completed 25 years of its successful working on 24th February 1977. In commemoration thereof, the following significant improvements and enhancements in benefits were introduced during the year under report :—

(a) The duration of Sickness Benefit payable to an insured person under Section 49 of the ESI Act, 1948, was increased from 56 days to 91 days in any two consecutive benefit periods, with effect from 1st May, 1977. This brings the Sickness Benefit under the Scheme at par with the standard laid down in the ILO convention on Minimum Standards of Social Security, for developing countries.

(b) For the first time since the beginning of the Scheme, the Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit pensions sanctioned respectively to permanently disabled insured persons and dependants of deceased insured persons, were enhanced to compensate them for increase in the cost of living index in recent years. The increase in pensions has been allowed to the following extent, the increased pensions being payable from 1st October, 1977 :—

(i) Cases where disablement or death occurred on or before 31-3-1974.	20% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 paise.
(ii) Cases where disablement or death occurred between 1-4-74 to 31-3-75.	10% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 paise.

(c) The daily rate of permanent disablement benefit for commutation of periodical payments of Permanent Disablement Benefit, which previously was at maximum of Re. 1 per day, was raised to Rs 1.50 with effect from 17th December, 1977.

(d) The family of an insured person hither to became entitled to medical care 13 weeks after the insured person himself became entitled to it. From 17th December, 1977, the medical care is being provided to the family of an insured person also from the same day as the insured person himself becomes entitled to it, instead of waiting for 13 weeks.

(e) The family members of an insured person were so far entitled to receive medical care from the ESI Dispensary/IMP clinic at which the insured person himself was registered. It has now been decided to provide medical facilities to families of insured persons in the following circumstances also :—

(i) Where the insured person works and resides at one station and his family resides at another station and both are implemented centres and located in the same State ;

(ii) Where the members of family move alongwith the insured person from his place of duty either on leave or on temporay transfer to any other station which is an implemented centre in the same State or in a different State.

(f) An insured person who becomes disentitled to medical benefit during his treatment period, would now continue to receive medical treatment till the spell of sickness ends or in the case of long term ailments, so long as the insured person (excluding members of family) requires active treatment.

(g) The Corporation has decided to provide artificial limbs, hearing aids, spectacles, artificial dentures, teeth, artificial eye, wigs to female beneficiaries, cardiac pacemaker dialysis/kidney transplant, wheel chair/tricycle, spinal support (Jackets, graces etc.), cervical collars, walking callipers, surgical boots, crutches, hip prosthesis, total hip etc. to insured persons and their families, as part of medical care under the scheme, except that the spectacles and artificial dentures would be provided to insured persons only for the present, but would cover both employment as well as non-employment contingencies of accidents, sickness etc.

(h) It has been decided to construct convalescent homes on a modest scale under the Scheme where insured patients who no longer needed active medical treatment, could be shifted from hospital and provided with ordinary medical attention besides nursing care and other facilities.

Implementation in new areas :

1.2 The State of Himachal Pradesh was brought on the ESI map for the first time when the Scheme was implemented at Solan from 5th June 1977. During the year under report, the Scheme was implemented to cover 52 new areas covering about 31,900 additional employees in the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh Karnataka, Kerala, Rajasthan and Uttar Pradesh. Details are given in Appendix-I Part A. Efforts were continued for early implementation of the Scheme in the State of Jammu & Kashmir, Meghalaya and Tripura where the Scheme has not been implemented at any Centre so far. At the close of the year, the Scheme was in force in 366* centres in various States and in the Union Territories, covering a total number of about 55,42,700* employees, including those covered in new classes of establishments.

Extension of E.S.I. Scheme to new classes of establishments :

1.3 During the year under report, new classes of establishments were covered for the first time at three centres of Ahmedabad, Baroda and Surat in the State of Gujarat. The Scheme was also extended further to new classes of establishments in different implemented centres in the States of Kerala, Madhya Pradesh, Orissa, Tamil Nadu and in the Union Territory of Goa, Daman & Diu, covering an estimated number of about 67,455 employees including the three

*As finalised by Actuarial Division.

centres in Gujarat. The details are given in Appendix I-Part B. The families of these employees also became entitled to medical care on expiry of 13 weeks or from 17th December, 1977 whichever was earlier in areas where the Scheme had been extended before 17th December, 1977. From 17-12-1977, the families are entitled for medical benefit from the same date as the insured person himself becomes entitled to it on implementation of the scheme.

1.4 The State Governments of Kerala, Maharashtra, Rajasthan and Tamil Nadu and the Administration of the Union Territory of Pondicherry also issued preliminary notifications giving six months' notice of their intention to extend the Scheme to the remaining new sectors and in more centres. The Central Government also notified their intention to extend the provisions of the Act to hotels owned by the Indian Tourism Development Corporation and to the Delhi Transport Corporation.

Extension of medical care to families :

1.5 Medical care was extended to about 34,900 (estimated) additional family (Insured Person) units i.e. about 1,35,400 (estimated) additional beneficiaries in 66 newly implemented areas in the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Karnataka, Kerala, Rajsthan, Tamil Nadu and Uttar Pradesh. Details are given in Appendix-I Part A. The total number of family (Insured Person) units covered for medical care at the close of the year was about 62,50,800* i.e. about 2,42,53,000* beneficiaries including insured persons and their families as well as those covered in new classes of establishments.

2. HOSPITALISATION

1. E.S.I. Hospital and Annexes already commissioned

(i) 3 more E.S.I. Hospitals one at Andheri (Maharashtra) with 650 beds on 1-5-77. One at Washi (Maharashtra) with 650 beds on 15-8-77 and one at K. K. Nagar, South Madras (Tamil Nadu) with 206 beds on 13-4-77 were commissioned during the year. In addition one annexe at Brarajnagar, Orissa was aslo converted into a full-fledged hospital from 31-10-77, thus bringing the total no. of E.S.I. hospitals commissioned to 63 and leaving the no. of Annexes commissioned at 24 at the close of the year.

The position with regard to beds constructed in these institutions is as under :—

Type of Project	No. of Projects	No. of beds constructed	
		Genl.	T.B.
Hospitals	63	11755	1370
Annexes	24	180	282
Total		11935	+1652 =13587

Details of these hospitals and Annexes are given in Appendix II.

*As finalised by Actuarial Division

The following E.S.I. Hospitals and Annexe were under constructions as on 31-3-78 :—

Sl. No.	Place and State	No. of beds		Remarks
		Genl.	T.B.	
	HOSPITALS			
1.	Gauhati (Assam)	50		—
2.	Phulwarisharif, Patna (Bihar)	50		—
3.	Baroda (Gujarat)	200		—
4.	Surat (Gujarat)	150		—
5.	Mangalore (Karnataka)	100		—
6.	Mysore (Karnataka)	100		—
7.	Kandivili (Maharashtra)	650		—
8.	Thana (Maharashtra)	312		—
9.	Jaykaypore (Orissa)	25		—
10.	Pondicherry	50		—
11.	Naini (Uttar Pradesh)	100		—
12.	Agra (Uttar Pradesh)	100		—
13.	Ghaziabad (Uttar Pradesh)	100		—
14.	Lucknow (Uttar Pradesh)	100		—
15.	Manicktolla (West Bengal)	500		—
16.	Asansol (West Bengal)	150		—
17.	Bandel (West Bengal)	250		—
	Total	2537+400=2937		
	ANNEXES			
1.	Tinsukhia (Assam)	20		—
2.	Hissar(Haryana)	12		—
3.	Sonepat(Haryana)	12		—
4.	Gulbarga(Karnataka)	20		—
5.	Robert Sonepat (K.G.F) (Karnataka)	32		—
6.	Rajgangpur (Orissa)	16		—
7.	Moradabad (Uttar Pradesh)	24		—
8.	Sitapur (Uttar Pradesh)	24		—
9.	Unnao (Uttar Pradesh)	12		—
10.	Gorakhpur (Uttar Pradesh)	24		—
11.	Shikohabad (Uttar Pradesh)	24		—
12.	Meerut (Uttar Pradesh)	12		—
13.	Rampur (Uttar Pradesh)	24		—
14.	Etawah (Uttar Pradesh)	12		—
15.	Mirzapur (Uttar Pradesh)	24		—
16.	Modinagar (Uttar Pradesh)	—		24
	Total	292+24=316		

(ii) E.S.I. Hospitals and Annexes under construction

(iii) E.S.I. Hospitals and Annexes sanctioned

The plans and estimates in respect of the following hospitals and annexes have been sanctioned but the construction work is yet to start :—

HOSPITALS

S. No.	Place and State	No. of beds	
		Genl.	T.B.
1.	Adityapur (Bihar)	50	—
2.	Kalol (Gujarat)	50	—
3.	Rajkot (Gujarat)	50	—
4.	Indiranagar, Bangalore(Karnataka)	300	—
5.	Chungam, Feroke (Kerala)	100	—
6.	Sholapur (Maharashtra)	96	—
7.	Vellore (Tamil Nadu)	50	—
8.	Thakur Pukar (West Bengal)	250	—
	Total	946+—=946	

(iv) 177 State Insurance dispensaries were commissioned at the close of the year, all over the country. In addition 27, more dispensaries were at the different stages of construction all over the country at the close of the year.

(v) A building to house the office of the Administrative Medical Officer, E.S.I. Scheme, Government of Kerala at Trivandrum was purchased and put to use in 1976-77. Another building for the office of the Administrative Medical Officer, Jaipur was also under construction at the close of the year.

(vi) The amount sanctioned as on 31-3-78 towards capital construction under the E.S.I. Scheme is as under : –

Category of the projects	Amount sanctioned as on 31-3-77	Amount sanctioned as on 31-3-78
	(Rs. in lakhs)	
(a) Hospitals/annexes/Dispensaries/-equipment and staff quarters etc.	6,502.84	7,148.63
(b) Loan to the Government of Maharashtra	362.15	362.15
(c) Grant-in-Aid	100.00	100.00
(d) Office buildings and staff quarters of the Corporation.	542.34	601.78
Total	7,507.33	8,212.56

3. Type of medical care to families of employees

The State-wise position in regard to the type of medical care provided to family (employee) units is given in Appendix-III.

COMMITTEES, COMMISSION AND CONFERENCES

4. Corporation

The E.S.I. Corporation held two meetings on 25th October, 1977 and 24th February, 1978. Important decisions arrived at these meetings are given in Appendix IV.

5. Standing Committee

The Standing Committee of E.S.I. Corporation held two meetings on 24th October, 1977 and 23rd February, 1978. Important decisions arrived at these meetings are given in Appendix V.

6. Medical benefit Council

The Medical Benefit Council held one meeting on 12-12-1977. Important recommendations of the council are given in Appendix VI.

7. Regional Boards

At the close of the Year, 17 Regional Boards were in position. The number of meetings of various Regional Boards held during the year is given below :—

Name of Regioanl Board	Number of Meetings	date of meetings	Name of Regional Board	Number of Meetings	date of meetings
1. Andhra Pradesh	3	30.4.77, 21.9.77 & 24.12.77.	9. Madhya Pradesh	3	26.9.77, 28.12.77 & 11.3.78
2. Assam	—	—	10 Maharashtra	1	14.7.77
3. Bihar	2	5.10.77 & 8.2.78	11. Orissa	3	16.8.77, 25.11.77 & 31.1.78
4. Delhi	2	19.9.77 & 9.3.78			
5. Gujarat	2	6.9.77 & 4.11.77	12. Punjab	—	—
6. Haryana	—	—	13. Pondicherry	—	—
7. Karnataka	1	25.7.77	14. Rajasthan	—	—
8. Kerala	3	12.5.77, 5.9.77 & 16.1.78	15. Tamil Nadu	1	17.1.78
			16. Uttar Pradesh	1	16.10.77
			17. West Bengal	—	—

8. Local Committees

At the close of the year, 198 Local Committees were in position throughout the country under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulations, 1950.

9. The details of the work done by Medical Services and Allocation Committee during the year under report is as under :—

Sl. No.	Name of the State	No. of Meetings	No. of cases brought on the list	No. of cases Pending
1	2	3	4	5
1.	Gujarat	3	22	—
2.	Gr. Bombay	Not available	Not available	N.A
3.	Poona (Western Maharashtra)	Nil	Nil	Nil.
4.	Punjab	2	—	—
5.	West Bengal	Nil	Nil	Nil

10. General Purposes Sub-Committee

During the year under report, General Purposes Sub-Committee of the Employees' State Insurance Corporation visited Kerala State from 23rd May, 1977 to 27th May, 1977 and inspected various ESI Institutions functioning in the State.

ADMINISTRATION

11. Regional Organisation

15. Regional Offices, 2 Sub Regional Offices, 321 Local Offices, 97 Mini Local Offices, 3 Sub Local Offices, 263 Pay Offices and 147 Inspection Offices were functioning in all the States and the Union Territories as on 31-3-1978.

12. Strength of Staff

The total authorised strength of officers and staff (excluding D.(M)D's Office/E.S.I. Hospital, Delhi) in the corporation as on 31st March, 1978 is 9337 as against 8810 as on 31st March, 1977. The staff authorised for Headquarters office and various Regional Offices as on 31st March, 1978 is shown in Appendix VII (Part-I). The staff authorised for the office of Directorate (Medical) Delhi and E.S.I. Hospital Delhi is shown in Part II of the Appendix VII.

13. Confirmation of Staff

The approval of the Central Government to the creation of permanent posts in Group A and B categories of Staff for the year 1976-77 was received and action for confirmation against these posts is already under process. The confirmation of staff in Groups C and D staff has been made against sanctioned-posts in most of the Regions/Offices. Action is being taken for confirmation of staff in the remaining offices.

14. Representation of Scheduled Castes & Scheduled Tribes among the employees of E.S.I. Corporation

"Recruitment to various categories of posts which are required to be filled by the direct recruitment or promotion is subject to such reservation for Scheduled Caste and Scheduled Tribe as is specified from time to time on the basis of directions issued by the Central Government. The Information relating to the total number of Corporation employees and the number of Scheduled Caste and Scheduled Tribe amongst them, the number of reserved vacancies filled by members of Scheduled Caste and Scheduled Tribe other than by direct recruitment and the number of reserved vacancies filled by the members of Scheduled Caste and Scheduled Tribe by direct recruitment are indicated at Appendix VIII Part I, II & III respectively".

15. Progressive use of Hindi in the E.S.I. Corporation

During the year under report, following measures have been taken for the progressive use of Hindi in the offices of the Corporation :—

1. Progressive use of Hindi at Hqrs. Office and in certain Regional Offices is being watched by the Hindi Section at Hqrs. Office.

2. Official Language Implementation Committees have been set up in all the Hindi and non-Hindi speaking States and the meetings of these Committees are being held regularly to review the progress of Hindi work and implementation of instructions issued by the Government of India from time to time.

3. Most of the correspondence is done in Hindi and most letters received in Hindi including appeals, representations etc. from employees are replied in Hindi.

4. Necessary provisions of Hindi typewriters have been made in all Hindi speaking States. Provision is also being made for the Hindi typewriters in all Non-Hindi speaking Regional Offices.

5. Most of the forms have been printed bilingually. Arrangements are being made for the translation of Rules and Manuals etc.

6. During the year under report four Hindi work-shops in the Hqrs. Office and three workshops, one each at Regional Offices Kanpur, Patna and at D.M.D. Office, New Delhi were organised. Efforts are also being made to organise Hindi workshops in other Regional Offices situated in Hindi speaking states (including Maharashtra, Gujarat and Punjab).

7. During the year under report posts of Section Officer (Hindi) were filled up in the Hqrs. Office and Regional offices situated at Delhi and Kanpur. Arrangements are being made to fill the posts of Hindi Assistants in various offices of the Corporation.

8. Arrangements have been made to print the Arithmatic paper bilingually in the recruitment examination of this Department for open as well as limited departmental test for recruitment to the post of Lower Division Clerks.

9. During the year under report six offices of the Corporation have been sent for notification under Rules 10(4) of the Official Language Rules, 1976 which means that eighty per cent staff of these offices possess working knowledge of Hindi. It is a pioneer work on the part of this Corporation.

10. Efforts have been made to start original correspondence in Hindi with the offices in Hindi speaking States.

11. Statistical Abstract, Annual Report, Notification Budget and Annual Accounts of the Corporation are issued bilingually. Efforts are being made to issue tender notices, agreements, licences, permits etc. bilingually.

12. In order to implement the provisions of Official Language Rules, check points have been fixed at different levels.

13. Almost all the rubber stamps have been made bilingual or separately in Hindi and English.

14. Entries in service books are being made in Hindi in the Hqrs. Office and in the Regional Offices situated in Hindi speaking areas.

15. Addresses on envelopes being sent to offices etc. in Hindi speaking regions are being written in Hindi only.

16. One lecture relating to official language policy of the Govt. has been introduced in training course of the Corporation for training of LDCs/UDCs/UDC Cashiers in Hindi speaking Regions.

15.A Introduction of Inter Regional Sports in the E.S.I. Corporation

In order to promote and encourage sports activities amongst the employees of the E.S.I. Corporation, the Standing Committee vide item No V(2) of the Minutes of its meeting held on 24th October 1977 approved the introduction of the Scheme of Inter-Regional Sports in Employees' State Insurance Corporation and to the Constitution of ESIC Sports Control Board to run the Scheme. The action in the direction of setting up of Central Sports Control Board, Zonal Boards and the Regional Boards has been taken up and action to hold the first All India events soon is in hand.

16. O & M Studies

During the year, the O & M Division of the Hqrs. office of the Corporation continued its project studies in several areas. The study undertaken during the close of the year 1976 on formulation of norms & standards of Joint Regional Directors was completed and report was submitted. It also submitted detailed study report on the re-structure of internal audit in the Corporation.

With a view to ensure adequate delegation of powers at the decision making level in the various offices of the Corporation the O & M Division undertook a review of the existing delegation of powers to regional Directors, Joint Regional Directors, Branch officers, the Director (Medical) etc. These are under consideration. Alongwith this the O & M also reviewed the existing Rules of Business for transaction of business at Hqrs.

A record retention schedule for house-keeping jobs forming an important part of the records management was prepared for circulation to the offices in the Corporation. Certain guidelines on records management were also issued to field offices.

The O & M also undertook an evaluation of the system of collection of contribution in cash which was under experiment in the Delhi Region and made recommendation for gradual extension to other Regions. It was approved by the Standing Committee at its meeting held on 23-2-78 that the system of payment of contribution in cash may be introduced in other regions in a phased manner. It has therefore been decided to introduce the system of payment of contribution in cash in Rajasthan and Karnataka w.e.f. 1-10-78.

After the repeal of Chapter V-A, the inspection of factories by inspectors had undergone certain changes. O&M conducted a study of the inspection of the factories by inspectors and evolved revised inspection techniques. The forms of inspection reports were also re-designed. These will be implemented after comments of Regional Directors are examined.

O & M Division also conducted work-measurement of Regional office, Maharashtra a Grade I Regional office in association with the federation to be followed by similar studies in Regional Offices. Gujarat and West Bengal for evolving norms and standards for various categories of staff.

17. Suggestion award scheme

The Central Committee which has been set up under the Suggestion Award Scheme to scrutinise the suggestions considered the various suggestions and granted awards in the following cases :—

1. Shri K. V. Rama Murthy UDC, Regional Office, Hyderabad was granted letter of appreciation for his suggestion regarding issue of C-19 to the employers by ordinary post instead of under Registered cover.

2. Shri M. Selvaraj, LDC, Regional Office, Madras, was granted letter of appreciation for his suggestion regarding exposure of limit of submission of certificates on regulation certificates.

3. Shri T. Thomas, Audit Inspector, Regional office, Bangalore was granted cash award of Rs. 100 for his suggestion regarding amendment of para 11.8 of Local Office Manual dealing with incapacity reference on account of increase in quantum of Sickness Benefit days.

18. Training of Officers and Staff

During the year under Report the Central Training Institute and the four Zonal Training Institutes set up at New Delhi, Calcutta, Bombay and Bangalore conducted regular training courses for the officers and staff of the Corporation.

The Central Training Institute conducted 11 Orientation-Training Courses for Local Office Managers and Insurance Inspectors at New Delhi, Bombay, Calcutta, Kanpur and Bangalore in which 216 officers participated. These Courses which are invariably attended by field officers from four or five neighbouring Regions have, apart from updating the knowledge of the participants, provided a forum for free problem-solving and discussions.

In March-April, 1977, an Orientation-Training course was organised at New Delhi for the officers of mid-management level of the Corporation, viz., Dy. Regional Directors/Asstt. Regional Directors/Accounts Officers/Dy. Accounts Officers/Section Officers wherein 22 Officers drawn from various Regions in India and from Headquarters participated. The participants in these courses had mutually beneficial discussions on a number of their common problems, like coverage, recovery of revenues, legal action, etc., apart from being exposed to modern management techniques by outside experts in management.

During May, 1977, 11 Officers of the Corporation took part in a "Training Course for Trainers", arranged by Central Labour Institute, Bombay, to enable them to assume the role of Training Officers as and when required in future.

An Orientation Management Course for officers of Senior Management level was held in New Delhi in October, 1977, in collaboration with the Training Division, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs in which 18 Officers of the rank of Regional Directors/Joint Regional Directors/Vigilance Officers/Administrative Officers/Deputy Chief Accounts Officers participated.

For Lower Division Clerks/Upper Division Clerks/Cashiers/Upper Division Clerks Incharge/Head Clerks, 47 'In-Service' training courses were conducted at various centres in which training was imparted to 996 employees. In addition, 14 specially designed 'Induction' Courses for newly-recruited Lower Division Clerks and those with less than three years' service were also conducted by the Zonal Training Institutes for 328 employees.

In all, a total number of 158 officials of various categories received training during the year under report.

19. Publicity

The publicity of the Scheme was carried on through the media of press, radio and television and the progress and achievement of the scheme were higlighted. Talks and discussions were broadcast over various stations of All India Radio. Lectures were delivered by the officers of the Corporation to the workers and trainees at different centres. As a part of educative publicity, the booklet "You and Your Scheme" specially intended to educate the insured persons in regard to their rights and obligations as also the procedures for claiming benefits, was distributed.

On the occasion of the Silver Jubilee of the Scheme and with a view to generate interest among the student community in the subject of social security, an essay competition on the subject "Role of Social Security in Developing Countries" was organised. The competition was confined to students of recognised universities, colleges and other institutions etc. Three cash prizes were awarded for the first three best entries, including one for an essay in Hindi :

First Prize: (Rs. 2000/-)	Shri V. Subramaniam Indian Institute of Management, Ahmedabad.
Second Prize: (Rs. 1000/-)	Miss Reena Gupta, Lady Hardinge Medical College & Hospital, New Delhi.
Third Prize: (Rs. 500/-)	Kumari Shalini Ramchander Labhsetwar
(For Essay in Hindi).	Phulsing Naik Mahavidayalaya, Pusad, Yeotmal, Maharashtra.

20. Coverage

No. of Employees etc. covered (Appendices IX & X) :

Appendices IX and X give particulars regarding coverage under the Scheme (including additional sectors of employment). About 51,375 employers stood covered under the scheme as on 31-3-78 as against 45,498 a year back, of these about 49,310 employers were in the implemented centres, the corresponding number last year being 48,380 and the remaining 2,065 employers in areas yet to be implemented. The total number of employees in the implemented centres was about 55.43 lakhs : the number of employees in the areas yet to be covered was about 7.54 lakhs. The number of insured persons entitled to medical treatment was about 62.51 lakhs and the number of family (insured person) units about 62.51 lakhs. In all, the total number of beneficiaries (including the insured persons) entitled to medical treatment on 31-3-78 was estimated at about 242.53 lakhs.

21. Improvement in Standard of Medical Care

21.1 Provision of hospital beds for in-patient treatment :

During the year 1977-78 1390 additional beds were provided in the following E.S.I. Hospitals :

(i) E.S.I. Hospital, Vijayawada (Andhra Pradesh)	14
(ii) E.S.I. Hospital, Warangal (Andhra Pradesh)	20
(iii) E.S.I. Hospital, Adoni (Andhra Pradesh)	25
(iv) E.S.I. Hospital, Basaidarapur (Delhi)	14
(v) E.S.I. Hospital, Asramam Distt. Quilon (Kerala)	15
(vi) E.S.I. Hospital, Peroorkada, Trivandrum Distt. (Kerala)	25
(vii) E.S.I. Hospital, Olarikara, Trichur (Kerala)	30

(viii) E.S.I. Hospital, Ernakulam (Kerala)	15	(xiv) E.S.I. Hospital Andheri, Bombay (Maharashtra)	600*
(ix) E.S.I. Hospital, Udyogamandal Distt. Ernakulam (Kerala)	30	(xv) E.S.I. Hospital, Washi, Bombay (Maharashtra)	200*
(x) E.S.I. Hospital, Vadavathur, Distt. Kottayam (Kerala)	15	(xvi) E.S.I. Hospital, Nagpur (Maharashtra)	50
(xi) E.S.I. (General Hospital) Indore (Madhya Pradesh.)	6	(xvii) E.S.I. Hospital, K.K. Nagar (Tamil Nadu)	206*
(xii) E.S.I. Hospital, Ujjain (Madhya Pradesh)	25	(xviii) E.S.I. Hospital, Gaurhati (West Bengal)	50
(xiii) E.S.I. Hospital, Gwalior (Madhya Pradesh)	50		

The total No. of beds provided under the E.S.I Scheme as on 31-3-1978 was 17042, the details of which are given in Appendix-XI.

*Newly commissioned Hospitals.

212. During the year under report, Percentage of occupancy and the average recurring cost per bed per day of the E.S.I. Hospitals was as under :—

Sl. No.	Name of the Hospital	No. of beds provided				Percentage of occupancy during the year 1977-78	Cost per bed per day during the year 1977-78
		Genl.	Mat.	T.B.	Total		
1	2	3	4	5	6	7	8
	Andhra Pradesh						
1.	ESI Hospital, Sanathnagar, Hyderabad	260	50	—	310	81%	40.83
2.	ESI Hospital, Serpur, Kagaznagar	60	—	—	60	106%	32.34
3.	ESI Hospital, Vijayawada	100	—	10	110	96%	36.17
4.	ESI Hospital, Warangal	40	10	—	50	110%	25.22
5.	ESI Hospital, Adoni	40	10	—	50	102%	24.78
6.	ESI Hospital, Visakhapatnam	99	2	9	110	102%	48.20
	Bihar						
7.	ESI Hospital, Maithon	100	—	—	100	89%	23.99
8.	ESI Hospital, Monghyr	30	—	—	30	59%†††	22.85
9.	ESI Hospital, Dalmianagar	50	—	—	50	83%	46.32
	Delhi						
10.	ESI Hospital, Basaidarapur	316	73	—	389	90%	31.46
	Gujarat						
11.	ESI Hospital, Bapunagar, Ahmedabad	500	—	—	500	85%	33.81
12.	ESI Hospital, Naroda, Ahmedabad	—	—	200	200	99%	22.02
	Haryana						
13.	ESI Hospital, Faridabad	170	—	—	170	88%	84.30@@
14.	ESI Hospital, Jagadhari	13	—	47	60	53%†††	48.60
15.	ESI Hospital, Panipat	15	—	35	50	79%	53.10
	Karnataka						
16.	ESI Hospital, Rajajinagar, Bangalore	335	35	44	414	111%	28.36
17.	ESI Hospital, Dandeli	24	—	—	24	123.1%	16.86
	Kerala						
18.	ESI Hospital Mulakunathakavu, Trichur (Dist.)	—	—	100	100	97.1%	21.98
19.	ESI Hospital, Asramam, Quilon (Dist.)	101	38	—	139	111.1%	19.07
20.	ESI Hospital, Allepey	51	4	—	55	104%	21.40
21.	ESI Hospital, Peroorkada (Trivendrum Dist.)	75	—	—	75	135%	16.86
22.	ESI Hospital, Olarikkara Trichur	84	6	—	90	104%	16.03
23.	ESI Hospital, Udyogamandal (Dist. Ernakulam)	140	12	—	152	70%	19.34
24.	ESI Hospital, Ernakulam	55	10	—	65	104%	24.89
25.	ESI Hospital, Vadavathor (Distt. Kottayam)	59	6	—	65	78%	25.24
26.	ESI Hospital, Parippally	100	—	—	100	113%	18.67
27.	ESI Hospital, Ezhukone	25	—	—	25	165%	17.67
	Madhya Pradesh						
28.	ESI (Genl.) Hospital, Indore	136	20	—	156	65%	25.2
29.	ESI (Chest) Hospital, Indore	—	—	52	52	92%	25.4
30.	ESI Hospital, Ujjain	65	—	—	65	102%	17.80
31.	ESI Hospital, Gwalior	75	—	—	75†	23%†††	43.00

1	2	3	4	5	6	7	8
	Maharashtra						
32.	M.G.M. Hospital, Bombay	668	17	15	700	105%	55.00
33.	ESI Hospital, Mulund. Bombay	440	110	50	600	68%	44.46
34.	ESI Hospital, Worli, Bombay	435	60	5	500	81%	54.00
35.	ESI Hospital, Ulhasnagar, Bombay	80	20	—	100	90%	50.62
36.	ESI Hospital, Andheri, Bombay	500	100	—	600	50%@ @	68.25
37.	ESI Hospital, Washi, Bombay	—	—	200	200	39%**	60.00
38.	ESI Hospital, Nagpur	170	30	—	200	85%	45.00
39.	ESI Hospital, Aundh, Pune	150	25	120	295*	97%	39.00
	Orissa						
40.	ESI Hospital, Choudwar	44	6	—	50	122%	31.23
41.	ESI Hospital, Kansabahal	47	3	—	50	68%	38.72
42.	ESI Hospital, Brajrajnagar	22	3	—	25	68%	51.00
	Punjab						
43.	ESI Hospital, Amritsar	100	25	—	125	48%†††	52.95
44.	ESI Hospital, Ludhiana	64	16	—	80	65%	45.54
45.	ESI Hospital, Jullundur	48	12	—	60	90%	33.90
	Rajasthan						
46.	ESI Hospital, Jaipur	108	29	—	137	72%	28.16
	Tamil Nadu						
47.	ESI Hospital, Madras	486	100	39	625	87%	38.78
48.	ESI Hospital, Coimbatore	370	100	30	500	76%	32.15
49.	ESI Hospital, Madurai	140	50	12	202	94%	23.88
50.	ESI Hospital, K.K. Nagar	141	50	15	206	24%††	59.50
	Uttar Pradesh						
51.	ESI Hospital, Pandunaga, Kanpur	212	—	—	212	84%	20.00
52.	ESI (Chest) Hospital, Azadnagar, Kanpur	—	—	180	180	90%	27.95
53.	ESI (Mat. & Genl.) Hospital, Kanpur	74	70	—	144	111%	19.08
54.	ESI Hospital, Modinagar	70	24	6	100	103%	54.00
	West Bengal						
55.	ESI Hospital, Sealdah	250	—	—	250	82%	43.14
56.	ESI Hospital, Kumarhati	176	—	—	176	89%	30.11
57.	ESI Hospital, Baltikuri	300	—	—	300@	86%	27.14
58.	ESI Hospital, Serampore	166	—	—	166	109%	26.72
59.	ESI Hospital, Kalyani	250	—	—	250%	88%	26.54
60.	ESI Hospital, Uluberia	166	—	—	166	98%	30.94
61.	ESI Hospital, Balur-Bally	—	—	150	150	95%	27.30
62.	ESI Hospital, Gaurhati	216	—	—	216	84%	33.86
63.	ESI Hospital, Budge-Bughe	230	—	—	230§	73%	22.27

†Only 25 beds being utilised.

††Fully commissioned on November. 1977.

**Commissioned in August, 1977.

*Out of 320 beds sanctioned 295 beds have been commissioned.

@Out of 416 beds sanctioned 300 beds have been commissioned.

%Out of 266 beds sanctioned, 250 have been commissioned.

§Out of 300 beds sanctioned, 230 have been commissioned.

†††Hospitals having Low occupancy-State Govts. requested to look into the cases.

@ @Cost per bed per day is high-State Govts. requested to look in to the matter.

22. Particulars in respect of Dispensaries, specialists, Insurance Medical Officers/Insurance Medical Practioners and Ambulance as on 31-3-1978 are shown in Appendix 'XI'.

23. Provision of Artificial Limbs to Insured Persons

During the year under report 76 cases were provided with Artificial Limbs. In all 954 insured Persons had been or were being fitted or refitted with artificial Limbs so far under the E.S.I. Scheme.

24. Provision of artificial dentures

During the year under report artificial dentures free of cost were provided to one insured person who had lost his teeth due to employment injury. In all 61 insured persons had been provided with Artificial Dentures so far under the E.S.I. Scheme.

25. Provision of spectacles

During the year under report spectacles free of cost were provided to 5 insured persons who suffered loss of vision due to employment injury.

PROVISION OF MEDICAL BENEFIT

26. Attendances at Dispensaries and Hospitals and home visits. (Appendices XII and XIII)

26.1. Statistics relating to (a) the attendances per annum per 1000 insured persons and also per 1000 family (insured person units) (b) the number of home visits in respect of Insured persons and families and (c) the number of cases (i) admitted in hospital and (ii) referred for specialist investigations in respect of insured persons are given in these Appendices. These figures are based on returns furnished primarily by the Dispensaries and Panel Practitioners. For working out the rates of medical attendances, the number of insured persons/family (Insured Person) units attached to the reporting Dispensaries/Clinics only are deemed to be "exposed".

26.2. During the year under report, the All India rate of new attendances per 1000 insured persons decreased from 3386 in 1976-77 to 3221, the number of old attendances per 1000 insured persons has also registered a decrease from 6137 in 1976-77 to 6132. This year, the proportion of old attendances to new has been 1.90 against 1.81 experienced in 1976-77.

26.3. The All-India rate of new attendances per 1000 family units decreased from 3527 in 1976-77 to 3520, the number of old attendances per 1000 family units has increased from 6856 in 1976-77 to 6907. The proportion of old attendances to new during 1977-78 has increased from 1.94 in 1976-77 to 1.96.

26.4. The total number of home visits in respect of insured persons has decreased by about 2.78 per cent compared to that in 1976-77. However, in respect of families, there is also a decrease of about 35 per cent. The incidence of home visits as measured by the number of visits per 1000 insured persons has shown a decrease from 55 in 1976-77 to 52 in 1977-78.

26.5. The total number of cases admitted in hospitals has, shown an increase from 2,24,821 in 1976-77 to 3,94,340 in 1977-78. The number of cases referred for Specialists investigation has registered a decrease from 14,30,731 in 1976-77 to 13,31,137 in 1977-78.

27. Sickness Pattern.(Appendix XIV)

27.1. Information on the sickness pattern for the country as a whole expressed as number of new cases per 1000 insured person exposed, is indicated in this Appendix for each of 51 cause groups, separately for the insured workers and members of their family.

27.2. The incidence rates for all cause groups taken together is lower in 1977-78 than in 1976-77 in respect of insured persons and also lower in number of their families. For every spell in respect of an insured person, there has been this year 1.093 fresh spells in respect of the members of the family of an insured person as against 0.960 in the year 1976-77. When it is borne in mind that as against one insured person, there are 2.88 family members, the incidence of morbidity, as measured by incidence of new cases, continues to be lower among members of the family of the Insured persons when compared with the insured persons themselves.

27.3. Cause group-wise incidence of sickness in respect of insured persons bears a close resemblance to the corresponding rates experienced by members of the family of insured persons for almost all the diseases listed. However, wide deviation in incidence in a few cause groups only, bring out in high relief the peculiar ailments to which the particular group (viz. insured persons or families) is comparatively more prone.

28. Medical Referee

The following is a detailed statement of full-time and Part-time Medical Referees posted at the end of the year in the respective States alongwith the No. of cases disposed off by them.

Sl. No.	Name of the State	No. of Medical Referee		No. of cases disposed of during the year 1977-78
		Part-time	Full time	
1	2	3	4	5
1.	Andhra Pradesh	9	—	11802
2.	Assam	5	—	743
3.	Bihar	11	—	7863
4.	Chandigarh Admn.	1	—	51
5.	Delhi	—	2	11710
6.	Goa	—	—	Not available
7.	Gujarat	12	3	42337
8.	Haryana	11	—	2287
9.	Karnataka	15	—	17332
10.	Kerala	—	2	10304
11.	Madhya Pradesh	12	—	18352
12.	**Maharashtra**			
	(a) Gr. Bombay	4	4	Not available
	(b) Nagpur Area	8	—	Not available
	(c) West Maharashtra	3	—	Not available
13.	Orissa	8	—	2045
14.	Pondicherry	1	—	165
15.	Punjab	11	—	1955
16.	Rajasthan	12	—	5291
17.	Tamil Nadu	3	2	9635
18.	Uttar Pradesh	26	1	Not available
19.	West Bengal	7	7	35250
	Total	159	21	177112

29. Expenditure on the provision of medical benefit Payments authorised to State Governments.

During the year under report a sum of Rs. 44,46,64,850.18 paise was authorised by the Corporation for payment to the State Governments against its share of the expenditure on the provision of medical benefit under ESI Scheme. The break up of the above amount is as under :—

	Rs. P.
1. Final Payment for 1970-71	1,54,149.46
2. Final Payment for 1971-72	2,97,000.00
3. Final Payment for 1972-73	3,17,388.52
4. Final Payment for 1973-74	13,52,788.69
5. Final Payment for 1974-75	15,68,524.03
6. Final Payment for 1975 76	1,86,87,451.71
7. Final Payment for 1976 77	1,23,41,344.77
8. 'On Account' Payment for 1976 77	2,17,64,000.00
9. 'On Account' Payment for 1977-78	38,81,82,203.00
TOTAL	44,46,64,850.18

30. Measures for Control over expenditure on Medical Care.

The Corporation has entered into Rate Contract with manufacturers of drugs in respect of 545 medicines, injections and drugs during the year under report. The Rate Contracts have been communicated to the State Governments for their operaions.

30-A Provision of facilities in Ayurvedic System of medicine in Delhi.

In pursuance of the discussions in the meeting of the Corporation held on 25-10-77 regarding provision of Ayurvedic System of treatment under the ESI Scheme in Delhi, sanction was accorded during the year to the provision of facilities in Ayurvedic System in two dispenaries and to the creation of necessary complement of Ayurvedic Physicians and other staff in Delhi.

Improvements in service to insured persons

31. Efficiency in the working of the Local offices.

During the year under report, the Ledger system was in operation in 237 out of 300 Local Offices (Gr. I & II) in the country. The Teller system was working in 46 Local offices on an experimental basis.

32. Improvement in the Cash Benefits

32.1 The E.S.I. Corporation in its meeting held on 25-10-77 adopted the resolution to amend Regulation 76-B(1) to enable the Insured Persons whose Permanent Disablement has been assessed as final and who have been awarded Permanent Disablement Benefit at a rate not exceeding Rs. 1.50 per day to apply for Commutation of the periodical payment of Permanent Disablement Benefit into lump sum. The raise in commutability rate from Re. 1/- to Rs. 1.50 took effect from 17-12-77.

32.2 The E.S.I. Corporation in its meeting held on 25-10-77 resolved that the amount of periodical paymen's of Permanent Disablement Benefit and Dependant's Benefit sanctioned under the provisions of the Act in cases of Permanent Disablement or death of an Insured Person where such Permanent Disablement or death occurred on or before 31-3-1975 shall be enhanced to the following extent :

(a) Cases where Permanent Disablement or death occured on or before 31-3-74.	20% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 paise.
(b) Cases where Permanent Disablement or death occured between 1-4-74 and 31-3-75.	10% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 Paise.

32.3 The E.S.I. Corporation in i's meeting held on 23-2-77 decided to increase the duration of Sickness Benefit payable to an insured person under Section 49 of the E.S.I. Act. 1948 from 56 days to 91 days in any two Consecutive Benefit Periods with effect from 1st May, 1977.

33. Other Improvements

33.1 The E.S.I. Corporation in its meeting held on 25-2-78 has resolved to extended Sickness Benefit for the persons suffering from "Bonoplegia" with effect from 1-4-76.

CASH BENEFITS

(Appendix XVI to XVIII)

34. Number of cash benefit payments (Col. 4 of Appendix XVI)

34.1 Cash Benefits are paid at the Local/Miniature/Sub-Local/Pay Offices set up by the Corporation in different areas. The number of such offices was about 686 on 31st March 1978 as against 682 a year earlier.

34.2 The total number of cash benefit payments made in each State during the years 1976-77 and 1977-78 is shown in column 4. In all, about 71.83 lakhs payments (including 8,701 claims relating to lump-sum payments in respect of requests for commutation of permanent disablement claims) were effected during the year 1977-78. These were about 14.07 lakhs more than those during the preceding year. On the average, about 5.99 lakhs payments were effected every month as against 4.81 lakhs payments during 1976-77. The number of payments per employee has increased from 1.17 in 1976-77 to 1.3 in 1977-78.

35. Sickness Benefit (Cols. 3 and 6 to 8 of Appendix XVI)

35. As a result of the implementation of the benefit provisions of the Scheme in new centres and to new sectors of employment between 1 July 1976 and 30 June 1977 and also due to the increase in employment in the already implemented areas, an additional about 4.57 lakhs employees became eligible for sickness benefit during the year under report. The total number of employees entitled to claim sickness benefit during 1977-78 is estimated at 54.03 lakhs as against 49.46 lakhs last year (vide column 3).

35.2 During the year, an amount of Rs. 2709.36 lakhs was paid as sickness cash benefit as against Rs. 1885.54 lakhs in 1976-77.

35.3 The average number of fresh spells per employee during 1977-78 has increased from 0.72 in 1976-77 to 0.87 in 1977-78 the average number of benefit days per annum per employee during 1977-78 has also increased from 5.0 in 1976-77 to 6.0 in 1977-78. The amount of daily rate of benefit per employee has increased from Rs. 7.66 in 1976-77 to Rs. 8.31 in 1977-78.

35.4 As in the preceding years this year also witnessed wide variations among the States interse in respect of incidence and duration of sickness benefit claims. The Director General has, however, been keeping continuous watch over the duration of sickness claims at various centres. The relevant statistics received at the headquarters every month are analysed periodically, and any abnormal variation in the trend in any centre is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enable them to take suitable and prompt remedial measures whenever necessary and possible.

35.5 Excessive Sickness Benefit under Section 58(2).

The incidence of Sickness Benefit payment to insured persons has been found to exceed the All India Average in certain States. The Excessive Sickness Benefit for the year 1976-77 has been shared between the Corporation and the State Governments as under :—

Name of the State Government	Total Sickness Benefit amount paid in the States (Actual)	State Governments share of excess over All India Average
	Rs.	Rs.
Andhra Pradesh	79,48,289	2,06,738
Bihar	46,26,131	4,27,341
Madhya Pradesh	1,08,45,495	25,78,894

36. Extended Sickness Benefit (Cols. 9 and 10 of Appendix XVI)

36.1. Insured Persons suffering from certain specified diseases, e.g. Tuberculosis, Leprosy, Mental and Malignant diseases etc. are eligible for Extended Sickness cash benefit for an extended period beyond 91 days of sickness benefit.

36.2. For the year 1977-78 a sum of Rs. 262.67 lakhs was paid to insured persons on this account as against Rs. 238.02 lakhs in the previous year.

36.3. The incidence of Extended Sickness Benefit claims expressed as the number of claims per 1,000 employees exposed to risk and also the duration of terminated claims are shown for the year 1976-77 and 1977-78 in columns 9 and 10 of Appendix XVI.

37. Maternity Benefit (Cols. 11 and 12 of Appendix XVI)

37.1. Number of women employees eligible for Maternity Benefit has increased from 3,82,550, in 1976-77 to 4,02,750 in 1977-78. The total amount paid as maternity claims was Rs. 173.40 lakhs, as against Rs. 151.32 lakhs in 1976-77. The average amount of cash benefit per maternity claims has increased from Rs. 701 in 1976-77 to Rs. 843.

37.2. The number of claims per 1000 insured women employees has decreased from 56.5 in 1976-77 to 51.0 in 1977-78.

38. Temporary Disablement Benefit (Cols. 3 to 6 of Appendix XVI)

38.1. During the year 1977-78 the number of emlpoyees exposed to employment injury was 55.22 lakhs as against 53.25 lakhs during 1976-77 (vide col 3). The sum paid as temporary disablement benefit during 1977-78 was Rs. 501.33 lakhs as against Rs. 439.29 lakhs in 1976-77. The average number of fresh spells and the number of benefit days per annum per employee and the average benefit rate are 0.07, 0.97 and Rs. 9.39 respectively as against corresponding figures of 0.07, 0.91 and Rs. 9.02 in 1976-77 (vide cols. 4 to 6). The average duration per spell has increased from 12.80 to 13.28 days. As in the last year, this year also recorded variations in different States in the incidence and duration of these claims.

39. Permanent Disablement Benefit (Cols. 7 to 10 of Appendix XVII)

39.1. The number of fresh cases admitted during the year 1977-78 was 13,281 as against 12,669 during the previous year. The incidence per 1000 insured employees increased to 2.41 from 2.38 in 1976-77.

39.2. The number of claimants on the Fund decreased from 38,175 at the beginning of the year to 37,001 at the end (vide column 10). The actual amount disbursed as benefit was Rs. 352.55 lakhs (including the commuted amount of Rs. 187.40 lakhs) as against Rs. 307.23 lakhs (including the commuted amount of Rs. 174.90 lakhs) in 1976-77.

39.3 The Capitalised value of Permanent Disablement Benefit claims in respect of fresh cases admitted during the year was Rs. 520.93 lakhs as against Rs. 520.26 lakhs in 1976-77. The Permanent Disablement Benefit Reserve Fund stood at Rs. 1743.15 lakhs at the close of the year, the corresponding amount at the beginning of the financial year being Rs. 1,851.87 lakhs.

39.4. The number of claimants to Permanent Disablement Benefit who have opted for receipt of commuted value in lieu of periodic payments has increased from 8,354 in 1976-77 to 8,701 in 1977-78.

40. Permanent Disablement Benefit claims (Appendix XVIII)

40.1. Analysis of 13,281 cases of permanent disablement admitted during the year was made according to (a) the main groups of industry and (b) the incidence of claims per 1000 employees exposed industrywise. As in the last year, the highest number of accidents was recorded in 'Textiles' followed at a distance by 'Engineering' and Metallic Minerals'. The incidence is high in 'Textiles' and 'Metallic Minerals'. From a comparison of the corresponding incidence for the year 1976-77, it is observed that the incidence experienced this year bears a closed resemblance to that experienced last year in most of the industries.

40.2. The average degree of permanent disablement experienced was 8.85 per cent as against 9.26 per cent for the last year. The largest number of accidents occurred in the eighth wage group, i.e., between the daily wages of Rs. 16 and Rs. 24.

40.3. The number of permanent disablement benefit cases that arose among women employees is only 181. The incidence is low presumably because women are not generally employed on hazardous occupations, duties etc.

41. Dependants' Benefit (Cols. 11 and 12 of Appendix XVIII).

41.1. The number of fresh claims admitted for Dependants' Benefit during the year under review decreased from 469 in 1976-77 to 413 (vide columns 11). The total number of dependants admitted during the year was 11.64.

41.2. The categorywise distribution of all the dependants as at the beginning and end of the year is as under :—

Description	As on 31st March	
	1977	1978
Widow	4,401	4,697
Son and Daughter	7,279	7,762
Father	639	694
Mother	861	929
Other Dependant children	601	650
Total	13,781	14,732

41.3. The amount paid as dependants' benefit has increased from Rs. 65.43 lakhs in 1976-77 to Rs. 77.41 lakhs in 1977-78. The capitalised value in respect of dependants' benefit claims was admitted during the year was 126.25 lakhs as against Rs. 147.11 lakhs in 1976-77. The Dependants' Benefit Reserve Fund stood at Rs. 957.87 lakhs on 31st March, 1978 as against Rs. 826.78 lakhs on 31st March, 1977.

42. Income from Contributions

During the year 1977-78, total amount collected was Rs. 1, 31, 92, 66.

43. Mode of Collection of Contributions

The collection of contributions is generally in the form of adhesive ESI stamps which are sold through the bankers of the corporations Contributions are also received by franks. 127 new licences were issued and 4 were cancelled during the year under report, bringing the total number of franking machines in use to 954. Besides these two modes, the system of payment of contribution through cash in place of contribution stamps was introduced on experimental basis in Delhi Region w.e.f. 30-11-75 and has been found to be working satisfactorily. This system has been introduced in Karnataka and Rajasthan Regions w.e.f. 1-10-78.

44. Inspection

During the year under report, progress of the inspection work continued to be under the close watch of the Headquarters Office. Inspectors continued to provide guidance and training to employers and their staff in maintaining record and complying with the various provisions of the E.S.I. Act and Regulations framed thereunder.

At the end of the year, there were in all 332 Insurance Inspectors (279 plus 53 Leave Reserves). The total number of inspections carried out during the year was 35,600.

45. Employees' Insurance Courts.

New Employees' Insurance Courts have been set up in the following States during the year 1977-78 :

State	Place
(i) Haryana	Bhiwani
(ii) Orissa	Dhonkanal

46. Legal Action

The amount involved in respect of Court/Revenue Recovery cases instituted during the year as also the amount recoverd under various Sections of the E.S.I. Act, is shown Region-wise in Appendix XIX.

BUDGET AND FINANCE

47. Financial and accounting arrangements.

47.1. The Budget Estimates for the year 1978-79 were adopted by the Corporation at its meeting held on the 23rd February, 1978. The approval of the Central Government to the same was issued on the 13th March, 1978. The Budget Estimates were laid on the tables of the Rajya Sabha and the Lok Sabha on the 22nd and the 23rd March, 1978 respectively.

47.2. The consolidated Audit Report on the accounts of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1975-76 forwarded by the Accountant General, Central Revenues to the Central Government on 13-6-1977, was received in the Head Office of the Corporation on 25-6-1977. These audited Accounts were submitted for consideration to the Standing Committee at its meeting held on 24-10-1977. The Standing Committee considered the audited Accounts and recommended adoption thereof by the Corporation on 25-10-1977, the audited accounts were sent to the Central Government on 28-10-1977. These were laid on the tables of Lok Sabha and Rajya Sabha on 17-11-1977 and 18-11-1977, respectively.

In December 1976 the Accountant General, Central Revenues informed the Ministry of Labour that with the promulgation of the Conptroller and Auditor General (D.P.&C.) Act, 1971, it was not possible to continue the existing arrangement of audit of accounts of the E.S.I. Corporation. The Ministry was further informed that the existing arrangement could be continued under section 20(1) of the Comptroller and Auditor Generals Act if an appropriate request was made in the prescribed manner. The matter was placed in the meetings of the Standing Committee and the Corporation approved the continuance, of Audit by the Comptroller and Auditor General of India. The Ministry of Labour was requested on 29-10-1977 to move the Ministry of Finance in the matter of continuance of the audit of the Employees' State Insurance Corporation by the Comptroller and Auditor General of India. In the meantime the Accountant General, Central Revenues took up audit of the Accounts of the Corporation for the year 1976-77. The consolidated Audit Report for the year 1976-77 was received from the Ministry of Labour on 18-3-1978. The Standing Committee considered these audited accounts at its meeting held on 19-6-78 and recommended adoption thereof by the Corporation. After adoption by the Corporation on 25-11-1978, the audited accounts were sent to the Central Government on 2-12-1978. These were laid on the Tables of Lok Sabha and Rajya Sabha on 21-12-1978 and 22-12-1978 respectively. The consolidated Audit Report for the year 1977-78 is awaited from the Accountant General, Central Revenues.

48. Banking Arrangements

Twenty three bank accounts were opened during the year under report for the offices of the Corporation with the branches of the State Bank of India, its Associates and Nationalised Banks. Three banks accounts were closed. The total number of bank accounts stood at 475 as on the 31st March, 1978.

Arrangements for sale of the Employees' State Insurance Contribution Stamps were made with 16 more branches of the State Bank of India, its Associates and Nationalised Banks. The total number of branches handling the sale of Contribution Stamps was 443 as on the 31st March, 1978.

49. Investments

The General Cash Balance stood invested at Rs. 72,83.10 lakhs as on the 31st March, 1977. Out of Rs. 65,02.00 lakhs invested during 1977-78 in Term Deposits with the State Bank of India, Rs. 22,30.00 lakhs were realised and investments worth Rs. 19,59.79 lakhs were transferred to the various Reserve Funds. Thus, the General Cash Balance stood invested at Rs. 95,95.31 lakhs as on the 31st March, 1978.

The total investments under the various Reserve Funds and the General Cash Balance as on the 31st March, 1978, stood at Rs. 2,02,73.10 lakhs as against Rs. 1,60,01.10 lakhs on the 1st April, 1977.

The funds stand invested as under;

	As on 1-4-77	As on 31-3-78
	(Rupees in lakhs)	
Central and State Government Securities.	3,14.92	3,14.92
Term Deposits with State Bank of India.	1,56,86.18	1,99,58.18
Total	1,60,01.10	2,02,73.10

50. Income and Expenditure Account and Balance Sheet

The Income and Expenditure Account for the year 1977-78 and Balance Sheet as at the 31st March, 1978 are at Appendices XX and XXI, respectively. The Audit Report of the Accountant General Central Revenues on those Accounts is awaited.

51. Relative Cost of Administration

The Statement at Appendix XXII shows the relative cost of Administration since the year 1972-73. The Comparative cost of Administration during the past five years (1973-74 to 1977-78) judged with reference to Cost of benefit, amount of Contributions collected, ratio of ESIC staff to insured

employees and the number of Cash Benefit Payments is indi-cated below.

	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78
1. No. of Cash Benefit Payments per ESIC employee	701	633	635	656	770
2. Contribution collected per ESIC employee	Rs. 86,154	Rs. 81,944	Rs. 95,872	Rs. 1,42,621	Rs. 1,41,355
3. Ratio of Administration Expenditure to total benefits	11.04%	14.22%	13.59%	12.38%	10.98%
4. Ratio of Administration Expenditure to total Contribution	7.72%	10.40%	10.24%	6.98%	7.24%
5. No. of ESIC Staff per lakh insured employees	177	171	154	160	168

Definition of the terms 'Employees', 'Insured Persons' and 'Beneficiaries'.

(a) The number of the 'employees' as on a specified date is the estimated number of effective posts in the factories/establishments covered under the scheme. This would broadly represent the average number of employees per day employed by the factories/establishment round about that date and normally may not vary significantly from the number of employees actually employed on that date. It should, however, be noted that the actual number of persons who have occupied a particular sanctioned post during a period may be more, in as much as a leave reserve or badli worker may have officiated temporarily during absence, leave etc. of a regular worker.

(b) The number of 'insured persons' on any date indicates for purposes of this Report, the number of persons who may be deemed to be entitled to medical benefit on such date. Further, the number of 'insured persons' on any day would normally be in excess of the number of 'employees' as on that day because, under the eligibility conditions for medical benefit under the Act the persons entitled to medical benefit on any day would comprise not only the persons actually employed on that day but also the ex-employees, who by virtue of the contribution conditions during the period earlier to that would be entitled to such benefit on that date.

(c) The total number of 'beneficiaries' on any date represents all the persons who may be deemed to be entitled to medical benefit under the Scheme on that date. It comprises the 'insured persons' and where medical benefit has been extended to families of insured persons, the member of their families. The total number of members of the family of insured persons (not including the insured person) is arrived at by assuming an average of 2.88 members, for each 'insured person'.

APPENDIX I

Extension of Employees' State Insurance Scheme, during 1977-78

Part-A : Implementation in new areas.

State	Centre/Area	Date of implementation	No. of employees (estimated figure)	Medical care for families	
				Date of extension	No. of family units (I.P.) covered
1	2	3	4	5	6
Andhra Pradesh	Outskirts of Guntur	—	100	26-6-1977	100
	Enmamla & Shayampet Villages	13-11-1977	100	17-12-1977	100
	Chinnagadila, Village	25-12-1977	200	25-12-1977	200
Assam	Kalidakuchi, Madghariya	28-8-1977	500	27-11-1977	550
	No. I., Birkuchi, Bonda Khanapara & Darandha Silghat	26-2-1978	1,100	26-2-1978	1,200
Bihar	Egarcoor	—	3,500	29-5-1977	3,900
	Jhumritilliyia, Domchanch, Biharsharif, Darbhanga, & Rameshwarnagar.	—	10,500	26-6-1977	11,750
	Motihari.	24-4-1977	1,100	24-7-1977	1,200
Gujarat	Pandesara-Bostan	—	300	29-5-1977	350
	Dharmpur	10-7-1977	900	9-10-1977	950
	Kalali, Tarsali, Tandalji & Vadsar	23-10-1977	550	17-12-1977	600
Haryana	Smalkha	1-5-1977	800	31-7-1977	900
Himachal Pradesh	Solan	5-6-1977	700	4-9-1977	850
Karnataka	Kadugodi Plantation, Bommenahalli, Pattandur, Agarahara, Hoodi, Kadirenahalli.	—	550	26-6-1977	600
	Malpe-Udipi-Manipal	29-5-1977	1,300	28-8-1977	1,400

1	2	3	4	5	6
Kerala	New areas of Ernakulam District	29-5-1977	1,350	17-4-1977	1,400
	Chavara, Thekkumbhagom	—	1,000	1-5-1977	1,050
	New areas of Alleppey District	—	1,800	1-5-1977	1,900
	Vechoor, Naduvila, Vadayar, Thalayazham, Vaikom, Kulasekharamanglam, Chempu, Vaddakkemuri and Velloor	15-5-1977	—	14-8-1977	—
	Thennipalam & Munniyur	30-10-1977	250	17-12-1977	250
	Alayamon, Thalavoor, Pidavoor, Ittiva, Elamad, Kadakkal Erathu & Chadayamangalam	11-12-1977	—	17-12-1977	—
	Chittur, Kazhinjampara, Thattamanglam Kazhipatty, Vadavannur & Elapully	29-1-1978	850	29-1-1978	900
	Kandankunnu, Chokli, Kannadiparamba, Kanna-Puram & Morazha	12-2-1978	200	12-2-1978	200
	Punnapra	12-2-1978	150	12-2-1978	150
	Perembra, Potta, Vadakkumkara, Nellayi & Parakkad	12-3-1978	250	12-3-1978	250
Madhya Pradesh	Katni	26-3-1978	1,300	26-3-1978	1,450
Rajasthan	Tabiji village	22-1-1978	1,100	22-1-1978	1,200
	Srinagar village	29-1-1978	200	29-1-1978	200
Tamilnadu	Konnur	—	150	24-4-1977	150
Uttar Pradesh	Ghazipur & Sayeedulnisa	28-8-1977	—	27-11-1977	—
	Industrial Estate of Varanasi	18-12-1977	1,100	18-12-1977	1,150

APPENDIX 1

Part—B : EXTENSION OF E.S.I. SCHEME TO NEW CLASSES OF ESTABLISHMENTS

State	Centres	Date of extension	Establishments covered	No. of employees (Provisional estimated figures)	Medical care to families (Date of Extension)
1	2	3	4	5	6
Gujarat	1. Ahmedabad 2. Baroda 3. Surat	15-1-1978	Power using factories employing 10-19 persons. Non-power using factories employing 20 or more persons ; and Hotels, Restaurants, and shops employing 20 or more persons.	30,000	15-1-1978
Kerala	1. Piravom 2. Muvattupuzha 3. Thodupuzha 4. Karunagapally 5. Thazhakara	1-1-1978	Power using factories employing 10-19 persons; Non-power using factories employing 20 or more persons ; and Hotels, Restaurants, Shops and Road Motor Transport Establishments. Cinemas including preview theatres and Newspaper establishments employing 20 or more persons.	425	1-1-1978
Madhya Pradesh	(i) Rajnandgaon, Burhanpur, Mandsaur, Dewas, Raigarh, Itarsi, Nagda, Kumahari Banmore, Niwar, Amlai, Bhopal, Jabalpur, Khandwa, Ujjain, Satna, Ratlam.	1-5-1977	Power using factories employing 10-19 persons ; Non-power using factories employing 20 or more persons; and Hotels, Restaurants, Shops, Cinemas including preview theatres and Newspaper establishments employing 20 or more persons.	14,300	1-8-1977
	(ii) Indore and Gwalior	1-5-1977	Road Motor Transport Establishments employing 20 or more persons.	150	1-8-1977

1	2	3	4	5	6
Orissa	Berhampur	10-4-1977	Power using factories employing 10-19 persons; Non-power using factories employing 20 or more persons ; and Hotels, Restaurants, Shops and Road Motor Transport establishments employing 20 or more persons.	570	10-7-1977
Orissa	Berhampur	5-3-1978	Cinemas including preview theatres and Newspaper Establishments employing 20 or more persons.	80	5-3-1978
Tamilnadu	1. Salem 2. Erode includes Pallipalayam 3. Mettur includes Veerakkal Pudur 4. Attur 5. Vaniyambad includes Kalandra 6. Gudiyatham 7. Vellore 8. Arni 9. Ambur 10. Pollachi 11. Udumalpet 12. Tirupur (outskirts) 13. Mettupalayam 14. Uthukuli 15. Coimbatore 16. Somanur includes Arasur 17. Karamadai 18. Ranipet	12-2-1978	Power using factories employing 10-19 persons ; Non-power using factories employing 20 or more persons ; and Hotels, Restaurants, Shops, Cinemas including preview theatres and Newspaper establishments employing 20 or more persons.	16,930	12-2-1978
Union Territory of Goa, Daman and Diu.	1. Bicholim 2. Corlim 3. Margaon 4. Opa-Khandepar (Ponda) 5. Panaji 6. Vasco-De- Gama (Sambhafi Nagar) 7. Xeldem	2-7-1977	Power using factories employing 10-19 persons; Non-power using factories employing 20 or more persons; and Hotels, Restaurants, Shops, Road Motor Transport Establishments, Cinemas including preview theatres and Newspaper establishments employing 20 or more persons.	4,780	2-10-1977

Appendix II

ESI Hospitals and Annexes

Hospitals

S. No.	State	Place	No. of beds		Remarks
			Genl.	T.B.	
1	2	3	4(i)	4(ii)	5
(i)	Andhra Pradesh	Hyderabad	310	—	
(ii)	do	Sirpurkagaz Nagar	110	—	
(iii)	do	Visakhapatnam	110	—	
(iv)	do	Adoni	50	—	
(v)	do	Warrangal	50	—	
(vi)	do	Vijaywade	100	10	14 more beds commissioned on 1-8-77
(vii)	Bihar	Maithon	110	—	
(viii)	do	Monghyr	30	—	
(ix)	do	Dalmianagar	50	—	
(x)	Delhi	Delhi	389	—	
(xi)	Gujarat	Naroda, Ahmedabad	—	200	
(xii)	do	Bapunagar Ahmedabad	500	—	
(xiii)	Haryana	Faridabad	170	—	
(xiv)	do	Yamunanagar	60	—	
(xv)	do	Panipat	15	35	
(xvi)	Kerala	Mulakunathakavu	—	100	

1	2	3	4(i)	4(ii)	5
(xvii)	Kerala	Asramam	100	—	
(xviii)	do	Alleppey	55	—	
(xix)	do	Peroorkada	50	—	
(xx)	do	Trichur	60	—	
(xxi)	do	Udyogmandal	120	—	
(xxii)	do	Ernakulam	50	—	
(xxiii)	do	Vadavathur	50	—	
(xxiv)	do	Paripally	100	—	
(xxv)	do	Ezhukone	150	—	
(xxvi)	Karnataka	Rajajinagar, Bangalore	380	40	
(xxvii)	do	Dandeli	24	—	
(xxviii)	Madhya Pradesh	Indore	150	—	
(xxix)	do	Indore	—	75	
(xxx)	do	Ujjain	50	15	
(xxxi)	do	Gwalior	75	—	
(xxxii)	Maharashtra	M.G.M. Bombay	700	—	
(xxxiii)	do	Worli	550	—	
(xxxiv)	do	Nagpur	150	—	
(xxxv)	do	Mulund	110	540	
(xxxvi)	do	Aundh	410	—	
(xxxvii)	do	Ulhasnagar	200	—	
(xxxviii)	do	Andheri	650	—	Commissioned from 1-5-77.
(xxxix)	do	Washi	650	—	Commissioned from 15-8-77.
(XL)	Orissa	Choudwar	50	—	
(XLi)	do	Kansbahal	50	—	
(XLii)	do	Brajrajnagar	50	—	This annexe was converted into hospital from annexe from 31-10-78 with 25 beds
(XLiii)	Punjab	Amritsar	125	—	
(XLiv)	do	Ludhiana	80	—	
(XLv)	do	Jullundur	60	—	
(XLvi)	Rajasthan	Jaipur	139	—	26 additional beds are under construction.
(XLvii)	Tamil Nadu	Madras	625	—	
(XLviii)	do	Coimbatore	500	—	
(XLix)	do	Madurai	177	25	
(L)	do	K.K. Nagar, South Madras	500	—	206 beds commissioned from 13-4-77
(Li)	Uttar Pradesh	Kanpur (Genl.)	212	—	
(Lii)	do	Kanpur (Chest)	—	180	
(Liii)	do	Kanpur (Maternity)	144	—	
(Liv)	do	Modinagar	100	—	
(Lv)	West Bengal	Kamarhatti	175	—	
(Lvi)	do	Bellur-Bally	—	150	
(Lvii)	do	Serampore	216	—	
(Lviii)	do	Uluberia	216	—	
(Lix)	do	Baltikuri-Bankre	416	—	
(Lx)	do	Kalyani	266	—	
(Lxi)	do	Scaldah	250	—	
(Lxii)	do	Gourhati	216	—	
(Lxiii)	do	Budge-budge	300	—	
		Total	11,755	+1370	=13,125

ANNEXES

S. No.	State	Place	No. of beds		Remarks
			Genl.	T.B.	
1	2	3	4(i)	4(ii)	5
(i)	Andhra Pradesh	Irrummunma		24	
(ii)	Bihar	Itki	—	20	
(iii)	Haryana	Faridabad	—	12	
(iv)	do	Dharampur	—	12	
(v)	Karnataka	Bangalore	—	32	
(vi)	Kerala	Pulaynarkota	—	24	
(vii)	Maharashtra	Nagpur	-	25	
(viii)	Orissa	Choudwar	—	12	
(ix)	Punjab	Amritsar	—	12	
(x)	Rajasthan	Jaipur	—	15	
(xi)	do	Bari-Udaipur	—	16	
(xii)	do	Pali	12	-	
(xiii)	do	Bhilwara	12	—	
(xiv)	do	Jodhpur	20	—	
(xv)	do	Sriganganagar	12	-	
(xvi)	do	Kota	24	—	
(xvii)	do	Udaipur	12	-	
(xviii)	do	Bharatpur	24	—	(12 under const'n.)
(xix)	Tamil Nadu	Sivakasi	12	—	
(xx)	do	Tambaram	—	52	
(xxi)	do	Koilpatti	32	—	
(xxii)	do	Lalgudi	10	—	
(xxiii)	do	Nagarcoil	—	26	
(xxiv)	do	Cauverinagar	10	—	
		Total	180	+282	=462

APPENDIX III

Type of Medical Care to Families Employees Units as on 31-3-1977 and 31-3-78

Sl. No.	Name of the States	Restricted Care		Expanded Care		Full Care	
		31-3-77	31-3-78	31-3-77	31-3-78	31-3-77	31-3-78
1.	Andhra Pradesh	—	—	47,600	500	1,74,300	2,34,500
2.	Assam	-	-	26,000	—	—	26,000
3.	Bihar	—	—	71,200	74,800	40,800	45,200
4.	Chandigarh	—	-	10,000	10,000	—	—
5.	Delhi	-	—	-	—	2,15,000	2,25,000
6.	Gujarat	-	-	1,49,000	1,28,700	3,66,000	3,66,300
7.	Haryana	—	—	—	-	1,70,000	1,68,000
8.	Himachal Pradesh	—	—	—	700	—	—
9.	Karnataka	—		74,150	88,200	1,90,850	1,88,800
10.	Kerala	-	-	—	—	3,51,000	3,05,000
	Mahe	—	—	800	1,000	—	—
11.	Madhya Pradesh		-	67,000	78,000	88,000	92,000
12.	**Maharashtra :-**						
	Bombay Area	—	-	-	—	10,40,000	10,21,000
	Goa Area	-	-	—	—	10,500	14,000
	Nagpur Area	—	-	35,500	36,500	32,500	34,500
	Poona Area	-	—	68,000	79,100	1,28,000	1,30,900
13.	Orissa	-	—	—	—	75,500	84,000
14.	Pondicherry	—	—	15,000	15,000	—	—
15.	Punjab	-	-	—	—	1,65,000	1,50,000
16.	Rajasthan	—	—	10,800	-	99,200	1,10,000
17.	Tamil Nadu	-	—	1,07,500	1,19,300	3,42,300	3,20,700
18.	Uttar Pradesh	2,18,000	2,34,000	—	—	2,31,500	1,96,000
19.	West Bengal	-	-	5,85,000	6,20,000	3,80,000	3,45,000
	Total	2,18,000	2,34,000	12,67,550	12,51,800	40,00,450	40,56,900

APPENDIX IV

Important decisions taken by the Employees' State Insurance Corporation during the year 1977-78.

(A) 25 October, 1977 :

1. The Corporation approved the amendment to Regulation 31-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 to make a specific provision that where contributions are paid by affixing contribution stamps, an employer shall be deemed to have not paid the contribution in time if he fails to submit the contribution cards within the prescribed time limit. The following amended Regulation 31-A was finally adopted :—

"31-A Interest on contribution due but not paid in time :

An employer who fails to pay contribution within the periods specified in Regulation 31 shall be liable to pay interest at the rate of 6 per cent per annum in respect of each day of default or delay in payment of contributions.

"Provided that where the contribution is paid by affixing the contribution stamps, the employer shall be deemed to have not paid the contribution in time if he fails to submit contribution cards within the time prescribed under Regulation 26."

2. The Corporation approved the amendment to Regulation 76-B (1) of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 so as to enable an insured person who has been awarded Permanent Disablement Benefit at a rate not exceeding Rs. 1.50 per day to apply for commutation of the periodical payments of the Permanent Disablement Benefit into a lumpsum, and finally adopted the following amendment :

"In Sub-Regulation (1) of Regulation 76-B of the said Regulations, the words "Rupee one" shall be substituted by the words and figures "Rs. 1.50".

3. The Corporation approved the final adoption of the amendment to sub-regulation (2) of Regulation 103-A of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 so as to read as under :—

"(2) A person in respect of whom 13 weekly contributions in a contribution period and in the case of first contribution period atleast half the number of weekly contributions of that contribution period have been paid or were payable, shall be entitled to medical benefit till the end of the corresponding benefit period."

4. The Corporation approved the final adoption of following amendment to sub-regulation (2) of Regulation 95-A of the E.S.I. (General) Regulations, 1950 to extend the Medical Care to the families of insured persons from the day the insured person himself becomes entitled to it :

In sub-regulation (2) of regulation 95-A of the said Regulations, the words and figures 13 weeks after he himself first' shall be substituted by the words "from the day the insured person himself".

It also finally adopted consequential amendments to Form—1 (Declaration form) to incorporate the particulars of family members of the insured person in the Temporary Identification Certificate portion of the form and for making provision in the form for nomination for payment of any benefit that may be due, in the event of death of the insured person.

5. The Corporation approved a Scheme of Invalidity Benefit under the E.S.I. Act, 1948 to provide protection to insured persons in contingency of invalidity due to causes other than employment injury. It also decided to refer the Scheme to the Central Government for consideration and consequential amendment of the E.S.I. Act.

6. The Corporation approved the proposal to increase the rates of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit to compensate their depreciation through increase in the cost of living and adopted the following resolutions :—

In pursuance of the provisions contained in Section 99 of the E.S.I. Act, 1948, the E.S.I. Corporation hereby resolves that the amount of periodical payments of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit sanctioned under the provision of the Act in cases of permanent disablement or death of an insured person where such permanent disablement or death occurred on or before 31st March, 1975 shall be enhanced to the following extent :

(a) Cases where permanent disablement or death occurred on or before 31-3-1974.	20% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 paise.
(b) cases where permanent disablement or death occurred between 1-4-1974-31-3-75.	10% of the amount subject to the rounding off to the next higher multiple of 5 paise.

Resolved further that the enhanced amount of periodical payments as above shall be payable for the periods from 1st October, 1977.

7. The Corporation approved the recommendations of the Standing Committee for enhancement of the rates of conveyance charges to non-ambulatory beneficiaries for attending hospitals, specialist centres etc. from Re. 0.65 to Re. 1 per K.M. or part thereof (both ways).

8. The Corporation approved the recommendations of the Standing Committee for continuation of outdoor treatment to Insured persons even after their disentitlement, till the spell of sickness is over.

9. The Corporation approved the extension of the post-partum programme by establishment of post-partum units in the E.S.I. Hospitals at Ahmedabad and Bangalore.

10. The Corporation decided to adopt the norms for construction of staff quarters in the E.S.I. Hospitals, Dispensaries and other medical institutions on the basis of plinth area standards laid down by the Government of India for staff quarters for its own employees. Besides, norms specifying the number of different type of staff quarters in different sizes of the hospitals were also laid down.

11. The Corporation authorised the Director Administration, the Joint Insurance Commissioner, the Director (Medical) Delhi, the Deputy Medical Commissioner, the Administrative Officers and the Joint Regional Directors including the Joint Regional Director Incharges of independent Regions/sub-Regions to (i) institute in the name of the Corporation, suits and other legal proceedings necessary in the interest of the Corporation and to defend any such proceedings instituted against the Corporation in all courts or Tribunals including those established under the E.S.I. Act, 1948, and (ii) to represent the Corporation in all Courts, or Tribunals in cases to which Corporation is a party and to act, appear, make applications and plead on behalf of the Corporation.

12. The Corporation accepted the recommendation of the Standing Committee to appoint a Committee to look into the Pay Structure, Anomalies etc. in the ESI Corporation and decided that the Chairman, Standing Committee may appoint the Committee and decide its composition and terms of reference etc. in consultation with the Chairman, ESI Corporation. It also decided that Committee should be time bound and submit its report in phases within a period of six months or so.

The Chairman, Standing Committee hav since then constituted the Sub-Committee comprising the following members:—

1.	Director General, ESI Corporation.	Chairman.
2.	Representative of the Ministry of Finance on the ESI Corporation.	Member.
3.	Shri N.S. Rao, Employers' representative on the ESI Corporation.	Member.
4.	Miss E.D. Souza, Employees' representative on the ESI Corporation.	Member.
5.	Director (Admn.) ESI Corporation.	Secretary.

13. Under rule 36 of the E.S.I. (Central) Rules, 1950, the audit of the accounts of the Corporation shall be conducted by the Comptroller and Auditor General of India or any person appointed by him in his behalf. With the promulgation of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971, the existing arrangement could be continued under Section 20(1) of the above Act, if an appropriate request in accordance with the prescribed procedure was made to the Comptroller and Auditor General of India. The Corporation approved the proposal of continuance of audit of its accounts by the Comptroller and Auditor General of India.

14. The Corporation accepted the following recommendations of the Standing Committee in regard to the simplification of the Budget Proforma :

(i) The dummy Balance Sheet for the current and the following year and Regional Distribution of the Budget may not be prepared.

(ii) Income and Expenditure statements for the current and the following year may be prepared in a concise form.

(iii) Figures for past one year alone may be given as against the past three years.

(iv) Figures for eight months (actuals) and four months (anticipated) for the current year may not be incorporated in the formal Budget Estimates.

(v) The figures in the Estimates may be given in thousands of Rupees.

B. 23 February, 1978

1. The Corporation adopted the amendment of sub-Regulation (3) of Regulation 103-A of the E.S.I. (General) Regulation, 1950. The word "Factory" appearing in sub-regulation (3) of Regulation 103-A, shall be substituted by the words "factory or establishment".

2. The Corporation approved the recommendations of the Standing Committee to increase the capitation fee payable to the Insurance Medical Practitioners from Rs. 25 to Rs. 30 per insured person family unit per annum with effect from 1st April, 1978.

3. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee to construct convalescent homes under the ESI Scheme.

4. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee to enlarge the scale of medical benefit so as to provide Dialysis/Kidney transplant under the ESI Scheme.

5. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee to extend medical benefits to the families of insured persons in the following circumstances :—

(i) Where the insured person works and resides at one station and his family resides at another station and both the places are implemented centres and located in the same state.

(ii) Where the members of the family move alongwith the insured person from his place of duty either on leave or on temporary transfer to any other station which is an implemented centre in the same State or in a different State.

6. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee revising the norms and standards of staff and equipment for different sizes of E.S.I. Hospitals and Specialists Centres.

7. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee modifying the norms of staff in E.S.I. Dispensaries.

8. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee to enlarge the scale of medical benefit so as to provide artificial limbs, appliances and aids to insured persons and members of their families as part of medical care under the E.S.I. Scheme.

9. The Corporation approved the recommendation of the Standing Committee to include Mono-plegia as one of the diseases for which the extended sickness benefit is payable and adopted the following resolution:

"Resolved that in amendment of the resolution dated 28th February, 1976 on the subject of extended sickness benefit, the Sickness benefit granted under the E.S.I. Act, 1948 shall also be extended for the persons suffering from Mono-plegia in the manner indicated in the resolution referred to above. This may be given effect from 1st April, 1976.

APPENDIX V

Important decision taken by the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation during the year 1977-78

A. 24 October, 1977

In order to promote and encourage sports activities amongst the Employees of the ESI Corporation, the Standing Committee approved the introduction of the Scheme of Inter-Regional Sports in the Employees' State Insurance Corporation and to the constitution of ESIC Sports Control Board to run the Scheme.

B. 23 February 1978

The Standing Committee decided to increase the ex-gratia amount payable to the dependants of insured persons who die as a result of adverse effect of drugs/injections from Rs. 2,500 to Rs. 5,000.

APPENDIX VI

Important recommendations of the Medical Benefit council during the year 1977-78.

1. The Medical Benefit Council recommended construction of convalescent homes under the E.S.I. Scheme.

2. The Medical Benefit Council recommended to make arrangement for dialysis/transplant in any one of the E.S.I. Hospital in each state or in neighbouring State wherever such facilities exist on payment basis.

3 The Medical Benefit Council recommended provision of medical care to the families of the Insured Persons when they reside at a different station than the insured persons provided both the stations are implemented centres and are located in the same state. The council further recommended extension of medical facilities to families of Insured persons when they move alongwith the Insured Person from his place of duty either on leave or on temporary transfer to any other station which is an implemented centre in the same state or in a different State.

4. The Medical Benefit Council recommended that the existing norms of 75 cases per day to be examined by a doctor working in the E.S.I. Dispensary may be reduced to 60 cases per day.

5. The Medical Benefit Council adopted the second report of its Sub-Committee on Norms & Standards of staff in different sizes of E.S.I. Hospitals.

6. The Council recommended inclusion of the disease of "Monoplegia" in the list of the diseases for which Extanded sickness benefit is payables.

7. The council recommended the provision of Artificial Limbs, Appliances & aids to the Insured Persons and members of their families under the E.S.I. Scheme as part of medical care.

E. S. I. C. Staff authorised **APPENDIX**

PART

As on

Sl. No.	Designation of posts	Hqrs.	Andhra Pradesh		Assam		Bihar		Delhi		Gujarat		Karnataka	
			R.O.	L.O.	R.O.	L.O.	R.O.	L.O.	R.O.	L.O.	R.O.	L.O.	R.O.	L.O.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1.	Director General	1		—	—			—	—	—	—	—	—	—
2.	Insurance Commissioner	1		—	—	—		—	—	—	—	—	—	—
3.	Financial Adviser and Chief Accounts Officer.	1	—	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—
4.	Medical Commissioner	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
5.	Actuary	—		—	—	—		—	—	—	—	—	—	—
6.	Director of Administration	1	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—	—
7.	Regional Dy. Medical Commissioner	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	1	—
8.	Joint Insurance Commissioner/ Regional Director Grade I	2	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	1	—
9.	Director (O & M)/Regional Director Gr. II/Dir. (P & D) Director Vigilance	3	1		—	—	—	—	1	—	—	—	—	—
10.	Administrative Officer /D.I.C./ R.D. Gr. III/Dy. C.A.O./J.R.D./ Vigilance Officer/Asstt. Actuary	10	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—
11.	Dy. Medical Commissioner/ Medical Referee	4	1	—	—	—	1	—	2	—	5	—	2	—
12.	R.D. Gr. IV/Dy. Adm. Officer/ Accounts Officer/Dy. R. D./ Asstt. Director (P & D)	11	4	—	1	—	2	—	5	—	8		5	—
13.	Asstt. R.D./Manager Graded I/ Dy, ACO/Section Officer	21	1	1	—	—	2	1	4	—	4	7	3	3
14.	Asstt. Engineer	—	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—	—
15.	Section Officer (Hindi)	1	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—
16.	Insurance Inspector/Audit Inspector/Mgr. Gr. II/Dy. Manager/Inspector (O&M)	6	17	16	2	3	9	6	22	7	26	21	17	18
17.	P.S. to Director General	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—		—	—
18.	Mgr. Gr. III/Head Clerk/Asstt./ Head Clerk Cashier/Hindi Translator	80	10	13	1	2	8	13	16	4	22	18	12	7
19.	Junior Engineer	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
20.	P.A.	14	1	—	—	—	—	—	1	—	1	-	2	—
21.	Technical Assistant.	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
22.	Artist	1	—	—	-	—	—	—	-		—	—	—	—
23.	Librarian	1	—	-	—	—	—	—	-	—	—	—	—	—
24.	Receptionist	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
25.	UDC Incharge/UDC Cashier/ UDC/UDC Caretaker	73	60	54	7	4	36	18	66	24	124	97	76	67
26.	Stenographer	22	3	—	1	-	2	—	4	—	6	—	5	—
27.	Computer	4	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
28.	LDC/Adreana Operator/Telex Operator/Telephone Operator	91	78	76	11	5	41	27	77	24	155	102	96	57
29.	Gestetner Operator	1	—	—	—			—	—	—	—	—	—	—
30.	Staff Car Driver/Driver Delivery Van	4	1	—	—	-	1	—	—	—	1	—	1	—
31.	Junior Library Attendent	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
32.	Jamadar	1	—	—	—	—	—	—	—	—	-	—	—	—
33.	Record Sorter/Daftry (Selection Grade Daftries including)	30	18	20	2	5	10	17	17	8	34	30	22	25
34.	Peon	58	12	27	4	2	9	9	14	13	24	44	15	24
35.	Chowkidar	3	2	—	1	—	2	—	1	—	2	—	2	1
36.	Farash	7	1	—	1	—	1	—	1	—	4	—	2	—
37.	Mali	1	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
38.	Liftman	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	
39.	Sweeper	9	2	—	—	—	1	—	1	—	4	—	2	—
		467	213	207	31	21	126	91	234	80	422	319	264	202

'X' 1. Post of Vigilance Officer of Delhi Region diverted to Hqrs.

VII

I

31-3-78

Kerala		Madhya Pradesh		Maharashtra			Orissa		Punjab		Rajasthan		Tamil Nadu		Uttar Pradesh		West Bengal			Total
R.O.	L.O.	R.O.	L.O.	R.O.	SRO	SRO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	LO	RO	J O	RO
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—		—		—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—			—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		—	—	—		—	—	—	—	—
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	4
—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	1	—	1	—	8
1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	7
—	—	1	—	3	1		—	—	—	—	—	1	—	1	—	—	—	3	—	21
2	—	1	—	11*	—	—	—	1	—	2	—	1	—	4	—	3	—	9	—	49
4	—	3	—	15	3	1	—	1	—	6	—	1	—	7	—	6	—	14	—	97
3	2	1	3	9	2	1	20	2	—	4	—	2	—	4	10	6	3	9	20	148
1	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	1	—	—	—	3
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1		—	—	3
24	26	10	11	83	12	5	47	5	3	34	12	8	6	36	25	22	17	75	41	672
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
13	10	9	11	46	9	—	52	4	6	19	12	7	11	20	28	24	13	47	37	584
2	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	2	—	—	—	5
1	—	1	—	2	1	—	—	—	—	1	—	1	—	1	—	1	—	2	—	30
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
—	—	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
80	76	47	43	259	47	20	225	21	12	92	25	34	15	110	107	108	47	237	187	2498
4	—	2	—	15	1	1	—	2	—	4	—	2	—	7	—	5	—	16	—	102
	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	4
99	90	59	38	332	64	26	279	28	8	110	39	39	22	157	127	136	54	333	259	3139
	—	—	—	2	—	—	—		—	—	—	—	—	1	—	1	—	2	—	7
1	—	1	—	2	—	—	—	*1	—	1		*1		1	—	1	—	4	—	21
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		—	—	—	1
—	—			—	—	—	—	—		—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1
22	30	14	21	93	12	4	79	6	9	27	22	7	14	29	51	36	28	84	77	903
15	33	10	17	60	8	5	123	7	2	18	13	7	9	20	45	24	27	57	117	872
2	—	2	—	6	1	2	—	2	—	2	—	2	—	3	—	2	—	4	—	42
2	—	1	—	9	1	1	—	1	—	4	—	1	—	2	—	2	—	6	—	47
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	—	—	—	—	—	1	—	—	—	4
—		—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	2	—	3
2	—	1	—	9	1	1	—	1	—	4	—	1	—	3	—	2	—	8	—	52
278	267	163	144	958	163	67	825	82	10	332	123	115	77	407	393	385	189	914	738	9337

*Staff Car Driver cum Peon.

'X' 1. Post of M.R. diverted to Gujarat Region.

APPENDIX VII

PART II

Statement showing the position of Staff Authorised and in position in respect of Directorate (Medical) Delhi E.S.I. Dispensaries and ESI Hospital as on 31-3-78

Sl. No.	Designation of post	Director's Office		ESI Dispensaries		ESI Hospital		Total		Remarks
		Autho-rised	In position	Autho-rised	In position	Autho-rised	In position	Autho-rised	In position	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
1.	Director (Medical) Delhi	1	1	—	—	—	—	1	1	
2.	Medical Supdt.	—	—	—	—	1	1	1	1	
3.	Specialists in Surgery, Orthopoedic, Medicine, Gynaecology, Radiology, Pathalogy, Anaesthesiology and Paediatrics	—	—	—	—	11	7	11	7	
4.	Dy. Chief Accounts Officer	1	—	—	—	—	—	1	—	
5.	Administrative Medical Officer	1	1	—	—	—	—	1	1	
6.	Dy. Administrative Officer	1	1	—	—	1	1	2	2	
7.	Insurance Medical Officer GDO-II & GDO-I Ayurvedic Physician	—	—	186+2 (Ayurvedic Physician)	148	—	—	186+2 (A. Physician)	148	
8.	Accounts Officer (M)	1	1	—	—	—	—	1	1	
9.	Medical Officer (GDO GD. II)	—	—	—	—	32	25	32	25	
10.	Registrars	—	—	—	—	8	3	8	3	
11.	House Surgeons	—	—	—	—	10	8	10	8	
12.	Nursing Supdt.	—	—	—	—	1	—	1	—	
13.	Dy. Accounts Officer	—	—	—	—	1	—	1	—	
14.	Part-time consultant/Specialists	—	—	as per-sessions	9	5+3*	4+3*	As per session	9 — 4+3*	*Three parttime specialists are working against the full time posts of specialists in Medicine Surgery and Anaesthesia.
15.	Audit Inspector	2	2	—	—	—	—	2	2	
16.	Head Clerk	11	10	—	—	4	4	15	14	
17.	Manager Gr. II C. Store	1	1	—	—	—	—	1	1	
18.	Hindi Assistant	2	—	—	—	—	—	2	—	
19.	P. A to D (M) D	1	1	—	—	—	—	1	1	
20.	PA to Medical Supdt.	—	—	—	—	1	1	1	1	
21.	UDC Cashier	1	1	—	—	1	1	2	2	
22.	UDCs	37	37	26	25	11	11	74	73	
23.	Stenographers	6	5	—	—	2	1	8	6	
24.	LDCs/Hindi Typist	49	45	92	89	15	15	156	149	
25.	Laundry Superviser	—	—	—	—	1	1	1	1	
26.	Telephone Operator	—	—	—	—	2	—	2	—	
27.	Boiler Attendant	—	—	—	—	1	1	1	1	
28.	Laundry Operator	—	—	—	—	10	4	10	4	
29.	Care taker	—	—	—	—	1	1	1	1	
30.	Assistant Matron	—	—	—	—	2	2	2	2	
31.	Nursing Sisters	—	—	—	—	23	17	23	17	
32.	Staff Nurses	—	—	—	—	113	86	113	86	
33.	LHVs/A.N.Ms/N.R.N. /Dai	—	—	117	104	—	—	117	104	
34.	Dietician	—	—	—	—	1	1	1	1	
35.	ECG Technician	—	—	—	—	2	1	2	1	
36.	Lab. Technician Gr.—I	—	—	—	—	6	6	6	6	
37.	X-Ray Technician/Radiographer	—	—	—	—	7	5	7	5	
38.	Chief Pharmacist	—	—	—	—	1	—	1	—	
39.	Pharmacist-cum-clerk (Store)/Pharmacist	6	5	122	110	6	4	134	119	
40.	Havoldar	—	—	—	—	1	—	1	—	

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	
41. Social Guide	2	1	—	—	—	—	2	1	
42. Lab. Assistant	—	—	11	9	6	4	17	13	
43. CSR Assistant	—	—	—	—	4	5	4	5	one post to be surrendered
44. O.T. Technicians	—	—	—	—	4	3	4	3	
45. O.T. Assistant	—	—	—	—	6	6	6	6	
46. Librarian	—	—	—	—	1	—	1	—	
47. Assistant Librarian	—	—	—	—	1	1	1	1	
48. Ambulance Driver/Staff Car Driver	5	5	2	2	5	5	12	12	
49. Dressers	—	—	73	72	6	6	79	78	
50. Metal Worker-cum-Mistry	—	—	—	—	1	1	1	1	
51. Opto-Meterist	—	—	—	—	1	1	1	1	
52. Linen Mistress	—	—	—	—	2	—	2	—	
53. Occupational Therapist	—	—	—	—	1	1	1	1	
54. Physio Therapist	—	—	—	—	1	1	1	1	
55. Senior Medical Record Technician	—	—	—	—	1	—	1	—	
56. Junior Medical Record Technician	—	—	—	—	1	—	1	—	
57. Gestetner Operator	1	1	—	—	—	—	1	1	
58. Daftry/Selection Gr. Daftry	4	4	5	5	2	2	11	11	
59. Dark Room Assistant	—	—	—	—	2	2	2	2	
60. Head Cook	—	—	—	—	1	1	1	1	
61. Cook-cum-Masalchi	—	—	—	—	20	20	20	20	
62. Peons	19	17	85	68	9	9	113	94	
63. Ayas	—	—	33	16	4	4	37	20	
64. Chowkidars	—	—	31	27	23	22	54	49	
65. Sweeper/Sweepers	3	2	82	72	63	64	148	128	
66. Tailor	—	—	—	—	2	1	2	1	
67. Nursing Orderlys	—	—	—	—	98	95	98	95	
68. Strecher Bearer	—	—	—	—	9	9	9	9	
69. Ambulance Attendants	2	—	—	—	3	2	5	2	
70. Farash	3	3	—	—	—	—	3	3	
71. Medical Social Worker	—	—	—	—	1	—	1	—	
72. Senior Blood Bank Tech.	—	—	—	—	1	—	1	—	
73. Bearer	—	—	—	—	6	—	6	—	
74. Masalchi	—	—	—	—	3	—	3	—	
75. Cook-Mate	—	—	—	—	3	—	3	—	

APPENDIX VIII

PART I

Statement showing the total number of Corporation Employees and the number of Scheduled Caste and Scheduled Tribes amongst them as on 1-1-1978

Class	Permanent/ Temporary	Total number of employees	Scheduled Castes	Percentage to total employees	Scheduled Tribes	Percentage to total employees	Remarks
Group A	Permanent	37	3	8.1%	..	..	
	Temporary	80	8	10%	2	2.5%	
Group B	Permanent	14	2	14.3%	..	..	
	Temporary	100	11	11%	1	1%	
Group C	Permanent	4355	330	7.6%	14	0.35%	
	Temporary	2702	159	5.8%	9	0.33%	
Group D	Permanent	1202	339	2.8%	32	2.7%	
(excluding-sweepers)	Temporary	956	209	21.9%	18	1.9%	
Group D	Permanent	77	71	90%	..	..	
(Sweeper)	Temporary	96	92	94%	..	..	

APPENDIX VIII

PART II

STATEMENT SHOWING THE NUMBER OF RESERVED VACANCIES FILLED BY MEMBERS OF SCHEDULED CASTES/ TRIBES BY DIRECT RECRUITMENT AS ON 1-1-78

For the year 1977

Class of Post	Total No. of vacancies		SCHEDULED CASTES					SCHEDULED TRIBES					Remarks
	Notified	Filled	No. of vacancies reserved		No. of S.Cs candidates appointed	No. of S.Ts candidates appointed against vacancies reserved for S.Cs in the 3rd year of carry forward	No. of reservation lapsed after carrying forward for three years	No. of vacancies reserved		No. of S.Ts candidates appointed	No. of S.Cs candidates appointed against vacancies reserved for S Ts in the 3rd year of carry forward	No. of reservation lapsed after carrying forward for three years	
			Out of Col 2	Out of Col. 3				Out of Col 2	Out of Col.3				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Group 'A'	20	17	4	4	3	..	..	1	1	..	..	..	—(†)
Group 'B'	19	..	4	4	..	..	..	1	1	..	..	..	—(‡)
Group 'C'	831	784	161	128	64	..	8	74	77	10	..	24	..
Group 'D' (Excluding Sweepers)	173	174	15	18	36	..	..	13	12	2	3	2	..
Group 'D' Sweepers	8	8	3	3	4	..	..	1	1	..	..	..	..

(†) One Scheduled Caste and one Scheduled Tribes candidates is still to be recommended by UPSC.

(‡) Interview for the posts held from 2-2-78 to 10-2-78 Panel not yet received from UPSC.

APPENDIX VIII

PART III

STATEMENT SHOWING THE NUMBER OF RESERVED VACANCIES FILLED BY MEMBERS OF SCHEDULED CASTES/TRIBES BY DIRECT RECRUITMENT AS ON 1-1-78

Class of Post	Total No. of vacancies		SCHEDULED CASTES					SCHEDULED TRIBES					Remarks
	Notified	Filled	No. of vacancies reserved		No. of S.Cs candidates appointed	No. of S.Ts candidates appointed against vacancies reserved for S.Cs in the 3rd year of carry forward	No. of reservations lapsed after carrying forward for three years	No. of vacancies reserved		No. of S.Ts candidates appointed	No. of S.Cs candidates appointed against vacancies reserved for S Ts in the 3rd year of carry forward	No. of reservations lapsed after carrying forward for three years	
			Out of Col. 2	Out of Col. 3				Out of Col. 2	Out of Col. 3				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Group 'A'	9	9	1	1	1	..	..	..	..	..	..	..	..
Group 'B'	9	9	2	2	..	..	..	17	1	..	..	..	..
Group 'C'	207	207	71	85	62	..	..	32	46	1	6	2	..
Group 'D' (Excluding Sweepers)	47	47	2	7	8	..	1	1	8	2	..	..	..
Group 'D' (Sweepers)	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..

APPENDIX IX

Number of Employers and Employees covered Under the E.S.I. Act as on 31-3-1978

STATE-WISE

State	Implemented Area*		Non-Implemented Area		All-Areas	
	No. of employers	No. of employees as on 31-3-78	No. of employers	No. of employees as on 31-3-78	No. of employers	No. of employees as on 31-3-78
1	2	3	4	5	6	7
Andhra Pradesh	2,603	2,35,000	36	16,500	2,639	2,51,500
Assam	474	26,000	35	11,000	509	37,000
Bihar	1,324	2,20,000	204	1,81,500	1,528	3,01,500
Chandigarh	241	10,000	..	..	241	10,000
Delhi	4,594	2,25,000	..	..	4,594	2,25,000
Gujarat	3,600	4,95,000	223	1,08,000	3,823	9,03,000
Haryana	2,070	1,68,000	49	4,800	2,119	1,72,800
Himachal Pradesh	1	700	10	2,900	11	3,600
Jammu & Kashmir	..	..	N.A.	11,500	N.A	11,500
Karnataka	1,959	2,77,000	231	29,000	2,190	3,06,000
Kerala & Mahe	3,101	3,06,000	26	3,500	3,127	3,09,500
Madhya Pradesh	1,197	1,70,000	269	70,000	1,466	2,40,000
Maharashtra						
Bombay and Goa	7,267	10,35,000	69	12,500	7,336	10,47,500
Nagpur Area	646	71,000	81	14,000	727	85,000
Poona Area	1,722	2,10,00	157	30,500	1,879	2,40,500
Orissa	406	84,000	55	29,000	461	1,13,000
Pondicherry	98	15,000	..	..	98	15,000
Punjab	3,588	1,50,000	..	3,600	3,588	1,53,600
Rajasthan	1,303	1,10,000	61	8,000	1,364	1,18,000
Tamil Nadu	3,864	4,40,000	218	31,900	4,082	4,71,900
Uttar Pradesh	2,383	4,30,000	220	50,000	2,603	4,80,000
West Bengal	6,869	9,65,000	121	1,36,000	6,990	11,01,000
ALL-INDIA (1978)	49,310	55,42,700	2,065	7,54,200	51,375	62,96,900
ALL-INDIA (1977)	43,380	55,00,000	2,118	7,72,600(a)	45,498	62,72,600(a)

*Also includes the coverage under section 1 (5) of the Act.

(a) Figures revised.

APPENDIX X

Number of Centres, Employees, Insured Persons, Family (Insured Person) Units and Beneficiaries Covered as on 31-3-78—STATE-WISE

(Including Coverate under section 1(5) of the Act)

State	No. of Centres	No. of employees	No. of Insured Persons	No. of family (Insured Peson) Units	No. of Beneficiaries
1	2	3	4	5	6
Andhra Pradesh	42	2,35,000	2,55,000	2,55,000	9,89,400
Assam	13	26,000	30,000	30,000	1,16,400
Bihar	25	1,20,000	1,34,000	1,34,000	5,19,900
Chandigarh	1	10,000	12,000	12,000	46,550
Delhi	1	2,25,000	2,60,000	2,60,000	10,08,800
Gujarat	14	4,95,000	5,94,000	5,94,000	23,04,700
Haryana	20	1,68,000	1,92,000	1,92,000	7,44,950
Himachal Pradesh	1	700	800	800	3,100
Jammu & Kashmir	..	..	..	..	..
Karnataka	14	2,77,000	2,94,000	2,94,000	11,40,700
Kerala & Mahe	30	3,06,000	3,25,000	3,25,000	12,61,000
Madhya Pradesh	21	1,70,000	1,85,000	1,85,000	7,17,800
Maharashtra					
Bombay & Goa	8	10,35,000	11,77,000	11,77,000	45,66,750
Nagpur Area	10	71,000	77,000	77,000	2,98,750
Poona Area	16	2,10,000	2,31,000	2,31,000	8,96,300
Orissa	15	84,000	89,000	89,000	3,45,300
Pondicherry	1	15,000	17,000	17,000	65,950
Punjab	25	1,50,000	1,91,000	1,91,000	7,41,100
Rajasthan	18	1,10,000	1,29,000	1,29,000	5,00,500
Tamil Nadu	42	4,40,000	4,67,000	4,67,000	18,11,950
Uttar Pradesh	42	3,30,000	4,71,000	4,71,000	18,27,500
West Bengal	7	9,65,000	11,20,000	11,20,000	43,45,600
ALL INDIA (1978)	366*	55,42,700	62,50,800	62,50,800	2,42,53,000
ALL INDIA (1977)	405	55,00,000	59,75,000	59,22,350	2,30,31,350

*Decreased due to amalgamation of Centres in certain States.

APPENDIX

No. of Beds, Specialists, Dispensaries, Panel

Sl. No.	Name of the State	Total No. of beds provided under the E.S.I. Scheme				Specialists	
		Genl.	Mat.	T.B.	Total	Full-time	Part time
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Andhra Pradesh	613	73	46	732	28	71
2.	Assam	86	..	10	96	..	1
3.	Bihar	206	..	30	236	7	..
4.	Chandigarh Admn.	..	..	..	..	..	4
5.	Delhi	366	73	105	544	11	24
6.	Goa	33	..	..	33	..	16
7.	Gujarat	1026	57	283	1366	17	229
8.	Haryana	414	..	112	526	16	22
9.	Himachal Pradesh	..	..	..	..	..	..
10.	Karnataka	926	69	137	1132	8	76
11.	Kerala	761	101	165	1027	27	73
12.	Madhya Pradesh	358	22	104	484	3	80
13.	**Maharashtra**						
	(a) Gr. Bombay	2350	432	505	3287	44	96
	(b) Nagpur	219	31	47	297	..	66
	(c) West Maharashtra	346	25	191	562	..	80
14.	Orissa	113	12	12	137	4	3
15.	Pondicherry	16	4	10	30	..	9
16.	Punjab	290	53	34	377	20	20
17.	Rajasthan	238	30	31	299	6	61
18.	Tamil Nadu	1465	512	390	2367	40	71
19.	Uttar Pradesh	465	153	200	818	32	..
20.	West Bengal	1996	2	694	2692	..	369
	Total	12287	1649	3106	17042	263	1371

XI

Doctors and Ambulances as on 31-3-1978

Total No. of Dispensaries	No. of I.M.Os		No. of I.M.Ps.	No. of Doctors in Employers Utilisation Dispensaries	Ambulances	Remarks
	Sanctioned	Present				
9	10	11	12	13	14	15
80	223	223	3	1	13	
19	21	21	—	—	2	
42	121	71	—	—	21	
1	8	7	—	—	—	
29	186	147	—	—	5	
—	—	—	58	—	—	
83	427	411	218	—	12	
44	128	111	—	—	4	
1	1	1	—	—	—	
106	232	201	—	62	11	
111	231	213	—	—	9	
53	140	123	4	1	8	
16	13	7	2258	9	22	
24	78	76	—	—	1	
27	60	47	413	—	5	
21	50	49	—	—	7	
7	14	14	—	—	1	
20	44	39	89	—	4	
34	105	105	—	1	3	
118	366	323	—	8	23	
96	275	275	—	—	12	
4	—	—	1607	18*	16	* clarification still awaited.
936	2723	2464	4650	100	179	

APPENDIX

No. of attendances, Medical Certificates issued, Admission to Home visits during 1976-77

(In respect of

State		Period	No. of Insured Persons deemed exposed to risk	Attendances		
				New cases	Old cases	Total cases
1		2	3	4	5	6
Andhra Pradesh	(S. S.)	1976-77	2,29,000	7,28,950	18,83,376	26,12,326
		1977-78	2,45,000	6,89,644	20,49,923	27,39,567
Assam	(S. S.)	1976-77	27,250	1,00,516	1,02,331	2,02,847
		1977-78	29,000	96,560	1,01,246	1,97,806
Bihar	(S. S.)	1976-77	1,14,500	2,20,314	3,42,465	5,62,779
		1977-78	1,29,500	2,11,613	3,04,816	5,16,429
Chandigarh	(S. S.)	1976-77	10,500	36,757	64,906	1,01,663
		1977-78	12,000	36,683	87,651	1,24,334
Delhi	(S. S.)	1976-77	2,23,000	2,44,657	12,37,519	14,82,176
		1977-78	2,50,000	2,82,604	15,86,132	18,68,736
Goa	(S. S.)	1976-77	—	———	Included in	Bombay area
		1977-78	13,700	39,188	10,987	50,175
Gujarat	(S. S.)	1976-77	5,17,400	6,67,316	35,35,002	42,02,318
		1977-78	5,26,850	6,03,774	34,65,029	40,68,803
Gujarat	(P. S.)	1976-77	45,100	1,99,966	2,09,970	4,09,936
		1977-78	47,650	2,06,515	2,02,842	4,09,357
Haryana	(S. S.)	1976-77	1,78,000	4,23,828	6,91,727	11,15,555
		1977-78	1,90,500	5,15,622	7,99,452	13,15,074
Karnataka	(S. S.)	1976-77	2,83,500	12,34,478	24,35,560	36,70,038
		1977-78	2,87,500	14,86,305	27,50,487	42,36,792
Kerala	S. S.)	1976-77	2,66,050	9,61,011	25,55,384	35,16,395
		1977-78	2,96,300	8,80,947	25,13,562	33,94,509
Kerala	(P. S.)	1976-77	350	5,089	7,323	12,412
		1977-78	250	3,222	5,755	8,977
Madhya Pradesh	(S. S.)	1976-77	1,57,000	3,77,156	19,38,778	23,15,934
		1977-78	1,72,000	4,21,820	20,83,243	25,05,063
Madhya Pradesh	(P. S.)	1976-77	2,500	6,078	19,959	25,037
		1977-78	2,850	7,158	16,862	24,020
Maharashtra						
(i) Bombay Area	(S. S.)	1976-77	2,300	6,893	27,231	34,124
		1977-78	3,350	12,829	40,999	53,828
(ii) Bombay Area	(P. S.)	1976-77	6,21,200	34,71,956	29,08,793	63,80,749
		1977-78	4,77,500	26,82,890	21,92,582	48,75,472
(iii) Nagpur Area	(S. S.)	1976-77	65,750	2,07,779	8,06,773	10,14,552
		1977-78	75,500	2,06,975	8,65,136	10,72,111
(iv) Poona Area	(S. S.)	1976-77	29,800	1,17,772	3,10,373	4,28,145
		1977-78	26,100	1,05,011	3,29,809	4,34,820
(v) Poona Area	(P. S.)	1976-77	64,450	4,94,082	4,60,861	9,54,943
		1977-78	66,700	5,28,630	4,56,996	9,85,626
Orissa	(S. S.)	1976-77	77,000	2,19,022	2,72,042	4,91,064
		1977-78	84,500	2,46,881	3,40,508	5,87,389
Pondicherry & Mahe	(S. S.)	1976-77	16,850	54,690	1,74,233	2,28,923
		1977-78	17,450	49,758	2,13,629	2,63,387
Punjab	(S. S.)	1976-77	17,200	1,03,353	1,49,400	2,52,753
		1977-78	15,350	1,28,224	1,82,704	3,10,928
Punjab	(P. S.)	1976-77	35,650	1,88,505	1,56,131	3,44,636
		1977-78	37,500	1,91,653	1,29,652	3,21,305
Rajasthan	(S. S.)	1976-77	1,16,750	3,37,980	6,81,573	10,19,553
		1977-78	1,25,000	3,60,658	7,09,304	10,69,962
Tamil Nadu	(S. S.)	1976-77	3,97,650	12,21,522	37,49,813	49,71,335
		1977-78	4,44,500	12,70,707	41,87,035	54,57,742
Tamil Nadu	(P. S.)	1976-77	5,650	23,038	57,165	80,203
		1977-78	5,800	23,436	60,793	84,229
Uttar Pradesh	(S. S.)	1976-77	4,76,000	13,55,426	16,83,924	30,39,350
		1977-78	4,76,500	15,34,794	17,58,530	32,93,324
West Bengal	(P. S.)	1976-77	6,84,050	27,87,883	21,61,821	49,49,704
		1977-78	7,14,900	25,53,972	18,24,775	43,78,747
ALL-INDIA		1976-77	46,64,450	1,57,96,017	2,86,23,433	4,44,19,450
		1977-78	47,73,750	1,53,78,073	2,92,70,439	4,46,48,512

(SS)—Service System

@Figures for certain months not

XII

Hospitals, References to Specialists and number of

and 1977-78—State-wise.

Insured Persons)

No. of attendances per 1000 Insured Persons per annum		No. of medical certificates issued	No. of cases admitted in Hospitals	No. of cases referred to Specialists for investigation	No. of Home visits
New cases	Old cases				
7	8	9	10	11	12
3,183	8,224	4,38,914	N.A.	1,58,045	N.A.
2,815	8,367	5,33,001	1,70,894	95,310	N.A.
3,689	3,755	58,732	398	4,667	2,304
3,330	3,491	58,641	395	4,908	2,456
1,924	2,991	1,96,173	1,291	18,434	6,974
1,634	2,354	2,08,193	254	15,942	5,043
3,501	6,182	4,295	2,229	4,636	N.A.
3,057	7,304	6,423	536	3,669	N.A.
1,097	5,549	2,01,170	3,823	40,154	36,620
1,130	6,345	2,44,344	3,637	43,357	45,161
(S. S.)					
2,860	802	20,363	N.A.	855	351
1,290	6,832	5,94,093	17,008	1,54,332	4,620
1,146	6,577	5,95,125	17,200	1,45,960	2,972
4,434	4,656	1,52,363	921	11,576	2,048
4,334	4,257	1,63,835	890	12,517	1,977
2,381	3,886	70,185	5,115	45,421	17,957
2,707	4,197	94,151	7,542	49,019	17,922
4,354	8,591	5,86,901	26,441	1,83,467	20,148
5,170	9,567	8,35,728	30,586	1,78,522	32,767
3,612	9,606	4,31,886	41,028	30,449	4,431
2,973	8,483	4,30,976	40,815	30,482	1,856
14,540	20,923	2,824	1,976	1,256	N.A.
12,888	23,020	1,950	2,548	358	N.A.
2,402	12,349	5,23,294	7,583	70,185	14,720
2,452	12,112	6,15,928	7,820	74,303	13,029
2,431	7,584	5,529	46	999	149
2,512	5,916	5,121	29	947	95
2,997	11,840	7,006	23,382	1,308	4
3,830	12,239	11,474	54,638	1,010	N.A.
5,589	4,683	19,42,473	705	1,55,111	18,811
5,619	4,592	16,88,573	1,936	1,19,346	14,179
3,160	12,270	2,17,196	10,192	24,390	7,197
2,741	11,459	2,29,120	10,028	27,410	6,581
3,952	10,415	93,273	348	5,928	1,668
4,023	12,636	1,06,200	N.A.	7,255	368
7,666	7,151	3,50,450	220	23,912	2,240
7,925	6,852	3,87,984	N.A	20,046	1,733
2,844	3,533	73,139	2,807	20,853	9,184
2,922	4,030	1,10,080	3,732	21,539	16,985
3,246	10,340	40,015	1,033	10,070	3,700
2,851	12,242	50,324	997	10,287	2,240
6,009	8,686	18,121	30,594	5,451	5,254
8,353	11,903	31,056	25	2,407	7,235
5,288	4,380	35,977	11,332	17,097	8,579
5,111	3,457	40,956	1,075	20,190	7,916
2,895	5,838	1,73,885	9,226	45,999	3,021
2,885	5,674	1,67,743	9,308	61,255	3,034
3,072	9,430	12,04,106	15,042	1,76,658	7,873
2,859	9,420	14,12,965	15,286	1,94,024	12,883
4,078	10,118	20,021	1,161	2,564	848
4,041	10,482	20,711	1,181	2,916	8
2,848	3,538	5,83,315	10,773	78,866	3,042
3,221	3,691	6,65,489	12,988	63,779	12,072
4,076	3,160	14,78,490	147	1,38,903	75,099
3,572	2,552	14,84,251	N.A.	1,23,524	40,496
3,386	6,137	95,03,826	2,24,821	14,30,731	2,56,491
3,221	6,132	1,02,20,705	3,94,340	13,31,137	2,49,359

(P.S.)—Panel System

received, weighted average taken.

APPENDIX XIII

No. of Attendances and Home visits during 1976-77 and 1977-78—State-wise (In respect of Family members of Insured persons)

State		Period	No. of family (Insured Person) units deemed exposed to risk	Attendances		Total Cases	No. of attendances per 1000 family (Insured Persons) units per annum		No. of Home visits
				New Cases	Old Cases		New Cases	Old Cases	
1		2	3	4	5	6	7	8	9
Andhra Pradesh	(S.S.)	1976-77	2,28,950	8,89,983	33,26,651	42,16,634	3,887	14,530	1,12,977
		1977-78	2,44,950	8,34,777	27,10,911	35,45,688	3,408	11,067	49,016
Assam	(S.S.)	1976-77	26,800	75,452	53,680	1,29,132	2,815	2,003	286
		1977-78	29,000	81,694	53,389	1,35,083	2,817	1,841	280
Bihar	(S.S.)	1976-77	1,11,800	3,04,538	3,97,912	7,02,450	2,724	3,559	2,841
		1977-78	1,26,850	2,99,929	3,55,969	6,55 898	2,364	2,806	2,095
Chandigarh	(S S.)	1976-77	10,500	50,665	21,278	71,943	4,825	2,026	1,058
		1977-78	12,000	46,741	36,425	83,166	3,895	3,035	1,751
Delhi	(S.S.)	1976-77	2,23,000	5,90,920	10,90,202	16,81,122	2,650	4,889	10,361
		1977-78	2,50,000	8,22,382	14,61,022	22,83,404	3,290	5,844	12,926
Goa	(S.S.)	1976-77	——Included in Bombay Area (S.S.)——						
		1977-78@	13,700	38,548	9,716	48,264	2,814	709	269
Gujarat	(S.S.)	1976-77	5,17,200	9,98,271	41,86,261	51,84,532	1,930	8,094	1,128
		1977-78	5,26,800	9,32,638	41,28 269	50,60,907	1,770	7,837	1,536
Gujarat	(S.S.)	1976-77	45,150	2,49,639	2,28,090	4,77,729	5,529	5,052	596
		1977-78	47,600	2,47,657	2,12,794	4,60,451	5,203	4,470	713
Haryana	(S.S.)	1976-77	1,75,450	3,91,294	5,41,593	9,32,867	2,230	3,087	6,287
		1977-78	1,89,700	4,96,582	6,87,598	11,84,180	2,618	3,625	6 091
Karnataka	(S.S.)	1976-77	2,83,200	18,57,959	35,66,739	54,24,698	6,561	12,594	11,314
		1977-78	2,87,200	21,63,495	39,80,657	61,44,152	7,533	13,860	11,530
Kerala	(S.S.)	1976-77	2,64,350	10,11,007	27,92,071	38,03,078	3,825	10.562	401
		1977-78	2,94,650	10,54,947	29,36,081	39,91,028	3,580	9,965	307
Kerala	(P.S.)	1976-77	350	5 595	7,982	13,577	15,986	22,806	N.A.
		1977-78	250	3,383	6,153	9,536	13,532	24,612	N.A.
Madhya Pradesh	(S.S.)	1976-77	1,56,700	6,69,767	17,13,764	23,83,531	4,274	10,937	776
		1977-78	1,72,000	7,02,316	18,30,696	25,33,012	4,083	10,644	540
Madhya Pradesh	(P.S.)	1976-77	2,500	9,593	17,810	27,403	3,837	7,124	N.A.
		1977-78	2,850	11,029	15,813	26,842	3,870	5,548	36
Maharashtra									
(i) Bombay Area	(S.S.)	1976-77	1,350	7,548	27,860	35,408	5,591	20 637	159
		1977-78	2,400	12,530	37,919	50,449	5,221	15,800	70
(ii) Bombay Area	(P.S.)	1976-77	5,35,200*	18,00,939	13,53,661	31,54,600	3,365*	',529*	7,453
		1977-78	4,04,600	13,14,372	9,20,609	22,34,981	3,249	2,275	4,693
(iii) Nagpur Area	(S.S.)	1976-77	62,700	2,48,511	11,55,893	14,04,404	3,963	18,435	3,056
		1977-78	75,500	2,39,825	11,60,227	14,00,052	3,176	15,367	3,720
(iv) Poona Area	(S.S.)	1976-77	51,850	1,59,341	3,26,836	4,86,177	3,073	6,303	531
		1977-78	35,400	1,25,197	3,43,242	4,68,439	3,537	9,696	189
(v) Poona Area	(P.S.)	1976-77	79,700	4.72,711	4,02,551	8,75,262	5,931	5.051	2,326
		1977-78	81,200	5,18,500	3,85,635	9,04,135	6,385	4,749	1,586
Orissa	(S.S.)	1976-77	76,150	2,39,776	2,82,984	5,22,760	3,149	3,716	3,772
		1977-78	84,500	3,08,885	4,01,293	7,10,178	3,655	4,749	5 049
Pondicherry & Mahe	(S.S.)	1976-77	16,850	63,583	2,32,888	2,96,471	3,773	13,821	2,654
		1977-78	17,450	63,215	2,78,785	3,42,000	3,623	15 976	2,489
Punjab	(S.S.)	1976-77	12,800	93,695	84,685	1,78,380	7,320	6,616	4,348
		1977-78@	7,900	1,05,631	1,28,438	2,34,069	13,371	16,258	4,003
Punjab	(P.S.)	1976-77	30 800	1,61,453	1,40,789	3,02,242	5,242	4,571	3,547
		1977-78	31,000	1,72,358	1,10,038	2,82,396	5,560	3,550	2,717
Rajasthan	(S.S.)	1976-77	1,16,750	5,21,137	9,28,253	14,49,390	4,464	7,951	793
		1977 78	1,25,000	5,91,734	11,00,617	16,92,351	4,734	8,805	791
Tamil Nadu	(S.S.)	1976-77	3,97,650	16,85,393	51,63,783	68,49,176	4,238	12,986	18,982
		1977-78	4,44,500	16,79,532	55,47,098	72,26,630	3,778	12 479	21,799
Tamil Nadu	(P.S.)	1976-77	5,650	35,474	76,741	1,12,215	6 279	13,582	1,764
		1977-78	5,800	33,186	90,843	1,24,029	5,722	15,663	1,617

1		2	3	4	5	6	7	8	9
Uttar Pradesh	(S S.)	1976-77	4,76,000	9,68,652	17,17,809	26,86,461	2,035	3,609	75,033
		1977-78	4,76,500	10,02,933	15,92,660	25,95,593	2,105	3,342	34,379
West Bengal	(P.S)	1976-77	6,31,400	24,51,198	12,92,481	37,43,679	3,882	2,047	23,316
		1977-78	6,07,150	22,59,488	11,88,331	34,47,819	3,752	1,973	23,463
All-India		1976-77	45,40,800*	1,60,14,074	3,11,31,247	4,71,45,324	3,527*	6,856*	2,95,759
		1977-78	45,91,450	1,61,63,504	3,17,11,228	4,78,74,732	3,520	6,907	1,93,655

(S.S.)—Service System (P.S.)—Panel System

@ —Figures for certain months not received ; weighted average taken

*— Figures revised.

APPENDIX XIV

Incidence of Morbidity i.e., number of new cases per 1,000 Insured Persons and 1,000 Family (I.F.)

Units 1976-77 and 1977-78

ALL-INDIA

Cause Group No.	Disease	Insured Persons		Families	
		1976-77	1977-78	1976-77	1977-78
1	2	3	4	5@	6
1.	T.B. of respiratory system	15.9	14 8	10.8	11.2
2.	T.B. other forms.	4.4	4.6	4.4	5.0
3.	Syphilis and its sequelae	3 .0	2.4	1.3	1.0
4.	Gonococcal infection	5.2	5 5	4.0	2.8
5.	Dysentery, all forms	265.0	232.1	229.5	216.4
6.	Cholera, Enteric Fever, other infective diseases arising in intestinal tract	17.6	20.8	23.1	24.5
7.	Scarlet fever, Diptheria, Whooping Cough, Measles, Mumps, chickenpox	10.4	8.2	30.1	23.6
8.	Typhus and other rickettsial diseases	0.5	0.3	1.2	0.4
9.	Malaria	33.8	35.8	38.5	41.4
10.	Filariasis Ankylostomiasis and other Helminths	61.8	57.4	98.9	96.7
11.	All other diseases classified as infective and parasitic	52.9	56.9	68.0	68·3
12.	Malignant neoplasms all sites	0.4	0.4	0.7	0.3
13.	Benign neoplasms all sites	0.7	1.3	1.0	0.6
14.	Allergic disorders	101.5	111.0	115.5	115.3
15.	Diseases of Thyroid gland	1.5	1.2	2.7	1.5
16.	Diabetes Mellitus	5.1	6.0	6.4	5.4
17.	Avitaminosis and other deficiency states	129.3	127.9	140.2	141.7
18.	Anaemias	92.4	88.8	113.4	117.8
19.	Psychoneuroses and Psychoses	2.7	2.1	3.4	3.1
20.	Vascular lesions C.N.S.	0.8	0.7	1.4	1.0
21.	Diseases of eye	95.1	91.9	112 9	111.6
22.	Diseases of ear and Mostoid Process	51.9	51.9	72.5	75.8
23.	Rheumatic fever	7.5	6.3	8.1	4.6
24.	Chronic Rheumatic heart diseases	0.6	0.9	0.7	0.9
25.	Arteriosclerotic and degenerative heart diseases	0.6	0.5	0.8	0.3
26.	Hypertensive diseases	6.4	7.8	7.1	9.2
27.	Diseases of Veins	7.2	8.4	6.6	6.9
28.	Acute nasopharyngitis (Common Cold)	306.1	282.3	307.8	309.6
29.	Acute Pharyngitis and tonsillitis	95.8	84.2	110.5	106.5
30.	Influenza	195.7	154.4	148.8	150.7
31.	Pneumonia	8.1	7.5	9.0	7.8
32.	Bronchitis	266.7	242.8	257.5	256 3
33.	Silicosis and Occupational pulmonary fibrosis	0.0	0.2	0.3	0.0
34.	Other respiratory	69.9	72.1	86.7	87.3
35.	Diseases of stomach and duodenum	134.0	128.2	116.9	128.4
36.	Appendicitis	2.0	3.3	2.0	1.2
37.	Hernia of abdominal cavity	2.3	2.2	1.7	1.4
38.	Diarrhoea and enteritis	195.8	175.2	221.5	221.3
39.	Diseases of gallbladder and bile ducts	2.8	3.9	3.0	2.2

1	2	3	4	5	6
40.	Other diseases of digestive system	148.5	143.8	145.4	150 8
41.	Nephritis and nephrosis	2.8	3.5	2.7	1.9
42.	Diseases of genital organs	19.8	16.3	33.9	33.9
43.	Deliveries, complications of pregnancy Child birth and the Puerperium	38.8*	31.9*	13.3	11.1
44.	Boil, abscess, cellulitis and other skin infections	184.3	199.3	231.6	215.4
45.	Other diseases of skin	103.2	102.5	108.3	120.1
46.	Arthritis and rheumatism	152.9	147.9	123.9	116.1
47.	Diseases of bones and other organs of movement	11.1	10.5	6.2	7.4
48.	Congenital Malformations and diseases peculiar to early infancy	0.6	0.7	0.9	0.6
49.	Other specific and ill-defined diseases	280.3	283.6	295.7	311.0
50.	Accidents, poisoning and Violence	221.6	210.2	191.2	187.5
51.	Other Miscellaneous Groups	4.9	3.5	4.7	3.7
	Total No. of New Cases	3386.5	3221.4	3526.7	3520.3

*Per 1,000 insured women employees. @Figures revised.

APPENDIX XV

Estimated Expenditure Incurred on Provision of Medical Benefit During the Year 1977-78

S. No.	Name of the State	No. of employees deemed exposed to risk	Total estimated expenditure on medical benefit as intimated by the State Government	Per Capita Cost
1	2	3	4	5
			Rs. P.	Rs. P.
1.	Andhra Pradesh	228500	2,92,39,480.34	127.96
2.	Assam	26000	24,15,459.99	92 90
3.	Bihar	118500	93,155,38.82	78.61
4.	Chandigarh Admn.	10000	12,37,081.60	123.71
5.	Delhi	220000	2,53,92,680.46	115.42
6.	Goa	12250	13,28,853.20	108.48
7.	Gujarat	505000	5,54,66,390.00	109.83
8.	Haryana	169000	1,55,96,700.00*	92.29
9.	H.P.	600	68,397.50	113.99
10.	Karnataka	271000	3,23,05,400.85	119.21
11.	Kerala	279600	3,28,75,959.00	117.58
12.	Madhya Pradesh	162500	1,42,49,737.05	87.69
13.	Maharashtra	1303000	15,72,15,095.47	120.66
14.	Orissa	79750	62,24,704.00	78.05
15.	Pondicherry	15900	12,51,310.88	78.70
16.	Punjab	157500	99,85,034.18	63.40
17.	Rajasthan	110000	1,25,21,076.00	113.83
18.	Tamil Nadu	445000	6,38,66,206.20	143.52
19.	Uttar Pradesh	442500	3,37,49,661.63	76.27
20.	West Bengal	965000	9,59,63,600.00	99.44
	Total	5521600	60,02,68,367.17	108.72

*Provisional.

APPENDIX XVI

Incidence of Sickness and Maternity Benefit Claims in 1976-77 and 1977-78—STATE-WISE

State	Period	No. of employees deemed exposed to risk for Sickness/Ext. Sickness Benefit	Total No. of cash Benefit payments	Average No. of cash Benefit Payments per employee per annum	Sickness Benefit: Rate of fresh spells per employee per annum	Sickness Benefit: Average No. of S.B. days per employee per annum	Sickness Benefit: Average daily rate	Extended Sickness Benefit: Rate of fresh cases per 1000 employees per annum	Extended Sickness Benefit: Average duration per terminated case	Maternity Benefit: Rate of confinement per 1000 insured women employees exposed	Maternity Benefit: Average Amount per confinement
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
							Rs.				
Andhra Pradesh	1976-77	1,93,250	3,29,656	1.7	1.16	6.7	6.11	3.4	180.9	62.0	804
	1977-78	2,18,900	3,93,763	1.8	1.24	7.1	6.64	2.9	200.0	74.6	741
Assam	1976-77	23,150	29,443	1.3	0.76	4.9	4.99	8.3	176.7	81.9	590
	1977-78	25,700	38,278	1.5	1.14	6.0	5.57	2.8	206.7	77.5	642
Bihar	1976-77	90,000	1,22,766	1.4	0.71	7.9	6.69	3.4	255.3	21.9	725
	1977-78	1,10,350	1,53,294	1.4	0.74	8.9	7.29	2.8	296.9	19.5	678
Chandigarh	1976-77	7,850	2,250	0.3	0.14	1.5	7.58	0.4	..	35.6	837
	1977-78	9,450	2,669	0.3	0.14	1.9	8.28	0.8	350.0	36.8	1,145
Delhi	1976-77	1,68,450	1,02,338	0.6	0.27	3.1	8.39	3.1	224.5	20.2	831
	1977-78	2,05,450	1,26,596	0.6	0.31	3.6	8.17	3.9	256.3	25.3	1,058
Gujarat	1976-77	4,85,100	5,17,693	1.1	0.53	5.5	6.48	4.8	157.8	54.0	556
	1977-78	5,12,950	5,91,486	1.2	0.58	4.9	8.38	4.5	206.8	47.8	552
Haryana	1976-77	1,43,300	67,566	0.5	0.24	2.3	6.34	2.6	163.7	16.1	628
	1977-78	1,64,450	79,513	0.5	0.28	2.7	6.83	1.7	195.6	17.4	839
Himachal Pradesh	1976-77	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	1977-78	50	—	—	—	—	—	—	—	—	—
Karnataka	1976-77	2,56,350	3,03,930	1.2	0.88	4.4	7.79	1.9	176.1	85.4	777
	1977-78	2,66,500	5,09,002	1.9	1.48	7.8	8.39	2.4	198.4	93.0	949
Kerala & Mahe	1976-77	2,32,150	3,91,853	1.7	0.99	5.0	5.81	3.1	154.4	108.2	556
	1977-78	2,55,200	5,36,775	2.1	1.30	6.6	6.64	3.0	204.8	86.1	668
Madhya Pradesh	1976-77	1,34,600	2,68,384	2.0	1.02	10.3	7.80	6.3	187.5	47.7	469
	1977-78	1,51,100	2,98,825	2.0	1.08	12.9	7.23	5.8	232.5	30.3	603
Maharashtra	1976-77	11,92,250	12,99,728	1.1	0.66	4.2	8.97	5.8	146.6	32.3	1,207
	1977-78	12,96,950	17,45,644	1.3	0.89	5.8	9.67	5.2	173.9	31.9	1,520
Orissa	1976-77	62,200	50,641	0.8	0.42	3.8	6.69	3.2	210.8	47.6	621
	1977-78	73,100	70,957	1.0	0.55	5.4	7.00	2.3	258.1	25.8	794
Pondicherry	1976-77	14,250	21,298	1.5	1.04	5.1	8.79	3.2	200.0	44.8	1,488
	1977-78	14,850	27,803	1.9	1.40	6.9	8.47	2.3	216.7	66.0	696
Punjab	1976-77	1,36,850	52,568	0.4	0.21	1.6	5.30	1.3	141.9	18.2	483
	1977-78	1,59,450	60,549	0.4	0.22	1.8	5.82	0.8	168.3	14.1	575
Rajasthan	1976-77	1,00,400	1,00,372	1.0	0.49	3.3	7.45	7.2	159.0	28.0	674
	1977-78	1,08,900	1,12,288	1.0	0.59	4.2	7.37	5.8	191.9	33.1	549
Tamil Nadu	1976-77	3,76,700	6,18,762	1.6	1.28	5.8	9.70	2.3	135.4	28.5	963
	1977-78	4,30,000	8,37,701	1.9	1.53	6.9	9.35	2.9	159.7	33.7	816
Uttar Pradesh	1976-77	4,34,100	2,91,511	0.7	0.45	4.9	6.68	3.2	233.3	20.8	717
	1977-78	4,50,000	3,52,082	0.8	0.53	6.4	7.30	3.8	250.7	19.3	858
West Bengal	1976-77	8,94,850	12,04,920	1.3	0.85	5.6	7.63	8.0	225.9	44.9	609
	1977-78	9,49,550	12,45,748	1.3	0.84	6.3	8.40	6.4	233.3	33.7	830
Total	1976-77	49,45,800	57,75,679	1.2	0.72	5.0	7.66	4.8	179.2	56.5	701
	1977-78	54,02,900	71,83,003	1.3	0.87	6.0	8.31	4.3	203.6	51.0	843

APPENDIX XVII

Incidence of Disablement and Dependants' Claims admitted in 1976-77 and 1977-78

State	Period	No. of employees deemed exposed to risk	Temporary Disablement Benefit			Permanent Disablement Benefit				Dependants' Benefit	
			Rate of fresh spells per employee per annum	No. of T.D.B. days per employee per annum	Average daily rate of T.D.B. (Rs.)	No. of fresh cases admitted	Rate of fresh cases per 1000 employees per annum	No. of cases commuted for lump-sum	No. of beneficiaries at the end of the year	No. of death cases admitted	No. of Beneficiaries at the end of the year
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
Andhra Pradesh	1976-77	2,15,750	0.05	0.65	6.80	390 1S	1.81	343	425	16	611
	1977-78	2,28,500	0.05	0.63	7.24	618 2S	2.71	393	490	19	668
Assam	1976-77	25,500	0.04	0.84	5.22	58	2.27	51	137	1	82
	1977-78	26,000	0.04	1.05	6.19	115 1S	4.46	91	135	4	92
Bihar	1976-77	1,05,000	0.03	0.70	7.01	168	1.60	102	460	15	291
	1977-78	1,18,500	0.02	0.69	8.73	114	0.96	90	409	10	314
Chandigarh	1976-77	9,000	0.01	0.56	7.32	13	1.44	2	16	3	21
	1977-78	10,000	0.02	0.49	8.50	8	0.80	5	16	1	24
Delhi	1976-77	1,97,500	0.04	0.71	8.86	645 43S	3.48	687	965	16	496
	1977-78	2,20,000	0.04	0.82	8.61	1,056 21S	4.90	852	936	27	563
Gujarat	1976-77	5,12,500	0.12	1.41	10.12	1,679 178S	3.62	665	1,733	68	1,419
	1977-78	5,05,000	0.12	1.62	10.26	1,614 180S	3.55	1,088	2,369	48	1,471
Haryana	1976-77	1,60,250	0.03	0.70	6.12	477	2.98	351	680	17	457
	1977-78	1,69,000	0.04	0.71	7.44	464	2.74	361	776	12	471
Himachal Pradesh	1976-77	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
	1977-78	600	0.03	0.23	14.39	—	—	—	—	—	—
Karnataka	1976-77	2,67,500	0.07	0.69	8.27	378	1.42	293	757	21	618
	1977-78	2,71,000	0.07	0.73	8.47	494	1.82	322	737	33	686
Kerala & Mahe	1976-77	2,52,500	0.06	0.67	8.73	474	1.88	278	552	29	603
	1977-78	2,80,500	0.06	0.69	9.21	605	2.16	403	689	25	637
Madhya Pradesh	1976-77	1,47,250	0.16	2.39	8.97	397	2.70	207	406	20	523
	1977-78	1,62,500	0.17	2.60	9.62	298	1.83	141	500	22	545
Maharashtra	1976-77	12,82,250	0.05	0.64	10.46	3,213 186S	2.65	2,483	12,955	110	3,549
	1977-78	13,15,250	0.06	0.72	10.86	3,730 169S	2.96	2,557	11,266	71	3,730
Orissa	1976-77	70,750	0.03	0.56	6.60	73 2S	1.06	57	287	7	181
	1977-78	79,750	0.04	0.61	7.12	66 2S	0.85	34	194	2	180
Pondicherry	1976-77	14,750	0.13	1.19	10.48	14	0.95	9	18	—	5
	1977-78	15,000	0.11	1.02	9.56	11	0.73	6	22	1	6
Punjab	1976-77	1,56,000	0.02	0.48	5.83	393	2.52	260	663	13	416
	1977-78	1,57,500	0.03	0.57	6.11	461	2.93	245	787	28	496
Rajasthan	1976-77	1,08,000	0.06	0.71	8.32	259	2.40	159	424	6	442
	1977-78	1,10,000	0.07	0.77	8.22	287	2.61	165	358	6	458
Tamil Nadu	1976-77	4,15,000	0.09	0.66	10.00	751 9S	1.83	609	974	34	803
	1977-78	4,45,000	0.08	0.69	9.87	587 11S	1.34	471	1,130	16	891
Uttar Pradesh	1976-77	4,47,500	0.04	0.85	7.95	322	0.72	302	914	43	1,218
	1977-78	4,42,500	0.04	0.81	7.80	445	1.01	237	844	16	1,268
West Bengal	1976-77	9,37,500	0.11	1.35	8.72	2,546	2.72	1,496	15,809	50	2,046
	1977-78	9,65,000	0.10	1.35	9.24	1,922	1.99	1,240	15,343	72	2,232
Total	1976-77	53,25,000	0.07	0.91	9.02	12,250 419S	2.38	8,354	38,175	469	13,781
	1977-78	55,21,600	0.07	0.97	9.39	12,895 386S	2.41	8,701	37,001	413	14,732

APPENDIX XVIII

Incidence of Permanent Disablement Benefit Claims admitted in 1976-77 and 1977-78—Industry-Wise

Industry	Period	Estimated No. of employees exposed to risk	No. of accident cases admitted	Rate of P.D.B. cases per 1000 employees per annum
1	2	3	4	5
Food, Beverages and Tobacco	1976-77	3,46,798	286	0.82
	1977-78	3,63,550	294	0.81
Textiles	1976-77	19,29,995	6,798	3.52
	1977-78	18,60,700	7,309	3.93
Leather and Rubber	1976-77	1,33,647	210	1.57
	1977-78	1,45,050	239	1.65
Chemicals and Chemical Products	1976-77	3,21,633	450	1.40
	1977-78	3,28,950	469	1.43
Non-Metallic Minerals	1976-77	2,30,847	404	1.75
	1977-78	2,15,600	403	1.87
Metallic Minerals	1976-77	4,52,484	1,295	2.86
	1977-78	4,41,400	1,234	2.80
Engineering	1976-77	7,94,599	1,664	2.09
	1977-78	10,15,850	1,721	1.69
Transport	1976-77	3,68,782	701	1.90
	1977-78	3,76 950	645	1.71
Paper and Printing	1976-77	2,32,006	333	1.44
	1977-78	2,29,250	360	1.57
Misc llaneous	1976-77	3,81,472	525	1.38
	1977-78	3,86,050	602	1.56
Commercial Establishments	1976-77	75,109	3	0.04
	1977-78	88,650	3	0.03
Hotels & Restaurants	1976-77	39,875	—	—
	1977-78	49,700	2	0.04
Cinemas & Theatres	1976-77	17,752	—	—
	1977-78	19,900	—	—
Total	1976-77	53,25,000	12,669	2.36
	1977-78	55,21,600	13,281	2.41

APPENDIX IX

The number of Legal cases filed during the year 1977-78

S. No.	Name of the Region	No. of cases filed under					
		Section 66		Section 67		Section 73-D	
		Cases	Amount Rs.	Cases	Amount Rs.	Cases	Amount Rs.
1.	Andhra Pradesh	—	—	—	—	11	2,22,699
2.	Assam	—	—	—	—	—	—
3.	Bihar	—	—	—	—	10	3,73,603
4.	Delhi	—	—	—	—	4	28,605
5.	Gujarat	—	—	—	—	78	1,29,984
6.	Karnataka	—	—	—	—	7	1,05,537
7.	Kerala	—	—	—	—	6	11,953
8.	Madhya Pradesh	—	—	—	—	40	1,27,551
9.	Maharashtra	—	—	—	—	100	7,88,195
10.	Nagpur	—	—	—	—	1	1,899
11.	Poona	—	—	—	—	64	2,13,715
12.	Orissa	—	—	—	—	3	7,712
13.	Punjab	—	—	—	—	14	3,33,765
14.	Rajasthan	—	—	—	—	—	—
15.	Tamil Nadu	—	—	—	—	32	1,16,435
16.	Uttar Pradesh	—	—	—	—	—	—
17.	West Bengal	—	—	—	—	92	3,84,175
	Total					462	28,45,828

XIX

and the amount involved Region-wise

Amount recovered by action under						
Section 75 (2) 45 B		Section 66	Section 67	Section 73-D	Section 75(2) 45-B	No. of Cases Prosecution filed under Section 85
Cases	Amount Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
604	32,61,178	2,000	—	4,572	3,67,803	14
49	1,86,183	—	—	—	31,139	1
72	23,39,736	—	—	1,27,639	1,60,040	27
204	13,49,547	—	—	1,435	4,24,196	27
128	10.98,163	—	—	46,643	80,960	184
283	38,63,549	—	—	—	31,593	12
806	32,92,984	—	—	55,730	12,14,905	20
209	31,15,619	32,504	14,500	26,244	2,29,905	40
288	59,73,607	5,010	—	1,69,137	3,58,633	229
5	1,04,172	—	—	1 899	13,895	48
187	26,88,759	—	—	1,009	32,491	136
35	3,37,260	—	—	32,155	4,52,617	51
679	64,73,781	—	1,07,213	14,69,991	—	97
196	13,98,955	—	—	—	60,729	21
13	3,500	—	—	86,753	3,500	31
138	41,40,081	—	—	1,65,070	45,89,982	27
224	12,25,939	—	—	10,72,493	41,838	130
4120	4,08,53,013	39,514	1,21,713	32,60,770	80,94,226	1,685

Accounts of the Employees' State Insurance

APPENDIX

EMPLOYEES' STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

EXPENDITURE

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	1. Benefits to Insured Persons & their families.		
	A. Medical Benefits.		
33,99,42,691	(i) Payments to State Govts. etc. as Corporation's Share of their expenses on providing medical treatment and maternity facilities etc.	'A' 44,46,64,850	
—	Deduct Payments to State Govts. towards medical care during the year transferred to the Capital Construction Reserve Fund.	—	
33,99,42,691			
2,42,93,657	(ii) Medical treatment and care and maternity facilities (expenses incurred direct by the Corporation)	2,64,08,246	
36,42,36,348	Total A—Medical Benefits		47,10,73,096
	Shoes		
	B—Cash Benefits		
18,85,54,244	1. Sickness Benefit	27,09,36,456	
2,38,02,242	2. Extended Sickness Benefit	2,62,66,978	
41,98,442	3. Enhanced Sickness Benefit for Family Planning	6,54,211	
1,51,31,634	4. Maternity Benefit	1,73,39,589	
	5. Disablement Benefit		
4,39,29,068	(a) Temporary	5,01,33,495	
5,20,26,000	(b) Permanent (Capitalised Value)	1,48,69,252 'B'	
1,47,11,000	6. Dependants' Benefit (Capitalised Value)	'C' 1,67,90,647	
9,13,803	7. Funeral Benefit.	9,52,449	
34,32,66,433	Total B Cash Benefits		39,79,43,077
70,75,02,781	Total Carried over		86,90,16,173

Note :—'A' This includes the Corporation's Share of the expenditure on the initial equipments for the Hospitals.

'B'	Provision for the year 1977-78		5,20,93,000
	Add one time additional cost on account of increase in rates of P.D.B.		1,76,00,000
		Total	6,96,93,000
	Less surplus as per 5th quinquennial Report on the Valuer.		(—)5,48,23,748
		Net	1,48,69,252
'C'	Provision during the year 1977-78.		1,26,25,000
	Add one time cost on account of increase in rates of D.B.		1,04,00,000
		Total	2,30,25,000
	Less surplus declared by the valuer as per 5th quinquennial Report of the valuer		(—)62,34,353
		Net	1,67,90,647

Corporation for the year 1977-78

XX

INSURANCE CORPORATION

FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1978

INCOME

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Contributions.		
1,23,61,94,824	Employers' and Employees' Shares.	1,31,11,81,105	
93,97,151	Employers' Share only.	25,97,022	
1,07,22,754	Employees' Share only.	48,90,539	
1,78,865	Interest on Contributions.	5,97,322	
1,25,64,93,594	Total Contributions.		1,31,92,65,988
14,12,271	State Government/Union Territories share towards medical benefits intially incurred by the Corporation.	39,77,000	
14,12,271			39,77,000
—	Grants-in-aid.	—	
	Other Heads of Revenue.		
7,29,00,062	Interest & Dividends	8,00,73,589	
48,29,360	Compensations.	25,88,748	
	Rents, Rates and Taxes.		
9,38,934	(i) Offices of the Corporation (including Staff Quarters).	6,57,269	
2,80,08,041	(ii) Hospitals, Dispensaries & Staff Quarters.	3,48,62,153	
5,11,904	Fees, Fines & Forfeitures.	26,18,074	
18,25,238	Miscellaneous.	14,05,209	
10,90,13,539	Total of Other Heads of Revenue.		12,22,05,042
1,36,69,19,404	Total Carried Over.		1,44,54,48,030

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
70,75,02,781	Total Brought Forward.		86,90,16,173
	C—Other Benefits.		
52,962	(a) Expenditure on the Rehabilitation of Disabled Insured Persons.	49,849	
3,02,065	(b) Medical Boards & Appeal Tribunals.	3,50,931	
	(c) Payments to Insured Persons.		
2,28,860	(i) Conveyance Charges and/or loss of wages	2,89,537	
—	(ii) Incidental Charges under Family Planning.	67,980	
—	(d) Grants-in-aid.	—	
4,50,148	(e) Miscellaneous.	5,82,252	
10,34,035	Total C—Other Benefits.		13,40,549
70,85,36,816	Total Benefits to Insured Persons and their families.		87,03,56,722
	2. Administration Expenses.		
	A. Superintendence.		
58,431	1. Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc.	53,382	
2,32,984	2. Principal Officers.	2,35,188	
52,62,199	3. Other Officers.	55,36,025	
2,67,43,755	4. Ministerial Establishment.	2,72,91,379	
48,88,564	5. Class IV Servants.	46,23,122	
1,02,63,731	6. Contingencies.	95,16,932	
4,74,49,644	Total A—Superintendence.		4,72,56,028
	B—Field Work.		
9,82,820	1. Officers.	11,88,453	
2,52,94,493	2. Ministerial Establishment.	2,73,31,185	
41,36,460	3. Class IV Servants.	42,75,294	
27,05,691	4. Contingencies.	30,72,174	
3,31,19,464	Total B—Field Work.		3,58,67,106
78,91,05,944	Total Carried Over.		95,34,79,856

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,36,69,19,404	Total Brought Forward.		1,44,54,48,030

1,36,69,19,404	Total Carried Over.	1,44,854,48,030

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
78,91,05,944	Total Brought Forward.		95,34,79,856
	C—Other Charges.		
89,369	1. Interest on Additional D.A. Deposits.	—	
3,22,181	2. Legal Charges.	4,04,612	
34,880	3. Insurance Courts.	45,170	
72,575	4. Publicity & Advertisement Charges.	63,055	
2,77,254	5. Charges for maintaining Banking Accounts.	@9,79,849	
1,98,890	6. Adult Fees.	2,07,587	
84,722	7. Leave Salary & Pension Contribution.	93,310	
2,93,939	8. Depreciation of Office Buildings/Staff Cars.	3,01,400	
7,45,328	9. Repairs & Maintenance of Office Buildings.	7,50,325	
	10. Retirement Benefits.		
49,64,352*	(a) Pension Reserve Fund for the employees of the Corporation.	59,84,424**	
2,55,688	(b) Corporations' Contribution towards Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.	2,62,181	
24,36,225	(c) Interest Paid to ESIC Provident Fund.	29,39,240	
1,09,535	(d) Incentive Bonus.	1,64,098	
—	(e) Loss on realisation of investments.	—	
(—)28,16,778	(f) Less Interest realised on investment of Provident Fund Balances.	† —	
29,434	11. Compassionate Reserve Fund.	31,000	
64,640	12. Provident Fund Deposit—Linked Insurance Fund.	1,00,000	
—	13. Losses.	8,000	
14,556	14. Miscellaneous.	83,055	
71,76,790	Total C—Other Charges		1,24,17,306
8,77,45,918	Total Head 2—Administration Expenses.		9,55,40,440
79,62,82,734	Total Carried Over		96,58,97,162

* This excludes Rs. 5,93,962/- pertaining to pensionary liability of the employees of D.M.D. office which is included under 'A' (ii) Medical Benefits being shareable expenditure with Delhi Administration.

** This excludes Rs. 5,82,390/- pertaining to pensionary liability of the employees of D.M.D. Office which is included under 'A' (ii) Medical Benefits being shareable expenditure with Delhi Administration.

† Interest realised on Investment of Provident Fund Balances has been credited under the Sub-head 'Interest and Dividends'.

@'This includes commission charged by the bank on the sale of contribution stamps which was earlier accounted for under '2.A Superintendence Contingencies—C. Contribution (ii) Sales & Distribution Charges'.

Previous year (1976-77)	Heads of account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,36,69,19,404	Total Brought Forward.		1,44,54,48,030
1,36,69,19,404	Tatal Carried Over.		1,44,54,48,030

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
79,62,82,734	Total Brought Forward.		96,58,97,162
	3. Hospitals and Dispensaries.		
26,30,818	1. Depreciation of Hospital Buildings Transferred to fund.	31,53,779	
76,88,115	2. Repairs & Maintenance of Hospitals/Dispensaries.	91,00,566	
1,03,18,933	Total Head 3—Hospitals & Dispensaries.		1,22,54,345
	4. Capital Construction/Emergency Reserve Fund.		
12,56,49,360	1. Capital Construction.	13,19,26,600	
8,69,33,675	2. Emergency Reserve Fund.	6,70,73,985	
21,25,83,035	Total Head 4—Capital Construction/ Emergency Reserve Fund.		19,90,00,585
1,01,91,84,702	Total Expenditure on Revenue Account.		1,17,71,52,092
34,77,34,702	To excess of Income over Expenditure carried over to Balance Sheet.		26,82,95,938
1,36,69,19,404	GRAND TOTAL.		1,44,54,48,030

New Delhi,
Dated 31st May, 1978.

Previous year (1976-77)	Heads of Account	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,36,69,19,404	Total Brought Forward.		1,44,54,48,030
1,36,69,19,404	GRAND TOTAL		1,44,54,48,030

Sd/-
(M. L. Sobti)
Financial Adviser &
Chief Accounts officer
Employees' State Insurance Corporation.

APPENDIX

EMPLOYEES STATE,

Balance Sheet as at

Previous year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Balance of Excess of Income over Expenditure.		
74,75,21,794	As per last Balance Sheet.	1,09,52,56,496	
34,77,34,702	Accumulations during the year.	26,82,95,938	
1,09,52,56,496			
—	LESS Amount transferred to Emergency Reserve Fund from Last Year's Accumulation.	—	
1,09,52,56,496			1,36,35,52,434
	RESERVE FUNDS.		
	1. Capital Construction Reserve Fund.		
29,76,67,469	Opening Balance.	43,73,52,629	
—	Amount transferred from balance of Excess of Income over Expenditure.	—	
12,56,49,360	ADD Provision made during the year.	13,19,26,600	
1,40,35,800	Interest received on Investments.	1,72,42,307	
	LESS Payments made during the year.	—	
43,73,52,629			58,65,21,536 'A'
	2. Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund.		
15,06,25,925	As per last Balance Sheet.	18,51,87,173	
5,20,26,000	Provision made during the year.	9,96,93,000	'B'
1,30,30,422	Interest received from Investments.	95,13,980	
2,27,571	Gain on realisation of Investments.	—	
—	LESS Surplus as per Fifth quinquennial Report on Valuation.	(—)5,48,23,748	
21,59,09,918	Total Carried Over of this Head	20,95,70,405	
1,53,26,09,125	Total Carried Over.		1,95,00,73,970

'A' Out of this amount Rs. 19,18,99,835/- has been advanced for construction works and Rs. 30,53,29,804/- has been invested in securities The balance of Rs. 8,92,91,897/- represents assets created in lands and buildings.

'B' This includes Rs. 1,76,00,000/- as one time additional cost on account of increase in the rates of P.D.B. with effect from 1-10-77.

XXI

INSURANCE CORPORATION

31st March, 1978

Previous year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
	Lands and Buildings (wholly owned by the Corporation).		
	(a) Buildings for Offices of the Corporation.		
1,59,89,007	As per last Balance Sheet.	1,80,57,416	
20,68,409	Additions during the year.	19,65,477	
1,80,57,416		2,00,22,893	
	(b) Hospitals and Dispensaries.		
26,47,22,404□	As per last Balance Sheet.	29,79,95,923	
3,32,73,519	Addition during the year.	2,52,12,899	
[29,79,95,923@		32,32,08,822	
31,60,53,339			34,32,31,715
	Lands and Buildings (Jointly owned by the Corporation and State Governments) Corporation's Share.		
	(a) Hospitals and Dispensaries.		
9,26,807□	As per last Balance Sheet.	9,26,807	
—	Additions during the year.	—	
9,26,807			9,26,807
31,69,80,146	Total Carried Over.		34,41,58,522

@ The Expenditure on 'Equipment for Hospital' is being booked under the head 'A' Medical Benefits (i) payment to State Govt.etc. as the Corporation's Share of their expenditure on providing Medical treatment and Maternity facilities'. Capitalisation of expenditure on the initial equipment for hospital is under consideration of the Corporation.

□ This includes expenditure of Rs. 49,542/ and Rs. 25,35,343/ incurred under special orders on initial 'Equipment for Hospital' during 1970-71 (Bihar) & 1972-73 (West Bengal).

Previous year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,53,26,09,125	Total Brought Forward.		1,95,00,73,970
21,59,09,918	Total Brought Forward of this head.	20,95,70,405	
(—)3,07,22,745	LESS Payments made during the year.	(—)3,52,55,174	
18,51,87,173			17,43,15,231
	3. Dependants' Benefit Reserve Fund.		
6,82,35,452	As per last Balance Sheet.	8,26,77,671	
1,47,11,000	Provision made during the year.	@2,30,25,000	
61,97,786	Interest received from Investments.	40,59,767	
76,814	Gain on realisation of Investments.	—	
—	LESS Surplus as per 5th Quinquennial Report on Valuation.	(—)62,34,353	
8,92,21,052			
(—)65,43,381	LESS payments made during the year.	(—)77,41,226	
8,26,77,671			9,57,86,859
	4. Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.		
3,00,20,126	As per last Balance Sheet.	3,58,92,828	
	ADD Amount credited during the year.		
1,07,76,205	(i) Employees' Subscription.	99,50,538	
2,55,688	(ii) Corporation's Contribution.	2,62,181	
24,35,059	(iii) Interest on (Employee's & Corporation's Shares)	29,39,240	
(—)16,15,141	(iv) D.A. Deposits.	—	
1,09,448	(v) Incentive Bonus.	1,64,098	
4,19,81,385	Total Carried over of this head.	4,92,08,885	
1,80,04,73,969	Total Carried Over.		2,22,01,76,060

@ This includes Rs. 104,00,000 as one time additional cost on account of increase in the rates of dependents Benefit with effect from 1-10-77.

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
31,69,80,146	Total Brought Forward.		34,41,58,522
	Suspense (i) Amount Advanced for Capital Expenditure.		
5,12,54,528	As per last Balance Sheet.	4,95,54,760	
—	ADD Payments made during the year.	—	
(—)16,99,768	LESS Adjustments and Recoveries.	(—)41,18,685	
4,95,54,760		4,54,36,075 'A'	
	(ii) Amount advanced from Capital Construction Reserve Fund.		
10,22,96,581	As per last Balance Sheet.	13,41,76,637	
6,73,24,863	ADD Payments made during the year.	8,23,26,026	
(—)3,54,44,807	LESS Adjustments and Recoveries.	(—)2,46,02,828	
13,41,76,637		19,18,99,835	
18,37,31,397			23,73,35,910
	Staff Cars.		
5,03,517	As per last Balance Sheet.	5,31,617	
28,100	ADD Payments made during the year.	33,579	
5,31,617			5,65,196
50,12,43,160	Total Carried Over.		58,20,59,628

'A' Represents amount advanced from General Cash Balance before the creation of the Capital Construction Reserve Fund in 1970-71.

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,80,04,73,969	Total Brought Forward.		2,22,01,76,060
4,19,81,385	Total Brought Forward of the Sub-Head.	4,92,08,885	
(—)60,77,440	LESS Payments made during the year.	*(—)79,60,565	
3,59,03,945		4,12,48,320	
	LESS amount transferred to:—		
(—)11,117	(i) Pension Reserve Fund.	(—)23,988	
—	(ii) Unclaimed Deposit.	—	
3,58,92,828			4,12,24,332
	Provident Fund Deposit Linked Insurance Fund.		
50,000	As per last Balance Sheet.	50,000	
64,640	Provision made during the year.	1,00,000	
(—)64,640	LESS Payments made during the year.	(—)74,937	
50,000			75,063
	5. Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
21,77,836	As per last Balance Sheet.	26,43,052	
2,53,762	Provision made during the year.	2,58,732	
2,11,454	Interest and Gain received from Investments.	1,72,025	
26,43,052			30,73,809
1,83,90,59,849	Total Carried Over.		2,26,45,49,264

* Rs. 79,60,565/- includes Rs. 9,330/- transferred to "Unclaimed Deposits"

Previous year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
50,12,43,160	Total Brought Forward.		58,20,59,628
	Permanent Advance to the Heads of Offices of the Corporation.		
56,656	As per last Balance Sheet.	64,061	
7,510	ADD Payments made during the year	14,857	
64,166			
(—)105	LESS Recoveries made during the year.	(—)152	
64,061			78,766
	Advance of Pay on transfer to the Employees of the Corporation.		
27,815	As per last Balance Sheet.	28,597	
1,03,151	ADD Payment made during the year.	1,24,138	
1,30,966			
(—)1,02,369	LESS Recoveries made during the year.	(—)1,32,377	20,358
28,597			
	Advance of T.A. on transfer to the Employees of the Corporation.		
68,981	As per last Balance Sheet.	91,683	
1,39,452	ADD Payments made during the year.	1,73,663	
2,08,433			
(—)1,16,750	LESS Recoveries made during the year.	(—)1,86,110	
91,683			79,236
50,14,27,501	Total Carried Over.		58,22,37,988

Previous year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,83,90,59,849	Total Brought Forward.		2,26,45,49,264
	6. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings.		
2,41,44,626	As per last balance Sheet.	2,91,12,568	
26,30,818	Provision made during the year.	31,53,779	
23,37,124	Interst received from Investments.	21,96,821	
—	Loss or Gain on realisation of Investments.	—	
2,91,12,568			3,44,63,168
	7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars.		
4,22,960	As per last Balance Sheet.	5,04,613	
40,177	Provision made during the year.	42,668	
41,476	Interest received from investments.	48,037	
5,04,613			'B' 5,95,318
	8. Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff Quarters).		
38,93,578	As per last Balance Sheet.	48,31,089	
7,45,328	Provision made during the year.	7,50,325	
1,99,813	Interest received from investments.	1,05,983	
3,404	Gain on realisation of investments.	—	
48,42,123			
(—)11,034	LESS Recoveries made during the year.	(—)7,45,900	
48,31,089			49,41,497
	9. Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings.		
5,26,12,883	As per last Balance Sheet.	6,13,81,189	
76,88,115	Provision made during the year.	91,00,566	
39,95,626	Interst received from investments.	28,19,239	
115	Gain on realisation of investments.	—	
6,36,97,739	Total Carried Over of this Head.	7,33,00,994	
1,87,35,08,119	Total Carried Over.		2,30,45,49,247

'B' This includes Rs. 33,580/- representing the cost of a staff car purchased out of this Fund but booked in Accounts against Administrative expenses which is being written back in 1978-79.

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
50,14,27,501	Total Brought Forward.		58,22,37,988
	Advance for the purchase of Conveyance to the Employees of the Corporation.		
9,41,444	As per last Balance Sheet.	8,78,529	
5,29,471	ADD Payments made during the year.	7,58,516	
14,70,915			
(—)5,92,386	LESS Recoveries made during the year	(—)5,96,201	
8,78,529			10,40,844
	Miscellaneous Advance to the Employees of the Corporation, (Festival Advances).		
2,69,639	As per last Balance Sheet.	8,46,031	
11,17,666	ADD Payments made during the year.	8,51,071	
13,87,305			
(—)5,41,274	LESS Recoveries made during the year.	(—)10,27,430	
8,46,031			6,69,672
	House Building Advance.		
46,72,897	As per last Balance Sheet.	67,24,154	
26,82,525	ADD Payments made during the year.	26,22,991	
73,55,422			
(—)6,31,268	LESS Recoveries made during the year.	(—)9,65,668	
67,24,154			83,81,477
	Advance Payments on behalf of State Governments.		
14,763	As per last Balance Sheet.	8,643	
6,927	ADD Payments made during the year.	1,994	
21,690			
(—)13,047	LESS Recoveries made during the year.	(—)9,174	
8,643			1,463
50,98,84,858	Total Carried Over.		59,23,31,444

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,87,35,08,119	Total Brought Forward.		2,30,45,49,247
6,36,96,739	Total Brought Forward of this Head.	7,33,00,994	
(—)23,15,550	LESS Payments made during the year.	(—)19,56,748	
6,13,81,189			7,13,44,246
	10. Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
5,85,15,481	As per last Balance Sheet.	6,90,24,383	
55,58,315	Provision made during the year.	57,06,876	
58,22,889	Interest received from investments.	42,93,580	
44,913	Gain on realisation of Investments.	—	
—	ADD Additional provision as per 5th Quinquennial Report on Valuation.	8,59,938	
6,99,41,598			
(—)9,28,332	LESS Payments made during the year.	(—)13,27,806	
6,90,13,266			
11,117	ADD Amount transferred from ESIC Provident Fund	23,988	
6,90,24,383			7,85,80,959
	11. Emergency Reserve Fund		
11,00,16,095	As per last Balance sheet	20,75,09,770	
8,69,33,675	Provision made during the year.	6,70,73,985	
1,05,60,000	Interest realised on Investments.	87,63,452	
—	LESS Amount transferred to the Revenue Account for meeting the Excess of Expenditure over the Income.	—	
20,75,09,770			28,33,47,207
2,21,14,23,461	Total Carried Over.		2,73,78,21,659

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
50,98,84,858	Total Brought Forward.		59,23,31,444
	Amount advanced to State Govt./ State P.W.D. etc. towards Repairs and Maintenance of Hospitals/Dispensaries/Offices of the Corporation and Staff Quarters.		
	(a) Offices of the Corporation.		
16,29,831	As per last Balance Sheet.	24,87,105	
8,80,180	ADD Payments made during the year.	3,35,194	
25,10,011			
(—)22,906	LESS Recoveries/Adjustments made during the year.	(—)6,48,370	
24,87,105			21,37,929
	(b) Hospitals/Dispensaries/Annexes.		
1,14,44,452	As per last balance Sheet.	1,65,92,609	
53,37,220	ADD Payments made during the year.	74,47,292	
1,67,81,672			
(—)1,89,063	LESS Receipts during the year.	(—)9,03,080	
1,65,92,609			2,31,36,821
	Miscellaneous Advances.		
17,90,517	As per last Balance Sheet.	17,73,656	
11,78,426	ADD Payments made during the year.	22,19,743	
29,68,943			
(—)11,95,287	LESS Receipts during the year.	(—)19,10,854	
17,73,656			20,82,545
53,07,38,228	Total Carried Over.		61,96,88,739

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,14,23,461	Total Brought Forward.		2,73,78,21,659
	Compassionate Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
10,000	As per last Balance Sheet.	10,000	
29,434	Provision made during the year.	31,000	
39,434			
(—)29,434	LESS Payments made during the year.	(—)31,000	
10,000			10,000
	Deposits of Securities.		
3,83,840	As per last Balance Sheet.	3,55,615	
2,16,815	ADD Deposits during the year.	2,76,355	
6,00,655			
(—)2,45,040	LESS Deposits repaid during the year.	(—)2,46,006	
3,55,615			3,85,964
	Deduction from Bills Payable to other Parties		
26,694	As per last Balance Sheet.	62,581	
10,88,488	ADD amount credited during the year.	12,49,025	
11,15,182			
(—)10,52,601	LESS Payments made during the year.	(—)12,79,851	
62,581			31,755
	Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund.		
6,579	As per last Balance Sheet.	41,961	
33,715	ADD amount credited during the year.	9,330	
40,294			
(+)1,667	LESS Payment made during the year.	(—)585	
41,961			50,706
2,21,18,93,618	Total Carried Over.		2,73,83,00,084

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
53,07,38,228	Total Brought Forward.		61,96,88,739
	Loans to State Governments/ Other Parties.		
3,11,25,166	As per last Balance Sheet.	2,92,63,430	
4,56,300	ADD Payments made during the year.	—	
3,15,81,466			
(—)23,18,036	LESS amount refunded by State Governments	(—)19,40,330	
2,92,63,430			2,73,23,100
	Remittances.		
	Cash Remittances.		
1,98,999	As per last Balance Sheet.	(—)36,95,754	
2,32,96,44,394	ADD Debits adjusted during the year.	2,58,38,85,748	
2,32,98,43,393			
(—)2,33,35,39,147	LESS Credits adjusted during the year.	(—)2,57,95,89,575	
(—)36,95,754			6,00,419
	Other Remittances. Exchange Account.		
98,646	As per last Balance Sheet.	(—) 183	
7,80,83,763	ADD Debits during the year.	8,97,66,093	
7,81,82,409			
(—)7,81,82,592	LESS Credits during the year.	(—)8,97,29,165	
(—) 183			36,745
55,63,05,721	Total Carried Over.		64,76,49,003

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,18,93,618	Total Brought Forward.		2,73,83,00,084
	Deposits from I.L.O. for Family Planning Project.		
—	As per last Balance Sheet.	—	
8,00,000	ADD Deposit during the year.	5,00,000	
	LESS Payments to the Family		
(—) 8,00,000	Planning Project.	(—) 5,00,000	
—			—
	Miscellaneous Deposits.		
17,74,904	As per last Balance Sheet.	14,36,216	
	ADD Deposits received during		
90,29,006	the year.	62,50,102	
1,08,03,910			
(—) 93,67,694	LESS Deposits repaid during the year.	(—) 48,73,761	
14,36,216			28,12,557
2,21,33,29,834	Total Carried Over.		2,74,11,12,641

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
55,63,05,721	Total Brought Forward.		64,76,49,003
	Investments at Cost.		
	1. Capital Construction Reserve Fund.		
14,03,58,000	As per last Balance Sheet.	21,27,31,000	
7,23,73,000	ADD Investments made during the year.	9,32,43,804	
	Deduct-Realisation on Maturity or		
—	Sale of Investments.	(—) 6,45,000	
21,27,31,000			30,53,29,804
	2. Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund.		
15,06,23,101	As per last Balance Sheet.	18,51,86,072	
5,32,96,600	ADD Investments made during the year.	2,54,03,758	
20,39,19,701			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—) 1,87,33,629	Sale of Investments.	(—) 3,62,74,600	
18,51,86,072			17,43,15,230
	3. Dependants Benefit Reserve Fund.		
6,82,35,292	As per last Balance Sheet.	8,26,77,106	
2,91,08,900	ADD Investments made during the year.	2,71,15,753	
9,73,44,192			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—) 1,46,67,086	Sale of Investments.	(—) 1,40,06,000	
8,26,77,106			9,57,86,859
	4. Employees' State Insurance Corporation Provident Fund.		
2,83,57,000	As per last Balance Sheet.	3,58,88,000	
1,11,64,000	ADD Investments made during the year.	1,19,89,732	
3,95,21,000			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—) 36,33,000	Sale of Investments.	(—) 66,53,400	
3,58,88,000			4 12,24,332
1,07,27,87,899	Total Carried Over.		1,26,43,05,228

Previous Year (1976-77)	Liabilities.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,33,29,834	Total Brought Forward.		2,74,11,12,641
2,21,33,29,834	Total Carried Over.		2,74,11,12,641

Previous Year (1976-77)	Assets.	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,07,27,87,899	Total Brought Forward.		1,26,43,05,228
	2. Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters).		
21,76,509	As per last Balance Sheet.	26,41,400	
10,70,400	ADD Investments made during the year.	12,13,408	
32,46,906			
(—) 6,05,509	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—) 7,81,000	
26,41,400			30,73,808
	6. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings.		
2,41,42,525	As per last Balance Sheet.	2,91,12,525	
1,13,37,000	Add Investments made during the year.	1,19,88,643	
3,54,79,525			
(—) 63,67,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—) 66,38,000	
2,91,12,525			3,44,63,168
	7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars.		
4,22,735	As per last Balance Sheet.	5,02,935	
1,17,700	ADD Investments made during the year.	78,803	
5,40,435			
(—) 37,500	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—) 20,000	
5,02,935			5,61,738
1,10,50,44,759	Total Carried Over.		1,30,24,03,942

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,33,29,834	Total Brought Forward.		2,74,11,12,641

2,21,33,29,834	Total Carried Over	2,74,11,12,641

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,10,50,44,759	Total Brought Forward.		1,30,24,03,942
	8. Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)		
22,63,240	As per last Balance Sheet.	23,43,545	
3,08,000	ADD Investments made during the year	12,96,023	
25,71,240			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—)2,27,695	Sale of Investments.	(—) 8,36,000	
23,43,545			28,03,568
	9. Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings.		
4,05,62,278	As per last Balance Sheet.	4,47,87,593	
65,19,100	ADD Investments made during the year.	1,87,40,833	
4,70,81,378			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—)22,93,785	Sale of Investments.	(—) 1,53,21,000	
4,47,87,593			4,82,07,426
	10. Pension Reserve Fund for the Employees of the Corporation.		
5,85,12,541	As per last Balance Sheet.	6,84,29,455	
1,52,79,300	ADD Investment made during the year.	4,39,11,504	
7,37,91,841			
	LESS Realisation on Maturity or		
(—)53,62,386	Sale of Investments.	(—) 3,37,60,000	
6,84,29,455			7,85,80,959
1,22,06,05,352	Total Carried over.		1,43,19,95,895

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,33,29,834	Total Brought Forward.		2,74,11,12,641

2,21,33,29,834	Total Carried Over.	2,74,11,12,641

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,22,06,05,352	Total Brought Forward.		1,43,19,95,895
	11. Provident Fund Deposit Linked Insurance Reserve Fund.		
—	As per last Balance Sheet.	—	
—	ADD Investments made during the year.	75,063	
—	Deduct Realisation on Maturity or Sale of Investments.	—	
—			75,063
	12. Compassionate Reserve Fund.		
—	As per last Balance Sheet.	—	
—	ADD Investments made during the year.	9,999	
—	LESS Realisation on maturity of Sale of Investments.	—	
—			9,999
1,22,06,05,352	Total Carried Over		1,43,20,80,957

Previous Year (1976-77)	Liabilities	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
2,21,33,29,834	Total Brought Forward.		2,74,11,12,641
2,21,33,29,834	GRAND TOTAL		2,74,11,12,641

NEW DELHI
Dated : 31st May, 1978.

Previous Year (1976-77)	Assets	Amount	Total
Rs.		Rs.	Rs.
1,22,06,05,352	Total Brought Forward.		1,43,20,80,957
	13. Emergency Reserve Fund.		
11,00,00,000	As per last Balance Sheet.	20,75,00,000	
11,75,00,000	ADD Investments made during the year.	9,18,47,207	
(—)2,00,00,000	Deduct—Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)1,60,00,000	
20,75,00,000	General Cash Balance		28,33,47,207
36,83,00,000	Investment as per last Balance Sheet.	72,83,10,000	
62,06,60,000	ADD Investments made during the year.	45,42,21,370	
98,89,60,000			
(—)26,06,50,000	LESS Realisation on Maturity or Sale of Investments.	(—)22,30,00,000	
72,83,10,000		95,95,31,370	
25,51,026	Cash in Hand.	26,98,063	
5,43,63,456	Cash with Bankers.	6,34,55,044	
5,69,14,482		6,61,53,107	
78,52,24,482	Total Cash Balance.		1,02,56,84,477
2,21,33,29,834	GRAND TOTAL		2,74,11,12,641

Sd/-
(M. L. Sobti)
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer.
Employees' State Insurance Corporation.

APPENDIX XXII

Administrative Cost compared with Benefits paid etc.

	1972-73	1973-74	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78
			(IN RUPEES)			
I. Total Administrative Cost	4,40,34,287	7,34,57,795	6,60,68,976	7,77,62,505	8,77,45,918	9,55,40,440
II. Contribution						
(i) Employers' and Employees' Shares	—	20,37,86,214	60,34,74,995	73,15,86,339	1,23,61,94,824	1,31,11,81,105
(ii) Employers' Share only . .	39,61,61,207	21,41,95,502	2,16,80,542	1,78,07,427	93,97,151	25,97,022
(iii) Employees' Share only . . .	19,16,27,812	22,76,57,964	1,00,74,058	1,00,09,537	1,07,22,754	48,90,539
(iv) Interest.	—	—	—	—	1,78,865	5,97,322
Total :—	58,77,89,019	64,56,39,680	63,52,29,595	75,94,03,303	1,25,64,93,594	1,31,92,65,988
III. Total Expenditure on Revenue Account	47,23,75,970	59,90,70,572	62,49,05,056	75,58,05,845	1,01,91,84,702	1,17,71,52,092
IV. Total Benefits.	37,13,48,489	45,14,88,325	46,45,26,360	57,23,86,508	70,85,36,816	87,03,56,722
Percentage relationship of Administrative Cost to :						
Contributions	7.50%	7.72%	10.40%	10.24%	6.98%	7.24%
Expenditure on Revenue Account	9.32%	8.32%	10.57%	10.29%	8.61%	8.12%
Benefits	11.86%	10.04%	14.22%	13.59%	12.38%	10.98%

Note: —IV does not include Share of Medical Benefit expenditure borne by the State Governments.

[No. Z-16016/1/79-HI]

HANS RAJ CHHABRA, Dy Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1980